

| 5 | جلاحق ملیت برائے مکتبدار سلان محفوظ بین مکتب ارسلان کونوظ بین مراح کار بی در کار اور بازار، کراچی در کار کار بی دون نام کتاب سیست الله سیست کر لو تر مین بین مین المیشر مین مین المیشر مین مین اختر میمن اختر میکن از میکند از  |   |
|---|---|---|
| 1 | اشاعت اوّل من <u>200</u> 7 .<br>اشاكسك نفيس اكي <b>يري</b> اردوبازار ، كرا <b>چی _ فون</b> : 2722080  |   |
| 2 | کواچی: کتب خاند مظهری کلفن اقبال نبر 2 وفن: 4992178 نشر اکی نی اردوبازاد دکرا پی ایت کتب خاند مظهری کلفن اقبال نبر 2 وفن: 4992178 نشر اکی نی اردووبازاد دکرا پی ایت المبال مدد ) ـ اسلای کتب خاند زد دونوی کاون ـ بیت الکتب مخن اقبال نبر 2 وفن: 4975024 مکتب التر آن ، دنوی کاون فین: 4975024 مکتب الروبازاد دکرا پی فین: 4974034 مکتب مرادوبازاد در کما پی فین: 4974034 مکتب مرادوبازاد در کما پی کتب محمد الدوبازاد در کما پی کتب محمد الدوبازاد در کما پی کتب محمد الدوبازاد در کاوبی بید می کتب میدایم فیمیدا در وبازاد ادر کابود ـ اور در اداده اسلام بیات تا در کمی بازاد در کاب میداد در بازاد در کابود ـ میدایم فیمیدا در وبازاد در کابود ـ در کمیت در کیت در کیت در کیت در کیت در کمیت در ک | 5 |









#### فعرست مضامين

|   | مرابعه معاديات |   |  |  |  |
|---|----------------|---|--|--|--|
| , | منختبر         | مضمون   |  |  |  |
| • | 17             | 🖈 مير بند بو آ جا الوث آ                      |  |  |  |
|   | 20             | الله الله الله الله الله الله الله الله       |  |  |  |
|   | 23             | 🖈 ول كاسكون! مرف الله سے دوى ميں ہے           |  |  |  |
|   | 25             | 🖈 حفرت على 🚓 كي تقييحت إول كوزنده كر          |  |  |  |
|   | 2€             | 🖈 دوسری نفیحه: !موت کویا در که                |  |  |  |
|   | 27             | 🖈 تيىرى قىيحت! قوم كے عمر قاك انجام پر فور كر |  |  |  |
|   | 28             | 🖈 چۇتتى ھىيىخت! قىركى تامانى كوندىمولنا       |  |  |  |
|   | 28             | الم يانج ي العيحت إدنياك لئي آخرت كوند يجنا   |  |  |  |
|   | 29             | 🖈 کل کے حماب ہے آج کی تیاری کراو              |  |  |  |
|   | 30             | 🖈 كىدب يركر لدب يو؟                           |  |  |  |
|   | 31             | 🖈 قبری خوفتاک گری                             |  |  |  |
|   | 32             | 🖈 حفرت عائش کی خاوت                           |  |  |  |
|   | 33             | 🖈 حغرت سليمان الظيرة كالنعاف                  |  |  |  |
|   | 34             | 🖈 معدین معاذی کی موت پرالله کاعرش بل کمیا     |  |  |  |

| منخبر | مضموان  |
|-------|---|
| 35    | 🖈 جنتيول كاحن وجمال                                     |
| 36    | 🖈 سود کھانے ہے ج  |
| 37    | 🖈 دو چون کا جمگزا                                       |
| 38    | 🖈 زبیده کی دینداری                                      |
| 39    | 🖈 کچ بولنے پر جنت کا دعدہ                               |
| 40    | 🖈 آپ 📆 پیشین گوئی                                       |
| 41    | 🖈 دنیا کی آنگه خورکونین دیکه سنتی                       |
| 42    | 🖈 اثرانگیزدعا   |
| 43    | 🖈 مال کی حفاظت بذر بیدر کو ة اواقعه                     |
| 44    | الم لوگول كي مياد الله الله الله الله الله الله الله ال |
| 46    | 🖈 حفرت علی 🚓 کی بهاوری                                  |
| 49    | المنانوا محمدى وردى ميس آجاك                            |
| 50    | 🖈 پیسے لئے مال کے آل کامنصوبہ                           |
| 51    | اشاره پردوده کی نهری بهدرسد                             |
| 52    | الله حياوكي بركت مستسسست                                |
| 53    | 🖈 حفرت مرده کی دنیا سے بر بنتی                          |
| 58    | 🖈 ظلم ہے بحواداقعہ                                      |





| ±              | منحنبر | مضمون   |
|----------------|--------|---|
|                | 60     | الم مخراورومران ول  |
| <u>revani</u>  | - 61   | 🖈 الله کی محبت کاذا نقه   |
| dis.           | 62     | 🖈 آج کی عورت کا المیہ   |
|                | 63     | 🖈 ياالله تى واحدآخرى سهارا بے   |
|                | 65     | 🖈 حضرت الوب القليلى يارى كالذكره  |
| 利性             | 66     | 🖈 جموث بولنااوردازهمي منثروانا دو كناه  |
|                | 67     | الله منظرو الله منظمة الله منظمة الله منظمة الله منظمة الله منظمة الله منظمة الله الله الله الله الله الله الله الل   |
|                | 68     | 🖈 دنیا قیمی نہیں بلکہ دین قیمتی ہے  |
|                | 69     | 🖈 ایک بچکاببلول ہے مکالمہ   |
|                | 70     | 🖈 حفرت سالم کی دنیا ہے بر عبق   |
|                | 71     | 🖈 خلیفهواثق بالله کی عبرت آنگیز موت   |
|                | 72     | 🖈 حفرت شإندعا بدوكا تصه   |
|                | 73     | 🖈 طلال تقمه کی برکت   |
|                | 74     | 🖈 سزاش الله کا قانون  |
| <3 <u>0</u> 50 | 75     | 🖈 حفرت جرير بن عبدالله كله نوف خدا  |
|                | 76     | الم عمر الله عن الله عنه الله على الله على الله عنه الله عنه الله عنه الله عنه الله |
| 6J             | l 77 i | ا 🕁 انهانی دل یکی وسعیت .   |

| مغنبر | مظمون                                     |   |
|-------|---|---|
| 79    | 🖈 دنیاامتحانگاه ہے                        |   |
| 81    | 🖈 نماز کی اہمیت اور اسرائیلیوں کا خوف     |   |
| 82    | 🖈 ول كونغض وكينه سے پاك ركھنے كا انجام    |   |
| 84    | المان کی الی اولاد کو نسیحت               |   |
| 85    | امت وسط كيليح دنياكى جرجيز غلام بن جاتى ب |   |
| 86    | 🖈 ايك محالي 🗞 الجيب مدقه                  |   |
| 87    | الم معرت عرف اوراتباع سنت                 |   |
| 88    | 🖈 حضور هاکی دعا کی برکت                   |   |
| 89    | ☆ حقيقت دنيا                              |   |
| 90    | 🛠 بحيائي پرعذاب                           |   |
| 93    | الم تموزی م ریا مجی شرک ہے                |   |
| 95    | 🖈 انسانی جهم کا حفاظتی نظام خدا           |   |
| 97    | الله كومنالو                              |   |
| 98    | 🖈 گنگارول کے لئے خوشخری                   |   |
| 99    | 🖈 سيونگ اكاؤن فتم كرادو                   |   |
| 101   | 🖈 حعرت عائش اور فكرآ خرت                  |   |
| 102   | 🖈 ولی کی محبت کااژ                        | ľ |









| •        |        |  |
|----------|--------|--|
|          | منخنبر | مضمون  |
|          | 103    | 🖈 ميرے بندے ميرى ان كريال                              |
| ( 'EVA') | 104    | 🖈 اینے کریم رب کے حضور جمک جا                          |
|          | 105    | 🖈 موكن كادل الله كا كمر                                |
| An       | 106    | 🖈 هماینه وجود کوالله اور رسول کی مرضی پر دٔ الناسیکمیس |
|          | 107    | 🖈 حمرت کا بحان پرفرشتوں کی خوثی                        |
|          | 108    | 🖈 में हार्क न्या है ।                                  |
|          | 109    | 🖈 سورج!الله کی نشانی                                   |
|          | 111    | 🖈 بوااالله ي نشاني                                     |
|          | 112    | 🖈 ملكفور جهال كاويران مقبره                            |
| ۸        | 113    | 🖈 ملاهر من ممتراباطن من ميرا                           |
| \$       | 114    | 🖈 بغيرا فجن والاجهاز اير نده                           |
|          | 115    | 🖈 ولول شرعبت الله تعالى على السيسيسيين                 |
|          | 116    | 🖈 مرنے کے بعد کیا ہوگا؟                                |
| <b>1</b> | 118    | الله الله عن الله كانشانيان                            |
| SA PO    | 119    | 🖈 ہوئے نامور بے نثال کیے کیے                           |
| ( Sink.  | 1:     | 🖈 كياآپ قبر كامتحان كے لئے تياريس؟                     |
| 8        | 123    | 🖈 مىلمان قرآن كى نظر ميں                               |

| صخيمبر | مضمون                                       |
|--------|---|
| 124    | 🖈 الله کی مهلت اور مهاری بغاوت وسر تشی      |
| 125    | 🖈 ذروذروالله کی تیج کرتا ہے                 |
| 127    | 🖈 میان بوی می الزائی پرشیطان کی خوشی        |
| 129    | 🖈 موت کے بعد پہ طح گا کہ کیا کھویا کیا پایا |
| 130    | 🖈 الله کې نارانمنگي کې نشانيان              |
| 131    | 🖈 شهدى كمى الله كى نشانى                    |
| 133    | 🖈 دوزخ کادبشتاک منظر                        |
| 135    | 🖈 انسان کی پیدائش کامقعد                    |
| 137    | 🖈 فاحشے ولیہ بننے کا سفر                    |
| 140    | 🖈 پترنما پیل می قدرت خدادندی                |
| 143    | 🖈 محابد 🎝 اورفكرآ خرت                       |
| 145    | 🖈 اللدكااي بندے عظاب                        |
| 147    | 🖈 آپ 🚯 افرمان: صدقه سے علاج کرد             |
| 148    | 🖈 یں تھے یاد کرتا ہوں تو جھے بھول جاتا ہے   |
| 150    | 🖈 مال کے پیٹ میں روزی کس نے دی؟             |
| 153    | 🖈 كاميابانانكون؟                            |
| 155    | 🖈 ونیا کڑی کا جالا ہے                       |













|             | منختبر | مضمون  |
|-------------|--------|--|
| 600         | 156    | 🖈 كنرے شفاكانخه                                    |
| ( A A )     | 157    | 🖈 تى توبەكى ضرورت                                  |
|             | 160    | 🖈 محابد 🚓 کی کیفیت نماز                            |
|             | 162    | الله كايرنورد بدار                                 |
|             | 164    | الله كا كما كراس كوناراض كرنا كهال كاانساف ٢٠٠٠٠٠٠ |
| A.          | 165    | 🖈 جنت کے انو کھے پرندے                             |
| 71-         | 169    | الله مرب بند يجوي عابها مون: توده كر               |
| (A)         | 171    | 🖈 الله كرواسطي! اينا اظلاق بناكو                   |
|             | 173    | 🖈 عبدالملك كي حسرت! موت كي وقت                     |
|             | 174    | 🖈 برطرف الله کے جلوبے                              |
|             | 176    | 🖈 جان سے زیادہ محبوب نی کھاکی شان                  |
| The part of | 179    | 🖈 جنت کی چانی!انو کماواقعه                         |
|             | 184    | ÷ بلی کر بیت ک نے ک؟                               |
|             | 185    | 🖈 وعاكى بركت سے فيبى نظام مى حركت                  |
| ্র্পুন্ত    | 186    | 🖈 الله اور رسول کی تعریف سیکھو                     |
|             | 187    | 🖈 بوز مع ملمان سے اللہ کا بیار                     |
| 10          | 188    | 🖈 حضرت معاویه در این جنازه پرفرختول کی آید         |

|       | ·  |
|-------|--|
| مغنبر | مضمون  |
| 190   | 🖈 حفرت آدم علية كالمحتن  |
| 191   | 🖈 بوز معملان پرالله کاروت  |
| 192   | الم رفت انكيزد عا  |
| 195   | ☆ بوقادنيات دلندكانا   |
| 196   | 🖈 الشاوراس كرسول على عدوقا كرو   |
| 198   | المنظم بالشيخ اورائم شرجا كيس بيوفا كي بيسيد   |
| 199   | र्फार्य में देशका के   |
| 200   | 🖈 الشكى پكار! آجادة بين  |
| 202   | الله مب الله الله الله الله الله الله الله الل   |
| 202   | ﴿ كَالْمُوْتِم بِينَ   |
| 203   | 🖈 نجات كادا حدرات  |
| 204   | الم معرفة الماري والماركي والماركي والماركي والماركين وا |
| 207   | 🖈 قولت دعام بتاخر کی دھیا ۔  |
| 210   | 🛕 حغربة جعفر عليه كارشاه به كون  |
| 211   | 1. Trismalica = 20 st  |
| 212   | Compliant to   |
| 21.   | 🖈 دل په سرغېرالله کونکال د .   |
| 1 4'  |  |









11

www.besturdubooks.net

| •                    |        |  |
|----------------------|--------|--|
|                      | منخنبر | مضمون                                      |
|                      | 214    | 🖈 معافی کااعداز                            |
| - AMAY               | 215    | 🖈 توبه:الله سے دوئ كارات                   |
|                      | 217    | ☆ انوکماسافر                               |
| *                    | 218    | 🖈 گنامول پر عدامت کی برکات                 |
|                      | 219    | 🖈 شیطان کے بار                             |
| X                    | 220    | 🖈 رات کورونے کی لذت                        |
| 信                    | 221    | 🖈 جدائی کا گھر                             |
|                      | 222    | 🖈 انجمول کاحن اور حکم                      |
|                      | 224    | الله کی وسعت معانی                         |
| •                    | 226    | الله محكمه بوليس كاواقعه                   |
| N. A.                | 228    | 🖈 جنت ادرجنم کے ایک مجمو تکے کا اثر        |
| -                    | 230    | 🖈 ایک محانی کاموت کے دفت کلم طیبہ نہ پڑھنا |
| 1                    | 231    | ☆ موت كامقا بله كوني فيس كرسكا             |
| 9                    | 232    | 🖈 خالقیت باری تعالی                        |
| ~3 <mark>1</mark> 60 | 233    | 🖈 دنیاز ندول کامقام ہے                     |
| 12                   | 234    | 🖈 قوم لوظر پرخوناک عذاب اقبی               |
| 12                   | 235    | 🖈 مولانا کے والدصاحب کا واقعہ              |

Best Urdu Books

| مغنبر | مضمون   |
|-------|---|
| 236   | 🖈 كعبيش ايك بدوكي حي و يكار                     |
| 237   | 🖈 اٹی نظر کے چیکے کیلیے اولا دکوز ہر پلارہے ہیں |
| 238   | 🖈 سود کا گناه اورالله کی نارانسکی 🚃             |
| 239   | 🖈 سيدنا عنان غن 🚓 کي نماز                       |
| 240   | الم تعلیم کی ایمیت                              |
| 241   | 🖈 گھرآ خرت                                      |
| 243   | 🖈 الوجهل كوعذاب مينيينينين                      |
| 244   | 🖈 احماس آخرت                                    |
| 245   | 🖈 ئەزىمىن آسان سے بىزاجا تور                    |
| 246   | 🖈 جنتی زیور                                     |
| 247   | 🖈 حفرت الوذر مفاری 🚓 کا انتقال                  |
| 248   | 🖈 بن دیمے مہانوں کے لئے انظام                   |
| 251   | 🖈 آپٹے نے مرکز مجی سخاوت نہ چھوڑی               |
| 251   | 🖈 اتن زير د كامال                               |
| 252   | 🖈 حضور 🕮 والأغم اور ہم                          |
| 256   | 🖈 چگيزخان کا تذکره                              |
| 258   | 🖈 لخکر صحاب کاسمندر یس سے پار ہوتا              |











| <u> </u> | منختبر | مضمون   |
|----------|--------|---|
|          | 260    | 🖈 سليمان الطيخ بخت بلقيس اورصا حب علم كا قصه  |
|          | 261    | 🖈 محرنمازوں سے نہیں میٹھے بول سے آباد ہوتے ہیں  |
|          | 262    | 🖈 مسلمان کی قدرو قیت  |
| u        | 263    | 🖈 طانت علم ربانی  |
|          | 264    | 🖈 هر چزموت کی آغوش میں  |
|          | 266    | 🖈 ایک عبرت آموز واقعه   |
|          | 271    | 🖈 بےدفائی دنیا کی فطرت ہے   |
| <i>.</i> | 272    | 🖈 حضرت عمر بن عبدالعزيز كاايمان افروزوا قعه   |
|          | 273    | 🖈 خلیفہ بننے سے پہلے کے حالات   |
|          | 274    | 🖈 تملیغ کی محنت مذکرنے کا انجام   |
| AA       | 275    | الم ونياض جنت كاروانه   |
|          | 276    | 🖈 حفرت علی کارشادشان عمر کارشد ش  |
|          | 277    | 🖈 سوآ دميول كي قاتل كي توبيكا قصه   |
|          | 279    | 🖈 ولي د كه، درد كا ظهار   |
| 23180°   | 280    | 🖈 دنياكادموكه   |
| First    | 282    | 🖈 فضائل وكمالات عمر الله المستعمر الله المستعمر الله المستعمر الله المستعمر المستعر المستعمر المستعمر المستعمر المستعمر المستعمر المستعمر المستعمر |
| 15       | 283    | 🖈 فرانس میں اسلام کی مقبولیت  |

| مغخبر | مضمون   |                   |
|-------|---|-------------------|
| 284   | 🖈 بزارول سال بعد محى يحي المنظرة كاجتم سالم ربا   |                   |
| 285   | 🖈 محرای کاسامان بمیں محراہ نہ کرسکا   | [0]               |
| 286   | الله ميرل لكان والكاواتعه المساسية  |                   |
| 287   | 🖈 محانی رسول رستم کے دربار میں  | , <b>Q</b> 4:-4:- |
| 290   | 🖈 بحرى كا بچهو ۱۰۰ امحابر كے كئے كافی ہو كيا  | 7                 |
| 292   | 🖈 باپ كال في في بين كوموت كانواله بناديا  | 7                 |
| 293   | 🖈 كروژ مچىليون كى خوراك ايك مچىلى نكل مئى   |                   |
| 295   | 🖈 تكبرنے محدث كوميسائي مناديا   |                   |
| 298   | 🖈 ایکسال کروزوں پرایک مدیث سناؤں گا   |                   |
| 299   | الله كي في ما اقت   | $\lambda$         |
| 301   | الله كا حكامات كونا فذكر في يركتيس  |                   |
| 303   | 🖈 جوتیرارب ہوئی میراجمی رب ہے   |                   |
| 304   | الم شركتالي كرني كانتخ  | 4                 |
| •     |   | - W               |
|       |   |                   |
|       | جن احباب کواس کتاب سے فائدہ ہوتو وہ احتر کے مرحوم بھائی<br>حافظ محمد اکبر (عر۲۷ سال) کواچی دعاؤں میں یادر کھیں۔ | ୍ଦ୍ର              |
|       | 20-11-01-01-01-01-01-01-01-01-01-01-01-01   |                   |





### ميرے بندے تو آجا! لوٹ آ

ميرے بمائيو!الله تعالى يكار د با بسن الله ...ا ايميرے

بندے! من تیرے انظار من بیٹا ہول...

ایم تیر انظاری بینها بول...
ایم تیر انظاری بینها بول...
د. من تقوب الی تلقیته من بعید...
تر میری طرف آ... یس آگ بود کے تیرا استقبال کردن گا... آجا آجا... اس کا نات کے رنگ و بوسے دحوکہ نہ کھا... میں تیرے انتظار میں

...من اعرض عنى فناديته عن قريب...

محرمرف ينس كرجويرى طرف آئے كالس اى كابول ....

جوجھ سے روٹھ کے منہ موڑ کے جائے...اسے بھی ٹیس چھوڑ تا ہول ...اس كى بحى يحيے جاجا كے بلاتا موں كه آجا آجا... بم تيرے لئے راين

بچائے بیٹے ہیں... ہم تیرے لئے دروازے کولے بیٹے ہیں... تو جب

مجى آئے گا تيرى توبقول بى ...اين كنامول سے ندور... ناميدندمو...

سارى زين كتابول سے مرد س... كوئى مرسكا بي؟...

سارے پہاڑوں کو تیرے گناہ دبادیں...سورج ما عد کی روشی کو تیرے گناہ چھین لیں اور اسے کالا کردیں...ستاروں کی جململا ہٹ چھن

www.besturdubooks.net





جائے... اور تیرے گنا ہوں کی گندگی آسان کی جہت کے ساتھ لگ جائے ... کفرشتے بھی گنا ہوں کی بد بو سے پریشان ہوجا کیں... پھر بھی میں وہ رب ہوں... کہ تیرے ایک بول پر کہ 'یا اللہ معاف کردئ'... میں تیرے



سارے گناہ معاف کردوں گا مجھے کوئی پرواہ نہ ہوگی .... مرم میں مارک میں میں میں ایک میں میں میں میں اقتصاد میں میں ا

میرے بھائیو! ہم اللہ کی ماننے کے جذبے کے ساتھ زعدہ رہیں.. ہماراکوئی اور جذبہ نہ ہو....

...ان صلاتي و نسكي و محياي ومماتي لله رب العالمين...

ميراجينا...ميرامرنا...

میری جان ... میرامال ...

میری بندگی ... میراسب کچھ تیرے گئے ہے ...

مِن تيرا ہو ڪيا....

میرے بھائیو! اللہ کا بن کے رہنا ہی زعرگی ہے... ورنہ کوئی زعرگ نہیں... ویکھوٹا کتنا کریم ہے... ہمارے گناہ پڑھتے ہیں...اس کارتم پڑھتا میں مداری دلر کی ردھتی ہے اس کی چشم روشی ردھتی ہے۔ جاری ہے

ہے... ہماری دلیری بوحت ہے...اس کی چٹم پوٹی بوحت ہے... ہماری بے حیائی بوحت ہے...اس کی حیا بوحت ہے... ہم دلیر ہوتے ہیں...وہ پردے

ڈالا ہے... ہم گناہ کرتے ہیں... وہ چمپاتا گھرتا ہے... کہ تیرے گناہ کا

سمى كوپية نەچل جائے....

اوراس امت کے ساتھ تو خاص معاملہ ہے ... قیامت کے دن اللہ کا www.besturdubooks.pet









18

حبیب ﷺ کے گا: یااللہ! میریامت کا حساب میرے دوالے کردے...اللہ تعالی فر مائیں مے کیوں؟... کہیں مے ان کوشرمندہ نہ ہونا پڑے کی کے

الله تعالی فرمائیں کے جب آپ حساب لیں کے ... تو تیرے سامنے تو شرمنده مول مے كرنبيں مول مى ... ميں تحقي حساب لين نبيس دول

گا... من خودان كا كيلے يرد عي حساب لے كے فارغ كردول كا...

مدیث یاک بی آتا ہے ... کہ جس آدی کدول بی رائی کے دانے کے برا پر تو کل اور بھروسہ ہوگا... تو وہ پانی پر چلے گا... تو پانی اس کوراستہ دے

كا...اس كو دُبونيس سكے كا....

...لو كسان لا بسن آدم حبة الشميسر من اليقين ان

يمشى على المآء ...

...الله ہے ایناتعلق بنالیں ....







#### تواضع سے اللہ ملتا ہے! واقعہ



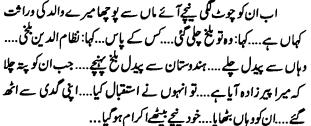
شاہ عبدالقدوس گنگوہی بہت بڑے چشتیہ سلسلہ کے بزرگ گزرے بیں ان کا بیٹا کوتر باز اور ان کے خلیفہ چلے گئے گئے آیک مرتبدا یک میراثی نے ان کے بیٹے کو بہت کھانے کے لئے بیر کا بھیس بدلا اب وہ چند پہنا ہوا آگے آگے چلنے لگا اور اس کے بیچھے بیچھے مرید…آگے وہ پیر بن کے جارہا ہے ….



توانہوں نے اوپر سے دیکھ کر نداق کیا کہ بیمیرا میوں نے گدیاں کب سے سنعیال لیں .... تو اس میراثی نے کہا کہ جب سے گدی والے نے کوتر

سنبالے...میرافیوں نے گدیاں سنبال لیں.... یہ وراثت نہیں ہے کہ عبدالقدوس کا بیٹا شاہ عبدالقدوس بن جائے.... جو جان لگائے گا اس کو ملے

كا ... جنيس لكائے كا كمراه بوجائے كا ....





بوجها:بياكية ع موا ....

20

كها: حي مين تواييخ باب كي ورافت ليني آيا مون .... فرارگ بدل کیا.... کمڑے ہو گئے.... ایک لات ناری... اٹھ جا

يهال سے .... يا تواس كوگدى يە بىھاليا يالات مارى انھويهال سے .... چل تو

دري رِجا كرييش ....و بال سے اشاما جوتوں ميں بشماديا....اور پھر كئي دن يو حِما ې نېيس که کون تھا کون نېيس تھا....

محرکہا: اس کا بستر ہارے اصطبل میں لگا دو.... محور وں کے اصطبل میں بستر لکوایا....ایک طاق دے دیا....ایک جمولی دے دی....اور پھراس میں بٹھا کر ذکر میں نگا دیا...ایک سال ذکر کروایا...ایک سال کے بعدایک

باندی کو بھیجا....کہا: اس کے باس سے محوث کی لید لے کر گزرو....اوراس کے سامنے گرادو... تو دیکھوکیا کرتا ہے...

تواس نے لید گرائی ... تو کہنے لگا: اعرامی مونظر نہیں آتا... اس نے آ کے بتایا کہ یہ کمہ رہا ہے...انہوں کہا کہ کم ہے...ایک سال اور گڑا دیا...

سال کے بعد پھراس کوٹو کرا دیا .... کہاس کے سامنے گرا دو... تو انہوں نے جا

کر گرایا....قراس کو بوں دیکھا بزی تیز نظروں سے بولے چھٹییں...بس يوں بى ديكماغصے ميں ...اس نے پحرآ كرناياتو كها كرائجى كم ہے...

ایک سال اور رگڑا دیا... تین سال گزر گئے.... پکڑی باعد ہے سے

آ دمی کو ورا ثت نہیں مل جاتی ہے.... جان لگائی پڑتی ہے تو ملتی ہے.... بید دنیا کی پکڑیاں نہیں ہیں ... کہ پاپ مرکئے سنے کو پکڑی باعد هدو ....





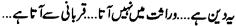




چل بمئيزين بمي ہوگئ...

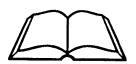
مل بمي بوگن...

كاروبار بحى موكيا...



تین سال گزر گئے.... پھر بھیجا با عری کو کہ اب پھراس کے سامنے لید گراؤ....اب اس نے لیدگرائی... تو وہ ایک دم اٹھ گئے کھڑے ہوگئے....اور ساری لیدا ٹھا کر دوبارہ اس کے ٹوکرے میں ڈالی..... پھرٹوکرا خودا ٹھالیا کہ کہاں لے کر جانا ہے .... مجھے بتاؤ میں چھوڑ کرآؤں .... تین سال میں سے تبدیلی آئی.... جب اس نے جاکر بتایا... تو کہاا تھا بس ٹھیک ہے ... تو اسکلے

ون بلواما....









# دل کاسکون! صرف الله سے دوستی میں ہے

میرے بھائیوادل کے تاروں کو ہلانے والا اور دل کے تاروں یہ نغمہ چميرنے والا جو بول ہے وہ موسيقى نہيں ہے.... وہ عورت نہيں ہے .... وہ شراب نہیں ہے .... دو جوانہیں .... دوسیر وتفریح نہیں ہے بلکہ دومرف ... لا اله الا الله ... بيده وتغميم جومرف دل كتارول كو تعيرتا باورسر

ے لے کریا وَں تک انسان اللہ کی محبت میں ڈوب جاتا ہے.... اس كى زعر كى كوايك نيا راسته ملائي السين المحسيل موتى بين الله الم

شايس موتى ميں يے اعداز موتے ميں يے رائے موتے ميں ....

زندگی الله کی تنم بیدار بی اس وقت ہوتی ہے جب الله کا تعارف ہوجائے.... اگرالله کا تعارف نہیں ہے تو ہیسہ ہیسہ ہیسہ .... یہ می کوئی زعم کی ہے .... یہ می

کوئی زندگی ہے کہ مرمراکے بیسہ دوسروں کے لئے چپوڑ کے چلے مجئے ... تو تبلیغ میرے بھائیو! اس پیغام حق کو دنیا میں پھیلانے کی محنت اور

كوشش ہے....خود دين پر آؤاور دوسروں كو دين بر آنے كى دعوت دو....

دوسروں کو دین پر لانے کی محنت کرو...اس کے لئے وقت نکالو....
جب امت میں تو زپیدا ہوگا تو اللہ تبارک و تعالی باطل کو ہم پر مسلط
دے گا.... ہماری عز توں کا راستہ مجمیتر، اورا طاعت ہے... ایٹم ہم بنا کے

د کیولیا لیکن مسئلہ تو حل نہیں ہوا...اب جو میں کہدرہا ہوں وہ کرکے دیکیداد کیونکہ ریمین نہیں کہرہا میں صرف ترجمان ہوں بات اوپر سے آربی ہے.... تو بیکرو....استغفار کرو...اللہ دنیا بھی بنائے گا اور آخرت بھی بنائے گا....



الله تعالی کهدم ایم توبر کرویس تمهارے لئے دنیا جنت بنادوں گا....
آخرت کی جنت الگ دنیا کی جنت الگ ... تو بولو بھائی کون چار مہینے کے لئے
تیار ہے ... توبہ بھی ٹوٹ جائے تو پریشان نہ ہونا پھر توبہ کر لیما ... شیطان
بہت بڑا دھو کے باز ہے کہ کیا فائدہ الی توبہ کا... جب کرتے ہیں ٹوٹ جاتی



جب الله تعالی خود که دمها ہے کہ جب توبٹوٹ جائے دوبارہ کرلومیں قبول کروں گا... تو مسئلہ تو اللہ کی طرف سے ہوہ بات توختم ہوگئ .... جب تک تمہیں موت کی پر چھائی نظرنہ آئے .... اس وقت تک میں تمہاری توبہ قبول کرتار ہوں گا...







24







میرے بھائیو! ایمان کا نقاضا ہے کہ دنیا بیچنی پڑے ج دو... پر آخرت كونه يچو....حضرت على 🚓 كى تقيحت سنو....ا يخ بيني امام حسن 🚓 جملهاس میں سے ایک ہے جو سنانا جا ہتا ہوں .... ورندساری آپ کو پڑھ کر سناتا... یا می به جب خفر لک چکا ہے... تلوار لک چکی ہے... جانے کا وقت

تو آخری دنت تھیجت ہے...

...اخي قلبك بالموعضة...

ميرے بينے دل كوزنده ركھنا....

كس سے؟الله كى باتيں من س كر ... البحى آ دھا كھنشہ يہلے آ سے تو كيفيت اور ... اوراللدكي آ دها محنث بات في توكيفيت اور ... بيكس لئے بدل محتى؟ ايمان كوتھوڑ اساياني ملاہے... بو كيفيت بدل تى...

توبيفر مار ہے ميرے بيٹے ہرونت الله كى باتلى سنتے رہنا...اس سے

دل *زنده رے گا...* 

...و لفرره بالحكمه...

...ر سر رہ ہوں ہے۔ اوراہے حکمت سے نورانی بنانا... حکمت ... اللہ کے نبی کی باتوں سے

اس كونوراني يتأنا...

...وقوةبا لذهد...

اوراپنے ول کوطاقتور بنانا.... دنیا کولات مارکر.... دنیا کو پرور میں ڈال کر.... دنیا کوٹھوکر مارکر... دنیا سے بے رغبت ہوجانا.... تیراول مضبوط ہو

جائےگا...

...وقرره بالفنا ...

اوردل كوروزان مجمانا كرتونے مرناب ... تونے مرناب ...

#### دوسری تقییحت! موت کو یا در کھ

...وضلله بالموت...

اورموت یاد ولا کراس کی لگام اپنے ہاتھ میں رکھنا....لگام دل کانہ چھوڑ ناور نہ بے قابو ہوجائے گا...لگام ہاتھ میں رکھنا کس طرح ؟موت یاد دلا کر...











### تیسری نصیحت! قوم کے عبر تناک انجام پرغور کر

...وحظره وسورةالدهر وتقلب اليالي والديام...

ادرایے آپ کوسناتے رہنا... بچیلی قوموں کے قصے جن کواللہ نے اٹھا كر فيخ ديا...زمين مين دهنسايا.... پقر برساكر مارا.... ياني كے طوفان سے

أرايا... بواول كيطوفان عضم كيا...

ان قوموں کے قعے...اپنے آپ کوساتے رہنا...کین جلال پور میں میں اس کے تیم اس کے سیادر میں کی تیم اور میں کا مقام ہے ....اور میں کی قوموں کے دو تعامیات ساؤ...

واقعات سناؤ...

...سرفی دیا رهم...

ان کے کھنڈروں میں جاؤ...

... والظرفي اثارهم...

ان کی ٹو ٹی دیواروں میں غور کرو....جاؤ ٹیکسلا میں.... ہڑپہ میں...

كيا شاى قلعه لا بور يس... جا دُ جا دُان د يوارول سے يوچھو...مغل

كت من كديد بميشة آبادر بي ك ... مغل كت من كان قلعول كوكوكى بلا نہیں سکتا... جا وان سے بوچھو...این حلوا... تمہارے بنانے والے کہال

علے معے؟ توتمہیں ایک دیوار یکارکر کے گیا....





...قد النتقلوا من دار الغر ونزل في دار الغربة... دہ ہمیں چھوڑ گئے ... ہم دھو کے کا گھرتھے ... جا کے سو گئے ... اندھیر كوفرى من ...وريان كمريس ...وحشت اورتنهائى كے كمرين جاكرسو كئے...



چۇ كىلى ئىلى يىلى ئىلى ئايى كونە بھولنا

...وانك لسرت كاحدهم ...

ميرے بيٹے ايك دن تو مجى قبرين جاكرسوئے كا... آخرى جمله اب سنو! جويش بتانا جا بها مول ...سارا قول حفرت على كا آپ كوسنايا...

### یانچویں تقیحت! دنیا کے لئے آخرت کونہ بیخا

"فلا ضبع آخرتك بالدنياك بل بع ديناك بالاخرتك" ميرے بيچ جب بھی د نيااورآخرت ميں کكر ہو....د نيانج وينا آخرت نه بیچنا... دنیا مچهوژ دینا.... آخرت نه حچهوژ نا.... که دنیا پهربهمی حچهوٹ جائے گی.. توتم دنیا چھوڑ نا آخرت نہ چھوڑ نا....اپنی دنیا کو چکو ے آخرت خرید لے والمراقب المحموث بول كرسودانه كرنا....سودية ل نه جلانا.... بيد نيا كوخريدا باورآخرت كو يچا ہے... بيد دنيا كوخر يدا ہے اور جنت كو پچا ہے.... كيا نا دان تاجر ہے جو

جنت کونیج ممیا.





### کل کے حساب سے آج کی تیاری کراو

میرے بھائیواعرب میں دستورتھا کہ بیٹیوں کو حصہ نہیں دیتے تھے.... اور ساری دولت اور جائیداد بیٹے اپنے قبضہ میں لے لیتے تھے .... ہمارے پنجاب میں بھی یہی ہے...



یں ابھی سردان ہے آر ہاہوں پٹھانوں کے ہاں بھی بھی ہور ہاہے...
اور میرے خیال میں پورے پاکستان میں بھی ہور ہاہے...کر بیٹیوں کو حصہ
نہیں دیتا ... اور زمیندار تو بڑے طالم ہیں وراثق جائیداد جب بہنوں کی
طرف نتقل ہوتی ہے تو وہ بھی پٹوار یوں سے مل ملا کراور بہنوں کو مجبور کرکے
ز مین اثر واکرا سے نام لگوا لیتے ہیں ...

اورالله کانی کهرد ہاہے کہ ... خد السحسساب و لا عسمل... کل حساب ہونے والا ہے ... اور عمل کوئی نہیں کرسکتا اس وقت ...

توجوسب سے بڑی آفت اور مصیبت ہے... کدانسان بید نیا چھوڈ کر جاتا ہے... کتنے ارمانوں سے آپ لوگوں نے گھر بنائے ہوئے ہیں... اور برخض نے بنائے ہیں حتی کہ چڑیا بھی گھونسلہ شوق سے بناتی ہے... ایک بیا ... ایک پریمہ چھوٹا ساوہ بھی بڑے ذوق وشوق سے شکھ اسمحے کرتا ہے... اور اینے لئے گھونسلہ بناتا ہے... کہ یہ ہر جاندار کی فطرت ہے کہ وہ رہنے کے اسپنے لئے گھونسلہ بناتا ہے... کہ یہ ہر جاندار کی فطرت ہے کہ وہ رہنے کے



لئے کوئی نہ کوئی محکانہ بناتا ہے گئے ادمانوں سے انسان گر بناتا ہے . پر خاموثی سے چھوڑ کرلوگوں کے کندھوں پر سوار ہوکر جاکرا عمر کو گھڑ ۔ ب سوجاتا ہے ...



### كس رب سي كر لے رب ہو؟

وه بادشاه جوسوتانېيں...

وه با دشاه جواد تکمتانبیس...

ووبادشاه جوعا فل نبين...

وه الله جوجالل نبيس...

ووالله جس کے اتھ شراکا

وه الله جو حاري كردنول كر.

ووالله جوجم كريشرية ادروئين روئين كامالك...

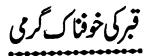
وہ اللہ جوجہم میں آنے والی چھوٹی سے چھوٹی تبدیلی پہمی نظرر کے جود گی ہے۔ چھوٹی تبدیلی پہمی نظرر کے جور گئے ہے۔ عرش وفرش جس کے سامنے کھلی کتاب کی طرح ہو ۔.. پھر لوث کر بھی اس کے پاس جاتا ہو۔ ای بادان اماث درجات اسلامی میں کہا کہ اسلامی ہے۔ ۔۔ کہتے ہیں کمیا کریں جی سسرال والوں کو بھی خوش کرتا ہے۔ ایک ا

لوگنبیں مانتے... تنہیں مانتادہ نہیں مات











میرے بھائیو! ہمارا اصل مسئلہ قبر کی گری ادر اند میرے سے بچنا ہے دہاں کی گری ہڈیوں کو بھی گلادے گی .... یہ دہی وجود ہے جس کو قبر کی خوفناک ای بھلادے گی ... یہ ہڈیاں بگسل جائیں گی ... ریز در بزو ہوجائیں گی ... بھرایک زماندآئے گا کہ ہم اس طرح بھلا دیتے جائیں گے جیسا کہ بھرایک زماندآئے گا کہ ہم اس طرح بھلا دیتے جائیں گے جیسا کہ

ہر ایک روحہ سے وہ کہ ہے۔ اس سری بعد دیے جو یں سے بہیں کہ دنیا میں آئے بی نہیں تھے۔۔۔۔ ہماری قبرول کے نشان بھی مث جا کیں گے۔۔۔۔ پھرایک دن بیٹے بیٹے زمین کروٹ بدلے گی نیچے کی مٹی اور کردے گی اور

اوپرکی نیچ کردے گی...



وه حیین جم ... وه با نکا جوان ... وه پهلوان ... وه شاه زوروشهروار جس کی بلوی کو قبر کی گری نے پیکھلا دیا... پھر ریزه ریزه بنایا... پھر مٹی بنادیا... بھی شنرادی تھی... آج اس کی مٹی نیچے سے او پر آئی اور او پر سے ہوا نے حملہ کیا... خونناک جمودکا آیا اور اس کے دجودکو ہوا میں بھری دیا... اور بید اس طرح نضا میں بھرگئی جیسے بھی فضا وال میں بھری ہوئی تھی ...

Sife

بياى طرح مث كى جس طرح بى يونى تى ... كمانى ختم بوئى بلك بملا دى كى ... بملائى كياكى بلك منادى كى ... اوراكى منائى كى جيد دنيا يس آئى بى نىتى ... كان لكم تكن بينى و بينك خلة ... اليدم كي جيد بمى

مل بیشے نہتے... فیلما تسفر قن کانی و مالک لطعل اجتماع لم نبت لیلامعه ... جب جدائیاں ہوئیں توالیے ہو گئے جیسے کوئی مل بیٹمائی نہ تھا...کس چزیر فخر ہے...

#### حضرت عا ئشگى سخاوت

...والمتصدقين والمتصدقت ...الله كنام پرخ ح كرنے

والعمرواورالله كيام برخرج كرفي والي عورتس...

حفرت عائشہ رضی اللہ عنہا کے پاس ایک لا کھ درہم حضرت معاویہ رضی اللہ عنہ نے بھیجا خود روزے سے تھیں ....خیرات کرنے بیٹے گئی...عمر

تك ايك لا كادر جم تقيم كرديا...

فادمہ نے عُرض کیا آپ کو پہ نہیں تھا کہ گھر میں فاقہ ہے ایک درہم اپنے لئے رکھ لیتیں کہ میں آپ کے لئے گوشت پکا دیتی... فرمایا مجھے یا دنہیں تھااس وقت بتاتی تو میں رکھ لیتی ... جس گھر میں فاقہ ہواس کو یا دنہ ہوا لیک بھی کوئی عورت دیکھی؟ کہا بٹی پہلے کیوں نہیں یا دولایا... تو میں ایک درہم اپنے

دی وروت روان به یا چهانده این به این اور پیر جم ل کر کھا لیتے ...









#### حضرت سليمان التليخ كاانصاف

سلیمان علیہ السلام کے پاس جھڑا آھیا تھا ایک بچے کا.... کہ دو بچے کھیل رہے تھے... ایک جھیل میں گر کر مرگیا.... اور ایک بیٹھا رہا.... دونوں عرق میں سے کہ کار میں میں کر کر مرگیا

عورتوں میں سے ایک کہنے گل کہ میراہے ....ودسری کہنے گل کہ یہ میراہے .... مواہ کسی کے پاس نہیں ...۔ کیمان الفیلا کے پاس لے کرآ کیں ... ایک کم

کہ میرااور دوسری کیے کہ میرا...

سلیمان القیلان نے کہا ایسے تو فیصلہ نہیں ہوسکا .... تو ایسا کرو کہ چھری
لے آئی۔..اس کے دوکلزے کرئے آ دھا ایک کودے دواور آ دھا دوسری کودے دو۔... ای کو دے دو بید اس کے دوکلزے مت کرو... سلیمان ل نے کہا اس کودے دو بید اس کا ہے تا تھا تا .... کہوں نہ چینی وہ کیوں چینی .... کیونکہ اس کا اپنا تھا تا .... کہوہ کشا کہاں دیکھ سکی تھی۔...



جس کانبیں وہ چپ رہی ...اور جس کا تھاوہ چنج پڑی ....تو وہ ماں جو ایس ج اپنے اس جذبات کا اظہار نہیں کر سکی ....تو یہ کیسے ہوسکتا ہے ..لو لا ان ربطنا

علٰی قلبھا.. ہم نے اس کے دل کو بند کر دیا مجت بی نظر نہیں آری ہے... تو رہائی اللہ ہے جومجت ڈالآ ہے ... میری ماں بھی جاگتی ہے باپ بھی جاگتا ہے ادم

پريمارانظام چل كرآ دى وجود من آتا ہے... پرآ دى پروان چ متا ہے...

## سعد بن معاذ ﷺ کی موت پر الله کاعرش ال گیا

سعد بن معاذ رضی اللہ عنہ جومصعب بن عمیر ﷺ وَلَا لَنے آئے تھے .

جب آپ صلی اللہ علیہ وسلم نے مصعب بن عمیر ﷺ کو مدینہ منورہ میں تبلیغ کے لئے بیجا تو معدین معاد دھ ان کو مارنے آئے ادرال کو تکا لئے آئے ....تم

مارے دین کوخراب کرنے آئے ہو....

جب ان کا یعنی سعد بن معاذ ﷺ کا انتقال ہوا تو جبرائیل آئے .... یا ر سول الله! آج کون فوت ہوا ہے؟ آپ ﷺ نے فرمایا پہتنہیں کہ کیا بات

ے؟ كماالله كاعرش الم كميا ہے ان كى موت پر...اھتىز عوض السوحى من بموت سعد ... حضور الله في المان سعد يمار تفا...اس كا پيتركرو.... پيتركيا

توان کا انقال ہوگیا تھا...تو آپ ﷺ حجد ہےالی تیزی کے ساتھ دوڑے ع محابر کرام اللہ کے جوتوں کے تعمیلوٹ گئے ... اور جا دری گر تمکیل ...

یارسول اللہ ﷺ! آپ نے تھکا دیا...آپ ﷺ فرمانے گلے جلدی کرو مجھے خطرہ ہے کہ فرشتے سعد کونسل نہ دیں اور ہم محروم ہوجا کیں .... بیکون ہے

يہ محد رسول اللہ ﷺ کے مانے والے ہیں... بیہ مقام اپنے پیمیے سے نہیں....

ا بی جائیداد ہے ہیں... مجمد الله کی غلامی سے حاصل کیا....

جب آپ الله پنچ تو کرے میں صرف آپ کی میت بڑی تھی اور کمرہ خال تھی .... آپ رہے ایسے داخل ہوئے جیسے کوئی مجمع کو چیرتا ہوا داخل ہوتا





ہے...سعد کے سر ہانے کے پاس جا کر بیٹھ گئے...آپ ﷺ نے فرمایا:اللہ ک فتم! سارا کمرہ فرشتوں سے بھراپڑا ہے میرے لئے کوئی جگہ نہ تھی...اس لئے یا دُن سکیٹر کر بیٹھا ہوں....

آج سعد کے جنازے میں ایسے فرشتے اترے ہیں جنہوں نے بھی زمین کوچھوانہیں ...ان کو اللہ نے بھیجا ہے کہ جاؤمیر سسعد کا جنازہ پڑھ کے آئی ... یوعزت محمد دیگا کی غلامی سے ملی تقی اور آپ بھی کی اطاعت سے ملی تھی ... سائنس کی ترتی میں کیاعزت ملتی ہے؟ حضور بھی کی غلامی میں دنیا میں بھی عزت اور آخرت میں بھی ابدالآ باد کی عزت ملے گی ...

#### جنتيول كاحسن وجمال

(3) 1/2

ساری دنیا حسن اوسف سے جرجائے تو ایک جنتی کا حسن اس سے زیادہ ہے اور پھر جنت کا حسن اور اللہ کے غیبی خز انوں کا حسن اکٹھا کیا جائے تو اللہ پاک کا حسن ان سب پر حاوی اور غالب ہے .... جب اللہ اپنے چرے سے پردہ اٹھائے گا جو جنت کی سب سے بڑی نعمت ہے ... سب سے اعلیٰ نعمت ہے کہ ان گناہ گارا تھوں سے اللہ اپنے بندے اور بندیوں کو اپنا دیدار کراکران سے جم کلام ہوگا ... ایک ایک کا نام لے کران سے خطاب کرے گا اے میری بندی ؛ کیا حال ہے خوش تو ہو؟ راضی تو ہو...





### سودکھانے سے بچو

میرے بھائیو!اللہ تعالی کہتاہے کہ میں سودکو کم کردیتا ہوں...ویسو بھی المصدقت...اورز کو قاور صدقے کو بڑھاتا ہوں...

بہت سے زمیندار بیٹھے ہیں عشرنہیں دیتے آج تو بہرکیں...ابھی جو

منجمی کا پییه گھر آیا ہے اس کاعشر دیں .... بیبوال حصفریب کودے دیں .... ایک لا کھ میں یا نچ ہزارغریب کودیتے ہوئے...کون می کڑی ٹوٹ جاتی ہے؟

الك لا هدال با في برار مريب ودي بوك .... وف مرار وت بال بيني كان من من مريب ودي بوك بيني الله في الله من من مريب الله في الله

اس کے غریب بندوں کو دے دو... نو تیرا کیا گرے گا... خریج پورے ہی نہیں ہو تر اس کی ہیں من مل کسے بورے ہول گے...

نہیں ہوتے...اس کی ہیں من میں کیسے پورے ہوں گے... سور و پییاللہ نے ہاتھ میں دیا... سال گزر کیا....سال فالتو پڑار ہا....

جوفالتو پڑار ہااس پراللہ کہدر ہاہے اڑھائی روپے مجھے دے دے...غریب کو دے دوں گا...اور تجھے دس گنا کر کے دینا میں واپس کردوں گا...اورآخرت میں بے حساب کردوں گا... کہتا ہے کہ گزارہ ہی نہیں ہوتا...

یں بے حساب مردوں ہیں۔ جہاہے کہ مرازہ ہی ہیں ہوں... تو بید معاملات کی توبہ ہے ... کہ یا اللہ میری توبہ ... کل سے شروع کردو.... لکلنا شروع کرو....اب آہتہ آہتہ نکل گئے... سارا دھل گیا...

کردو...نگفتا سروک کرو....اب اجتما استه مسته سند مساراو ک میا ... در میان میں موت آئی تو بھی معاف ہو گیا... تو تو بہ کرتے ہیں سارے؟ کی

بات ہے تا...اب الڈ کوراضی کرنا ہے تو یہ کے ساتھ ... \* www.besturdubooks.net













### دوجوں کا جھگرا

ہم ہم ہمی گئے تھے پتو کی ... وہاں ایک بیان تھا میرا بارروم میں ... تواس سے پہلے ہم وہاں کا جو تھا نتج اس کے کمرے میں بیٹھ گئے ... وہاں دو تین نج بیٹھے ہوئے تھے اور بھی ... توایک نج بڑے غصے میں تھا کہا تی میں گھرسے لا کر پیسے خرج کرتا ہوں ... پھر بھی انہوں نے میرے او پرالزام لکا یا ہے کہاں : تھے دیں سے کہ شرح کہا تھی۔

نے تمیں ہزارروپے کی رشوت کی تھی ...

وہ بڑا گرم... دوسرے بچی اس کوشنڈا کررہے ہیں... بیسٹم ایسا ہے ... بی نظام ایسا ہے ... جب وہ ان سے شنڈانٹیں ہوا تو میں پچی میں بولا ... میں نے کہا ایک بات آپ سے عرض کروں... میں نے کہا کچیٰ علیہ السلام کولوگ برا مجملا کہتے تھے.... ایک دن کہنے ۔ لگے یا اللہ! میں تو تیرا نبی ہوں.... انہوں نے نے جھے بھی نہیں چھوڑا... میری جان تو بچاان سے....

اللہ تعالیٰ نے فرمایا تو آزنی ہے .... میں تو تیرارب ہوں ....انہوں نے مجھے بھی نہیں بخشا ....میرا بیٹا بنا دیا .... تخصے کہاں چھوڑیں گے؟ تو وہ ایک دم ہنس پڑااورسارااس کی غصہ دور ہوگیا .... پھروہ بیان میں بھی آیا ...

سے کو کہیں ناں جمونا ہے تو اس کا دل کٹ کے رہ جا تا ہے ... بے گناہ کو کہیں تو فصور وار ہے تو وہ کھڑ ہے گئڑ ہے ہو کے رہ جا تا ہے ...

اس لئے آدمی بھٹنا ہے کہ بے گناہ کو گناہ کا رختم را دیا جائے ... بے شعبی تو اور کیا کرے گا... اس پراللہ فصور کو تصور وار مخم را دیا جائے ... بھٹے گانہیں تو اور کیا کرے گا... اس پراللہ نے معاوضہ بڑھادیا کہ تو جب کر ... جھے سے لے لینا... میں دے دوں گا... تیری رات کٹ جائے گی... آنے والی نہرات کے گئی ... آنے والی نہرات کے گئی ... آنے والی نہرات کے گئی ... نہوں نجھ سے لے لینا...

#### زبیده کی دینداری



### سچ بو لنے پر جنت کا وعدہ

...والصَّدقين والصَّدقت... سيِّج مرداور تجيءُورتين...

ایک صحابی ﷺ نے یو چھا: یارسول اللہ ﷺ! کیا مسلمان بدکاری کرسکتا

ہے؟ زنا كرسكا ہے؟ آپ ﷺ نے فرمايا: بوسكتا ہے...انسان ہے جوجاتا ہے... عرض کیا: یارسول اللہ ﷺ! کیامسلمان بخیل ہوسکتا ہے؟ آپ ﷺ۔

فرمایا: ہوسکتا ہے...

عرض كيا: بارسول الله على الميام ملمان جموث بول سكتا ہے؟ آپ على نے فر مایا: ہر گزنہیں مسلمان جھوٹ مجھی نہیں بول سکتا... مرد ہے یا عورت حموث نہیں بول سکتے...اب مردوںادرعورتوں میں جموث بولنا کتناعام ہوگیا

آپ ﷺ نے فرمایا: جوجھوٹ بولنا چھوڑ دے میں اسے جنت کے درمیان میں گھر لے کردوں گا... مجھ سے اس بات کی ضانت لے لوجو جموٹ بولنا چھوڑ دے میں اسے جنت کے درمیان میں گھرلے کر دوں گا... اور جو ۔ ا پنے اخلاق الچھے کر لے میری صانت لے لومیں اسے جنت الفردوس میں کھ

لے کردول گا...

# آپ لھاکی پیشین گوئی



ایک بدوآیا اور کہنے لگا: اے محمد الله ایس نے تیری باتی بدی عجیب

سني مين ... آپ الله نے فرمایا: کون ی؟...

1) ایک قریر کرآپ بھٹا کہتے ہیں ..... پیر ب اپنے باپ داوا کا دین چہوڑ دیں گے...

القراتور کہتا ہے کہ قیصر وکسر کی کے خزانے فتح ہوجا کیں گے ...

تیسرا بی تو کہتا ہے ہم مرکز بھو کے منتشر ہوئے پھر جمع کئے جا کیں گے... پھرزندہ ہوں گے... پھرکوئی جنت میں جا کیں مجےکوئی جہنم میں جا کیں گے.... یہ باتیں میری سجھ میں تونہیں آتی...

تو آپ ﷺ نے ارشاد فرمایا کہ تو ایک دن دیکھے گا کہ سارا عرب میرے دین میں آئے گا...قصر وکسریٰ فتح ہوں گے اور قیامت کے دن جب تو کھڑا ہوگا تو میں تیرا ہاتھ پکڑ کر...ولا ذک سونک مقالتک ... یہ تیری بات یا دولا دُن گا...اس نے کہا میں نہیں مانتا...وہ چلا گیا...

پھراس نے دیکھا کہ عرب مسلمان ہوگئے ...ادراس نے دیکھا کہ قیصر وکسریٰ فتح ہوگئے .... پھر دہ مسلمان ہوگیا .... پھر دہ مدینہ منورہ آگئے .... تو حضرت عمر ہے ان کے لئے کھڑے ہوجاتے تتھے....ان کا اکرام فرماتے



تے .... کہ بھائی تو وہ ہے کہ جس کا ہاتھ حضور ﷺ پکڑیں گے .... اور جس کا ہاتھ حضور ﷺ نے پکڑلیا تو جنت سے پہلے چھوڑیں گے نہیں .... جنت میں لے جا کر ہی چھوڑیں گے ....



تومیرے بھائیواوردوستو! یہ پیل کہ ہم آئے اور گئے....آپ اللہ فی نے فرمایا...یا اہا سفیان واللہ لتموتن ٹم لتبعثن ٹم لیدخلن محسنکم السجنة ومسیت کے النار فقد بلغت ک ...ا اے ابوسفیان! اللہ کی تم م سب یقیناً مرو کے سب یقیناً اٹھائے جاؤ کے.... پھرتم میں سے نیک مل کرنے والے جنت میں جائیا...

# د نیا کی آنکه حور کوئیس د مکھ سکتی



مری میں ہمارے ایک دوست نے خواب میں ایک حور دیکھی... تو تمن مہینہ تک بے ہوش رہا... سارے ڈاکٹروں نے پوچھا کہ کیا ہوا؟... تو کہا حورد یکھی ہے اور چھنہیں... تچی بات ہے... جب خواب میں نشہ طاری ہوگیا... تو ویسے دیکھ لیس تو کیا ہوگا؟... اس لئے ادھارر کھنا پڑا... جس حور کی انگلی کوسورج نہیں دیکھ سکتے ہیں...



# اثرانگيزدعا



اے اللہ! ہم تیرے ضعیف اور کمزور بندے...قدم قدم پر ڈگمگانے والے...اے والے...اے اللہ! ہم تیرے سامنے کو الے ...اے اللہ! ہم تیرے سامنے کو اول کا اعتراف کرتے ہیں... تجھے معاف کرتا پند ہے پوری امت کو معاف فر مادے...



اے اللہ! ہماری توبہ روز ٹوٹی ہے یا اللہ ایک آ کھ اٹھی ہے ہزاروں چیزیں گراہی کی نظر آتی ہیں اور کان ہزاروں ہر باد کرنے والی چیزیں سنتے ہیں....اے ہمارے ربہم کہاں چلے جائیں ساری تیری زمین آج ہمارے ظلم وستم سے بعر گئی ہے .... ہرگئی تیری نافر مان ہوگئی ہے .... ہرلستی سے تیری نافر مانی کی صدائیں آری ہیں...



اے اللہ! تو کتنا کریم ہے کہ تو بیسب و کھے کربھی مہلت دے رہا ہے...۔ ہے۔..۔ کا تیری عزت کو تیا ہی نہیں.... ہم تھے سے صرف اتنا ما نکتے ہیں کہ نہیں دوزخ سے نجات دے دے .... جہم سے نجات دے دے .... جے دیکھ کرفرشتے بھی روئیں گے.... یا اللہ! ہم اسے کہاں برداشت کر سکتے ہیں .... جے تو نے .... خود تو نے بحرکا یا ہو.... کھولا یا ہو... گورا یا ہو... ہم کرور جان اسے کہاں برداشت کر سکتے ہیں ۔... کھولا یا ہو... کرمایا ہو... ہم کرور جان اسے کہاں برداشت کر سکتی ہے...



# اے ہارے رب! ہارے دلوں پر نفس شیطانی قابض ہیں ہمیں ان سے نجات دیدے....



## مال كى حفاظت بذريعه زكوة! واقعه

سہار نپور میں ایک ساتھی کے گھر میں'' کھڑ کھڑ'' ہوئی تو دیکھا چور لگا ہوا ہے تالا تو ڑنے میں ...ان کی آ کھ کھل گئی .... کہنے لگے بھائی بیہ تالا دوآنے کا ہے اوراس میں جو پیسے پڑے ہوئے ہیں ان کی زکو قادا ہو چکی ہے .... میں تو سور ہاہوں صبح تک تہمیں اجازت ہے جوزور لگا سکتے ہولگا لو....

میح کی اذان تک وہ چورز ورلگا تا رہانہ وہ تالا ٹوٹا نہ دروازہ کھلا.... میں گھر کا مالک شیخ الحدیث مولانا محمد زکریا کے پاس آیا وہ سارا ماجرا سنایا.... فرمانے کے جس مال کی زکوۃ ادا ہوگی وہ ضائع نہیں ہوسکتا.... بینکوں میں ضائع ہوجائے گا....اللہ کے نبی کھاکا فرمان ہے کہ اپنے اموال کی حفاظت زکوۃ کے ساتھ کرو...







# لوگوں کے عیب چھپاؤ



ایک واقعہ سناتا ہوں....آپ صلی اللہ علیہ وسلم مسجد میں بیٹے ہوئے ہیں....ایک فض آیا کہنے لگایارسول اللہ! میرا پڑوی ہے اس کی مجور اسی جھک ہوئی ہے...اس کی چند شاخیس میرے کمر کی طرف آتی ہیں....مجوروں کے زمانے میں جب مجبوریں پک کرگرتی ہیں تو میرے نیچے اٹھا کر کھانے لگتے

يں ... توبيد و رُكراً تا ہے اوران كے منہ سے مجورين كال ليتا ہے ....

بیر صحافی نہیں تھا منافق تھا...لکن آپ ﷺ نے منافقوں سے بھی مسلمانوں والا معاملہ کیا مرتے دم تک .... حالا کد آپ ﷺ نے ان کے نام اللہ تعالیٰ اپنے نبی ﷺ سے کہدر ہاہے میں اللہ تعالیٰ اپنے نبی ﷺ سے کہدر ہاہے

تہیں تو پت ہے نا.... بیکون ہیں....کین آپ نے مرتے دم تک کی کونہیں نایا...مرف مذیفہ کو بتایا...

تا که اگریفقصان پینچانا چاہیں تو نشان دہی کرنے والا کوئی تو ہو...اور ن کو وصیت فرمائی کسی کومیرا راز نہ دیتا.... وہ مرتے دم تک...ایک وفعہ

نفرت عمر رضی الله عنه نے پوچھا.... کہا میں نہیں بتاؤں گا.... بیر میرے سینے میں .... حضرت حذیفہ کو سر رسول کہتے ہیں.... نبی ﷺ کے راز دار.... نبی

日本 المعالم المعالم

زید بن حرملدآئ کہنے گئے منافق تھ ... یارسول الله ﷺ! کلمدزبان بے نفاق سینے میں ہے .... کے دعا کرو.... آپ ﷺ نے اس کی

بان کو پکڑا اور فرمایا اے اللہ! اس کی زبان کوسچا کردے.... دل کوصاف کردے....اس کے دل میں میری محبت اتاردے.... بید کہنا تھا کہ ایمان ان میں میں

کے اندر میں گھر گیا...وہ اندر بولے ... لا الله الائلة... پھر کہنے گے: یا رسول اللہ ﷺ! مجھے منافقوں کے بڑے جھتے کی

برداری حاصل رہی ہے... میں ان سارے منافقوں کو جانتا ہوں....آپ کو مرد میں مصل رہی ہے ... میں ان سارے منافقوں کو جانتا ہوں....آپ کو

نادوں؟ آپ ﷺ نے فرمایا: نہیں نہیں ... ہمیں مت بتاؤ.... جو تیری طرح لا بہ کرنے آئے گا ہم اس کے لئے دعا کردیں گے .... جونہیں آئے گا ہم اس

کامعالمهاللہ کے میر دکردیں گے ...







# حضرت علی ﷺ کی بہا دری

خندق کا موقع ...خوف ... بردی ... بعوک اور ادهرعمرو ( جو که کا فرول کا



پہلوان تھا) چھلا لگ لگاتے ہوئے مدینہ منورہ آئے اور آواز لگائی کہ ہے کوئی میرے متا بلے کے لئے؟ حضرت علی ﷺ کھڑے ہوئے .... یار سول اللہ ﷺ! میں تیار ہوں ....حضور ﷺ نے فرمایا: ارے بیٹھ جا! بیغمرو ہے ....عمرو.... جو

ایک ہزار کے برابرشار کیا جا تا ہے...حضرت علی ﷺ بیٹھ گئے ...

پھر وہ کہنے لگا ہے کوئی مقابلے میں....حضرت علی ﷺ کھڑے ہوئے....حفرت علی ﷺ کی عمر چوہیں سال تھی اور وہ (عمرو) لڑائیوں میں

پھرتا پھرا تا تھا...آپ ﷺ نے فر مایا بیٹھ جاؤ....بیعمرو ہے...

پھر تیسری مرتبہ وہ کہنے لگا کہ کوئی ہے؟ حضرت علی ﷺ نے کہا میں مول...آپ على فرمايا بيشو...آپ نوش كيانبيس يارسول الله الله مجھے جانے دیجئے .... چاہے عمرو ہی ہے .... کیا ہوا جان جائے گی تو اللہ کے نام

ىرىتوجائے كى...

حفرت علی ﷺ آئے ....عمرو نے بوجیما کون ہو؟ کہا علی .... کہا عبد مناف؟ كهانهيس بن ابي طالب....كها بهتيجا؟ تو كها: بإل...على ﴿ نَعْ اللَّهِ مِنْ كُهَا كُه عمرو میں نے سنا ہے کہ بختجے دو باتوں کی دعوت دی جائے تو اس میں سے تو



یک ضرور قبول کرلیتا ہے؟ کہنے لگا: ہاں... فر مایا: میں تنہیں دعوت دیتا ہوں کہاللہ درسول ﷺ کے ساتھ ہو جا...

نہیں نہیں یہاں یہ دیکھا جائے گا کہ اللہ ورسول ﷺ کس کے ساتھ

ہے...اس کے ساتھ ہوجا...اب چاہے مقابلے میں جماعت ہے.... چاہے

یٹا ہے.... چاہے تجارت ہے.... چاہے برادری ہے.... چاہے بیوی ہے.... میں تو اللہ اور اس کے رسول رکھ کا غلام ہول...و نسز ل من خیلے کانے

العلة نار ... اس في كور سي حيلا تك لكائي ...

ایے غصے میں جیسے آگ کا شعلہ ہوتا ہے اور بیز ور سے حملہ آ ور ہوا....

سی کا غبارا تھا....ونوں حیب گئے....سامنے سارے صحابہ فکر مند....حضور کرم بھی بھی دعا میں لگ گئے... یا اللہ! مدفر ما...ا سنے میں حضرت علی بھی کی

تكبيركي آواز سائي دي... آپ ﷺ نے فرمایا... فتيل عدو الله ... الله كادشن

نتل ہوگیا... حضرت علی ﷺ کی جوتلوار گلی تو عمر و کے نکڑے ہوگئے... حضرت علی ﷺ نے کھڑے کھڑے شعر پڑھے۔

اعملي تختهم فوارس هكذا

عننى ونهم اخروا اصحاب

ابدا الحجارة منسفاهة أبه واردت رب محمد بشواب

上学识







#### وصـــدرت عـن لوابـــه ولـوانـــه كنــت الـمقـطر بـزنـى اثواب

لاتسحسبسن الله خساذل دينسه

ونبيسه يسمعشسر الاحسزاب

اے کفار کی جماعت میچھے ہٹ جاؤ....تمہیں پنہ چل کمیا ہے کہ اللہ

ور نہ میر ہے جیساعمر وکو آن نہیں کرسکتا تھا...اللّٰہ ہمارے ساتھ ہے...جس نے ... برقت سرس کر سرم میں ہوتاتا ہے

اس کولل کر کے دکھا دیا کہ میری طاقت تہارے ساتھ ہے...













### مسلمانو! محمري وردي مين آجاؤ

میرے بھائیو! پاکتانی جرنیل بننے کے لئے ستائیس سال چاہئیس .... پھول گگ مکے سلیوٹ شروع ہو گئے ....اب یہ جرنیل صاحب اسکلے دن اپنے دفتر میں ہندوستانی وردی پہن کر بیٹھ جائیس تو بتاؤ کچھ ہوگا کہ نہیں ....اس کا اپناسپائی اس پر کلاشکوف تان لے گا...

سارا بی ایج کیو آجائے گا ....گرفتاری کے آرڈر.... جھکڑی.... بیڑی...کورٹ مارشل...وہ کہے میں نے کیا جرم کیا ہے تو کہا جائے گادیکھوتو سہی تو نے کیا کیا ہے .... جرنیل کہے میرا ظاہر مت دیکھو بلکہ میرا باطن دیکھو(اندرٹھیک ہونا چائی دااے باوردی کیری گل اے) میں یہ بات مثال سے مجھانے لگا ہوں...

دی ورا مدر مید اول است باوردی برن ن است کی سے بات مال سے سمجھانے لگا ہوں ...

اس نے وفا نہیں بدلی ... صرف وشن کا روپ اپنایا ہے تو وفا ئیں داغدار ہو گئیں .... پاکتانی فوج کوتو غیرت آ جائے .... کیااللہ کوغیرت نہیں آتی جب اپنے محبوب بھاک زندگی کے خلاف زندگیاں ویکھتا ہے .... یہ بتا کا کپڑے کیوں بدلتے ہو؟ جی گندے ہو گئے .... ان کا باطن تو تھیک تھا پاک شخص سے جی اور اللہ کو گندار وپ دکھاتے ہیں اور اللہ کو گندار وپ دکھاتے ہیں یہ کہاں کی غلامی ہے ...

یے جرنیل کی وردی کی مثال پتہ ہے کیوں دی ہے کہ آج ہم مسلمان ہو کران کے روپ میں ہیں جنہوں نے ہمیں برباد کیا ....ہمیں کاٹ کررکھ ويا...ان معصوموں كاكيا قصور بے جن كے كلوں ميں ٹائياں كى موئى ہيں.... یہ دشمن کا روپ ہے....جوآج بھی ہاری عز توں اور جانوں کے دشمن ہیں ادر المارے خون کے بیاسے ہیں...

# بییہ کے لئے مال کے آل کامنصوبہ

ایک دفعہ کا واقعہ ہے کہ ہم گشت پر جارہے تھے... ایک آ دمی نے اپنا گھر اورا پنامال ودولت سب کا سب عیاشی میں اڑا دیا... آخر جب سب پچھ

ختم ہوگیا تو صرف مکان باتی رہ گیا... اب اس کے ایک دوست نے مشورہ

دیا کهاب پی والده کول کردو....اور پیرمکان کوبھی فروخت کردو...

اورخدا كاكرنا اليا بواكه بم و بال پنچ ... تو وه دوست تو بهاگ كيا...

مرجب ہم نے ان سے الله رسول كى بات كى ... اس نے كہا كمولانا آپ نے ہم پر بہت بردا حسان کیا... ورنہ میں تو اپنی والدہ کوئل کرنے کا پروگرام

ر اللہ بنایا تھا... شراب نوشی کی عیاشی کے لئے



### 

محبوب کے اشارہ پر دودھ کی نہریں بہہ پڑیں

ایک دفعه آپ ملی الله علیه و ملم حضرت فاطمیة الز ہرارمنی الله عنها کے محريل تع .... بجسوع موئ تع .... حفرت على الرتفني المرتفع الموع موئے تھے .... فاطمة الز مره كل مجمى سوئى موئى تھيں .... حضرت حسن كل كى آ تکه کل گئ اورانہوں نے اپنی مال کواٹھایا کہ جھے یانی بلاؤ .... حضرت فاطمہ

المنتخصين و آپ الله ان واشخين ديا دران سے كها بيمو...

سامنے كمڑے ميں ياني تھا...آپ ﷺ نے يانی نہيں ليا بلك كلاس اٹھايا اور بابر محن مين نكل محيح ... محن مين على الرتفني على كي أيك بكرى كمر ي مقى

جس میں سے دورھ خشک موچکا تھا...اس بکری میں دودھ نہیں تھا...لین

آپ ﷺ نے اس کے تقنوں یہ ہاتھ بھیراتواس کے تقن دودھ سے مجر گئے ....

مجرآب الشان تازه دوده سے گلار بحرلیا...

ائدر \_لركر آئے تو حضرت حسين ﷺ بھي اٹھ مُئے تھے.... وہ اپنے برے بھائی سے زیادہ پھر تیلے تے ....دودھ پینے کے لئے ایک دم آ مے بردھ كَيْتُو آپ ﷺ . نه كها: تو ييچيه بث جا....حضرت فاطمه الله في نها: يارسول



(11)

الله ﷺ! آپ ﷺ کوشن سے زیادہ بیار ہے؟ تو آپ ﷺ نے فر مایا جنیں مجھے تو دونوں بی بیارے ہیں لیکن جس نے بہلے ما نگا ہے اس کو بہلے دوں گا

تودونوں ہی پیارے ہیں لیکن جس نے پہلے ما نگاہے اس کو پہلے دوں گا... ویسے ایک صدیث میں آتا ہے کہ آپ شکانے فرمایا: حسن میں ابیٹا رحمد معرف علم سازیر دور سے بمہر سے بیٹر میں میں میں میں ابیٹا

ہا در حسین کے علی کا بیٹا ہے .... پھر آپ کے ان کودود مد پلایا .... اس سارے قصے میں حضرت علی کے آ کھ نہیں کھلی وہ سوئے رہے .... پھر آپ کے نے ارشاد فر مایا کہ میں ...تم .... یددونوں بچے اور یہ جوسویا ہوا ہے .... ہم

یانچوں قیامت کے دن ایک بی جگد پر ہوں گے ...

# حياء كي بركت

میرے بھائیو!اللہ تعالی ایک مطالبہ کرتا ہے... آنکھوں میں حیاء کا سرمہ ڈال لو... میں تمہاری آنکھیں اپنے نور کے لئے کھول دوں گا... اور

سرمدوال و ... یک مهاری اسین ایچ تور عے سے طول دول کا ... اور جب تک تمهاری آنکھوں میں بے حیائی کے روڑ ہے اور کنگر ہیں ... نہ میں متہیں نظر آسکتا ہوں ... نہ میرا نورنظر آسکتا ہے ... نہ میری خدائی نظر آسکتی متہیں میں میں این ایس سے

ہے... نہتہیں میری بیبت اور جلال نظر آسکتا ہے.... کسی چیز پر اللہ کی کسی صفت او رقدرت پرتم کبھی بھی مطلع نہیں مرکز سے جب کر اللہ کی کسی صفت اور مقدرت پرتم کبھی بھی مطلع نہیں

ہو سکتے ... جب تک تہاری آمکھوں میں بیرحام کے تکرے ہیں ... حرام کے تکر بیر ... جرام کے تکر مداگاؤ ... مجر چید

چپ... پة پة كه كال...الله نور السموات والارض....









# حضرت عمر ﷺ کی دنیا سے بے رغبتی

میرے بھائیو!جب فتوحات کے دروازے کھل مکئے....تو حضرت عمر رضی الله عنہ کے بارے میں صحابہ نے مشورہ کیا...اب بد بوڑ مے ہو گئے ہیں اور فتوحات موسکیس..لباس زم پہنیں کھانا اچھا کھائیں...ان امور کے لئے كوئى خادم ركه ليس ....جوان ك لئه كما نا يكايا كر سي... اورلياس اورآ رام كا

.... حفرت على....حفرت عبدالرحن ....حفرت عثان ....حفرت طلحه .... حضرت زیر....حضرت سعدرضی الله عنهم مید چه بردے بردے محالی آلیس میں مثورہ کررہے ہیں ...انہول نےمثورہ کیا بات کون کرے طے بدہوا کہ حفرت هفسه سے كهوجوان كى بيٹى ہادرام المونين محى بين...

حفرت عصة كے پاس آئے بات عرض كى كمامير المونين كواب خت

نہیں رہنا چاہے تھوڑی نری پہ آجانا جا ہے اوران سے بات کرواگروہ مان جائيں تو جارانام بتا دينا اور اگرنه مانے تو جارانام نه بتانا....حضرت عمر الله

حضرت هضه " نے عرض کیا ابا جان آپ بوڑھے ہو گئے ہیں....اگر

آپ فادم رکھ لیں جوآپ کے لئے کھا تا پکایا کرے اور لباس اچھا پہن لیا كريس كرآپ كے ياس دور دور سے وفدآتے ہيں.... كھ آرام بھى كرايا

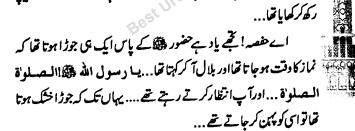




كرين ...فرمايا هفه ليه باتكس في تخميم كي بيسيدهم في كما يبل آپ بینتا کیں مانتے ہیں کہ نہیں؟ فرمایا اگر مجھے پیتہ چل جائے کہ یہ کس نے ه مشوره دیا ہے قویم مار مار کرا ہے لہولہان کردوں...



اے خصہ !... صاحب البيت ادرى بما فيه ... كمرواكو ية موتاہے کہ مرمیں کیا ہے تو نبی کی بیوی ہے تھے اچھی طرح یادہ کر حضور ﷺ اً تشريف لے مئے اور حال يہ تما كر مجى پيك بمركر كمانا نه كمايا...اے همه! على تحقيم الحجى طرح ياد ب كوتوني ايك جوني سے ميز بر كھانا ركھ ديا تھا اور حضور الله الشريف لا الميلية وآب كے چرے كارنگ بدل كيا ... اورآب الله ن فرمایا که کمانا نیچ رکومیز رئیس کھاؤں گا...آپ الله نے کھانے کو نیچ



اے هدا بختے انچی طرح یاد ہے کہ تیرے گھر میں ایک ٹاٹ تھا جے تو چوڑا کر کے بچھاتی تھی رات کوآپ کے آرام کیلئے ایک رات تو نے دو ہرا 54 کرکے بچھا دیا تو آپ اللہ نے فرمایا: اے هصه! اس ٹاٹ کو چوڑا

گردے...اس نے رات مجھے کھڑا ہونے سے روک دیا...

اے همه! مجم الحجي طرح ياد ہے كه ايك عورت نے حضور كاكودو

چادری مدیدی دیں...ایک چادر پہلے بیج دی دوسری چادردری بیجی...

آپ کے پاس کوئی کیڑائیس تھا...ای جادرکو لیٹ کرنماز پڑھائی تھی...

اعضمه! كمروالاالمجى طرح مجمتا إور محرونا شروع كيا...

حفرت هفه کی مجی چینی نکل ربی ہیں اور حفرت عمر رہا کی مجی چینیں نکل ربی ہیں اور فرمایا: اے هفعہ من لے میری مثال اور میرے ساتھیوں کی

مثال ایس ہے ہم تین مسافر....تین راہی....تین مسافر....ایک ہی منزل کو یلے.... پہلا مسافر راستے پر چلا اور وہ چتا چتا منزل مقصود پر پہنچ گیا.... پھر

چیے.... پہلا مسافر رائے پر چلا اور وہ چینا چین منزل مسود پر بی گیا.... پھر بر اللہ امن کہ جاران جا احترامن استعماد رہی پنج کیا

دوسراا ممامنزل کو چلااور چلتا چلتا منزل مقصود پر پینچ گیا...

اب تیسرے کی باری ہے.... میں تیسرا ہوں....اللہ کی قتم میں اپنے نفس کو مشقت میں رکھوں گا اور دنیا کی لذتوں سے ہٹ کر چلوں گا.... یہاں تک کہ میں اپنے ساتھیوں کے ساتھ مل جاؤں....اگر میں نے اپنے راستے کو جدا کر دیا.... میں اپنے ساتھیوں سے نہیں مل سکتا.... میں ای طرح چلوں گا....اور پھر میرے بھائیہ! پھراللہ نے دکھا دیا.... کہ اللہ تعالیٰ نے حضرت عمر

کاپے ساتھیوں سے ملادیا...

جب ابولؤلؤ نے خنجر مارا...آپ گرے اور آنتیں کٹ جانے کی وجہ

ے خون بہنے لگا... دودھ پلایا کمیا تو آنتوں سے باہرنگل کمیا ... مجھ کئے کہ

اب چل چلاؤ ہے...اپنے بیٹے کو ہلایا اور فرمایا: اے عبداللہ! جاؤ عائشہ ﷺ





ے جا کرا جازت لو کہ امیر الموشین کو نبی ﷺ کے پہلو میں فن ہونا ہے ...

حفرت عائشہ علیہ کے محر حاضر ہوئے اور محریر دستک دی .... کہا:

عبدالله عامر ب امير المومنين حضور الله كروس من وفن مون كى

اجازت لینا چاہتے ہیں....حضرت عاکثہ کھیدونے لگیں اور عرض کیا: اے عبدالله بيرجگه ميں نے اپنے لئے رکھي تھي سليكن عرص كواپ او پرتر جي دوں

كى ... عمر كالاياجائ...

واپس جا كرعرض كياابا جان خوشخرى موآپ كواجازت مل كئي....فرمايا 🥻 🕿 سپة نميں...ايمانهيں كەمىرے احرّام ميں حضرت عائشة نے اجازت دى ہوگ .... جب میں مرجاؤل میرے جنازے کولے جا کر دروازے پر رکھنا....

پھر دوبارہ اجازت مانگنا...اگراجازت دے دیں تو پھر مجھے دفن کرنا....ورنہ

مجھے عام مسلمانوں کے قبرستان میں ڈال دینا.... جب موت کا وقت قریب آیا توبیٹے نے سرکو گود میں رکھا ہوا تھا...آپ نے فرمایا بیٹا میرا سرز مین پرڈال

وے ... حفرت عبدالله كى مجھ ميں نہيں آيا كيا كهدر بي بيں ...

بينا ميرا سرزمين بية ال و ....اب مجه يادنبين كيالفظ فرمايا.... يا تو فرمایا...تسوبت یداک ...یایولفرمایا...تقلتک امک... تیری مال مجھے زمین پہ ڈال میں اپنے چیرے کو مسلم کھے زمین پہ ڈال میں اپنے چیرے کو

ظاک آلود کرنا چا ہتا ہوں تا کہ میرے مولا کومیرے او پر رحم آ جائے...

یہ وہ عمر ہے جس کے بارے میں حضور ﷺ نے فر مایا: میرے بعداگر

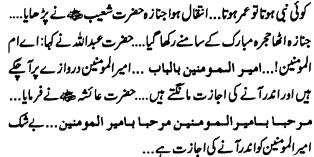












میرے بھائیو!اللہ نے دکھا دیا کہ جو نبی بھا کے طریقے پر چلتا ہے میں اسے کیسے ساتھ ملاتا ہوں .... چنا نچہ حضرت عائشہ کے سے اور خمن سر پر رکھی اور باہر لکل گئیں اور حضرت عمر کے کو حضور بھا کے پڑوی میں دنن کیا گیا....آپ بھانے فرمایا: قیا مت کے دن انھوں گا اور میرے داکیں طرف الا بحر کے ہوگا اور میرے باکیں طرف عمر کے ہوگا اور میرے آگے آگے بلال کے اذان دیتا ہوگا ...



and d

ایک حدیث میں آتا ہے کہ دوزخ والوں سے کہاجائے کہ دنیا میں رہے کہاجائے کہ دنیا میں رہے کہاجائے کہ دنیا میں رہے کہ جتنے ذریے ہیں اتنے سال تہمیں دوزخ میں رکھ کر نکال لیا جائے تو وہ سارے خوش ہوجا کیں گے ....اوراگر جنت والوں سے یوں کہا جائے کہ دنیا میں جتنے رہت کے ذریے ہیں اتنے سال رکھ کر تمہیں جنت سے نکال دیا جائے گا تو وہ رونے بیٹھ جا کیں .... لیکن نہ یہ نکلنے کواور نہ وہ نکلنے کو .... یہ می ہمیشہ وروہ بھی ہمیشہ ...



## ظلم سے بچو! واقعہ



ہماراایک رشتہ دارتھا.... چارا کرڑاس کی زیمن تھی...اس پاگل نے کی

کے کہنے پرکوئی پچاس ہزار روپیے قرضہ لے لیا...کوئی تین دفعہ اس کوجیل جانا

پڑا پچاس ہزار کی وجہ سے ... اور اس سے دوفر لا تگ کے فاصلے پر ایک دوسرا

زمیندارتھا وہ بھی ہمارا دوست تھا.... جانے والا....اس پر پچاس لا تھ کا قرضہ

تھا....اس کے ڈیرے میں بینک والانہیں آسکیا.... پچاس ہزار کے بدلے وہ

بچارہ غریب تین دفعہ جبل کی ہوا کھا گیا اور اس پر پچاس لا کھ تھا...نہیں کوئی

نہیں جاسکیا....وہاں لینے کے لئے ... بڑے برے بردے زمیندار ہیں .... یہ بچارہ

چارا کیژکا کاشت کارہے...

تو کھو کھے دالے کو بینک قرضہ دےگا؟ ہمارے ایک دوست ہیں اب اللہ کے فضل ہے تبلیغ میں لگ گئے .... شوگرمل ہے ان کی اور میرے خیال میں دو پہلاشوگرمل والا ہے جس کے تین چلے گئے.... اس نے ساری کہانی سنائی

كىكس طرح بيرا بھيراسے ميں نے اى كروڑرو پيينكوں سے ليا....

ہاتھ میں بچاس لا کھ تھا اور کوئی بینک والوں کی شرط ہوتی ہے کہ اتنے فیصد ہونا چاہئے مالک کے پاس تو اس کے مطابق قرضہ ہوتا ہے ...ا یسے ہر ایک کوتھوڑ ادے دیتے ہیں .... کہامیرے پاس ٹوٹل بچاس لا کھ تھا.... ای کروڑ





قر ضدلیا...کی کوساتھ طا...کی کوداندڈال...کی کوبے دقوف ہتا.... پھرآ کے واپس کرنے کا بھی کوئی خیال نہ تھا.... بھی کہیں گے ہم تو دیوالیہ ہو گئے ہیں.... بھی بیزی ہے اٹھالو...



وہ تو اللہ نے تین چلے لگوا دیے ... تو کہنے لگا مولوی صاحب! اب کیا کروں؟ مرگیا... اگلے سال موت آگئ تو کیا کروں گا؟ میں نے کہا نیت کرو کہ یا اللہ! میری توبداور آئندہ نہیں کردں گا تو ان شاء اللہ معافی موجائے گی اور دو کام کرو... کوئی جائیدادمت خریدو... کاروبارمت بڑھاؤ... جتنا نفع آئے اتارنا شروع کرو...

کنے لگاہاں یہ بات سمجھ میں آئی... جمیں تو شیطان یہ چکر دیتا ہے ناکہ
ایک پروجیکٹ اور لگالو... ایک اور لگالو... ایک اور لگالو... تو ہماری آگائی سلیں
مجمی اس میں پھنس جاتی ہیں ... کہنے لگا جھے اس میں پانچ برس لکیس کے...
نگائے کیلئے ... اس سال ملاقات ہوئی کہنے لگا ایک سال اور ہے... ان شاء اللہ
تعالی اللہ جھے یاک کردے گا...







### بنجراور وبران دل



60

میرے ہمائیو!اللہ پاک ہماری زندگی کامتعبود ہے...اللہ کورامنی کرنا ...الله يرمر منا ...الله ك حكمول ير چلنا اوراس كے نبي كے طريقے كواپنا نا ... يى مارى زعرگ كاستصد بيسدويا كاريب وزينت آج ببت زياده بوچكا .. آنکھیں چند همیا من میں ....روشنیاں بڑھ چکی ہیں....کین میری بہنوا ول اندھے ہیں...آج دنیا ہے انسانیت مٹ چکی ہے ...انسان پھرر ہے

ہیں...مفات مث چکی ہیں اور انسان مجررہے ہیں...

محرروش میں اورول کائی رات سے زیادہ تاریک ہیں ... شہرساری رات د کتے ہیں....روکیں روش ہیں.... گھر روش ہیں لیکن میرے آپ کے ول کی دنیا اجڑے ہوئے زمانہ گزر کیا.... دل اندھیروں میں پڑا ہے....اس کے مرکونے میں اعمرا ہے ...اس کے مرکوشے میں اعمرا ہے...آج

زمینی سرسبز ہو چک ہیں ... لبلہار ہی ہیں ... سبز ہ ہی سبز ہ ہے ...

لیکن دلول کی زمین صحرا ہے بھی زیادہ بنجر ہے....صحراسے بھی زیادہ ویران ہے....شکستہ کھنڈرین چکی ہے....جس دل میں اللہ کی محبت نہیں ....جو ولله الله كے لئے تربیانہیں ...جودل را توں كوبستر ہے مصلے برنہیں پہنچا ....جو

ول جینوں کوزین برنہیں تکا تا .... جودل آئموں کے آنسوؤں کو جاری نہیں

گرتا....وه دل دل نہیں ہے.... بلکہ پھرہے جو بخت ہو چکا ہے....



### الله كي محبت كاذا كقير

میری بہنو! آج بیوی نے خاوندگی محبت کا ذاکقہ چکھا....ماں باپ نے اولادگی محبت کا ذاکقہ چکھا....مونے اور اولادگی محبت کا ذاکقہ چکھا ہے اور ہم سب نے درہم ودیتار ....مونے اور چائدگی...روپے اور پیسے کی محبت کا ذاکقہ چکھا...الیکن نہیں چکھا تو اپنے رب کی محبت کا ذاکقہ نہیں چکھا...اللہ کی محبت میں رونا...اللہ کی محبت میں تکا لیف اٹھا نا .... یہ سب آج امت کے دل سے نکل مونا.... اللہ کی محبت با نجھ ہوگئی ....مب کے دل کی دنیا اجرام می ... دل اعد ھے اسکمیس روشن ہیں .... دل اعد ہیں ....

میری بہنواانبیاء کا کام بہ ہے کہ آگرائی جان مال اور سردھڑ کی بازی کاکر ۔۔۔۔ انسانوں کے اعرائیان کی شمع روش کرتے ہیں۔۔۔۔ ایمان کا چراغ جلاتے ہیں۔۔۔۔ دلوں کواللہ کی محبت میں آباد کرتے ہیں۔۔۔۔ پیشانیوں کوزمین پر تکا کراللہ کی محبت میں رونا سکھاتے ہیں۔۔۔ مجلوق کی محبت کو نکال کراللہ کی محبت

کوپت کرتے ہیں...





## آج كي عورت كاالميه



میرے بھائیواووانسان چلے گئے جواللہ کی یادیش راتوں کوروتے
سے... آج ہماری راتیس مرداروں کی طرح گزرتی ہیں....دن ہماراب کار
اللہ
مدموں کزرتا ہے... آج کی عورت بے چاری مظلوم ہے جسے سوائے کھانا پکانے ادر
مدموں کے پالنے کے اور کوئی کام ہتلایا ہی نہیں گیا....اس تبلیغ کی محت کے ذریعے
ہم بہنوں ہے ہمی عرض کررہے ہیں ....اور بھائیوں کو بھی کہدرہے ہیں
سے ہم بہنوں سے بھی عرض کررہے ہیں ....اور بھائیوں کو بھی کہدرہے ہیں

ہے ہم بہنوں ہے بھی عرض کردہے ہیں ... کرتمہارا کا م اپنے اللہ ہے محبت کرنا ہے ....

ر جہازا ہا ہا ہے اللہ عب رہ ہے ۔۔۔۔ نبی پاک سے مجت کرتا ہے ۔۔۔ نبی کا محبت اللہ سے تعلق کو بنانا ہے ۔۔۔ نبی پاک سے مجت کرتا ہے ۔۔۔۔ نبی کا مرمایہ ہے ۔۔۔۔ اس کوسا منے رکھ کر چلنا ہے ۔۔۔۔ ببی ضبح ہیں ۔۔۔۔ کیکن کیا کریں جب ایک عورت ابھی ضبح کے تاشیۃ سے فارغ نہیں ہوتی ۔۔۔ دو پہر کی ہانڈی چڑھ جاتی ہے ۔۔۔۔ اور وہ آتی ہے ۔۔۔ اور وہ اترتی ہے تو رات کا کھانا شروع ہوجاتا ہے اور پھر تھک کے چور ہو کے بستر پر دراز ہوجاتی ہے ۔۔۔۔ وات بھی غفلت میں گزررہا ہے ۔۔۔۔ وات بھی غفلت میں گزررہا ہے ۔۔۔۔ ویا اس بیٹ

odfio.

62

کا ایندهن مجررہے ہیں... یا خاندو پیثاب بن رہاہے....



# یااللہ تو ہی واحد آخری سہاراہے

ياالله توى آخرى سهارا بيس ياالله ميس ندكونى بادشاه كاسهارا بيس

نەكونى فوج پەنەكى بولىس پەنەكى ايىم بم پە.... يااللە ھاراتھە يە سرا بے... بم تحجّے بلانے آئے ہیں... تو آجا ہمارے ساتھ ہمارے مالک.... ہمارے 🔈

ا عمر کی قریادیں ہیں.... یا اللہ ہمیں کوئی کندھا نہیں مل رہا.... یا اللہ ہم ممرور بیں...ہمیں رونے کے لئے کوئی کندھاجا ہے ... جس پر مرد کھ کرہم روسیس

.... ما لک ہمیں کندھادے....جارا کندھا کوئی نہیں رہا.... یا اللہ جارے ماتھے

زخی کرنے والے ہزاروں نہیں کروڑوں ہیں....

یاالله محرکوئی ایسا کندهانہیں ہے جس یہ ہم ما تھار کھ کے روسکیں ... آنسو بہاسکیں.... یااللہ دنیا کے کام ختم ہو گئے....جنہیں ہم سناسکیں....اے ہرایک

کی سننے والے ...اے ہرایک کی فریادیہ لبیک کہنے والے الله.... جارے آسرے اوٹ مے ... مارے سہارے محر کے ... ہم ج مغد حاریس ہیں...

مشتی شکته دان ہے.... ہاری کشتیاں ٹوٹی ہوئی ہیں....مولا سیمٹے ہوئے بادبان ہیں.... ملاح چھوڑ کے ہماگ مجے ہیں... سودے کر محے ... ہمیں ج

مے ... مولا بھیر بکری کی طرح ہارے سودے کر گئے ....

یا الله منڈی کی جنس کی طرح ہاری بولیاں لگ گئیں...اے مالک تو

آ جا ہم محجّے بلانے آئے ہیں...آ جااس پنچائیت کوردنہ فرما....میرےمولا یہ بنجائے تجمع بلانے آئی ہے...اتن بری بنجائیت کودنیا کے بادشاہ بھی رو میں كرتے.... يا اللہ تو توہے ہى تنى كريم رحيم يا اللہ تھے اپنے بندوں كى محبت كا واسطه.... تخمي اين محبوب كي محبت كاواسطه.... يا الله تواس امت كي مد وفريا.... توى اس امت كومنجد حارسے ثكال سكتا بي ... تونى بى حضرت بوسف علي

السلام کو کنوئیں سے نکالا تھا اور تو ہی تھا جس نے چھری کے بنچے اساعیل علیہ السلام كوبيجا يا تعا....

وہ تو ہی تھا جس نے مکڑی کے جالے کے ذریعے اپنے محبوب ﷺ کو بچایا تھا...اے دہ رب جوآج بھی ہے ....ہم مٹیں مے تو باتی ہے اور تو باتی رےگا...تو ہی ابتدا ہے...تو ہی انتہاء ہے...تو ہی اول ہے ...تو ہی آخر ہے... تو بی باطن ہے ... اے وہ رب جس کی صفات کی کوئی حد نہیں ہے... جس کی طاقت کی کوئی حدنہیں ہے ...اس امت کے مزور صے پر کرم فر ما.... کرم فر ما...کرم فر ما....



هاراكوني تبين ربا... توبن جا... بوسامنے آ.... بم تیرے سامنے كرنا حاجتے ہیں... تو ہارے سامنے ہوتا تو ہم تجھ سے لیٹ جاتے....میرے مولا تيرے ياؤل پكڑ كيتے... يا الله تيري كود ميں چھتے... تجھے ابني عم بحرى 64 كمانيال سنات... يا الله كه آج سننه والله ندرب ... مير مولايا حسى يا

ً قيوم... يا حِي يا قيوم.. يا حي يا قيوم برحمتك نستغيث....



# حضرت الوب الطيخانى بيارى كاتذكره

میرے بھائید! حضرت الوب علیہ السلام کے بارے میں تو پہ ہی ہوگا...ا شارہ برس یہ بہت ہی ہوگا...ا شارہ برس یہ بارر ہے اور ساراجم کل گیا...آ بلے اور چھالے پڑ گئے...

یدوہ اٹھارہ برس کی بیاری الی بیاری شاید بی دنیا میں کی پرآئی ہو....امتحان

تھا پھر اللہ نے سحت میں دے دی ....تو ایک دن کی نے ہو چھا: می اللہ وہ

بیاری کے دن یادآ تے ہیں؟ کہنے گئے: بہتے بتا دَل بیاری کے دن آج کے اللہ وہ کیے ایجھے تھے؟

كها: جب من بمارتها تو الله تعالى روزانه ميرا حال يوجمة تع ....

ایوب کیا حال ہے؟ بس وہ جو کہتے تھے ناں.... کیا حال ہے؟ اس میں جو لذت تھی... میرے سارے زخمول کے درد نکال دیتی تھی ادر جب اللہ کوآپ د کھے رہے ہوں....ان آگھول سے دیکھ رہے ہو.... پھر اللہ آپ کا نام لے....

كيا حال ب؟ خالد كيا حال ب؟ ابو بركيا حال بي؟ اور بمائي احسان كيا

حال ہے؟ زینب کیا حال ہے؟ فاطمہ کیا حال ہے؟ وہ کیاا نتہا ہوگی....





#### حجوث بولنااوردازهي منذوانا دوكناه



میراایک دوست تا جرتها...اس نے کچھوفت کے بعد داڑھی رکھ لی...

تين جار ميني ملاقات نبيل موكى .... جب عرص بعد ملاتو دارهى صاف... یں نے کہا یہ کیا کیا؟ کہا تی وسارا دن جبوث بولی دائی ٹس کیا ابوی واڑھی ر کھ کے جموٹ بولاں میں مناہمڈی (سارادن جموٹ بولٹا تھا....میں نے خود .

ے کہا کہا ہے ہی داڑھی رکھ کے جموث بولوں گاتو میں نے منڈ دادی) میں نے کہا یا گل بن دو گناہ کیتے ای (میں نے کہا یا گل اب تم نے دو مناہ کئے ہیں) اور جموٹ کا تعلق داڑھی سے نہیں تھا....جموٹ کا تعلق کلے ك ساته تفاكه كلمه كهدر باب جموث نه بولا كرو .... دا رهى تونيس كهدرى كه جموٹ نہ پولو....اب تو تم نے دو گناہ شروع کردیئے ایک جموٹ بولنا ایک ارْهی مند انا ... تم دو پرچوں میں فیل ہو گئے ....







#### اللهيع ذرو

میرے بھائیو!اللہ کے واسطے توبہ کرو.... ہم خوفناک انجام کی طرف جارہ ہیں...ایٹم ہم ہے ڈرنے کی کوئی ضرورت نہیں ہے...ایٹم طاقت ہے ڈرنے کی کوئی ضرورت نہیں ہے اسان کے ہاتھ میں کمھی کی بھی جان کوئی نہیں....ان کے ہاتھ میں کمھی کوئیس مار کوئیس ان کے ہاتھ میں کچھر کوئیس مار کتے ....وہ کھی کوئیس مار کتے ....وہ کھی کوئیس مار کتے ....وہ کھی کوئیس مار کتے ....گندگی کے کیڑے کوئیس مار کتے ہیں؟

اس اللہ سے ڈروجس کے ہاتھ میں موت ہے...اس اللہ سے ڈرو جس کے ہاتھ میں زندگی ہے...اس اللہ سے ڈروجس کے ہاتھ میں زندگی ہے...اس اللہ سے ڈروجو جرائیل کوموت دےگا...اس اللہ سے ڈروجو عزرائیل کوموت دےگا...اس اللہ سے ڈروجس نے فرعون کو مار دیا....وہ آج کے فرعونوں کو بھی مارےگا...اس اللہ سے ڈروجس نے نمرود کو اٹھا کے پنخ دیا...انگڑے مچمر سے پٹوا دیا....آج کے نمرودوں کا بھی انتظار کررہا ہے ...اس اللہ سے ڈروجس نے شدادوں اور قارونوں کوز مین میں دھنسایا....



وہ آج کے قارونوں سے غافل نہیں....آج کے نمرودوں سے غافل نہیں...اس اللہ سے ڈروجس نے شعیب علیہ السلام کی قوم کی تجارتی منڈیوں

کوآگ ہے اور پھروں کی بارش ہے تہس نہس کر کے رکھ دیا... آج کے تاجر ہے اور آج کے صنعتکار کے مکر سے عافل نہیں .... اس کے سود سے عافل نہیں .... اس کی صنعتکا رکے مگر سے عافل نہیں ہے ....



### د نیافیمی نہیں بلکہ دین فیمتی ہے

میرے بھائیو!... مسلمان ہونا بہت بڑی دولت ہے... ڈالرسے...
پاؤنڈ سے ... بنگلوں سے ... ہر چیز سے بڑی دولت ایمان کی ہے...ادنیٰ
سے ادنیٰ مسلمان کے لئے حضور دھاکا آنسو لکلا ہوا ہے... مسلمان کو بھی گھٹیا
نہیں سجمنا جا ہے...

اس لئے کہتے ہیں کہ مسلمان کو ذکیل کرنا... بیت اللہ کو گرادیے ہے برا گناہ ہے... کہ گندے سے گندے مسلمان کیلئے بھی حضور بھاکا آنسولکلا ہوا ہے... اور قیامت کے دن اس کے لئے بھی حضور بھاکی شفاعت ہوگ... مسلمان بے قیمت نہیں... دنیا کی سب سے قیمتی متاع مسلمان ہے... جس کے دل میں ادنی ذرہ بھی ایمان ہے... وہ برا قیمتی ہے....





### ایک بے کا بہلول سے مکالمہ

بہلول بازارے گزررہے تھے.... نیے کھیل رہے تھے اور ایک بجدرو رہا ہے....انہوں نے سمجھا کہ شایداس کے پاس اخروث نہیں کونکہ اخروث ے کمیل رہے تھے .... بہلول ؓ نے اس بچے سے کہا بیٹا تو رونبیں میں تجھے اخروت لے کردیتا موں....

بچہ کھنے لگا: ببلول! کیا ہم کھیلنے کے لئے پیدا ہوئے ہیں؟ ببلول بہت

ہے حیران ہوئے کہ میں نے توسمجھا تھا کہ شایداس کے پاس اخروٹ نہیں ہیں الله الله التي رور ما ب ... انهيس جونك ايد جواب كي توقع نبيس تحى اس لية فرمايا:

لئے پیدا ہوئے ہیں .... بہلول کے کے: تیری کوئی اہمی عربان باتوں کو

سوینے کی؟....

تووہ بچہآ کے سے کہنے لگا: بہلول! مجھے دحو کہ نہ دے میں نے اپنی ماں کود کھا ہے جب وہ چو لیے میں آگ جلاتی ہے تو پہلے چھوٹی ککڑیاں ڈالتی ہے.... پھر بڑی لکڑیاں ڈالتی ہے.... مجھے ڈر ہے کہیں اللہ دوز خ کو پہلے ہم

بحول سے نم جلائے ... باک مال کی تربیت ہے...

اور يكى تبليغ كا يبلا نمبر ب ... جوكام تبليغ واليكررب بين ووكام تو







الله تعالی مال باب سے کمدر ہا ہے کدایے بچوں کوان کاموں کے لئے تیار کے کرو... بعد میں جو چلے لگا ئیں مے پہلے ہے بھی ان کواس کام پر لگاؤ کہ پھر دنیا می صرف اسلام کھیلانارہ جائے ....اب تو مصیبت بڑی ہوئی ہے ....



اپنوں کو مجمی سنبالواور باہر کا کام مجمی ختم ہوکررہ کیا ہے...

## حضرت سالم الله كادنيات برغبتي

ہشام بن عبدالملک شامی خلیفہ طواف کررہا تھا... اس کے ساتھ سالم بن عبدالله حفرت عمر رضى الله عند كے لوتے بھى طواف كررہے تھے ... تو ہشام نے کہاسالم کوئی ضرورت ہوتو بتاؤیں بوری کردوں...سالم نے کہا... اتق الله ... الله عدد رتانيس .. من الله كمر من بول تو مرجى محصايي

طرف متوجه كرتاب ... تو مشام حيب موكيا...

جب باہر نکلے تو کہاا ب تو بتاؤ... کہنے لگے دنیا کی بتاؤں یا آخرت کی بتاؤں؟... بشام نے کہادنیا کی بتاؤ آخرت کی میں کیا پوری کرسکتا ہول... تو فرانے گے...ما مسالت من يجعلها وكيف من يملكها؟ ...دنياتو میں نے دنیا بنانے والے سے نہیں ما کی تو تھے سے کیا ما تکوں؟....





# خليفه واثق باللدكي عبرت انكيزموت

واثق بالله ایباز بردست خلیفه تها.... بردا جابر اور ظالم تعا....اس کی آنکموں میں آنکھیں ڈال کے کوئی نہیں دیکھ سکتا تھا....الی اس کی آنکموں میں کوئی مقناطیسیت تقی کہ اس کی آنکموں میں آنکھیں کوئی نہیں ڈال سکتا میں کوئی مقناطیسیت تقی کہ اس کی آنکموں میں آنکھیں کوئی نہیں ڈال سکتا

تما...ادرا پنے ہاتمہ ہےاس نے ہزاروں لوگوں کوموت کے کھاٹ اتارا تھا.. ﴿ جب مرنے لگامرض الموت آیا تو اس کا ایک وزیرتھا اس نے وہ شاہی

یہ چوہا کہاں ہے آگیا عبای کمل میں؟.... جہاں پنیتیں ہزار زریفت

کے پردے لئے ہوتے تھے...جس میں سے ساڑھے بارہ ہزار میں سونا ہی مداللہ مدافقات دان جدا کیاں ساتھ ای غیر کانٹلام جانک ان ملالم

سونا مجر ہوا تھا.... وہاں چو ہا کہاں ہے آگیا؟ غیب کا نظام چلا کہان ظالم سینک

آمحمول سے کیا کیا ہوا ہے ... موت سے پہلے بی ایک چو ہے کو کھلا کے دکھا دیل

اور جونمی وہ مراتو وزیر نے فوراً خلافت کی چادرا تار کرصندوق میں ڈالی کہ اب اگلا آنے والے خلیفہ کہیں میری ٹھکائی نہ کردے کہ یہ چادراس پہ کیوں ڈالی ہوئی ہے .... یہ دنیا آئی تا یا ئیدار ہے ....



#### حفرت شانه عابده كاقصه

حضرت شانیه عابده رضی الله عنها کی بهن نے خواب و یکھا کہ جنت سجائی جارہی ہے اور در وازے پر برخی تیاریاں ہورہی ہیں تو انہوں نے پوچھا کی جارہی ہے اور یہ ساری حوریں ہیں تو انہوں نے پوچھا کیا بات ہے؟ جنت سجائی جارہی ہے اور یہ ساری حوریں …. باہر کھڑی ہوئی ہیں …. یہ کیا بات ہے؟ تو جواب آتا ہے کہ شبانہ عابدہ کا انقال ہوا ہے اس کے استقبال میں اور اس کی روح کے استقبال میں جنت کو سجایا جارہا ہے اور جنت کی حوروں کو استقبال کے لئے لایا جارہا ہے … بیان کی بہن خودخواب جنت کی حوروں کو استقبال کے لئے لایا جارہا ہے … بیان کی بہن خودخواب میں و کی میں کی کہن خودخواب میں و کی میں و کی میں ہی کہن کو اللہ جنت میں کتنا بڑا پر وٹو کول دے رہا ہے ۔…. کتنا بڑا اعز از ہے …. اللہ جس کا اعز از کر ہے …..

بھائیواور بہنو! پیجذ ہے بھی رکھو... بید نیا چھوٹ جائے گی پیدھو کے کا گھرہے .... بیر چھرکا پر ہے .... بیر کمڑی کا جالا ہے ....اس کے مسائل بھی اللہ سے مانگنے ہیں کہ عافیت سے حل ہوں کہ ہمارے اصل مسائل وہ ہیں جو قبر میر وع ہوں ....



### حلال لقمه کی برکت

ایک مسلمان ملک برانگر بزوں نے حملہ کیا..تو بادشاہ نے اپنے بیٹے کو مقابلے کیلئے بھیجا...ایک ہفتے بعد خبرآئی کہ فکست ہوگی اور بیٹا بھاگ کیا..تو جوملكة تقى شنرادي وه كهنج لكي: حضور! پيخبرغلط ہے... بادشاه كو بڑا غصه آيا كه تو ا مردیدے کے کیے کہدری ہے کنچر فاد ہے؟ کہنے گی: بس پنجر فاط ہے...

ا یک ہفتے بعد خبر آئی کے وہ پہلے والی خبر غلط تھی...اللہ تعالیٰ نے فتح وے دی....وشن بھاگ گیا... بھاگ گیا کافر....اب بادشاہ نے اپنی بیوی سے یو چھار پتو نے اندر بیٹھ کریہ دعویٰ کیسے کیا تھا.... بیتواس زمانے کے بادشاہوں كى بيويون كاحال تقا....

وه كني كى: جب اس كاحمل ظهراتها مين نے ايك لقمة حرام تو برى بات ہے...جس میں شک تھاوہ بھی نہیں کھایا تھا....شک والالقمہ نہیں کھایا اور جب دوسال اس كورودھ پلايا...جتنى دفعه دودھ پلايا يہلے وضو كيا....دوُنفل يڑھے

.... پھراسے دورھ بلایا....جو بچہا تنایاک دورھ لی کے پروان چڑھےوہ بھی مجھی موت کے ڈرسے بھاگ سکتا ہے...

أكرآب بدكت كدفكست موكى اوربينا شهيد موكيا... تو چريس مان جاتى ... من كيم مان جاؤل كدايما إك دوده في كوئى بحدكافر كما من

ہے موت کے ڈرسے بھاگ جائے .... پنہیں ہوسکتا .... یہ بادشاہ کی بیگمات کا حال تھا....



#### سزامين اللدكا قانون

میرے بھائیو!اللہ کے قانون حمکن دوطرح کے ہیں ... ایک مسلمان اورا کیکا فریں ... ہم چھوٹے مجرم ہیں ... دہ پڑے مجرم ہیں ... ہم چھوٹے مجرم اس لئے ہیں ... کہ ہم نے اللہ کو بھی مانا ... اس کے رسول کو بھی مانا ... جنت اور دوزخ کو بھی مانا ... لیکن اس کے قانون کو توڑتے رہے ...

ایک برا مجرم جس نے خداللہ کو مانا... نداللہ کے رسول کو مانا... نہ آ آخرت کو مانا... نہ آخرت کو مانا... نہ آخرت کو مانا... نہ جنت کو مانا... نہ دور خ کو مانا... ان کے لئے اللہ کا قانون سے ہے... کمیزے مجرم کو اللہ کہتا ہے... ڈھیل دے دو... کمانے دو... فرھم یخوضوا ویلعبوا ... چھوڑ دوانہیں... شہوات میں کھنے دو... اور انہیں نا ہے دو....

ان کے شراب خانے آبادر ہیں... ان کے شہروں میں قمقے... اور روشنیاں جلتی رہیں... جس دن روشنیاں جلتی رہیں... جس دن ملاقات کا وعدہ ہے... اس دن تک ان کی چھٹی ہے.... بیرکا فروں کے لئے قانون ہے... کمان کوعام طور پرمہلت ہے....









## حضرت جرير بن عبدالله ظائموف خدا

جریر بن عبداللہ رضی اللہ عنہ نے گھوڑا خریدا... نوکر سے کہا: خرید کے لاؤ ....وہ لے آیا .... تین سورو پے میں سودا ہوا .... جب گھوڑ ا مہنگا تھا.... مالک خود کو پیٹنیس اپنی چزکی قیمت کا... تو وہ مالک سے کہنے لگے تیم کے طور سودرہم .... کہنے لگا: جی تیم لے گوڑے کے وارسودرہم .... کہنے لگا: جی

برسی الحجی بات ہے....

کہا: اگر پانچ سوکردول؟ کہا: یہاس ہے بھی اچھی بات ہے ... کہا: چھ سوکردول؟ کہا: یہا سے بھی اچھی بات ہے ... کہا: چھ سوکردول؟ اب سوکردول؟ اب جو بیخ والا تھا... وہ چکر میں پڑگیا کہ یہ کیا ہور ہا ہے؟ کمی خریدار نے بھی تیم بیخ و بیا کہ یہ کیا ہور ہا ہے؟ کمی خریدار نے بھی تیم بین میں کہا گرتے ہیں؟ .... قیت تیمت برحاتے ہیں اور جو لینے والا ہوتا ہے وہ کیا کرتا ہے قیت گھٹا تا ہے ....

گھٹاؤ....وہ کہتا ہے نہیں ....وہ کہتا ہے گھٹاؤ....وہ کہتا ہے نہیں ....

يهان النابور ہا ہے... خريد نے والا رقم بن هار ہا ہے... بيجنے ولا حمران مو كة من رہا ہے .... پمر كہنے لگا: آئم صود و سے دوں؟ وہ كہنے لگا: ميں تو تمن سو

ربعی راضی تھا...کہنے لگے: آٹھ سودے دو...گھوڑ ارکھو....

جبوه چلا كيا توان كوكر...فلام نه كها: يدكيا كيا؟ عمر تمن او



میں پکا سودا کر کے لایا تھا... یہ پانچ سوکس خوثی میں دیتے ہیں؟ ارشاد فر مایا: یہ محکوڑا آٹھ سوکا ہے ... میں تین سوش رکھ کے اللہ کو کیا جواب دیتا؟ جب کہ میں نے اللہ کے نبی ﷺ کے ساتھ وعدہ کیا تھا کہ جب تک زندہ رہوں گا مسلمان کی خیرخوابی جا ہوں گا...

### عرظ کی دنیا سے بے رعبتی



حضرت عمر المحضور والله کے پاس آئے... ویکھا کہ چڑے کا سر ہانہ اور چٹائی آپ کابستر ... اورایک کونے میں بھ پڑے ہوئے تتے ... تو حضرت عمر رونے لگے ... یارسول اللہ اللہ اللہ اللہ علیہ اللہ علیہ کے سر دار کا بیر حال ہے؟... خوش وخرم ہیں ... اور دو جہانوں کے سر دار کا بیر حال ہے؟...

توآپ الله في فرمايا: عمر!

...لهم في الدنيا ولنا في الآخره...

ان کے لئے دنیا ہے ... اور ہمارے گئے آخرت ہے ... تو ہم اللہ کی ڈھیل کواللہ کی عطانہ مجھیں ....

...سنستدرجهم من حيث لا يعلمون...

ہم انہیں ڈھیل دیتے ہیں... انہیں پتہ بھی نہیں چاتا....

...واملی لهم ان کیدی متین...

ہم انہیں بتارہے ہیں... کہان کی پکڑ بردی سخت ہے...
www.besturdubooks.net







# انسانی دل کی وسعت

میرے بھائیو!اللہ تعالیٰ بھی فرماتے ہیں کہ میں زمین وآسان میں تو آ تانہیں بیتو بہت چھوٹے ہیں... مجھےسہارنہیں سکتے...کین اے میرے بندے! میں نے تیرادل ایسا بنایا ہے کہ اس میں میں آسکیا ہوں... تو اس کو

ميرك لئے صاف كركه شاآن ش آون...

میراعرش ایک اوپر ہے....اور ایک میراعرش نیچ....اوپرعرش تووہ ہے۔۔۔ ہے جس پر میں نے اپنے تخت کو بچھایا اور نیچے عرش وہ ہے جو تیرے سینے ہے۔

میں تیرادل دھڑ کتاہے....ید میراعرش ہے...

...انا عندالمنكسرة قلوبهم...

ٹوٹا ہوادل میراعرش ہے...اور پہ جتنا ٹوٹا ہوتا ہے...اور پہ جتنا شکت ہوتا ہے...اور یہ جتنا خواہشات سے پاک ہوتا ہے اتنا ہی میرامجوب ہوتا ہے....ا تنا بی میں اس میں آتا ہول....اتر تا ہوں ساجاتا ہول.... پھرایک

وقت اليا آتا ہے...

.. كنت سمعا الذى يمسع بها ... شراس ككان بن جاتا بول

... بصره الذي يبصربها ... يس اس كي آكه بن جاتا بول ....

...یده التی يبطش بها... شاسك باته بن جاتا بول....







...رجلة التي يمشى بها... شراس كايا وَل بن جا تا بول....

میں اس کے دل میں ... د ماغ میں ... رگ رگ میں ... ریشے میں .... خون میں ... کھال میں ... ہڈیوں میں ... اس کے جسم کے ایک ایک ذر ہے

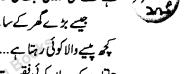
خون میں ... کھال میں ... بدیوں میں ... اس کے جسم کے ایک ایک ذرے میں اپنی محبت کے دریا بہا دیتا ہوں اور اس کے اندر کونور ہی نور بنا دیتا

ہوں...اس کے اندراور باہرائی زندگی بنادیتا ہوں کہ جواس کے باس بیشتا ہوں کہ جواس کے باس بیشتا ہے۔...

ہے اسے بی اللہ می محبت می حرارت سول ہوئی ہے کہ یہال موسے .... جیسے بوے کھر کے سامنے جب آ دمی گزرے تو پینہ چاتا ہے کہ یہال

بیے برے مرح سرے ماسے بعب وی درے و پید پاس سے گزرے تو پید کھھ پیسے والا کوئی رہتا ہے ....اور کسی جھونپڑے کے پاس سے گزرے تو پید چاتا ہے کہ یہاں کوئی فقیرر ہتا ہے ....اور جس دل میں اللہ ہوتا ہے اس سے

بر اتو دنیا میں کوئی بادشاہ ہی نہیں .... جاہے وہ مرد ہے یا عورت ....







- (E)



#### د نیاامتحان گاہ ہے

میرے بھائیو!اب اتنی بڑی کا ئنات کو وہ سنبیال کے چل رہا ہے ...اس میں ذرہ برابر مجی انحراف نہیں ... تو ہمیں بھی ایک تھم ویتا کرسید ھے

ہوجاؤ....کون تا فرمان ہوتا؟ ہارے ساتھ پنہیں....کیوں؟....

...ليبلوكم ايكم احسن عملا ...

ہم بدد کھنا چا ہے ہیں کہ بری مان کے کون چاتا ہے ...اورا بی مان كےكون چاتا بى ....الله كوكون راضى كرتا باور اين من كواورننس كوكون

راضی کرتاہے...اس امتحان میں....

"خلق الموت والحيات... ليبلوكم ايكم احسن عملا" ہم نے زندگی اورموت کا نظام چلایا ہے بیدد مکھنے کے لئے کہتم میں

کون ہے...جو ہاری مان کے چاتا ہے...

ميرے بھائيواور بہنو! يہاں ہم آ زادہيں ہيں...

...افحسبتم انما خلقنكم عبثا...

میرے بندو! تہمیں کیا ہوگیا ہے کیے زندگی گزارر ہے ہو کہ جیسے تہمیں

آزاد پیداکیا گیا ہے تم پرکوئی تکہبان نہیں ہے .... تمہیں خرنہیں ہے کہ....







...مايلفظ من قول الالديه رقيب عتيد...

تهاري زبان كاهر بول مي لكهدر باهون....

...بلى و رسلنا لديهم يكتبون...

میرے فرشتے تمہارے ہر بول کولکھ رہے ہیں اور اللہ تعالی کی کھلی

كتاب جميں بتار بى ہے كيتهارا مربدل ككما جاتا ہے ....

...يعلم خائنة الاعين...

تمہاری آنکھ غلط دیکھتی ہے تو وہ بھی لکھا جاتا ہے....

...وما تخفى الصدور...

تهارے اندرغلط جذبات پيدا موتے ہيں وہ جھي لکھا جاتا ہے....

... وما خلقنا السماء والأرض وما بينهما ...

ز مین وآسان اور جو پھھاس میں ہے میں نے کوئی کھیل کود کے لئے تو نہیں پیدا کیا....

...لو اردنا ان نتخذ لهو الاتخذنه من لدنا...

اگر مجھے کھیل کا کوئی تماشہ بنانا ہی ہوتاتو اپنے پاس بناتا...تمہیں

پيدا مل نے اس كئے تھوڑى كيا ہے....







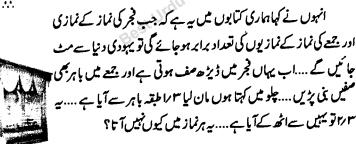






### نماز کی اہمیت اور اسرائیلیوں کا خوف

میرے بھائید! 1991ء میں اردن میں ہماری جماعت کی تھی .... ہم اسرائیل کے بارڈر پر چلے گئے .... آمد ورفت بات چیت ہوتی رہتی ہے .... چونکہ کچھ عرب ادھر رہتے ہیں .... کچھ عرب ادھر رہتے ہیں .... رشتے داریاں ہیں ... تو کہا یہ یہودی ہم سے پوچھے ہیں ... تمہمارے فجر میں نمازی کتنے ہوتے ہیں ادر تمہمارے جمعے میں نمازی کتنے ہوتے ہیں ... ہم نے پوچھا یہ تحقیق کوں کرتے ہو؟ ....







# دل کونفش و کینہ سے پاک رکھنے کا انجام



ا كِي مرتبه آپ صلى الله عليه وسلم بينج تے ... آپ ﷺ فرمايا: اس دروازے سے ایک جنتی آرہا ہے .... است میں ایک انساری محالی اعدر آئے ....جوتا ہاتھ میں تھا...اوردازهی سے یانی فیک رہاتھا...ا گلےدن آپ 🏌 🕮 بیشے تھے آپ نے فرمایا: اس دروازے سے جنتی آرہا ہے .... وہی الماري محالي الماري محالي الماري الماري الماري الماري الماري الماري الماري الماري الماري والمرابع والمراب

ہے فیک رہاتھا....

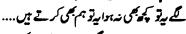
تیسرے دن آپ بیٹھے تھے ... آپ نے کہا اس دروازے سے جنتی ك آرباب .... مجروى محالي آئ ... تو حضرت عبدالله بن عمرو كن كله مين د میموں توسی بر کیاعمل کرتا ہے ...وہ اس کے پاس مطع سے ... کہا چامیری ا سے الزائی ہوگئ ہے ... میں جا بتا ہوں کہ چھ دن اپنے باپ سے دور ر ہوں ... تو آپ جھےا بے گھر میں تھہرالیں ... کہا بیٹا آ جا وَ... تمن دن وہاں رے کو بھی نہیں و یکھا...بس رات کو تبجد کے قال بڑھتے تھے .... جومسنون

تبجری گیارہ رکعات ہیں آپ نے مجمی گیارہ سے زیادہ رکعات نہیں رومیں بنجمی بڑھ کی ہوشاید ... آشر کھات نفل اور تین رکعت ور تنجیر کی نماز www.besturdinooks



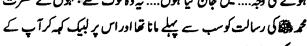
ہے... بمی آپ نے دور کعت نفل اور تین وتر پڑھے... بمی جار رکعت نفل اور تن وتر پر مے ... لیکن آپ نے متقل کیار ورکعات برحی ہیں ....

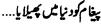
حعرت عبداللدابن عمروتيسر دن كبنے كلي جياميري توكوئي لاائي نہیں اینے باب سے تمن دن آپ کو جنت کی بشارت کمی ... میں دیکھنا جا ہتا تماآپ کرتے کیا ہیں؟ کہنے لگے بیٹا کی کھے ہوتو نے دیکھا ہے... کہنے





جب جانے گلواس محالی نے کہا: ادهر آؤایک بات ماؤل جوائدر کی ہے.... میراول تمام ملمانوں کے لئے پاک ہے.... میرے ول میں کسی مسلمان کے لئے کوئی بغض نہیں ... انہوں نے کہا ہاں یمی ہے تمہار ہے بنتی مونے کی وجہ... میں جان کیا ہول... بدوہ لوگ تھے جنہوں نے حضرت











### لقمان كي انبي اولا د كونفيحت

یہنی اقم الصلوۃ ... بیٹائماز پڑھا کرو.... مائیں پیچے پیچے ہوں اور کہیں نماز پڑھو... بٹی نماز پڑھو...لیکن یہاں تو کہتے ہیں ناں ناں سونے دو بچہ ہے .... نیندخراب نہ کرومیرے بیچ کی...میری بٹی کی نیندخراب نہ کرو انجی اس نے سکول جانا ہے پھر سکول میں نیندا کے گی....



اقسم المصلواة ... اقم الصلواة ... آگ میں جل جائے کیکن نماز نہ چھوٹے ... سولیوں پر لٹک نہیں کی نماز نہ چھوٹے ... سولیوں پر لٹک جائیں کیکن نماز نہ چھوٹے ....



نماز کاسیق اگر مال باپ نے دیا ہوتا تو آج تارووال کے بازاراذان پر بند ہوجاتے.... اتنا برا بازار ارہے اور یہ چھوٹی سے مجد ہے...معلوم ہوتا ہے نمازی بی نہیں ہیں .... اگر نمازی ہوتے تو یہ سجد تو ٹوٹ چی ہوتی اگر صرف یہی بازار سارا نمازی ہوتا .... تواس مجد میں تو بیٹھنے کے لئے جگہ بی نہلتی... معلوم ہوتا ہے نمازی نہیں ہیں .... جیسے کھر کی ویرانی بتاتی ہے کہ یہاں رہنے والا کوئی نہیں ہے .... ایسے بی مجد کا چھوٹا ہوتا بتا رہا ہے کہ بازار میں نمازی نہیں ہیں .... ایسے بی مجد کا چھوٹا ہوتا بتا رہا ہے کہ بازار میں نمازی نہیں ہیں .... اور کیا تو آج یہ حال نہ ہوتا ... افسم المصلوة ... بیٹانماز پڑھئی ہے ... اور کیا کرنا ہے؟...



وامر بالمعروف... بحلائي پميلاني ہے...



## امت وسط كيلي دنياكى مرچيز غلام بن جاتى ب

عقبہ بن نافع رضی اللہ عنہ...ا نیس محابہ کے ساتھ تونس کے دلیس میں ...اس كشكر مي انيس محابه تتے .... قيروان كاشهر بنانا تعا.... ثيلے برسوار ہوئے ادرانیس محابہ وساتھ لیا اور جنگل میں اعلان کیا کہ ہم اللہ کے رسول للے کے غلام ہیں...تن دن میں جھل خالی کردواس کے بعد جر ملے گاتل کرو یاجائے گا...تین دن میں شیر بماک کے.... چیتے بماک کے.... ہاتھی بماک

مح .... سانب دوڑ پڑے .... بھیڑ ہے دوڑ پڑے ....

ع لیس مراح میل میں پھیلا ہوا جنگل ختم ....سارے کے سارے اس جنگل کے وحتی اور درعرے بھاگ سے .... وہ عقبہ علی بات سجھ کے جارہے...امجی بیٹا.... ہاپ کی نہیں سجھتا....ادھرشیر سجھدر ہاتھا کہ درمیان میں

كرت تح...امة وسطا ... تح...امة وسطا ... درميان ش كرك تے....نامكنات ...مكن بنة چلے كئ .... بچرے ہوئے سندر مل محورث

ڈالےاور دوڑتے ہوئے پار چلے گئے....





### ايك صحابي المجاعجيب صدقه



ایک محالی ساری رات باغ کو پانی دیتے رہے....ابو عمل میں محالی ساری رات باغ کو پانی دیتے رہے ....ابو عمل میں میں امام تعالیہ کا کو کھر میں بیودی نے جس کا باغ تعالیہ کلو کھوریں دیں .... تمان کلو کھر میں بیوں کو دیں .... تمان کلو جمول میں ڈال کر مجد میں لائے .... و ہاں عبدالرحمان بین عوف نے ایک ہزار من مجور دی ہوئی تھی .... تبوک کا موقعہ تعا .... کہاں تمان کی ہزار میں ۔۔۔ کہاں ایک ہزار میں ۔۔۔ کہاں ایک ہزار میں ۔۔۔ کہاں آپ نے وہ تمن کلو مجوریں لے کر پوری مجوروں پر پھیلادیں ....

ایک اور صحافی متے وہ کہنے گئے: یا اللہ! اب تیرے نی نے کہا ہے جان مجمی لگا وَ اور مال بھی لگا وَ .... مال ہے ہی نہیں کیا لگا وَں .... تو جس کسی نے میری بے عزتی کی ہے میرااس پر پکھوتی بن گیا ہے میں اسے صدقہ کرتا ہوں اور پکھ میرے پاس صدقہ کرنے کو ہے نہیں .... وہ صحافی ہے جب کجرکی نماز میں آئے تو آپ شکانے پوچھارات کو صدقہ کس نے کیا ہے؟ صحابہ ہے خاموش

آپ ﷺ نے پھر پوچھارات کو صدقہ کسنے کیا ہے؟ اس محالی کے تو ذبن میں بھی نہیں تھا کہ میری بات ہور ہی ہے .... پھرآپ نے پوچھا کہ رات کوعزت کا صدقہ کسنے کیا ہے؟ تو پھروہ محالی کھڑا ہو گیا اور فرمایا کہ پسے نہ



تع من نے ایسے مدقد کردیا....آپ نے فر مایا: کدوہ تیرامعبول مدقد لکھ لیا

ر ، دن مدور ملولیا ..... توالله تعالی دونوں چیزیں مانگنا ہے .... پیر بھی لگا دَ جان بھی لگا دَ .... تب جا کرڈیلنگ کمل ہوگی ....

#### حضرت عمرهها وراتباع سنت

حفرت عمر رضی الله عنه نے کرتا پہنا تو اس کا آسٹین بڑا تھا اس ہیں بازوجهپ كيا...اپ بيغ سے كها بيٹا جمرى لا دَاس كوكا نا موں... انہوں 🖈 🎶 نے کہاا باجان آپ اس کو پنی سے کا ٹیس ... سید ما کٹے گا ... کہانہیں میرے یٹے میں نے اللہ کے رسول کھا کودیکھا تھا...ان کے کرتے کا بیآسٹین بڑھ كيا تو انبول نے اس كوچرى سے كاٹا تھا... تو ميں بھى چمرى سے كاثول گا... میں نہیں اس کوٹینجی سے کا شا....

تو مي يول كبتا مول كه جا باس وقت آب كوفيني للي ندمو... آب نے چھری سے کاٹ دیا... لیکن جیے کرتے ویکھتے ویے کرتے چلے گئے... ایک جگہ ہے گزرے ... حضور کا کو تھوکر گی ... عمر کے جب بھی وہاں ہے میں اس کے گرے اس کے میں کا سے کا تھوکر گھا تی ... میں بھی ہے کہ میں کا تھوکر کھا دَن گا ... یہ کیا عشق ہے ....

موركماون السيكياعش ب...

### حضور ﷺ کی دعا کی برکت



حضرت على رضى الله عندسرويول مين باريك كيثرا يبنية .... كرميول مين موٹا کیڑا <u>پہن</u>ے...ابویعلیٰ کے بیٹے ہیںعبدالرحمٰن انہوں نے اپنے باپ سے كها كركيا بات ب كدامير المومنين الناكام كرت يس... كريون يسمونا لباس يمنت ين ...روى آتى بولوباريك لباس يمنت بين ... توانهول ني كما

كهي يو چيتا بول ... يو چوكر بتا تا بول ....

تو ابدیعلیٰ نے حضرت علی رضی اللہ عنہ سے بو جھا کہ لوگ بو جور ہے یں....کریہ آپ کیا کرتے ہیں...الٹا کام کرتے ہیں.... تو فرمایا کیاتم خیبر میں میرے ساتھ تھے؟ کی ہاں...کہا کہ جب حضور ﷺنے مجھے مجنڈا دیا تھا تومير ك لئة دعا كتمى ... السلهم فيسه الحود والبود ... اساللهاس كو

گری ہے بھی بچاسردی ہے بھی بچا.... ده دن ادرآج کا دن نہ جھے گری گئی ہے .... نہ سردی گئی ہے .... اللہ جس کے جاہے دور کردے ان کو ضرورت نہیں ہے کہ وہ موٹا کوٹ پہنیں اور ضرورت نیس ہے کہ باریک کیڑا پہنیں ....اللہ نے اعر سے گری اورسردی

ك تكلنے كى صفت كو تكال ليا...اينے نبى كى دعا كى بركت سے ....

ایک حدیث یا آتا ہے میرے بندے! دنیا کو ہوس کی نظرے مت د کھ...سب سے پہلے قبر میں کیڑا جس چزکو کھا تا ہے وہ تیری آ کھ ہے....







جمکا لے ... اپنی نظر کو بے حیا نہ بنا ... بداس لئے نہیں کہ تو اوروں کی بویاں اور بٹیال دیکھے ... بداس لئے نہیں کہ تو نادانوں کے کھڑے کل دیکھے ...

#### حقيقت دنيا

میرے بھائیواان سے بواہمی کوئی نادان ہے جو چند سائس... چند ﴿ گھڑیاں ... چند محفظ... چند ہفتوں کے لئے کروڑوں کے گھر بنا کے بیٹھا ہو.... کروڑوں کے باغیجے بنا کے بیٹھا ہوا ہے .... آبٹاریں لگائے بیٹھا ہو ہے...ان سے بڑانادان بھی کوئی ہے جوگرتی ہوئی شاخ پہآ شیانہ بنائے ....

جوٹو نے ہوئے کنارے پرگھر کی بنیا دا ٹھائے.... علی جرف ھار فانھا رہد... جوگرتی دیوار کے پنچے سہارا لے.... جوگرتی دیوار سے فیک لگانے کی کوشش کرے.... جو مٹحے ہوئے جہان سے ﴿

تی لگانے کی کوشش کرے.... جواڑتے ہوئے آشیاں میں بچے رکھنے کی ریژہ ہے

کوشش کرے....جو چھر کا پراوردھو کے کا گھر اور کٹری کا جالا اور بل کا بجروسہ نہ ہوجس کا...اس نے ہرایک سے دعا کی.... ہرایک سے غداری.... ہرایک

سے مکاری کی ... بیفدار دنیا ... بیمکار دنیا ... بیب دفاد نیا ... نه بهلول کے

پاس دی ضمرے پاس رہے گی ... ندآپ کے پاس رہے گی ....



# بحائى پرعذاب

میرے بھائیو!اللہ پاک نے پہلی قوموں کے واقعات بیان کئے اور ان کواللہ کے عذاب نے پکڑاان کا بڑا جرم کفرتھا...

...الا ان صاد اكتفرا و ربهم...ان فرعون على في الارض...قال انا ربكم الاعلىٰ...الا ان لمود كفر

و ربهم…ي

تمام قوموں کو کفر پر بکڑا... لوط کی قوم بھی کا فرتھی ... کین اللہ تعالی نے ان کو کہیں بھی کا فرتھی ... کین اللہ تعالی نے ان کو کہیں بھی کا فرنہیں کہا ... ہر جگہ ان کو بے حیا کہا ہے ... بوا بھر مرتو فرعون ہے جس پر ایک عذاب آیا ... کہ اسے پانی میں ڈیودیا ... کسی پر پانی کا عذاب آیا ... کسی پر ہوا کا عذاب آیا ... کسی پر تھروں کا عذاب آیا ... کسی پر تا کسی عذاب آیا ....

اوط علیه السلام کی قوم پرالله تعالی نے پانچ عذاب بیمیج ....کی قوم پر الله تعالی نے پانچ عذاب بیمیج ....کی قوم پر الله تعالی اسلام کی قوم پر تین عذاب آئے .... وہ بددیانت تے ....ساتھ کا فربھی تے ....لوط النظی کی قوم پر زلزلہ آیا...فر شتے کی چی آئی .... پھروں کی بارش ہوئی .... چیروں کو شخ کردیا.... او برکا حصہ نیچ اور نیچ کا حصہ او برکردیا.... بے حیائی کی وجہ سے پانچ عذاب او برکا حصہ نیچ اور نیچ کا حصہ او برکردیا.... بے حیائی کی وجہ سے پانچ عذاب



ان برا كفي ت ....

جبكى نوجوان كاماتهاز من يركن ساتكارى بوتا ب .... جبكى كنظر بحيا موجاتى بسب جبكوكي عورت بيرده موجاتى ماورزيب وزینت سے بن شن کر بازار میں قدم اٹھاتی ہے تو بیآیت آ گے آ کراس کا کدما کو لیتی ہے ... اور کمتی ہے اے میری بندی! میں نے مجھے بنایا تما تو ميري بى باغى موكى ....

اے میرے بندے! میں نے مجھے بنایا تو میرے بارے میں بی برگمان مو كميا ... بمي ما وَل نے بھى الى اولاد كا براجا ہے ... من نے جو حميس كهاب يرده كرو ... من في جوجهين كهاب زمن يرمر دكموا ورتجد يكرو .... اور نمازیں برمو ... میں نے جو مہیں کہا ہے کہ مرد وعورت میں صد فاصل ر کمو.... میں نے جو تہمیں کہا ہے کہ مرد وعورت کا اتصال آگ عی آگ ہے

تو کیا کمی ماں بھی اپنی اولا د کا پر امانگتی ہے.... میں نے جو تہمیں کہا ہے كەرمغان كےروز بركھو... بيل نے جوجميس كباہے كه باپ كے سامنے سرندا ٹھاؤ.... میں نے جو تہیں کہا ہے کہ خاد ند کی اطاعت کرو.... میں نے جو کہا ہے خاوئد سے بیو بول کاحق ادا کرو.... میں نے جو کہا تھا دو کان پر تجارت ميح كرنا ... مح ولنا ... ائى ملازمتول مى ظلم ندكرنا ... ائى طاقت سے فلم

فاكدونيافمانا

لیکن تم نے کیا کیا؟ تم نے قدم قدم پر میرے حکموں کو توڑ دیا....
نمازوں کوچھوڑ دیا...میرائی نافر مان بن کیا....قرآن قصہ ماضی بن کیا....
برکت کے لئے قرآن کمریں پردوں میں لیٹ کے رکھے ہوئے ہیں...



پڑھنا محول مے .... کیمنا محول کے .... کھانا محول مے .... لمل ہم بہت مچوٹے تنے .... مجھے اپنا بھین یاد ہے .... کہم مجد سے قرآن





مرم ہوں مجے ....







### تھوڑی میں ریا بھی شرک ہے

معاذاین جل آپ نی صلی الله علیه وسلم کی قبر پر بیشے رور ہے تھ ....
او پر سے عمر اللہ آگئے .... معاذ کیوں رور ہے ہو؟ کہا ایک بات رُلا رہی ہے
جے میں نے اللہ کے رسول کی سے سنا تھا آج وہ بات یادآ گئی تو محبوب کی
بات یاد کر کے اس کی قبر پر بیٹے کررور ہا ہوں .... کیا یادآ گیا؟ کہا: اللہ کے نی
کیا تھا تھوڑی می ریا بھی شرک ہے ....

آپ بدے مزے میں جیل .... آپ سب اللہ کی رضا کے لئے آئے ہو .... آپ سب اللہ کی رضا کے لئے آئے ہو .... اس مجبراور کری پر بیٹھنے والا دعویٰ نہیں کرسکتا کہ میں اللہ کے لئے بول رہا کہ وں .... آپ نے والا صرف اللہ بی کا ذوق ہے .... میں اللہ کے لئے بول سکتا ہوں .... اپنی واہ واہ کیلئے بھی بول سکتا ہوں .... جھے کیا خبر کب تک ڈیڑھ دو کھنٹے میں میری نیت بدل جائے بہک جائے ہی بیت بدل جائے بہک جائے ہی بیت بدل جائے ....

تموڑی ی مجی ریا آگئ تو شرک ہوگیا.... جو کسی اللہ کے دوست سے

وممنى مول ليما باللهاس ك خلاف اعلان جنك كرديما بيس

...ان الله يحب الابرار ... الله كو يستدين تيك لوك ...

...الاتقياء ... مجمد سے ڈرنے والے ...





...الاخفياء ... حمي بوئ ... كمام ... بنام ....

...اللذين اذا غابوا لم ... چل جائين وان كى كى محسوس نهو ...

...ان حضرو لم يدعو لم يقربوا...

آجائين توانبين قريب بلاكر بنهانا پندنه كر ....

...ولكن قلوبهم مصابيح الهدئ...

کیکن وہ اندر میں کیا ہیں؟...ان کے اندر سورج کی طرح چیکتا ہوا :

ايمان کا چراغ ہے....

...يخرجون من كل غبرا مظلمة...

جال سے گزرتے ہیں... اندھرے بھی روشنیوں میں تبدیل

موجاتے ہیں...













### انساني جسم كاحفاظتى نظام خدا

میرے بھائیو! جس نے اتنا بڑا و جود بخش ... آنکھوں میں چراغ جلائے .... کانوں میں فون لگائے .... دماغ میں برتی روئیں دوڑا کیں .... دل کو دھڑکا یا .... سارے بدن کوخون پہنچانے کا نظام چلایا .... بھیٹروں میں فیکٹریاں چلا کیں .... رگوں میں خون پہنچایا .... بڈیوں کوغذا پہنچائی .... زبان کو بولنے کی طاقت دی .... دونالیاں لگا کیں .... سانس کی طاقت دی ... دونالیاں لگا کیں .... سانس کی الگ کردی اور معدے کی الگ کردی ....

ز بردست طاقتورنظام چلائے...اس کوتو ژکرآنتوں میں پہنچائے.... پھر کروڑوں تنم کی فیکٹریوں کوتر کت دے....اوراس میں سےخون کو

ئىنىچ....ىيىپىر<sup>د</sup>ول كوغذا....

خون کوغذا....



خون خودغذالے کے چل رہا...

أنتول كوغذا....

د ماغ كوغ**ز**ا....

مڈیوں کوغذا....

تاخن كوغزا...

ایک ناخن کھنے کے لو ہم کیا کریں؟ کیا میرے مولا کا نظام ہے....یہ

ہمارا قبرستان ہے ... مردوسل باہرنکل رہاورناخن کی شکل میں باہر آرہے

.. كرآ م جاك اور حت بورب ... جمورًا ساناخن زياده كث كيا ....سارا دن ی کرتارہے... سارادن ہائے ہائے کرتارہے یکی ناخن میرارب مینیج

لے تو ہم تو ایک ناخن کا شکر ادانہیں کر سکتے .... یہ جوڑ بنادیے ...سیدها

كردية مماى كاشكرادانيس كرسكة ....

میرے بھائیو! بیسب کھ کرکے چرہم اللہ کے باغی ہوجائیں ... کوئی

نقل میں آنے والی بات ہے؟ کوئی سوچ وجار کی بات کہ پندرہ سورویے دیے اور اس نے چائے کی پیالی نہ دی تو نکال دیا...اس نے گا کم کوڈیل

خبیں کیا تو نکال دیا....













### الثدكومنالو

میرے بھائیوال پنابید رمغمان سال میں ایک وفعد آتا ہے اور باتی تین چار را تیں ہیں ... میں یہ کہدر ہا ہوں ہر رات جو اللہ کو منا گیا اس کیلیے وہی رات شب قدر ہے ... جس نے اللہ کو منالیا اس کے لیے وہی رات شب قد ہے ... اس میں بیم روری نہیں ہوتا کروشی نظر آئی اور اجالا ہو کیا ... وہ ایک رات ہے جو شام سے چھاتی ہے اور اللہ کی رحمت کے در کھلتے ہیں اور اللہ اعلان فرما تا ہے آجاؤ ... آجاؤ ... آجاؤ ... آجاؤ ... ایا ایس جرائیل گلیوں میں چکر

لگاتے ہیں....

کون ما تگ رہا ہے ...کون رور ہا ہے ...کون روپ رہی کس کے آنو بہدر ہے ...کس کا جگر بھٹ رہا ...کس کی آئیں ...کس کے نالے ...کس کے آنسو ...کس کی بے قراریاں ہیں ... توجوں جوں شب قدر دو معلق ہے اللہ ک محبت میں تیزی آجاتی ہے .... اور بندہ اللہ کے قریب ہوتا جاتا ہے اور بہت ہیں یہاں تک کہ میرے بھائیدوہ وقت آجاتا

ہے کہ بندہ اللہ کی رحمت کی گود میں جا گرتا ہے...

جیے بچہ فال کی گودیش آتے ہی شنڈک محسوس کرتا ہے .... یہ وہ وقت ہوتا ہے جب بندہ اللہ کی رحمت کی آغوش میں گر کروہ چین یا تا ہے کہ لفظ چین

مجی اس کی تو تعییر نہیں کرسکا ... تو اپنے اللہ سے سلے کرو ... اپنے اللہ کو اپنا بر بناؤ ... اس سے سلح کرنے کیلئے کوئی الکشن لڑنے کی ضرورت نہیں ... کوئی ایک فیکٹری چلانے کی ضرورت نہیں ... اس کے مجوب وہ کا کے طریقوں پر آؤاس سے نبی کی زعر گی اپناؤاس کی محوب زعر گی کواپی زعر کی بناؤ ....

### گنهگاروں کے لئے خوشخبری

میرے بھائیوابیروح لکل جانے سے پہلے... اور شاٹھ باٹھ کے اٹھ جانے سے پہلے ... اور شاٹھ باٹھ کے اٹھ جانے سے پہلے تو بہ کرلو.....اپ اللہ کو منالو... اللہ سے زیادہ مہریان کوئی نہیں ... مال کیا محبت دے گی جو اللہ دیتا ہے... باپ کیا شفقت دے گا جو اللہ دیتا ہے... اس کی فرمانبردار سے محبت تو پیچ نہیں کتنی ہے ...

تافر مانوں کے بارے یس کہتا ہے۔۔۔ یا داؤ د ہشر المدنہین ....
اے داؤ د جامیرے نافر مانوں کو خوشخری سنا... جو حوصلے بارے پیٹھے ہیں ...
دل چھوڑ ہے بیٹھے ہیں ... سوچ رہے کہ ہماری توبہ ہی کوئی نہیں ... ہم نے
استے گناہ کئے کہ ہماری توبہ ہی کوئی نہیں ... جاجاان کو خوشخری سنا... یا اللہ ان
کو کیا بتاؤں؟ .... کہا انہیں کہدود تمہارا ہوے سے ہڑا گناہ بھی معاف کرنا
میرے لئے مسانہیں ... تم توبہ تو کرو... پھرمیری معافی دیکھنا....



### سيونگ ا کا ؤنٹ ختم کرادو

میرے بھائع! نماز نہ چھوٹے پائے .... نماز نہیں تو کھے بھی نہیں .... قرآن کی تلاوت کے لئے وقت مقرر کریں...آپ میں جوالیے تاجر ہیں جو سود میں کھنے ہوئے ہیں .... بیبہ ہے.... زکوۃ ادا کریں... بیسیونگ

ا کاؤنٹ بہت بڑاا بمان پرڈا کہ ہے .... میسیونگ نہیں ہے .... میر بربا دی ہے .

بربادی.... سو دکوسیونگ کا نام دیا.... آج کے Economist (ماہر : -اقتصادیات) ہوئے ظالم ہیں.... یہ آپ کے ایمان پر ڈاکے مار گئے.... جار

ا مصادیات کر میں اس میں اس میران کے چکر میں مت آئیں .... اُ دن کے میسے چک اور د مک کے لئے ... ان کے چکر میں مت آئیں ....

میں ب مجوری ہے بنک رکھنا...سیونگ سے نکال کر کرنٹ اکاؤنٹ میں بدلو...ایک پید بھی سودوہ تابی ہے کہ جس کا کوئی مقابلہ نہیں کرسکتا.... مجھے

جِرِ السبب ہے ہوئے ہیں اور در ہوئی ہوئی ہے۔ بتاتے ہوئے شرم آتی ہے...اس کی سزایش مند سے نہیں بتا سکتا....

سب کو بھول جائے گی ... بقریہ سب اللہ کے دیدار سے واپس آئیں گے تو اللہ ا بی کے جعہ بازار میں جائیں گے .... جعہ بازار کیا ہے؟ صور تیل لکی ہوئیں گ

.... ایک بازار مردول کام ایک بازار عورتون کام .... اس میں بہت

خوبصورت فریم شدہ تصویریں گلی ہوئی ہیں...اس کے ینچ لکھا ہواہے اگر آپ پیند فرما کیں تو میں آپ کے اندر تبدیل ہو کتی ہوں....

اب چلتے چلتے میاں کو ایک صورت پندائے گ .... کے گار ہوتی تو ہزا مزہ تھا... تو چہرہ ایک دم تبدیل ب دجائے گا... بنہیں کہ اللہ تعالی گردن کا ث کر بحرف کرے گا... بھرتو ہدی مصیب ہے.... بھرتو آپریش کرنا پڑے گا...دہ صرف خیال ہی کرنے کی دیر ہے کہ چہرہ اس میں ڈھل جائے گا....

ادھریکم کوایک شکل پیندا گئی کہ ریکتنی خوبصورت تصویر ہے میں تو یہ بنیا جا ہتی ادھریکم کوایک شکل پیندا گئی کہ ریکتنی خوبصورت تصویر ہے میں تو یہ بنیا جا ہتی

ہوں...ا گلے بل میں یہ چروان شکل میں تبدیل ہوجائے گا....

اب میاں کی شکل بھی بدل گئی اور بیٹم کی شکل بھی بدل گئی...اب گھر
آتے ہوئے دونوں کو پریشانی نہیں ہوگی کہ ہائے یہ کون آرہا ہے اجنی
میرے گھر میں .... مرد کیے گا یہ کون غیر محرم میری جنت میں چلی آرہی ہے....
دونوں ایک دوسرے کو پیچانیں کے .... اچھا تو نے یہ شکل بنا لی... اچھا آپ
نے یہ شکل بنالی .... سارے میک آپ کے شوق اللہ پورے کردے گا... گر





# حضرنت عائشه اورفكرآ خرت

میرے بھائیو! جوآخرت کے لئے پوری طرح تیار ہیں ان کا بیال ب كه... حفرت عائشه رضى الله عنها حالت نزع مين تفيس... حفرت عبدالله بن عباس رضی الله عنه آئے تو دیکھا آپ رور بی ہیں... اور روتے روتے آپ کی ادر منی تر موچکی ہے .... آج کی ادر هنی نہیں تھی ... يو اور هنی ہے ہی نہیں ... جس میں بال نظر آ جا ئیں وہ کیا اوڑھنی ہے ... بلکہ بڑی موٹی چا درساري آنسوول سے تر ہو چکي تھي ....



حفرت عبدالله بن عباس ﷺ فرمانے گکے: اے امال جان آپ کیوں رور بی ہیں ... آپ تو اللہ کے رسول اللہ کی وہ بوی ہیں جن کے سینے پہاللہ ك نى كاسرمبارك تعا...اورآ پاللدكى بارگاه مين حاضر بوئے....

آپ بھا کے انتقال کے وقت آپ بھا کا سر مبارک حضرت عا کنٹہ كے سينے پرتھا... حضرت عائشہ نے فرمایا: ہاں! جب اللہ كے رسول ﷺ نے دنیا کوچھوڑاتو آپ کاسرمبارک میرے سینے پرتھا....

حفرت عبدالله بن عباس ﷺ نے فرمایا: پھرآ پ کیوں رور ہی ہیں آپ والله کے حبیب اللہ کی سب سے مجوب ہوی ہیں... کہا: عبداللہ! مجص

ان باتوں سے دھو كەنىدى ... كاش مىل كچونجى: بهوتى ....

جب موت ﷺ گاڑتی ہے تو ہر چیز بے کار ہوجاتی ہے...اللہ ہمیں



ہاری حیثیت مجمار ہاہے... کہیں ہم اپنی اوقات کو مجول نہ جا کیں... اینے مرتبے کو بھول نہ جائیں ... ایخ آپ سے باہر نہ ہوجائیں ... ایک سائس لكلا اورسادے القابات منی میں تبدیل ہو گئے ... ساری عز تیں خاک میں ال كئين .. اورايك زمانه آياكه موان كروش زماندن اوروفت كي يهي ن قبركا نشان بمي مناديا....





#### ولی کی صحبت کااثر

ابو کر شیلی آئے جنید بغدادی کے یاس...ابو بکر شیلی تھے گورنر.... کہنے لکے کہ جدید جو تختبے اللہ نے دیا ہے یا مفت دے دے یا قیمت لے لے.... کہنے گلے مفت دول گا تو قدر نہیں کرو گے....اور قیت تیرے پاس ہے نہیں ... یلے کیا ہے کہ جس برخریدنا جا ہے ہو... کہنے لگا کیا کروں؟ کئے کے کہ پہلے حکومت چھوڑ کر آ ...موبے کی حکومت چھوڑ دی...ادر پانچ سال ان کے پاس رہے...



یا فج سال کے بعد کہا ابو برکیا حال ہے؟ کہنے لگے کہاہے آپ کو دنیا كاسب سے بدترين انسان مجمتا مول .... كمنے كلے جاتيرا كام بن كميا ... وه بات جواس دن ماتکا تھا...و جنید نے نہیں دی.... بلکہ اللہ نے دی ہے... 102 تربیت کی ... بغیر ربیت کے اگر کروایا جائے گا تووہ اسلام کے بجائے گفر بن



#### میرے بندے میری مان کرچل

میرے بھائیو! ہماراتو ساراکا ساراد جود بی اللہ کا مربون منت ہے...

کہ نطفے سے انسان ہے ہوئے ہیں... تو اللہ تعالی نے ساری کا کتات ہماری فدمت میں لگا کرہم سے صرف ایک مطالبہ کیا ہے...یا ابن آدم خلقت الاشیاء الاجلک ... میرے بندے ساراجہان تیرے گئے ہے...و خلقت کا جلی... اور تو میرے گئے ہے....

لبذا میری مان کے چل... ہمیں بھائی آپ کی خدمت میں دو تین باتیں کرنی ہیں... ان میں سے پہلی بات میں نے کمل کی ہے کہ ہم اللہ کی ماننے والے بنیں ... وہ نہ مانند پاک ماننے والے بنیں ... وہ نہ اللہ پاک چاہتا ہے ... وہ مانیں جواللہ پاک چاہتا ہے ... آپ لوگ حکومت کی ماننے ہیں تو آپ کو تنخواہ ملتی ہے ... اور آپ حکومت کی ماننا چھوڑ دیں تو حکومت والے نکال دیں گے ....

توجب آپ الله پاک کی مانیں گے تو الله پاک تو حکومت سے زیادہ غیرت واللہ ہاک کے غیبی خزانے غیرت واللہ پاک کے غیبی خزانے کھلیں گے ... توجب آپ اللہ کے سپاہی بنیں گے تو اللہ غیرت کتنی کھائے گا .... بیتینا اللہ کا غیبی نظام آپ کے لئے حرکت میں آئے گا....





# اپنے کریم رب کے حضور جھک جا



توميرے بھائى جم الله كى مانيں ... آج تك جو كچھ ہوااس سے توب كرلين ... الله كى ذات جيسى رحيم اوركريم ... اوراس سے برا مهر بان اور معاف کرنے والا بحرو بریس کوئی نہیں ... ساری زندگی محنا ہوں میں گزر جائے... مرف ایک دفعہ کہہ دے اے الله معاف کردے...اللہ پاک سارے ہی معاف کردیتے ہیں... طعنے بھی نہیں دیتے ....

آپ کی اور ہماری ماں خدانخو استہ ناراض ہوجائے... اسے راضی کرنا يرْ يِن يَهِ طِعن بوليال د ع كى ... كهرمعاف كر ع كى ... اور الله تعالى كا معالمه سجان الله....آپ نے صرف کہا: یا الله مجھے معاف کردے غلطی ہوگئ ... چل میرا بنده سارے ہی معاف... تو بھئی ہم معافی ما تک لیں...اللہ ہے صلح ہوجائے گی تو سارے مسئلے ہی حل ہوجا کیں مے ... زمین وآسان جوْش کھاتے ہیں کہا ہے اللہ اجازت ہوتو تیرے نافر مانوں کونگل جا کیں.... یا کتان میں ایسے خطے موجود ہیں ... جن میں ایک آ دمی کوہمی کلم نہیں آتا... كَتَغ بِرْ بِعِلاقُول مِين ... غارون مِين گھر ٻين ... شريف لوگ ٻي 💝 اورکسی نے ان کو پچھے بتایا ہی نہیں ... تو بھتی ہم غفلت میں نہ مرجا ئیں ... اللہ کوراضی کرکے مریسِ...اپنے حالات کوسامنے رکھ کرارادے نہ کریں...اللہ 104

کی ذات کوسامنے رکھ کراراد ہے کریں... حالات اللہ نے بنانے ہیں....



# مومن كادلَ الله كأگفر

میرے بھائیو! جیسے ہم گندا کپڑ ااٹھا کر پھینک دیتے ہیں... گندے بسر سے اٹھ جاتے ہیں... آیسے ہی گندے دل کو اللہ اٹھا کے پھینک دیتا ہے... سِجان الله ہم مجمی کیے ظالم ہیں... اپنے لئے تو صاف تقرا کمرہ پند كيا مواب ... ما ف مقرالباس پندكيا مواب ... اپ لئے روز انه نها نا پند

الله نه كِرُ اد كِيمِي نه مُره د كِيمِي نه مكان د كِيمِي ... جهان الله نه رمنا ب وه تو دل ہے الله اکبر... الله فرماتے ہیں نه میں زمین میں آتا ہوں نه آسان میں آتا ہوں ... کہاں آتا ہوں؟... اپنے بندے کے دل میں آتا ہوں... نه مجھے زمین سہارتی ہے ندآ سان سہارتا ہے... میرے بندے کا دل مجھے

جس دل میں اللہ نے آتا تھا اس دل کو دنیا کی محبت سے گذا کردیا... دنیا کی محبت سے ... مال کی محبت سے ... زیور کیڑے کی محبت ہے گندا

كرديا... خراب كرديا... برباد كرديا... اي ول كوالله وحتكار ديتا ب ... پیشکاردیتا ہے...اللہ سونے کوئییں دیکھتا... جا ندی کوئییں دیکھتا... کپڑے کو 😘

نہیں دیکھتا... حسن و جمال کو کیا دیکھے ... ہاں وہ دل کودیکھتا ہے کہ دل میں 105

كون ہے... ميل كه ميراغير....

#### ہم اپنے وجود کواللہ اور رسول کی مرضی پر ڈالناسیکھیں

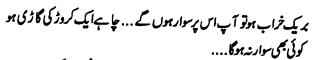
مرے بھائوا بہ کھا ہوا اسان نیل ہے... کدمری شہوت کہاں جانی جائے ادر کہاں رکی جائے ... اور بریک ٹھیک ہو بھے ہیں ... پیھے سے الله اوررسول الله كاطرف جوتهم آرباب... اس كى وجد المجتم كى حرارت میں آرام اورسکون ہے... ہماراجم اس سے باغی ہے... بغاوت ہے الله و

رسول کےساتھ ....

میرے بھائی اس کوسکھنا بڑے گا...اس طرف ہماری حرکت ہوجس طرف الله حاجمًا ہے... اور اس چیز سے رک جائیں جس سے الله ناراض ہے... حضرت حمز وہ شہید ہو گئے... جب حضرت مغید ﷺ و پہۃ چلاتو ہو کی تيزى سے آئيں ... جب آپ اللہ في في كما كرمنيد آربى إدركها كداس كوروكو... بيه آپ ﷺ كى چوپچى تقيس... كەحمزە ﷺ كو دېكى كرب قابوند

حفرت زبیر اللہ دوڑ کر گئے بیان کے بیٹے تھے... امال رک جاؤ رک جاؤ... ایک مکا مارا تو اڑے ادھر جاگرے... جب پیچیے حضور ﷺ کی کے امر پر رامنی ہیں... تو ہارا بیسٹم خراب ہو چکا ہے... جس گاڑی کا 106





میرے دوستو! ہمارے وجود کی گاڑی کی ہریک فیل ہو پیکی ہے ... پھر اس کو لے کر کیوں جاتے ہیں دوکان میں ... بازار میں ... پہلے اسٹھیک تو کرلیں ... درندا کی کر ہوگی جس سے جہنم کے علاوہ کوئی ٹھکا نہیں ملے گا... ہم اس وچود کواللہ اور رسول کھی کی مرضی پرڈالنا سیکھیں ....



## عمر المان برفرشتوں کی خوشی

عرف آل کوآر ہا ہے اور بدترین انسان بن کے آرہا ہے .... جب سے حضورا کرم فیکا وامن پکڑا ہے اسیااو نچا اٹھ گیا ہے کہ آسان سے جرائیل آگی ...اور کہایارسول اللہ فیا عمر کے اسلام کی خوثی ہور ہی ہے؟ کہا ہال .... کمنے گئے آسان کے فرشتے بھی خوش ہور ہے ہیں ....عرف کے اسلام لانے پر .... یہاں زعد گی کے گندگی کے فیصروں کی گرائی میں گراپڑا ہے ....اور اوھر حضورا کرم فیکا وامن پکڑتا ہے .... تو عرش کے اوپر اس کی یرواز چلی جاتی ہے ....



تین سوسا تھ بتوں کے پجاری ہیں... جب کہتا ہے...اشھدان محمد رسول الله... توفر شتے اس کے قدموں میں آ کر بیٹھ جاتے ہیں...

# باتھاٹے،مردہ زندہ ہوگیا



ام سعدر صنی الله عنها کا بیٹا فوت ہوگیا... جب ان کو پہ چلا کہ بیٹا فوت ہوگیا... جب ان کو پہ چلا کہ بیٹا فوت ہوگیا تھا... اس میت کے پاؤں کی طرف آکر بیٹھ گئیں ... اور حضور وہ کہ بھی ساتھ تشریف فرما تھے... ان سے پچونہیں کہا خاموثی سے دعا کرنا شروع کی ....



...امنت بک طوعا و هاجوت الیک دغبه ... یاالله تیری محبت می کمر چهوژا... اور تیرے حبیب کے کمر آئی... اور میرایٹائم نے لیا... فیلا تشمت بی الا عداء ... یاالله آئی... اور میمرایٹائم نے لیا... فیلا تشمت بی الا عداء ... یاالله آپ دشن کو کول موقع دیتے ہیں ... کروہ کہیں گے کہ باپ دادا کا فر بب چھوڑا... بیٹا گیا... یااللہ میری عزت رکھ... صرف اتنای کہا کہ ... فسلا تشمت بی الاعداء... میر دشمنوں کو بننے کا موقع ندوی ....







# سورج!الله کی نشانی

میرے بھائیو! سورج ایک سینڈ میں ... صرف ایک سینڈ میں جتنی آگ بھینکآ ہے... دس لا کھایٹم بم زین پرگرائے جا کیں... اس سے جتنی آم اور حرارت نکلتی ہے... سورج اتن حرارت ہرسکنڈ میں زمین پہ مجینک

رہاہے...اورجبسے چل رہاہے مجینک رہاہے...

...وجعلنافيهاسراجا وهاجا...

الله تعالى فرماتا ہے ہم نے د بكتا مواجراغ اور انگارہ تمبارے سرول كاوير چلاديا... اوراس مس سے جوآگ تكتى ہے... اس كيس كروڑ حص ك جائي توبيس كاكروروال حصدونيا من آربا بي ... باقى انيس كرور ننا نوے لا كھننا نوے ہزارنوسوننا نوے حصے... الله تعالى فضا ميں جلا رہاہے

اورختم کررہاہے....

اگر الله صرف بین کروڑ میں کا ایک کی بجائے دو حصے ڈالنا شروع کردے... تین حصے ڈالنا شروع کردے... تو ساری کا ئنات جل کے را کھ

موجائ كى ... يدوه الله كانظام ب جوفرعون كے لئے بھى چل رہا ہے ... موی علیدالسلام کے لئے بھی چل رہاہے ... پولیس والوں کے لئے بھی چل

ر ہا ہے ... فوج والوں کے لئے بھی چل رہا ہے ... اوراس میں اللہ تعالیٰ نے ل







كوئى بخل نېيى كيا....

اوربيهار انعامات ويكرالله بم صصرف ايك مطالبه كرتاب ... کہاہے جم وجان کومیری مرضی کے مطابق استعال کرو... اپن مرضی کےمطابق استعال مت کرو....



میرے بھائیو!ایک تنبا اللہ ہے جوسارے کا نات کے نظام کو چلار با إ معمو [ إ ب ... سورج كوبعى اس من كفر اكرد ي ... رات كوكفر اكرد ي ... اورايك وقت آئے گا کہ اللہ رات کو کھڑا کردے گا... سورج کو کہا جائے گا مت نکلو...

رات کوکہا جائے گامت ڈھل... مجری تاریجی چلتی رہے...

سارى كائنات كى طاقت آج سورج كونيس تكال عنى ... كه تيرك رب كا امر متوجه بوجكا ب.. اب رات إرك جااورا يسورج! مت طلوع ہوآج کوئی نہیں نکل سکتا...اللہ دکھا رہا ہے کہ میں اگر رات کوروک وول تو كونى طاقت بجوتمبار ك لئے سورج كولائے كى ....









#### موا!الله كي نشاني

مير، بما ئيو! من عرض كرر باتها كما للد تعالى اس مواك غلاف كواثما و ... کیے اٹھائے... زمین اس کوسکیڑو بے زمین سکڑ جائے... تو اس کی كشش كهك جائے كى ... تو ہوا ميں اڑ جائے كى .... يا پھرز مين باتى ركے . اس کی تحشش خود محم کردے... اس کو کیا مشکل پڑتی ہے تو ہوا اڑ جائے گى... موااڑے گى تو اسلام آباد بھى اڑ جائے گا... اور پوليس بھى اڑ جائے

كى... كه يا برشے از حائے كى...

مجمی آپ نے دیکھا ہے یہ بیچ گیس والاغبارہ لے کرچل رہے موتے ہیں ... وہ ہاتھ سے چھوٹ جائے تو یوں فضا میں اڑ جاتا ہے ... ہم پورے محرول ... بنگلول ... گاڑیوں سمیت ہوا میں اڑ جا کیں کے زمین پہ کک نہیں سکتے... ہوا کے پریشر نے... زمین کی کشش نے ہمیں زمین یہ

ا یک دفعہ میں لیٹا ہوا تھا دیکھا چیکی اد پر جار ہی تھی ... میں نے کہاا ہے الله تیری کمیسی قدرت ہے کہ بیالی چل رہی ہے... تھوڑی دیر کے بعد خیال آياكم بم بحى توالي ييشے بوئ بين ... بيز من إاوريد ياؤل بين ... اور

سرفضا مي ب، بم سارے كے سادے النے زمين كے ساتھ جيكے ہوئے بیں... النے چل رہے ہیں... مجمی محسوس ہوا کہ النے چل رہے ہیں...



چیکل بھی اٹی چل ری ہے… گرتی بھی نہیں… ہاں ہم بھی تو بچاس سال سے الٹے چل رہے ہیں… مجمعی گرے ہیں….



#### ملكه نورجهان كاوبران مقبره

میرے بھائو!جاؤ! دیکموجس کا نام گونج رہا ہے... مغل کی تاریخ میں... وہ رادی کے کنارے ایک ٹوٹا سا مکان ہے... دیکھوتو سہی ... جاؤ! ویکھوکون ہے یہاں؟... کون پڑا ہواہے؟....

> دن کو مجمی جہاں شب کی سیابی کا سال ہے سرشام جہاں تربت سے اٹھتا سا دھواں ہے

کون ہے؟... کہتے ہیں یہ آرام گاہ نور جہاں ہے... ہندوستان کی ملکہ ... یہ عورتیں کیا کریں گی ... جا رکنال کے بنگلے کی مالک بن کئیں ... تمیں کنال کے بنگلے کی مالک بن کئیں ....

پورا براعظم... مندوستان... بشمول افغانستان اور ایران کا بهت سا علاقه ...اس كي وا حد ملكه ... اس كا يا پيڅنت بھي د لينہيں لا مورتھالا مور ... جاؤ اس کے ٹوٹے مقبرے سے سوال کرو... کرتو نے کیسی حسینہ کواینے اعد دبادیا ... اوراس کے وجود کو بھی کھا گئی... تواے قبر! تجھے پیر خیال بھی نہآیا کہ کتنی

112 کوی ملکہ ہے...











# ظا ہر میں کمتر! باطن میں ہیرا

امام شہابی سے مردان نے پوچھا.... کہ تجاز کا امام کون ہے آج کل؟.... کیا صفتی بیان کی گئی ہیں؟.... کالے ... ناک کے صفیہ...

ائد ھے... ننگڑے... لولے... ایسامعندورآ دمی بھی... اللہ کی پارگاہ میں...

ا تنااونچامقام ... حاسل کرسکتا ہے ... جو کالابھی ہو... چپٹا بھی ہو... اعدها بھی ہو... لولابھی ہو... لیکن پورے عرب کا امام تھا....

سلمان بن عبدالما لك جيسا جابر بادشاه... ان كے سامنے دوزانو بیشتا تعا... پھراس كا بیٹا ايوب ... وہ اس كى زندگى ميں مرگيا... پھر حضرت عرر بن

على البيران البيران اليب الوب الموان في تندق بين مركبان بير حضرت عربن عبد العزيز كون اليب آيا بينا

ہے.. فرمانے گئے بچھے پتہ ہے آیا ہوا ہے لیکن اس سے سننا چاہتا ہوں... اسے بھی پیوچل جائے اس کے باپ کو بھی پتہ چل جائے... اللہ کے پچھ

بندے ایسے جرکی برواہ ہے نمان کی پرواہ ہے نہ ان کی حکومت کی پرواہ ہے ...

ایسا معذور آدمی بھی میرے بھائیو!... پورے دین کو لے کرچل سکتا ہے...اس لئے کہ اللہ تباؤک و تعالی نے دین کو وجود میں لانے کے لئے...

نه ال كوشرط لكايا بي نه حسب فيونسب كى شرط لكائى نه

اقتداری شرط لگائی....





# بغيرانجن والاجهاز! برنده



میرے بھائیواتم پرندوں کونییں دیکھتے... کہ کیسے ہوائی جہاز ہیں جو ہوامیں پھرتے رہتے ہیں؟... ندان میں کوئی انجن ہے... ندان کوابندھن کی

ضرورت ہے ... نان کو کی بارڈر پراڈانے کی ضرورت ہے ... وہ اپنی اڑان

ارتے ہیں...الله تعالی ان کو مواؤں میں تعامتا ہے... اوران کے لئے لمب

چوڑے ائیر پورٹ کی ضرورت نہیں ہے ... ندرن وے کی ضرورت ہے

الزنے کے لئے ندی سے کئے ...

درخت کی ایک چیوٹی می شاخ اس کا ائیر پورٹ ہے... وہ اس پر

لینڈگ کرتا ہے ... بدی بلندی سے اور بدی تیزی کے ساتھ سید ماای شاخ پہیٹمتا ہے جس کا وہ ارادہ کرتا ہے ... مجمی آپ نے نہیں دیکھا ہوگا کہ وہ گرا

مجمی النے ہوتے ہیں ای طرح کی حادثات ہوتے ہیں....

الله کا بنایا ہوا جہاز ایک جمعوٹی می شاخ کوا بنارن دے بنا تا ہے ...اور

سدهاوہاں جائے اتر تا ہے ... مجمی ایبانہیں ہوا کہاتے میں پھل کر گر گیا ہو... پھراڑنے کے لئے مرف تعوز اسار ہلاتا ہے ... تو ہوا میں نظر آتا ہے

www.besturdubooks.net





ميں سے کوئى چھنا بھى چاہے چھپ نہيں سكا... يقول الانسان يومنذ اين الممفو ... بما گنا چاہے ہما گن نہيں سكا... فانفذوا لا تسنفذون الا بسلطان ... بما گوآج كہاں بما گوگے كس سے لاو كے

لاتسنف ذون الا طانت نبيس ہے...

بماگنیں سکا... حیب نہیں سکا... اور اللہ کے سامنے ہرایک کو پیش مونا ہے... و لقد جنتمونا فوادیٰ ... اکیلے اکیلے... کے ما خلفنا کھ

اول موة... جیسے کیلے پیدا کیا...وتر کتم ما خولنکم و داء ظهور کم ... دنیا کی دولت مال متاع تم سارا دنیا میں چھوڑ کر آگئے... میرے پاس اسکوات بیریہ

ا کیلے آئے ہو....

تومیرے بھائیو!... ہم میں سے ہرایک نے خدا تعالیٰ کا سامنا کرنا ہے... ساری دنیا کے انسان اس بات کی تیاری کیلئے یہاں بیمیج مجھے ہیں...

ہم اپنی عقل سے آخرت کونیس مجھ کتے تھے کہ مرکباتو پھر کیے زندہ ہوگا...

قال من يحيى العظام وهى رميم .... يركي ذيره بول ك .... يرتو بريق برياني بوكن .... يوق برياني بوكن .... يوق برياني براني بوكن .... يوق برياني بوكن ....









#### مرنے کے بعد کیا ہوگا؟

میرے بھائیو!اللہ تعالی نے ساری دنیا کے انسانوں کو تھوڑی دیر کیلئے یہاں بھیجا ہے ... دھوکے کا گھرہے... وما الحیوة الدنیا الا مناع الغرور ... اور منزل آگے ہے...

....وسارعوا الى مغفرة من ربكم و جنة عرضها

السموت والارض اعدت للمتقين....

دوڑواپنے رب کی مغفرت کی طرف... اور اس جنت کی طرف جو تقوے والوں کے لئے بنائی ہے ... اور اس کی چوڑائی آسمان زمینوں کو جوڑ دیاجائے... تو اس کے برابر ہے یہاں منزل ہے تو وہاں ایک خطرناک کھاٹی

بھی ہے...

...قدوا انفسكم واهليكم نارا...ا الايمان والوبچاؤائة آپ كوادرائ الل كوآگ سے ... جس كا ايندهن انسان ادر پھر بيں ... اپنے آپ كوجنم سے بچاؤ... ادرائ آپ كو جنت كى طرف لے كرچلو... بيد نيا

عارضی ہے اس میں کسی کو ہمیشہ نہیں رہنا...

... كل من عليها فان ... جوآيا بات الله كما من بيش مونا

ے... يومئذ تعرضون لا تخفى منكم خافيه ... وه ايادن بى كى تم

... نہاسے کپتان کی ضرورت... نہاسے انجی اور ایندهن کی ضرورت... اللہ فرماتے ہیں کہ ان میں غور کرو گے تو میرے قدرت نظر آئے گی... میری کبریائی نظر آئے گی...

#### دلول میں محبت اللہ تعالیٰ ہی ڈالتے ہیں

میرے بمائیدالله تمالی ہرچز پرقادر ب...الله تعالی فرماتے ہیں کہ سب کام میں کرتا ہوں... تہمارا اللہ بیرکرتا ہے کہ ماں باپ کے دل میں تمہاری محبت وال دیتا ہے... اور جب حیابتا ہے مینچ لیتا ہے... جیسے کہ حضرت موی علیه السلام کی والدہ کے دل سے محبت کو تھینج لیا تھا... فرعون نے مویٰ کودودھ پلانے کے لئے دابیری ضرورت تھی...اس نے بہت می دایوں موی لودودھ پلانے سے دربیرں رریب ہے۔۔۔ کودر بار میں طلب کیا تا کہ دودھ پلائیں نچے کو... مگراللہ نے فرمایا... ''ہم

نے موی پراپنی مال کے علاوہ سب کا دود ھر ام کر دیا تھا''... بالآخرا يك عورت نے كہا جواس مجلس ميں تقى... كەميں دايه كوكيكر

آ وَل... فرعون نے کہا کہ ہال... جب وہ عورت دایہ کو لے کرآئی وہ دایہ

خراب کردیتی....

### بالون مين الله كي نشانيان



میرے بھائیو! ہم تواپی ذات میں ایسے بے بھی ہیں کہاہے بالوں پر بھی کنڑول نہیں کریاتے... اگر اللہ تعالی سر کے بالوں کی طرح سینوں اور پندلیوں کے بالوں کوسمی برحادیں... تو ہم میں اورر پچھ میں کیا قرق رہ



الله تعالى يه بال نبيس برهاتا... بدالله كانظام ب كمرك بالول كو برهاتا ہے ... اورجم کے دوسرے حصول میں بال کو بر صفح نہیں دیتا... بیہ پکوں کے جو بال ہیں... ان کوایک خاص مقدار میں بڑھا کر بند کردیتا ہے ...ان کو ہڑھانا شروع کردے...وفسی انفسسکم افلا تبصرون...اللہ تعالی کہتاہے کہاہے میں بھی بھی غور کرو....



سائنس میں غور کرتا ہے... ایٹم میں غور کرتا ہے... یانی میں کیا ہے... یا خانے میں کیا ہے؟... پیثاب میں کیا ہے؟... اپنے پیثاب یا خانے میں سوچتا ہے... کیکن اپنی ذات میں نہیں سوچتا کہ مجھ پراللہ تعالیٰ کے کتنے زنعامات بي<u>ں ..</u> تواس كائنات ميں وہ ہوگا جواللہ جا ہےگا... لا المه الا الله ... مخلوق سے کھے نہیں ہوتا... البذا مخلوق سے امیدیں ہٹالو... ان سے جی

118 مثالو...الله كوم طلوب بتالو....



### ہوئے نامور بےنشاں کیسے کیسے



میرے بھائیو! دنیا کا سب سے بڑا فاقح چنگیز خان ہے... کوئی اس کی قبرتو دکھا دے کہاں ہے...اس کی بادشاہی ختم ہوگئ... آپ کی بادشاہی کیا ہے؟.... بادشاہی جس کو اللہ نے دی آج اس کی قبر کا نشان کوئی ہ

سیا ہے:.... باوسابی ، س کو اللہ سے دی آج آس کی سرہ کا نشان کو گ نہیں.... بھا ئیو! ہم اپنی حیثیت یاد رکھیں... ہم پر کھنیں بے حیثیت بے گ

قيت بين...

میرے بھائیو! پیسے سے اگر کام بنمآتو قارون ندبن جاتا... حکومت سے کام بنتے تو فرعون کیوں ندبن جاتا... اگر شہرت سے کام بنتے یا مسائل حل ہوتے تو سکندر کہاں چلا گیا... وہ رومن ایمائر تین ہزار ایک سوچونسٹے سال چلی ...

مس طرح کھاں چلے محتے ....

قيركهاں چلے گئے ... وہ بنواميه كهاں چلے گئے ... بنوعہاں كہاں چلے ن ذبير بر سر ماہ م

گئے...عثانی ترک کہاں چلے گئے... چنگیز خان دنیا کا فاتح کہاں ہے... آج اس کی قبرکوئی تو دکھا دے...اس کی ہڈیوں کے نشان تو کوئی دکھا دے...

من من کا گران کر سازت کو ملادینے والا... آج اس کی قبر کا کوئی نشان تو و کھا ہے۔۔ ہلاکو خان کا نئات کو ہلادینے والا... آج اس کی قبر کا کوئی نشان تو و کھا

و ۔... کہاں گیامحمود غر نوی ... تیمور لنگ ... کہاں چلے گئے ... جاؤان ا

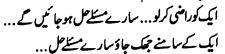


کی قبروں کو دیکھو جوعبرت کا نشان نئی پڑی ہیں... سارا جہان جن کے آھے جھکا تھاقیر کے کٹروں نران نکاہ حدود کا کہ کہ دا



جھکتا تھا قبر کے کیڑوں نے ان کا وجود مٹا کرر کھودیا.... اللہ اور رسول کوساتھ لے لو... دونوں جہاں کے کام بن مجئے... تبلیغ

کوئی جواز نہیں ہے... تبلیخ اس بات کی محنت ہے کہ ہر مسلمان اپنے اللہ کو راضی کرنا پنی زیم گی کا کام بنالے...



ایک کے سامنے پڑجاؤ... سارے کام بن جائیں گے... ایک کوراضی کرو... وہ سب کوراضی کردےگا...

بیت وران کی فردے ہے... ایک کوساتھ لےلو... سارے کام بن جائیں مے....









# كياآب قبركامتان كے لئے تيار بير؟



مير ، بهائوابيد نيا امتحان كي جگه ب ... جيسے طالب علم كمر و امتحان میں ہوتے ہیں...وہ پر چ حل کرتے ہیں... جب وقت پورا ہوجا تا ہے تو

ان سے برہے لے لئے جاتے ہیں...ایے بی ہماس دنیا میں امتحان میں

ين ... جو كجم م ن بولا ... موجا ... فرشة "كراماً كاتبين" يرب لكهة

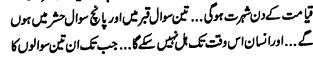
قیامت کے دن بیا عمال کی کتاب ہمیں دی جائے گی... اور کہا جائے گايزهو...

...اقرا كتابك كفي بنفسك اليوم عليك حسيبا...

..مالك هذا الكتاب لا يغادر صغيرة ولا كبيرة الا احطها...

ممايخ اعمال كے بقدرياس يا قبل مول مح ...

جیے دنیا میں امتحان کے بعد شمرت ہوتی ہے...ایے بی قبر میں اور



جواب نہدے کے...



قبر کے تین سوال:...

...من ربك ... تمهاراربكون ٢٠...

...ما دينك... تهارادين كياميج...

...من نبيك ... حضور الملكم تعلق تم كيا كتي مو؟...

حشرکے پانچ سوال:...

...زندگی کیسے گزاری؟...

... جوانی کیسے گزاری؟...

... مال كيسے كمايا؟...

... كيے خرچ كيا؟...

...اپ علم پر کیاممل کیا؟...











# مسلمان قرآن كى نظر ميں

"ان المسلمين والمسلمات والمومنين والمومنات والقنتين والقنت والصدقين والصدقت والطبرين والصبرت والخشعين والخشعت والمتصدقين والمتصدقت."

محمر مصطفیٰ صلی الله علیه وسلم کی بیاری زندگی کی بیدس تصویریں ہیں... بیاللہ تعالیٰ نے دس نمونے بنائے مسلمان مرد ... مسلمان عورت ... ظاہری

دُ هانچهاسلام بو...

پی حلیہ مسلمان کا ہے میہ مولوی کانہیں ہے ..... پی حلیہ ... پیڈاڑھی ...

پی گئڑی ... پیرکرتا پی مختوں سے او پر شلوار ہو ... تہبند ہو ... پا جامہ ہو ... بیہ مسلمان کی نشانی ہے ... ایساظلم نہ کروا پنے نبی مسلمان کی نشانی ہے ... ایساظلم نہ کروا پنے نبی گئی کی زندگی کا ایسا نہ او او اس کی خلامی میں نہ آؤ ... پہنو پہننے کا شوق ہے ... شرک پہنو ... ٹائیاں پہنو ... چیشیں پہنو ... پراس کا نما آق نہ اڑاؤ ... کل کو بڑے دلیل ہوجاؤ کے ...

-र्ज़िक्

یہ وہ شکل ہے جواللہ نے اپنے نبی ﷺ کوعطا فرمائی ... بیروہ شکل ہے [ جس پرحسن بھی فدا...اماں عا ئشدر ضی اللہ عنہانے فرمایا تھا یوسف علیہ السلام کود کی کرعورتوں نے ہاتھ کا نے تنے ... میرے محبوب ﷺ کو دیکھتیں تو سینے چرکے بیٹھ جاتیں... بیرو محبوب ہیں جن کواللہ تعالی نے اپنے خزالوں سے



#### الله كي مهلت اور جهاري بغاوت وسركشي

ميرے بھائيوا ہم نے بغاوت كى...اللہ نے مہلت دى...اس نے مانے...اس نے نشانیاں بتائیں... ہم نے مندموڑ لیا...اس نے قرآن کا

نغمسنایا... ہم نے کانوں میں ڈاٹ دے لئے....

اس نے قدم قدم پر عبرت کے نمونے قائم کئے... ہم نے آتھوں پر مرد بال لئے...اس نے غور و اگر کی نشانیاں پھیلا دیں... ہم نے اپنے غور وفکر کی تاروں میں تا نول بانوں میں سوائے پیسے کی کمائی کے اور پچھے نہ ركها...اس نے دل ديا كماس ميں ميں ہوتا موں... بهم نے اسے بھى بتوں سے بجالیا...اس نے وجود دیا کہاس میں اطاعت ہوتی ہے... ہم نے اسے مناہوں ہے بھردیا...

اس کے باوجودوہ مہلت دیتا جلا گیا... دیتا چلا گیا... ائلی اس کی سنت ہے...اگراس کی اپنے بندوں سے محبت نہ ہوتی... تو آج ر زمن پیروئی انسان نهروتا....



### ذره ذره الله كالنبيح كرتاب

مير ، بعائيو! يهكائنات كاذره ذره اس كي تبيع يز هتا ب...

... كل قد علم صلاته و تسبيحه... كل قد علم

صلاته و تسبيحه...

برجزال کافع برحق ہے...

... تسبيح له السموت السبع والارض ومن فيهن ... ساتوں آسان...زمین اس کے درمیان اس کی تیج بر متاہے...

...وان من شيء الايسبح بحمده...

مرچيزالله كاتبيع مي ب..اسكاذره... يكنى اينيس كلى موئى ين...

ان مل کتنے ذرات میں... بدلوہا ہے... بداس کی حمیت ہے... حمیت کا

لینٹر ہے... بین علیے ہیں... بیفانوں ہے....

یہ میرا کرتہ ہے... کرتے میں تار ہیں... ہر تار میں کتنے ذرے قالین \_ سالد مدکت ہیں... قالین ہے... قالین میں کتنی تاریں ہیں... ہرتار میں کتنے ذرے



ورخت ہیں... درخوں کے ہے ہی... ڈالیاں ہیں... طہنیاں ہیں... ہرڈالی ہرٹہنی کے کتنے ذرات ہیں... ذراصحرامیں چلے جاؤ... ریت بى ريت ہے... ذرات بى ذرات ہيں... يانى كاايك ايك قطره... ايك ایک قطرے میں ارب ہاارب ذرات ہیں... تیرا میرا رب یول کهدرہا



میرے بھائیو!... ہر ہر ذرہ تیرے رب کی شبیح پڑھتا ہے... اللہ سنا سکتا ہے... کہتا ہےان کا نول سے حرام سننا چھوڑ دو... پیتہ پیتے تہمیں میری

تشبيع پڑھتا سائی دےگا... من سکتے ہو... من سکتے ہو... کیکن ان کا نول کو گانوں سے بیاؤ...ان کانوں کو ترام سے بیاؤ...ان کانوں کو فاحشہ ورتوں

کی لے سے بچاؤ...شیطانی سرساز سے بچاؤ...

مچر دیکھویتہ پیۃ خمہیں سبحان اللہ کہتا سنائی دے گا... سنو مے انہی کا نوں ہے سنو کے کہ کا تنات کوننج رہی ہے... گوننج رہی ہے...اوراس کی

کونج سے عرش وفرش میں بھونجال ہے... کہ فرشتوں سے لے کرتحت

الر کی میں چلنے والا ایک کیڑا جو مائیکرواسکوپ کے بغیرنظر بھی نہیں آتا...وہ

مجمی کہدر ہاہے... ...سبحانه ما هذا ماشانه...

ساری کا ئنات پر با دشاہ ہے ... بلاشر کت غیرے وہ ما لک ہے ... وہ



### میاں ہوی میں لڑائی پر شیطان کی خوشی

ميرے بھائيو! آپ صلى الله عليه وسلم نے فرمايا ... بہترين مسلمان وہ ہے ... جو بوی سے اچھا سلوک کرتا ہے ... میں نے کل بھی آپ کو بتایا تھا ... كەسب سے برا كارنامەشىطان اس كاستجمتا ہے ... جومياں بيوى كولز کے آرہا ہو... سب سے بڑا شیطان روزانہ کچبری لگا تا ہے ... اور یو جھا

ہے...ہاں مجنی کیا کر کے آئے ہو؟....

ایک کہتاہے: زنا کروائے آیا ہوں...

کہتاہے: ٹھیک ہے بیٹھ جاؤ...

دوسرے سے بوجھا:تم نے کیا کیا؟...

تو کہا جمل کروایا... ٹھیک ہے بیٹھ جاؤ...

تیسرے سے یو جمانتم نے کیا کیا؟...

چوری کروائی... ٹھیک ہے بیٹھ جاؤ...

چوتھے ہے ہوجھا:تم نے کیا کیا؟...

تو کہا: ڈا کہ ڈلوایا... ٹھیک ہے بیٹھ جاؤ...

یا نجویں سے بوجھا جمنے کیا کیا؟...

ا کیکنگڑا سا بھیڑا ساشیطان کھڑا ہو کے کہتا ہے... میں نے



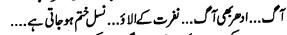


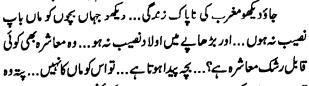




بوی کولروادیا... کہتا ہے شاباش!... شاباش تو کام کر کے آیا ہے... کہاب ایک گھر میں نہیں ... بلکہ گھروں میں آگ بجڑ کے گی ... میاں بیوی کالزنا کوئی دو كالزنا تونيس موتانا!... نسل اولاد برباد... كن محر برباد... ادهر بهي







توبے جاري كام كررى ہے ... باپ ان كا موتا بى كوئى نہيں ....

وہ پہلے ہی کس کس مصیبت کا شکار ہیں ... جب وہ جوان ہو کر بوڑ ھے ہوتے ہیں... تواب اولا دکوئی نہیں ہے... بھین ہے وال باپ کوئی نہیں... بوڑھے ہیں... تو اولا د کوئی نہیں... جوان ہیں... تو خاوند کوئی نہیں... جوان

ېں... نوبيوي کوئي نېيں...















# موت کے بعد پتہ چلے گا کہ کیا کھویا کیا پایا

میرے بھائیو!جب تم مرتے ہوتو تمہاری قیامت تو آگئی... میں مرا... میری قیامت... آپ مرے آپ کی قیامت... ہم مرے تو ہماری قيامت تو آئي...ادهرمرت بين ادهرنام عي بدل جاتا ہے... طارق جيل كى بجائے ميت كہتے ہيں ميت تيار ہے... جنازہ كب الشے كا..... نام بى بدل گیا.... انجی طارق جمیل کها جار مانتما.... انجی میت بن گیا..... انجی وه کر آئی میری سری سری کرد....

کب آئیں مے .... کب جائیں مے .... کب پنچیں مے کی بجائے کب ميت الحفي كى .... كب جنازه چلے گا.... كب ميت كودن كيا جائے گا....

بددنیا آئی ظالم ہے... کہاتی تیزی سے نام کی مختی اتار کے بھیک دیتی ہے... کہ جیسے کوئی حرف غلط تھا... جو دھرتی کے صفحے یہ لکھا گیا... 🎙 جلدی سے مٹاؤ... جلدی سے مٹاؤ... ایسے حرف غلط کی طرح... بھلانے

میں پہل کرنے والی اپنے پید کی اولاد ہوتی ہے...اوروں سے کیا گلہ

کرنا...وہی مجمول جاتے ہیں...



كان لىم تىكىن بينى و بينك خلة ولا حسن ود مرة في التبازل ایے ہوجاتا ہے جیسے امال مجمی آئی ہی نہیں میں جیسے ابا مجمی آبا ہی نہیں ا تھا... ہم ہی ہم تھے... ہمیں کی نے نہیں پالا... وہ مائیں جن کے ناخنوں سے پیشاب کی بد بومرتے دم تک نہیں جاتی ... وہ ایسے جا کر قبروں میں ایسے کھینک دیا جاتا ہے ... کہ کھرکوئی فاتحہ پڑھے بھی نہیں آتا... ایسی ویرانیوں کے ڈیرے لگ جاتے ہیں... ایسی وحشت کے ڈیرے لگ جاتے ہیں...

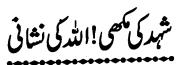


#### اللدكى ناراضكى كى نشانياں

میرے بھائیو! موئی علیہ السلام نے کہا تھا: یا اللہ! تیرے ناراض ہونے کی نشانی کیا ہے؟ تو اللہ تعالی نے فرمایا جب میں ناراض ہوتا ہوں تو بارشیں بودنت کرتا ہوں .... پیسہ بخیلوں کو دیتا ہوں .... حکومت طالموں کو اور بے وقو فوں کو دیتا ہوں ... تو آج کل پیسہ بخیلوں کے پاس ہے .... حکومت بے وقو فوں کے پاس ہے .... بارشی نظام درہم برہم ہے ....

بہارگزرگی اور بارش کا ایک قطرہ نہ گرا....زین تڑ پتی رہی اور کلیاں آسان کی طرف دیکھتی رہیں لیکن انسانوں کی نافر مانیوں نے ان کوتڑ پا کرر کھ دیا اور پیاسا چھوڑ دیا....حضرت موٹی علیہ السلام نے پوچھا یا اللہ! جب تو راضی ہوتا ہے تب کیا کرتا ہے؟ اللہ تعالی نے کہا جب میں راضی ہوتا ہوں تو بارشیں وقت برکرتا ہوں .... پیسرتی لوگوں کو دیتا ہوں .... حکومت مجھداروں کو





اب الله في شهركي كمي كوتكم ديا ب كه...

...فاوحي ربك الى النحل ان اتخذى من الجبال

بيوت اومن الشجر ومما يعرشون ثم كلي من كل

الشمرات فاسلكى سبل ربك ذللا...

چل میں نے تیرے لئے رائے منز کردیے... تو پل شہد کو تلاش کر میرے بندوں کو اس کی ضرورت ہوتی ہے... وہ شہد کی کھی نگلتی ہے شہد کی تلاش میں... کئی سومیل چلی جاتی ہے...

جہال دیعتی ہے کہ یہال شہد موجود ہے... وہاں سے اپنے چھتے تک بیس میل دور ہے... مشرق کی طرف ہے یا مغرب کی طرف ہے... موث او نچائی پر ہے یا مغرب کی طرف ہے... لیتی ہے او نچائی پر ہے یا موث نچائی پر ہے... ییسارے نقشے وہ ذبین بیل لیتی ہے ... پھر وہیں جہال اس نے شہد کو تلاش کیا ہوا ہے... ان بی کے تھوڑ او پر جا کروہال رقص کرتی ہے ... اوراس میں وہ اپنی جگہ کا پیغام چھوڑ دیتی ہے...

ا دراس کے چھتے میں الیاسٹم ہے کہ وہ اس آواز کو تبول کرتی ہے... اور بیرالیا زبردست نظام ہے... کہ اس کا چھوڑا ہوا جو پیغام ہے اس کو میں مک سرویہ سرس

دوسری شهد کی مکھی تیج نہیں کر عتی ... یہاں تو یا چی میٹر پر دوسر دس کی تیج کر لیتے



~315°

ہیں... کیکن شہد کی کھی کواللہ نے ایسا آلہ دیا ہے... جواپنا پیغام چھوڑتی ہے تو میں کے کا میں کے ماک قبید

مرفای کی کمیاں اس کو دصول کرتی ہیں .... مرب بریم

دوسرے چھتوں کی کھیاں اس کو وصول نہیں کرسکتی ہیں... اس کے سر کے او پرایک اینٹینا ہے... اس کو وہ ادھرادھر کھماتی ہے... اس کوسب کچھ بتاتی

ہے... کہ میں مشرق میں ہوں یا مغرب میں ہوں... سوفٹ نیجے ہوں یا او پر ہوں... تو وہ پکارتی ہے کہ آجاؤ... تو وہاں سے ۳۰ ہزار کھیوں کالشکر لکا آ

ہے... تو وہ کھیاں سیدھی وہیں آتی ہیں ... وہاں آ کراس کو لے کروا پس چلی رقہ میں مصنف اسلام السام کے اس کا ساتھ میں مصنف السام کی کہ آن

جاتی ہیں... تو اوپر والی کھیاں اس کو چیک کر لیتی ہیں... نہ ان کی کوئی خورد بین ہے... نہالٹراساؤنڈ ہے... بس ان کی آگھ ہی سب پچھ ہے....

ین ہے... ندا سراسا و مدہے... بن ای اور الاس کا بہتا ہے۔... جس مکھی میں ذرا گندگی ہوتی ہے تو اس کا برتو ژ کر اس کو نیچے کھینک

دیتی ہے...اس کئے شہد سوسال پڑا رہے تو خراب نہیں ہوتا... ہر چیز کا ایگر بمنٹ ہے... چھ مہینے بعد ختم ہوجا تا ہے...اوراس چیز کو پھینکا جا تا ہے

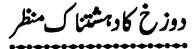
... شہد کا کوئی ایگر سمنٹ نہیں ... یک جائے .... یکے ہوئے کوا تا راجائے ...

تو دوسوسال بعد بھی کچھنیں ہوتا... بیاللہ کا نظام ہے...









میرے بھائیدامویٰ کے کہنے پراللدتعالیٰ نے دوزخ کا دروازہ کھول ديا... كهاد يموية افرمان كامقدرب..ايك انكاره دوزخ كازمين وآسان سے بڑا ہے... جہنم کے یانی کا ایک ڈول ساتوں سندروں میں ڈال دیا جائے... تو ساتوں سندر کھولنے لگ جائیں... ایک قطرہ زیمن پر گرجائے تو سارا بينما كيل از جائے....

دوزخ كاسانب زين ير مجوعك مارد بيتوساري كائنات سيسبزوار جائے...ادرالی طاقتورجہم ہے کہ جب میدان حشر میں آئے گی...اگراللہ تعالی ندرو کے تو سب کو ہڑپ کر جائے ... اگر دوزخ کے پھروں کا ایک کلزا ونیا کے پہاڑوں پر کھ دیا جائے ... تو سارے پہاڑ سیاہ یانی میں اس کی گرمی

كى وجه سے تبديل موجائے....

مویٰ علیهالسلام کہنے گئے: یااللہ! تیری عزت وجلال کی حتم!اگر کا فرکو ساراجہان بھی مل جائے... اور مر کے دوزخ میں چلا جائے... تو اس نے کچھٹیں دیکھا...اگر آخرت خراب ہو... تو دنیا کی کامیابی بھی اتنی ہی ہے معنی جتنی که تا کامی بےمعنی ہے...اگر آخرت خراب ہوگئ تو دنیا کی عزت اور ذلت ایک چیز ہے... دنیا کی تو تھ کی وفقرایک چیز ۔ ہے... اورا گر آخرت بن

مئى تودنيا كافقركوكى فقرنبين ہے...

... يعلم خاننة الاعين... جب تيرى نظر بدمعاشى كرتى ہے تو ميں و كيور ہا ہوتا ہوں... يہ نه تمجموكه پية نہيں چلا... ميں نے د كيوليا ہے كه تو نے كس كو د يكھا ہے اور كيوں و يكھا ہے؟... يہ بھى ميں تيرے سامنے كردوں

السيد المراكابك كفي بنفسك اليوم عليك حسيبا ... إله ي

تیری کتاب تیرے سامنے ہے... بید مکھ فلاں موڑ یہ تیری نظر بے حیاء ہوگئ تھی... اتنا طاقتور نظام لے کرجوچل رہا ہے اس سے کمر لینا... ہے کوئی عقل

میں آنے والی بات....





#### انسان کی پیدائش کامقصد

تو میرے بھائیو!اس نبی کی بات کرتے ہیں اور اس کاعشق دلوں میں لئے پھرتے ہیں... کہ وہ اپنے گھروں سے اپنے بیوی بچوں کو چھوڑتے ہیں... آج کاروبارچھوڑنے کئے مشکل ہیں...

ہیں... ای فاروبار پورے سے سی ہیں... میرے بھائیو! بیہ اس کو چھوڑ کر نگلتے ہیں... اس کی شکل بناتے ہیں... اس کی سیرت بنانے کی کوشش کرتے ہیں... اس کی صورت میں ڈھلنے کی کوشش کرتے ہیں... نماز کی بات کرتے ہیں کہ پوری امت نماز پہ آجائے... نبی والے علم کی بات کرتے ہیں... کہ نبوت والے عل کے بغیر دنیا میں کھنہیں ہوتا... نبی والے ذکر کی بات کرتے ہیں...

مدیث قدی میں آتا ہے...

...یا عبادی...اےمیرے بندو...

...انی لم اخلقکم...میراسب سے هم...

... لاستكثر بكم من قلة ولا لاستانس بكم من وحشه...

میں نے تہیں اس لئے نہیں پیدا کیا کہ میرے خزانے تھوڑے تھے... تہیں پیدا کرکے خزانے پورے کروں گا... نہاس لئے پیدا کیا کہا کیلے میں

جی گھبرا تا تھا...







...ولا لا ستعين بكم على امر قد عجزة عند...

اس لئے پیدا کیا میں کوئی کا منہیں کرسکتا... تجھ سے کراؤں... نہیں

نېيں.... بلكەارشادفر مايا...

...انسما خلقنكم اتعبدوني طويلا وتذكروني كثيرا

و تسبحونی بکرة و اصیلا....

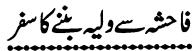
تو میرے بھائیو!اللہ نے ہمیں مقصد بتلایا ہے... مبیح بھی یاد کروشام بھی یاد کرو... دیوانہ واریاد کرو... جیسے کل سے ہم دیکھ رہے تھے کہ ایک "ووسرے کوالفت اور محبت سکھاتے ہیں...

میرے نبی کی حدیث... جوتو ڑے اس سے جوڑو جو چھنے اسے عطا کرو... جوظلم کرےاسے معاف کردو جوتم سے براہے تم اس سے اچھے بنو... میں تہمیں اخلاق کی چوٹیوں تک پہنچانے آیا ہوں....









پی سال ہم مکے تھ امریکہ... کرال امیر الدین وہاں انڈیا کے ہمارے دوست ہیں ... بوڑھے ہیں ... وہ جو حیدر آبادوکن کے نواب تھ... ان کی فوج میں ریکارڈ کرال تھا... تو پنیز میں وہاں کلب میں گشت کرتے گئے ... عرب کا کلب تھا...

تو وہاں عربی مسلمان شراب ہی رہے تھ... ایک لڑی اسٹی پر بالکل نگی ناجی رہی ہے... ساتھ ایک گانا بجارہ ہے ... تو انہوں نے ان کو اکٹھا کر کے دعوت دینی شروع کی... تو وہ لڑی بھی وہاں کھڑی ہوکے سنے گئی... وہ تو سارے نشے میں تھے ان کو کیا سمجھ میں آرہا تھا... تو وہاں بات ختم ہوئی... تو پیچے سے بولی جو بات آپ نے ان کو سمجھائی ہے وہ میں بچھ گئی... آپ جھ سے جو چاہتے ہیں وہ میں کرنے کے لئے تیار ہوں ... تو انہوں نے یوں پیچے دیکھا منہ مانے رکھا ...

کہا بیٹی بہت آسان کام ہے... کلمہ پڑھ لے اسلام میں آجا...اس نے ای حال میں کلمہ پڑھلی... کہا یہ میرا خاوند ہے اس کو بھی پڑھاؤ...اس کو بھی پڑھایا... کس حال میں ہیں ابھی میں نے آپ کو بتایا...ایک ہفتہ رہے...اور کہا بیٹی بید ہمارا پتہ ہے... یہاں تم نے یہ بیکام کرنے ہیں... بیہ



كرنا ينهيس كرنا... أكركو كي مشكل پيش آئة جميں فون كركے يوچھ لينا توددد مائى ميني كزم فون آيا ... كبتى برل آپ بحص بيانة المنتسك الميل المستحالية المنتسلة المنتسبة المنت

ڈرنگ در میں ملاتھا... کہا میں وہی ہوں... کہاا یک بہت بڑا مسئلہ ہوگیا... کها کیا ہوا... کہاغضب ہوگیا... بیٹی بتا ؤ توسبی کیا ہوا....

کہابات سے کہ آپ نے مجھے دیکھا تھا میں کیا کرتی تھی ... میں پانچ

سوڈ الریومیہ لیتی تھی ... ہم دونوں میاں بیوی پانچ سوڈ الرایک رات کے لیتے حقے... جب آپ نے ہمیں طریقہ بتایا... تو میں نے پھر خادند سے کہاا ب تو

كما مين محرمين بيٹھوں كى ... ميرے لئے تو اللہ پاك نے بردے كا حكم ديا

ہے... تو میرا خاوند بھی کچھ کا منہیں جانتا تھااب مز دوری کرتا ہے....

اس کو چالیس ڈالرروز کے ملتے ہیں... پانچ سومیں سے چالیس میں آ نا كوئي معمولي بات نہيں... ہم نے گھر پيچا... گاڑياں بيچيں...ايک چھوٹا سا ا پارٹمنٹ لیا... اس میں ہم دونوں میاں بیوی رہتے ہیں... آپ نے کہا تھا ا نے عزیز دل کو جا کے دعوت دینا ہے ... تو میرے شوہر جب کام سے فارغ

ہو کے آتے ہیں... ہم کھانا کھاکے دونوں نکل جاتے ہیں... اور اپنے

عزیزوں کو جا کے اسلام کی دعوت دیتے ہیں....

آج جب ہم دونوں میاں ہوی جارہے تھے ... تو ہمارے پاس گاڑی ۔ تو ہے ہیں تو ہم بس میں تھے ... تو بس کو چلتے چلتے جسٹکا لگا تو میرا جو کرتے کا



بازوتھا... تو وہ اس جھکے سے یعجے ہوگیا... اور میری ایک چوتھائی کلائی نگی ہوگی... تو کیااس سے میں سے دوزخ میں تونہیں چلی جاؤں گی... یہ کہہ کر رونے کلی بلبلا کر...



جوآج سے دو مہینے پہلے نگی اسٹیج پر ناچ رہی تھی ... اور دو مہینے بعد کہہ رہی سے کہ ... میں اس کلائی کے چوتھائی ھے کے نگا ہونے پر کیا ہیں جہنم میں تو نہیں چلی جاؤں گی ... اس کے رونے نے ہم کو بھی رلا دیا ... ہم بھی رونے لگ گئے ... کہا بیٹا اللہ ایسا ہے اس کا قانون سخت نہیں ہے ... وہ مہریان ہے ... وہ مہریان ہے ... وہ کریم ہے ... خلطی سے آپ سے ہوگیا ہے ... اللہ معاف فرمانے والے ہیں ....





### ليقرنما كجل مين قدرت خداوندي



میرے بھائیو! تاریل کا درخت بچاس فٹ اونچا ہے...اس کے پھل پھرجیسے ہیں ..اللہ تعالیٰ نے اس کوا یے پھر کی طرح اس کے پھل کو بنایا جس كاو رتين سوراخ بين ... ميرا بنده عياكا تواس كاياني اس سوراخ سے بي سكتا بي.. اوراس كا عرايها بإنى ركها... كدوه بإنى زمين كمودوي تواس



ټول کوټو ژوي ... تواس مينېيس ...

درخت کوکا میں ... تواس میں نہیں ...

شاخوں کو چیریں... تواس میں نہیں...

یائی و منیس جوز مین والا ہے ... بیا عمرالیا یائی ہے جو کئی بیار یوں کے لئے شفااورعلاج ہے...اس میں اس مالک کا نظام ہے جس نے اس درخت کو ہدایت دی ہوئی ہے ... اللہ کی حکومت اس میں چکتی ہے... آج ہم سجھتے

یں کراللہ نے بید نیابنائی ہے اورخودفارغ موکر بیٹھ کیا ہے ... اب جو کرنا ہے جم نے کرتا ہے... حکومت ہم نے چلائی ہے... کہتے ہیں کہ جو کرتے ہیں

وہ کماتے ہیں... حقیقت میں اللہ کھلارہے ہیں.... ارے میرے بندے! آوارہ عورتوں کے پیچے... بازاری عورتوں





كے ييچے... تو كيما نادان بى كە جنت كى پاك عورت كا سودا كربيغا...

رے ہوش میں آ...ارے سنجل جا... بیرسب دھوکہ ہے فریب ہے... کدامن ره... تیری پا کدامنی پرخود تیراالله جنت دےگا... لڑکی سے شادی

كرے كا... ايمان والى مومن عورت مالح عورت بخشے والى... رونے

...صالىحسات.... خسافسلات.... قىانشات....

تائبات.... عابدات...

ایک تصور قرآن جنت کی عورت کی کھنچتا ہے... ...قانتات... طبرات ... طلقت ...خاشعات...

متصدفت...صائمت... حافظت ... ذاكرات

...مومنك...مسلمك...

دس خوبصورت مفات كي ما لك...

...مسلمت ... اسلام والي عورت...

...مومنت...ايمان دالى عورت...

...قانت ... مبروالی ... مدقے والی ... خثوع والی ... اپنی عزت اخت کرنے والی ... اپنی عزت اخت کرنے والی ... والی اختا ظت کرنے والی ... ذکر کرنے والی ... روز ور کھنے والی ... عبا وات .... کی کرنے والی ...
گی کرنے والی ...





...صانحات... كاجور جمه ابن القيم نے كيا ہے وہ مير دل ميں

ملك بساس ك بشارز جم بينكن جوابن القيم كركي ...

...صانعات...الله کی محبت میں...الله کی طرف پرواز کرنیوالی..

يروازكرنے والے...المسائسحون... پروازكرنے والے...

الصائحات..

الله ر مسور د مسور کورک زیادہ خوبصورت ہوجائے گ...

...تلك الدار الآخرة...

يه ہے وہ جنت كا گھر ... جے اللہ نے بنایا ... پھرسجایا ... پھرمہكايا ....



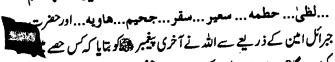






### صحابه اورفكرآخرت

ميرے بھائيو!اللدنے دوزخ كے مات جھے بنائے ہيں...جھنم



کون ہوگا؟... اور ان میں ایک حصہ ہے جہنم...اس میں مسلمان ہوں

كى ... جو كنا مول من رسادرتوبدندكى ....

حفرت جرائيل جب به بتارے تھے تو جہنم پرآ كر چپ ہو گئے...

خاموش ہو گئے ... آپ ﷺ نے فر مایا: بولتے کیوں نہیں؟... کہا کہ آپ ﷺ

ے حیا آتی ہے... کہا بتاؤتو سمی؟... کہا کہ جہنم میں آپ بھا کی امت موگ ... جو کمیره گناه کرتے مرکئے اور توبہ نہ کی ... حضور ﷺ غش کھا کر کر کئے

اورگر میرطاری ہوگیا... تین دن گزر گئے... تماز پڑھنے کے لئے آتے اور پھر كمرك ميل بند موكر بينه جاتے... رور بين بيں....

ال بے قراری کو دیکھ کر حضرت ابو بحرصدیق ﷺ پوچھنے کے لئے گئے...اندرآنے کی اجازت چاہی اجازت نہیں لمی... حضرت عمر ﷺ پوچھنے

کے لئے گئے ... اجازت چاہی اندرآنے کی ... نہیں ملی ... حضرت سلمان

ارى الله يوچفے كے لئے كئے ... اندرآنے كى اجازت جابى ... نيس



حضرت فاطمه که دوژی مولی حمی ..... دروازے پر دستک دی ....

آپ ﷺ نے دستک سے پیچان لیا کہ فاطمہ ہے ....کہاا ندر آ جاؤ .... دیکھا تو آپ ﷺ ہے اللہ اندر آ جاؤ .... دیکھا تو

كهااباجان! كياموا؟...

آپ ان افرايا: فاطمه! كيابتاؤل كيابوا؟....

... مجھے جرائیل کے ذریعے بتایا گیاہے ... میری امت کا نافر مان جہم میں جلے گا... کتنی عورتیں ہوں گی جن کے سرکے بالوں سے جب فرشتے پکڑیں گے تو دہ کہیں گی ... ہائے ہماری بے پردگی... ہائے ہمارے شرمندگی! یمی پردہ دنیا میں کرلیتی تو آج بیے بیردگی ضہوتی ....













#### الله كااين بند ب سے خطاب

ميرے بھائيوائم ديکھ سکو پکھ تو سمجھو... پکھ تو غور

کرو... کہ میں تمہیں کیسی کیسی نشانیاں بتلا کے اپنی طرف بلا رہا ہوں... میری طرف تو آئ...اے میرے بندومیری طرف کودوڑ ومیری طرف آئ...

سری رسید میں است پر سے بیود بیری عرب و دودو و بیری عرب او ... اے میرے بندے مجمع تم ہے مبت ہے .. تجمع میری عزت کی قتم امیرے

حق کاشم اتو بھی میرے سے محبت کر... تو کس کے پیچے دوڑ تا ہے...

میں نے حمہیں پروان چڑ حایا... پالا پوسا... جوان کیااوررز ق دیا... عقل اور فہم دی...اب تو ہوی کی خاطر مجھے محمرا تا ہے... اور دوکان کی خاطر

مجھے محکوا تا ہے...اور کری کی خاطر مجھے محکوا تا ہے...اور وزارت کی خاطر

ميرے کل کوتو ژنا ہے...

مير عام سے مخفی وت لي ...

میراامر تخیے ذلت کی دادیوں میں پھینک دےگا میرےامرہے تخیے زندگی ملی...

میراامر تخم موت کی گھاٹ اتاردے گا....

میرےامرے تخمے رزق ملا...

اورمیراامرخمہیں بھوک میں مبتلا کرسکتا ہے...







اورتو كدهركو بها كتاب جميع چهور كر... من نے تعجبے بيداكيا... بروان جر حايا... اور سارے عالم سے بہتر بنايا... اور تحجبے اس طرز برا اٹھايا اور

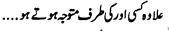


پروان چر مایا... که می تمهاری خوابگا بول می تمهاری حفاظت کرتا بول... می این فرشتول کوتمهاری حفاظت کے لئے مقرر کرتا بول... اگر تمهاری حفاظت کے لئے میرے فرشتے نداترین... تو تمہیں میری ساری پوشیدہ بلائیں چر محال کر کھا جا کیں ... میرے فرشتے تمہاری حفاظت کے لئے چل



میراغیبی نظام ہے جو تہمیں آفات سے بچار ہاہے... اور آسانی بلاؤں سے بچار ہاہے... چھے ہوئے فتنوں کوتم سے دور کر دہاہے... اور تم سے ساری

بلاؤل كود تعليل رہائے... اور پرتم جھے كہاں چھوڑ كر بھا محتے ہو... اور ميرے



میں بی اکیلا ہوں میں بی تن تنہا ہوں... میں بی اکیلا ہوں... کوئی میری مثال نہیں کوئی میرا بدل نہیں... لاشر یک کوئی میرا مشابہ نہیں... کوئی میرامقابل نہیں... کوئی میرے سامنے نہیں آسکتا... میں اکیلاتن تنہا ہوں جو



یر اسفان میں ... ون میر سے مات میں استان میں ہیں ہیں ہوئی ہوں ہو تھے عدم سے وجود میں لایا... سوچ تو سمی ... تو کیا تھا جب نہ تیرا زمینوں میں ذکر تھا نہ آسانوں میں ذکر تھا....

میں نے زمین اور آسان کی چک کو چلایا... سورج چاند کی گردش کو

146

چلایا... اور تخیمٹی سے نطفہ بتایا... بچر تخیے نطفہ بنا کے مال کے پیٹ میں www.besturdubooks.net

اے میرے بندے! مایوں نہ ہو... اگر تیرے گناہ زمین کو مجردیں...

آخراو پراٹھتے چلے جائیں اور خلا کو بحرویں... اور خلا سے نکل کر آسان کے

کناروں تک چلے جائیں... ہاری کا کنات تیرے گناہوں سے بھر کر... اور تیرے گناہ آسان کوچھونے لگیں... پھر تھے عدامت آ جائے... اور

تیرے آ نسونکل جائیں...اور تو توبہ کیلئے ہاتھا ٹھائے...

میں ایبا کریم... میں ایبا تنی... میں ایبا رحیم کہ تیرے سارے مناہوں یالم چھیردوںگا...اور مجھے کوئی نہیں پوچھ سکتا... مجھے کوئی نہیں پوچھ س

کنا ہوں پہ ہم چیزدوں ہیں اور بھے وی ہیں پو چھ سلما... بھے وی ہیں پو پھر ج سکتا... مجھے کوئی نہیں پو چھ سکتا... میں تیری تو بہ کا منتظر ہوں کہ تو میری طرف کو

جھے میری طرف کوآئے... مال سے زیادہ محبت کرنے والا کوئی نہیں...

سب سے دحیم ذات ...

سب ہے کریم ذات...

اورسب سے مہر بان ذات اللہ پاک ذات عالی ہے...

الله جل جلاله کی ذات عالی اورالله پاک جیسی رحیم و کریم ذات...

اے میرے بندے میں تیرے سے مجت کرتا ہوں تھیے میری طرف کوآنا

ہے...میری طرف کوآ....



## میں تخفے یاد کرتا ہوں تو مجھے بھول جاتا ہے



148

میرے بھائیو!اللہ تعالی فرماتے ہیں تو جھے یاد کرتا ہے... میں کھنے یاد کرتا ہوں... اور کرتا ہوں... اور کرتا ہوں... اور میں تیری طرف نگاہ لگا کے رکھتا ہوں... کہ بیرا یہ بندہ جھے بھولا ہوا ہے...

الے مہلت دو...اسے ڈھیل دو... شاید میرابندہ میری طرف لوٹے... شاید

میری طرف لوٹے... میں موت تک مہلت دیتا چلا جاتا ہوں... موت تک تھے ڈھیل دیتا جلا جاتا ہوں آج آجا کر آج تھے کے ل

تحجه ذهميل دينا چلاجا تا مول... آج آجائے آج توبہ کرلے....

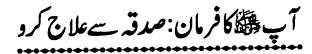
میرے بھائیو! زمین اجازت جاہے کہ اے اللہ! دھنسا دوں... فرشتوں نے اجازت جابی اے اللہ! ان کو ہلاک کردیں... کین وہ کریم ذات میرے بھائیو نافر مانوں سے اتنی محبت کرتی ہے... تو فرما نبرداروں

ہے محبت کا کیا اندازہ ہوگا....

کہ اللہ تعالی فرماتے ہیں... اگریہ تمہارے بندے ہیں اور تمہارے پیدا کردہ ہیں تو پکڑلواور ہلاک کردو... اگریہ میرابندہ ہے تو پچ میں سے ہٹ جاؤ... میں بندے کی توبہ کا انتظار کررہا ہوں... اگر دن میں بھی توبہ کا خیال آگیا تو میں اس کی توبہ کو تبول کروں گا... مجھی رات میں توبہ کا خیال آیا تو

\_ لمن اس کی توبه کوتیول کرون گا....

تمبرایا... پھر تختے خون میں بدلا... پھر تختے لوتھڑے میں بدلا... پھر تختے بدُ يول مِن بدلا... پهرتم په گوشت چره هايا... پهرتمهين ايك ني خوبصورت شكل دی... پر بھی تومیرے سے بھا گتا ہے....



... داؤد بالصدقات ... اورايين مريضول كاعلاج كروصدقه وييز 

پیٹ میں جائے گی تو کچھ ہوگا اور غریب کوروپے دینے سے میری بیاری کیے

جائے گی .... بیتو نظر نہیں آتا نظروہ آتا ہے جو آج کا ماحول ہے ....

كولى پيك مين آرام آحميا سريل ... غريب كوصدقد دين كايبارى ك ساتھ كياتعلق؟ يەنى ﷺ كى خبر بے يە آزما كى نہيں جاتى بغير آزمائے سے اور

حق ہے...مدقہ دواللہ صحت دے گا....اینے خزانوں سے دے گا....اپی قدرت سے دے گا... محت دینے کے لئے کسی دوا کامختاج نہیں ...



# ماں کے پیٹے میں روز کی کس نے دی؟

میرے بھائیو! اللہ نے نبیوں کا سلسلہ چلایا... ادرایک لا کھ چوہیں ہزار پنیمبروں کو بھیجا... کہ جاؤمیرے بھٹے ہوئے بندوں کومیرے سے جوڑو بیمیرے سے جڑیں... سب سے زیادہ سب سے بڑی قدرت اللہ پاک کی انسان کی تخلیق میں استعال ہوئی ہے... زمین وآسان کو بہت بڑی قدرت

کے ساتھ پیدا کیا...

تیکی ہوئی... کھنگی ہوئی مٹی مرد وعورت کا پانی... حمہیں کھنگی مٹی
سے بنایا... اور بنا کرکہاں سے وجود دیا... ماں کے پیٹ کو تیرے لئے قرار
بنایا... اے میرے بندے ماں کے پیٹ مٹی تجھے مضبوط جگہ عطا فرمائی...
ادر تجھے پردوں میں لپیٹا... کہ ماں کے پیٹ میں تجھے خوف محسوں نہ ہو...
ماں کے پیٹ کے اندر کہا تدھیروں سے تجھے خوف محسوں نہ ہو... میں نے تجھے پردوں میں لپیٹا... تین پردے ....

چرے کو تیری ماں کی پشت کی طرف چھیردیا... تا کہ اندر کھانے کی کختہ بچاف میں میں میں میں فاق سے ابر بھر جا ہے۔

گندگی سے مجھے تکلیف نہ ہو... اور میرا نظام فرعون کے لئے بھی چل رہا ہے... اور بدمیرا نظام میرے مویٰ علیہ السلام کے لئے بھی چل رہا ہے...

مجھے پیۃ ہے کہ پیٹ میں بننے والا فرعون ہے گا... یہ پیٹ میں بننے والاشداد





بے گا... اور یہ پیٹ میں بننے والا کیا کچھ ہے گا....

الله نفر مایامیری قدرت میری محبت اورمیری رحمت ہے... که میں تجمہ ای طرح سے پال ہوں کہ جیے نبیوں کا نظام چلاتا ہوں... نخود بچہ اپنی طاقت سے وجود میں آتا ہے... اور نه بچہ اپنی طاقت سے وجود میں آتا ہے... الله کا فیمی نظام ہے جواس پرا تر رہا ہے...

ا میر بند آج تو روزی کی خاطر ... اوران کے رزق کی خاطر ... اوران کے رزق کی خاطر تو میر دین کی مخت کو چھوڑا... یہ بتا کہ تخفیے مال کے پیٹ میں روزی کس نے پہنچائی تھی ... جب تو مال کے پیٹ میں تھا دہاں کو ن سانظام تھا... دوکان کوکون می تجارت تھی ... کون می حکومت تھی ... کون می زراعت تھی ... کون سانقشہ تھا کوئی نہیں تھا میرانظام تھا....

میری تدبیراور تیرے لئے چلتی رہی ... تجھے پروان چ حاتی رہی ... محجھے پروان چ حاتی رہی ... محجھے پروان چ حاتی رہی ... محجھے پروان چ حاتا ہے۔.. اور جسے میں نے پروان چ حایا... اسے میں وجود وے کر کہتا ہوں اسے پیدا کیا جائے گا... تیری قبر کی مٹی لا کر تیرے نطفے میں گوندھ کر... تیری ماں کے رحم میں رکھ دیا جاتا ہے ... اور تجھے وہیں ون مونا ہوگا... جہال سے تیری می کواٹھا کر تیرے نطفے میں ڈالا گیا....

ایا قوی نظام ہے... تیرے دانے وانے پرمہر میں نے لگا دی تیرے آنے سے پہلے... اور جب تیرے ماں کے پیٹ میں رہنے کا زمانہ پورا ہوگیا www. besturdubooks.net







... یس نے اس فرشتے کو بھیجا جس کے ذہے میں نے کام بی بھی لگایا ہے...
کہ مال کے پیٹ سے بچے کو باہر لاؤ... اس فرشتے نے تہمیں اپنے پر کے
او پر باہر نکالا... یس بی ہول جو تیرے دنیا میں آنے کے داستے کو آسان کرتا
مول... داستہ آسان کیا... مال کے پیٹ سے باہر نکالا... مال کے پیٹ سے
گود میں آیا... اس حال میں آیا تیرے منہ میں دانت نہیں کی چیز کو کاٹ



سے... ہاتھ میں طاقت نہیں کی چیز کو پکڑ سکے....
آج جوانی پر ناز کرتا ہے ... اپنی جوانی پہمتی کرتا ہے ... اور وہ وقت بھول گیا جب اس میں اتنی بھی تمیز نہیں تھی ... کہ پیشاب اور پا خانے میں لتھڑا ہوا ہے... آج اپنی عقل پرمست ہوتا ہے ... اپنے علم پہناز کرتا ہے ... اور اپنی قوت پہناز کرتا ہے ... کہ میں میں ... ارے میرے بھائیو! تن تنہا ایک اللہ بی ہے جو سب پچھ کرتا ہے ....









### كامياب انسان كون؟

ميرے بھائيو! بروز قيامت اگرسيدها بلزا جمك كيا... النا اٹھ كيا...

اعلان موگا... فلان ابن فلان ....فلال بنت فلال ... فلال فلال كا بينا....

فلان فلان کی بیٹی...

... ثقلت موازينه وسعد سعادة لا يشقى بعدها ابدا...

وہ کامیاب ہو گیا ہے بھی نا کام نہ ہوگا... بیہ اعلان ہوتے ہی اللہ تعالیٰ حاص

كانظام حليكا...

... يحلون فيها من اساور من ذهب...

كها جائيگا كهونے ك تكن لاؤ. فرضتو بهناؤ.. بهنائے جارہ ہيں..

... يلبسون ثيابا خضوا ...ريشى مبرجو ثر كاك... فرشتو پهناك...

سر پہ تاج رکھو... چېرے پہنور کی بجلی اللہ ڈالےگا... کہا جائے گا میرے د سے سیج سر برد سربر

بندے تخفے کا میا بی مبارک ہو...

يالينعراككائكا...

"هاؤم. فما من اوتى كتابه بيمينه فيقول هاؤم اقرؤا كتابيه"

آ جا وَ... آ جا وَ... كيا موا...

...اقرؤا كتابيه...



میرا پیرو. کلطی نہیں ... نمبر کامیاب ہو کیا...

میرا پیرو مکھو... میں پاس....میں کامیاب... کوئی کا ٹانہیں...کوئی غلطی نہیں ... نمبر پورے کے پورے ہیں میں کامیاب ہوگیا... تو کیسے

> - · · .. ...انی ظننت انی ملاق حسابیه...

میں دنیا میں غافل ندر ہا... مجھے پتہ تھا کہ میرا حساب ہوتا ہے... چیکے عظمی نگار ہا....

یہ میں۔ اویر سے جواب آیا...

فهو في عيشة الراضية ...في جنة عاليه ... قطوفها دانيه ... كلوا وشربوا هنيئا بما اسلفتم في الايام الخالية...

لاؤمیرے بندے کو آج... لاؤاسے جنت کی سواری دو... جنت کا

دواز ہ کھولو... جنت کے تخت پہ بٹھا ؤ... بہتی ہوئی نہروں کے جال...

...تجرى من تحتهم الانهار... قطوفها دانية...

جہاں جھکے ہوئے کھل ہوں گے....







## دنیا کڑی کا جالاہے

میرے بھائیو! ہم دنیا کے نازخروں کے لئے نہیں آئے... بلکہ بیگزر گاہ ہے... بید حوکے کا گھرہے... بیچھر کا پر ہے... بیکڑی کا جالا ہے... بید غدار ہے... بید دغا باز ہے... بید مکار ہے... بیفریکی ہے... بید دھوکے باز ہے... اس کا ظاہراور ہے اور باطن اور ہے...

اس کی خوشیوں کے پیچیے ثم کی قطاریں ہیں...

اس کی راحت کے پیھے دکھوں کے سمندر ہیں ...

اس کی عزت کے پیھے ذلت کی سیامیاں ہیں...

اس کے اقتدار کے بیچے زوال کا بہت بڑامحیط سانپ ہے...

اس كى خوشيول كوغم نكلتے بيں...

اس کی زندگی کوموت کھاتی ہے...

اس کی جوانی کو برد ها پالے جایا کرتاہے...

اس کے غنا کو فقرمٹا تا ہے ...اس کی راحت کو مصبتیں لے جاتی ہیں ...

اوراس کی سیج کوقبر کی سیج سے بدل دیا جاتا ہے...ارے دس منزلہ

بلڈنگ بنانے والے ... کیا پندوس ہاتھ گہری تیری قبرتیار ہوچکی ہو...ارے

او نچے سے او نچ جوڑے پہ تیری نگاہ نہ جم ربی ہو... اور کیا پت تیرے







#### ميرے كفن كاكپر ابازار ميں آچكا ہو....

اوير ماتم ہونے والے ہول....

ارے بڑی عمدہ خوشبو سے اپنے آپ کومعطر کرنے والے ... کیا پیۃ قبر کی اند میرکو تمزی ... تیرے میرے پیٹ کو بھاڑ کر پوری قبر کو بد بودار بنانے کے لئے تیار ہو چک ہو... ارے خوشیاں منانے والے... کیا پہتہ کہ تیرے



## كينسري شفاكانسخه

ا کی عورت آئی لا ہور میں .... بڑے مالدار آ دمی کی بیٹی تھی اور ابھی بھی زندہ ہے ...اس کے جگر میں کی شرمو کیا ... وہاں ایک بزرگ کے پاس کی کہ میں امریکہ میں علاج کے لئے جارہی ہوں... آپ میرے لئے دعا کریں... انہوں نے اس کوایک چھوٹی سی دعادی...



...يا بديع العجائب بالخير يا بديع...

ىيە يۇھلياكرو....

ایک مہینے تک اس عورت نے بیروظیفہ پڑھا....ایک مہینے بعد واپس اسپتال میں چیک کرایا تو ڈاکٹروں نے کہا یہ وہ مریض نہیں ہے جو پہلے ہارے پاس لایا ممیا تھا...الله مردوں کوزندہ کرسکتا ہے تو ناممکن بیار یوں کو 156 صحت بھی دے سکتا ہے...





# سچی تو به کی ضرورت

توميرے بھائو! ہم يەكهدى بىل كەاللەت درو... كىے دروى.. توبہ سے ... توبہ پچھلا دحودے گی...اگلی راہ کھول دے گی... پچھلے پر کرو توبه ... اتی تو میری مانو... که آج ہم سب مل کرتو بہتو کریں ... بولو بدیمرا كوئى ناجائز مطالبہ ہے... يدى ہزار كالمجمع ہے... اور الله كاشكر ہے مجھے خوشی ہور بی ہے کہ یہال زسری زیادہ بیٹی ہوئی ہے ... درخت تعور سے ہیں .. محفل بہارہے بود نظر آرہے ہیں...

> ا مُفانوے فیصد مجھے نو جوان نظر آ رہے ہیں ... بدا کر آج توب کرلیں تو میرے بھائیوعرش تک دھوم مج جائے... نقارے نج جائیں... آسان پہ چاغال ہوجائے... فرشتے جموم جموم اٹھیں...اللہ کے نبی کی روح کوجمی قراراً جائے... كىمىر ا آ جا اتنے ہزارات و سے توبكر لى...

تومير، بعائد إجب الله اتناكريم بي تو آج نيت تو كرو... ما الله میری توبہ... ارے بولوتو سمی ... بھائی ہم آج توبہ کرلیں... کریں کہ نہیں...اب خوشخری سنو... مجھے نہیں پتہ کہ کس نے میں کی... کس نے منہ ریا ہے،

زبانی ک... لیکن جس نے کچی توبہ کی ہے... مجھے اس رب کی قتم جس نے اللہ کا تعلقہ اس رب کی قتم جس نے اللہ کا کہ اس آسان کی حجمت کو تانا... زمین کے فرش کو بچھایا... چاند کو گھٹا یا اور بوھایا...

رات كوا ثد ميرا بخشا... دن كوا جالا بخشا....

مجمے اس ذوالجلال والا كرام كي فتم ... جواس مجمع ميں كچي توبه كر يكے الم الم المبين مبارك مو ... آج اس وقت وه اليے بين كدا بھى مال كے پيك سے پیدا ہوئے ہوں... موج کرو... تمہارے الٹے ہاتھ والی فائل اللہ نے مِها رُكر مِهينك دي ... يفرشة كتمين سالدمنت ضائع جلي تي ....

بين ساله... بي ساله... سترساله... اى ساله... بي ساله... کی ایس سالہ اس کی محنت ضائع ہوگئی . . ساری فاکل اللہ نے مجاڑ

دی ... جلا دی اور فر مایا نئ لگا دو ... مبارک ہوان کو جنہوں نے سچی توب کی ...

اب جنہوں نے جموث موٹ کی ہے وہ اب سچی توبہ کرلیں ... معاملہ یاک

ئى بوجائے... صاف ہوجائے...

اب کیا ہوا چند معاف... حقوق باقی... سورویے دبا گئے...سو روي كى چوى معاف موكى ... سورويدادا كرنا باتى ب ... نماز چھوڑى ... نماز كا چهوژنا يهجرم معاف ... نمازك ادائيكى باتى ...اس كے كهدر با مول

سارے معاف ہو گئے ... ہاں حقوق ہیں ان کی ادائیگی رہ گئی ... جرم معاف

موكيا... تو بهائى يكام توكراياناسب في ا ....

اگلاکام کیا ہے... آج کے بعد محمدی بن کراللہ کود کھا دیں... ہم نے ع جربن کے دکھایا... بولیس مین بن کردکھایا... فوجی بن کردکھایا... زمیندار 158 بن کے دکھایا... مسلم لیگ بن کر دکھایا... پیپلز پارٹی بن کر دکھایا... پیٹبیل

کیا کیابن کردکھایا... آج کے بعداللد کوجمدی بن کردکھادیں....

تبلیخ اس بات کی محنت ہے... اور پید کلمے کی محنت ہے.... آپس میں

محبت سے چلو... حضرت محمد اللہ کے طریقوں کو لے لے کر پھرو... یہ پھر تا بدی طاقتور چیز ہے... اس کا توڑ ہی کوئی نہیں ہے.... حضرت محمد اللّا کی

یری می ور چیر ہے... من اور در میں آپ کو بھی سرداری ملے گی....

عروه بن زبير كے پاؤل ميں پھوڑا لكلا...وہ بڑھتے بڑھتے گھٹے تك

آ گیا... طبیب نے کہا کا ٹنا پڑے گا ورنہ سارا پاؤں بیکار ہو جائے گا ... ما میں خربیت نصر اور کی اس میں مردیق میں انداز میں خوب کا ...

طبیب نے کہا تو نشے والی چز پی لے ... میں کا قبا ہوں ... انہوں نے کہانہیں اس

نہیں... نشہاورا بمان دونوںا یک پیٹ میں نہیں آ کتے ... کہا میں نماز پڑھتا ...

ہوں تو کاٹ کے...

طبیب نے جراح کا کا مشروع کیا... اور زخم کی مرہم پٹی کی... لیکن ان کی نماز میں ایک رائی کے برابر فرق نہیں آیا... سلام پھیرنے کے بعد کہا

كاٺ ليا؟... كها جي كاٺ ليا... فرمايا مجھے تو خبر عن نہيں ہوئی... فرمايا اے اِنگھ

الله! گواه رہنا كەمىرايە پاؤل تىرى نافر مانى مىں تېمىنېيىن چلا....





#### صحابه الله كى كيفيت نماز



میرے بھائی اللہ کی شم ہم لٹے ہوئے سافر ہیں ... لٹے ہوئے رائی
ہیں ... ہمیں پت بی نہیں کہ لذت کے کہتے ہیں؟... زعدگی کے کہتے
ہیں؟ ... جوروثی کھانے کی لذت اٹھا تا ہو... اے کیا خبر کہ ذکر کی لذت کیا
ہے؟ ... جونظرا ٹھانے کی لذت جانتا ہو... تو اے کیا خبر کہ نظر جھکانے کی
لذت کیا ہے؟ ... جس خض کونماز کی لذت محسوس نہیں اس سے بڑا کوئی محروم
ہوگا۔.. ہے کروڑوں کی آبادی میں کوئی ایسانظر آئے... جس کونماز کی

لذت نعیب ہے....

بی تو ہم نماز پڑھنے والوں پرروتے ہیں... جونماز نہیں پڑھتے ہیں ان پرخون کے آنسورو ئیں تو بھی کم ہے... جونماز پڑھتے ہیں انہوں نے بھی بیٹھ ارسوچا ہے کہ ... اے مولا تیری محبت کا سجدہ تجھے نہیں دے سکا... تیرے ملق کی ایک رکھت بھی نہیں پڑھ سکا....

اكاللهاب تو آجا!

ہر تمنا دل سے رخصت ہو گئ اب تو آجا اب تو خلوت ہوگئ اس کی دعا بی کوئی نہیں ما تکا۔.. دعا ما تکتے ہیں...اے اللہ روثی دے



ویں... صحت دے دیں... ملازمت دے دیں... پیجمی مانگنی ہے اس سے نہ اسلے توکس سے اسلے؟... لیکن بیمی ما تک لیس کراے اللہ اپناتعلق مجمی وے دیں...الی نماز وے دیں کہ جب میں الله اکبر کھوں تو سب سے بگانہ

ابور یحانہ نے کہا کہ میں بھول گیا... جب میں نے نماز شروع کی تو میرے سامنے جنت کھل گئی... مجھے پہتہ ہی نہیں چلا کہ میں کہاں کھڑا ہوں.. بيعبادت دے محے ... نمازعظيم الثان عمل ہے ... نماز محمک ہوجائے گی تو

يورى زندگى اسلام ميں آ جائے گى ... يەنمازيوں كى زندگى تميك اس لئے نہيں ہے کدان کی نمازیں ٹھیک نہیں ہیں... لیکن نہ بڑھنے والوں سے یہ بدرجہا بہتر ہے ... جیسے بھی پڑھتے ہیں نہ پڑھنے والوں سے ان کونہیں ملاسکتے ... یہ

سرسجدے میں رکھنا ہی ہوگا...





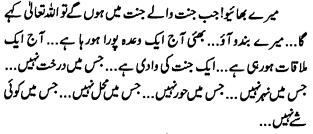






## التدكا برنورد بدار







ایک کھاس کا فرش ہے... مخمل کی طرح بچیا ہوا ہے... جواللہ نے ایے دیدار کی جکہ بنائی ہے...اس میں انبیاء .. شہداء .. صدیقین ہول گے ... عورتیں ایک طرف مردایک طرف ... عورتیں حضرت فاطمہ کے ساتھ ... مرد حفرات مفرت محمد الله على ماته بين .. دونون كا الك الك ميدان



ىجراللەتغانى اعلان كرےگا...

....هل وجدتم ما وعدكم ربكم الاحقا....

میرے بندواوہ جویش نے وعدے کیے تھے بورے کردیئے یا باتی ہیں؟... کہیں گے...یااللہ سب پورے ہوگئ.... ...فان سلمت لی فی ما ارید...کفیتک فی ما ترید...



تومیری مان لے میں تیری مان جاؤں گا...

جوانی ج ہے؟...الی دول گا کہ می بد حایاند مکمو سے ...

حسن حاسبي؟...اليادون كاكهورج كوانكى دكماؤ كيوسورج ثيري إ

انگل كے سامنے غروب موجائے گا... تيرا چره كيسا موگا...

کپڑے چاہئیں؟... توایے جوڑے دوں گا جوسوسو جوڑے باریک و مہین ہوں گے ... سوسو جوڑے پہنو گے ... ہر جوڑے کا رنگ الگ دکھائی مربع

> خوشبوا لگ دول گا... مبک الگ دول گا... زیور چاہیے تو چھوڑ وحرام کمائی کو....



#### الله كا كھاكراس كوناراض كرناكہاں كاانصاف ہے؟



بمائيو ابغيرتوبك كوئي نەرىب... بىقلم نەكرے... بىقلم نەكرے... اللہ کے واسطے ...اس کی کھا کرای کوغرانا... بیاتو کتا بھی نہیں کرتا... بیاتو بلی مجى نبيس كرنى ... ية شر بحى نبيس كرتا ... يهجه چايا مكر بيس يا جدسركس وال ہوتے ہوں کے ... وہ ان کو جو گوشت کھلاتا ہے... وہ بھی اس کے سامنے

بکری بن کررہ جاتا ہے....

اور پھر زمین کو گناہوں سے جلادیں...اللدکی ہواؤں کو استعال کریں... اورساری فضا میں گنا ہوں کا دھواں مجردیں... آتکھوں کی شم اس نے جلائی...ہم اوروں کی عزتوں کو دیکھیں...کانوں کو ٹیلی فون اس نے 纋 دیے...اور ہم ریڑیوں کے گانے سنیں...دل و دماغ اس نے دیا اور ہم نا فرمانی میں استعمال کریں .. شہوت اس نے رکھی اور وہ زنا میں استعمال ہو... جسم اس نے دیا اور وہ نافر مانی میں استعال ہو... بیتو کوئی عقل کی بت بی نمیں ہے... کتاایک روئی کھا کرساری زندگی اس کی وفاداری کرتا ہے... ہیسوتے ہیں وہ جا گتا ہے... ساری رات پہرہ دینا ہے... تو میں کتے ہے بھی نیچے چلا جاؤں ... جوایک روئی پراکی وفا کرجائے...اور میں 164 کارے جہال کی تعتیں کھا کراس کو تھکرا جاؤں ... وہ انسانیت نہیں ہے....



## جنت کے انو کھے پرندے

میرے بھائیو! جنت ش جنتی سے پر عمہ خود کھانے کی دعوت دےگا... لحم طیر مما یشتھون ... پر عمر آر ہے... دوڑتے آر ہے... بھا کے اوئے آر ہے... لڑائی کر کے آر ہے...



ایک پرنده که درباب ... بحے کھاؤدوسرا که درباب جحے کھاؤ... تیسرا
که دربا ہے جھے کھاؤ.... چوتھا که دربا ہے جھے کھاؤ.... گھری مرفی ذرج
کرنے جاؤ تو آگے آگے جائے ... واپڈا ٹاؤن میں پھر پھر کرتھکا دے...
آج پرندے خود اٹھ کر آرہے ہیں .... جھے کھائے .... جھے کھائے ....
پرندوں میں مقابلہ ہور ہا ہے ... کس بات کا؟... بیدنہ کھایا جائے میں کھایا



ایک پرندہ کہ رہا ہے اللہ کے ولی میری بھی سن... میں نے جنت الفردوس کا گھاس کھایا... سلمبیل کے چشنے کا پانی پیا... ادھرسے کباب نکلے گا... ادھرسے کیا ہوا نکلے گا... ہتاؤ میں کھلاؤں؟... کہے گا کھلا... اپ پر کھیلا کے گا... اس کے ستر ہزار پر ہوں گے... اسے ایسے ہوا میں لہرائے گا... ہر پر میں سے کھانے کی الگ الگ قسمیں گرتی چلی جا کیں گی... اب خوش کھالے... دھوکہ نہیں دیا تھا... اب خوش



الله كا احسان...الله كاعلم...الله كا انصاف... كو كي اليها غيرمتوازن ے؟... حلال حرام ایک جگه تول دیا جائے؟... رات کا شرابی اور رات کا تنجد گزارایک جبیا کردیا جائے گا؟... نہیں... پنہیں ہوسکتا... آج اللہ کے گا آ جاميرے بندے بيٹھ يمال... كھلاؤات... پلاؤات... پہناؤات... ونیامی شراب سے بھا... حرام سے بھا...



آج اهر مل اهر مل كرسلسيل في ربائي... آج زنجيل في ربائي... آج معین فی رہا ہے... خود اٹھا اٹھا کر بی رہا ہے... بیدایک مقام ہے... ایک مقام اس سے اعلیٰ درجے کا ہے ... فرشتے حاضر ہورہ ہیں... جیسے غريب خود الماكر بي ليتا ہے .... بوے لوگوں كے لئے ٹرے ميں ركھ كر لا رے ہیں گلاس بحررہے ہیں...



فرشے آرہے ہیں... پیش کردہے ہیں....

حورین آری ہیں... پیش کرری ہیں.... يويال آرى بين ... پيش كررى بين ...

غلام آرہے ہیں ... پیش کررہے ہیں ....

يا عُمَاكر في رب بين ... بياس ا كلادرج بي ... يسقون في

کاسا کان مزاجها زنجبیلاً...عینا فیها تسمی سلسبیلا ... یه 166 درجداس سے بحل اوپر ہے ... وہ سب سے اعلیٰ ... سب سے بالا ... سب

سے زالا... وہاں کا میرمجلس... ساتی محفل خوداللہ ہوگا... و سقہ م ربھ م شرابا طھورا ... ارے اللہ خود آجائے گا... میرے بندے میرے ہاتھ سے پی ... کیوں یااللہ... ان ھلدا کان لیکم جزاءً ... بہتیری محنت کا صلحہ ہے... و کان معیکم مشکورا... تیری محنت میں دیکھا تھا...

لُوگ موتے تھے .... توافعتا تھا

الكرينة تقى .... توروناتا دوكلك لات تق ... توروباتما

و الريخ ت .... توجعكاتما

۔ پر کا مصطبح جا والیا کہ میں میں اس میں اور کا بیال ہے.... پیالیک رخ ہے کامیا کی کا... بیانسانوں کا بیابا واٹا وُن ہے... کتنا

المنظم ا

س كوالله تعالى في السيخ المحول سي بنايا...

کوئی گارانہیں.... کوئی مٹی نہیں .... پر کر بیتہ نہد سر کر پر نبد

کوئی پقرنہیں.... کوئی روڑانہیں.... پر زمان نیا

كوئى كيل نبين ... كوئى قابله نبين ...

اس کی ایک این چاندی کی .... ایک زمرد کی... ایک یاقوت [167]







ک...ایک موتی ک... مثک کا گارا ... زعفران کی گھاس... موتیوں کی چپس ... دودھ کی بہتی نہریں.... پانی کی بہتی نہریں.... پانی کی بہتی نہریں.... پانی کی بہتی نہریں...

اوپر کے جنتی کوچھوڑو... سب سے ادنی جنتی کے لیے جوقالین بچھائے جائیں گے .... اس پر وہ چالیس سال بھی چلنا جائے تو ختم نہ موں ... ونسمارق مصفوفة .... وزراہی مبثوثة .... گاؤ تھے لگے ہوئے .... قالین بچے ہوئے .... جام بجرے ہوئے ....

﴿ عَلَمَانِ كَمْرِ عِهِ مِنْ ... فرشت سلامی دینے کوآئے ہوئے... کھل بھی ہوئے... کھل بھی ہوئے... کھل بھی ہوئے... بانی بہتے ہوئے ... نہریں موجیس مارتی ہوئیں...







### میرے بندے جومیں چاہتا ہوں: تووہ کر

ميرے بھائيو!الله تعالی فرماتے ہیں...

...عبدى انت تريد...وانا اريد...ولا يكون الا ما اريد...

اے میرے بندے! ایک تو چاہتا ہے ایک میں چاہتا ہوں... جو میں چاہتا ہوں... جو میں چاہتا ہوں میرے بغیر نہیں چاہتا ہوں میرے بغیر نہیں ہوں میرے بغیر نہیں ہوں کہ یا اللہ ہم کیا کریں؟... ہماری مجی تو کوئی جاہت

پوری ہو...ایے کیے گزرے گی؟....

توالله تعالی ایک سودا کررہے ہیں... کے میرے ساتھ سودا کرو...

...فان سلمت لي في ما اريد....

مشكل تب تعاجب الله تعالى كهتا!...

ائد ہے ہوجاؤ... دیکھوہی نہیں...

بېرے ہوجاؤ...سنو بى نېيں...

بموکے ہوجاؤ... کھاؤہی نہیں...



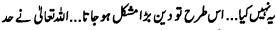




مو تکے بن جاؤ... بولو ہی نہیں... بم

ننگے ہوجاؤ... پہنوی نہیں...

جنگل میں رہو... محمر نه بناؤ...



لگادی ... بھتی اتنا دیکھ سکتے ہو...اتنا نہیں... آپ سب کو پہ ہے...

مورتوں کو بھی پہتے ہے کہ کیاد مکھنا ہے کیا نہیں دیکھنا...

کهاریسنوریه نهسنو...

كياسنا بكيانبين سناسب كوپية ب...

په پولوميه نه بولو... لينن سچ پولوا در جموث نه بولو... صحور اور در در در محمد سرک نه

منج بولوغلط نه بولو... احچی بات کروغیبت نه کرو... ته میر

قرآن سنوگا نانه سنو... میرا کلام سنوساز دآ دازنه سنو... است کوسنند بران ی میری

اب کچم سننے پر پابندی لگادی...

...فان سلمت لى فى ما اريد...

اب تويهال وه كرجويس جابها مول...

... كفيتك في ما تويد ... پريس وه كرول كاجوتو چا بتا ب...













512 9 15 12 11 har Demon All

الصحاخلاق پر علنے والے مردوں کی...

ايك محاليات يوجها:اسلام كبابع؟...

آبِ أَنْ مِنْ التَّصافلاني...

سائية الماتمان وهادهرا تم كرا دعرآيا...

يارسول الله!اسلام كيا يع الم

آپ للے نے فرمایا: اجھے اخلات...

وهادهرسے اٹھ ادھرآیا...

يارسولالله! دين كيا\_م؟...

آپ ﷺ نے فر مایا: اجھے اخلاق...

وهادهرساڻھ كريچھے آي...

يارسول الله! دين كيائے؟... بهلى دفعه يو جمادين؟...

آپ ﷺ نے فرمایا: اخلاق...

دوسري دفعه يوحيمادين؟...

آپ نے فرمایا: اخلاق...

تىسرى دفعە يومچمادىن... آپ نے فرمايا:اخلاق...

دین... آپ نے فرمایا: اخلاق...

چوتھی دفعہ پیچیے بیٹو کر ہو جھادین کیا ہے؟... آپ نے یوں پورا م<sup>و</sup> کر

و يكما اور فرمايا بما في توكب مجيحًا؟... غصه نه مواكر...

اخلاق....انسما بعثت لاتمم مكارم الاخلاق ....ايكمف کے نمازی سلام دعا ہے گئے ہوئے ہیں... پڑوس سے دیوار کی ہوئی ہے

سلام سے عاری ہیں... کوئی یو چمتا ہاس سے یو چھتے ہیں... جونہ لو چھے

اس سے نیس ہو چستے ... جو آتا ہے اس کے یاس جاتے ہیں .... جو ندآئ

اس کے پاس مبیں جاتے... پیکیاا خلاق ہے؟....

میرے بھائیو!اخلاق سیکھو...اورایک بات بتادوں... سونفل پڑھتا

آسان ہیں.... گالی دینے والے کو دعادینامشکل ہے....











# عبدالملك كى حسرت!موت كےوقت

عبدالملک بن مروان نے لا کھوں آ دمی قمل کیے ... اپنی حکومت کا تخت بچیانے کے لئے اس کے گورز جاج نے سوالا کھانسانوں کولل کیا... جواس

نے خود کیے وہ الگ ہیں ... جوجنگوں میں ہوئے وہ الگ ہیں ...



ادراس نے کوئی تقریباً انیس (۱۹) برس حکومت کی ... بوامیہ کا تخت

بچھایا... کیکن جب اس کی موت کا وقت آیا... با ہرا یک دھونی کپڑے دھور ہا تھا...اوروہ دھو بی جب کپڑے کو پھر پر مارتا تو آوازیں آتی تھی...کھڑ کی تھلی

تحی اس نے کہاریآ واز کیا ہے؟ خدام نے کہا: دھو بی کپڑے دھور ہاہے...

عبدالملك ايك شندى آه مجركر كينه لكاكاش! ... مين ايك غريب قریش ہوتا... میں ایک قریش ہوتا لوگوں کے اونٹ چراتا... تازہ مزدوری لمتی اے کھا کرزندگی گزار جاتا... اوراس حکومت وتخت کا ذا نقد میں نے نہ میں ہوا 🖹

چكما موتا... ليكن آج افسوس كسى كام كانبيس...

تيركمان سے نكل چكا ہے ... وقت ايك ايما تيز رفار تير ہے ... كمان کے لکلا ہوا تیرتو پھر بھی اٹھایا جاسکتا ہے پھر چلایا جاسکتا ہے... کیکن وقت کا کا مواتیرز مین وآسان ... الی زفتدلگائیس یاسیدهی وقت کے نظے موئے تیر

کووایس لانے کی کوئی شکل نہیں ...

#### ہر طرف اللہ کے جلوبے



...اینسمسا تسولو ۱ فشم وجسه الله ....ادحردیکموانلد... اُن 🖳

الله... آ مے دیکھواللہ... پیچے دیکھوالله.... اینے اندردیکھوتواللہ 🖟 🖟

وهالله ... جس کی شهنشاهی کی حدثییں

وہ اللہ .... جس کی طاقت کی حدثمیں وہ اللہ .... جس کے اقتدار کی حدثمیں

وهالله .... جس کی کرم فرمائی کی حدثهیں

وہ اللہ ... جس کے جمال کی صرفین

وه الله .... جس کی قدرتوں کی عدشین

وه تو نا فرمانوں کوجلا کرمیسم کرویتا... جلا کررا گذیروں کے اس میں ا

بتا.... جس نهس کر دیتا.... وه الله....وه بادشاه... وه مهربان ... در فرمانون که در باین ... در فرمانون کو در باین کها ... این نافرمانون کها در مانون کها در مانون کها در مانون کها در مانون که در مانون کها در مانون کها در مانون کها در مانون کها در مانون که در مانون کها در مانون که در مانون کها در مانون کها در مانون کها در مانون کها در مانون که در مانون کها در مانون که در مانون کها در مانون که در مانون که در مانون که در مانون کها در

بدمعاشو!سنو...سنو!

....يا عبادى الذين اسرفوا على انفسهم....

کیا کہدرہاہے؟

پہلے ایک کہیسنو... ماں اپنے بیٹے کو کہتی ہے میرالال ... میرا بچ....



www.besturdubooks.net

میرا جگر... میرا بیٹا... میرا چاه ... میرا سورج... ہائے میرا بچ... ہائے میرا '

... يا عبادي الذين اسرفوا على انفسهم....

يه صدا اور يه عبت جو مال اين يكار من طاهر كرتى بيساس سے لا محدہ دکنا زیادہ ہوکراللہ کہ رہا ہے ... اے میرے بندو! کوئی چوروں کو بھر اللہ کہ ایسے ہوں کہ بھر اللہ کہ ایسے کہتا ہے اللہ کا بھر اللہ کہتا ہے اللہ کا ایسے کہتا ہے اللہ کہتا ہے اللہ کہتا ہے اللہ کا اللہ کہتا ہے اللہ کا اللہ کا اللہ کہتا ہے اللہ کا اللہ کہتا ہے اللہ کا کہ کہ کا اللہ کا ا

....اےمیرے بندد!...

مہل بات دیکھو...کہ کیا کہ رہا ہے....میرے بندو! جیسے کوئی بڑے متق لوُلوں کو کہدرہا ہے...آ گے کیا کہا؟....اے میرے بندو!...جنموں نے زندگی میں بھول کر بھی کوئی نیکی نہیں کی ...تم بھی میرے بی ہو...گھرا کیوں كے بو؟.... ڈركول مح بو؟....من كوكى ياكتان كا تفاندار بول؟.... (پولیس والے ناراض ندمول بيتو ويے بى غداق كى بات ہے)... در كول کے ہو؟.....میرے بندومیرے ہو...ادحرتو باتو کرو.... پھر دیکھومعاف کیے **بیست** كرتا ہوں...







ميرے بھائيو! ولى ولى كو پيچانتا ہے....ابدال كى يرواز كو ولى نہيں پیچان سکتا....ابدال ابدال کی پرواز د یکتا ہے.... قطب کی پرواز نہیں و ميسا....قطب قطب كى برواز و ميما ہے...قطب الاقطاب كى برواز نہيں

قطب الاقطاب قطب الاقطاب كى پرواز ديكما بي.غوث كى يرواز نہیں دیکھ سکتا....غوث غوث کی پرواز دیکھتا ہے...نبی کی پرواز نہیں و کمتا.... نی نی کی پرواز د کمتا ہے... خاتم الانبیاء کی پروازنہیں د کھ سکا..... این نی کوصرف الله نے جانا اور کسی نے نہیں جانا..... حبیب کا ترجمہ ی نہیں ہوسکتا....آپ نے عرش برعرض کی...

ياالله!...اتخذت ابراهيم خليلا...ايخ ابراتيم كوليل بناي.... و موسى تكليما... اورموى كوكليم بنايا...

و سخوت لدائو دالجبال... داؤد کے لئے بہاڑوں کو مخر کردیا

ولسليمان الريح...سليمان كے لئے ہوائيں تالع كيں....

واحييت لعيسيٰ الموت ... عيلى عليه السلام كم ما تعون مرد ب

176 إنده ك

A.



فماذا جعلت لى ٩... عرض كيا: مير ب لئے كيا ہے؟ الله نے فرمايا... او ليس قد اعطيتك افضل من بعضك

کله .... کها کیامیں نے آپ کوان سب سے اعلیٰ چیز نہیں دی .... کہ .... اما الت حسب الله کرا ہیں اور فرا قریب آتر مو

انت حبیب الله .... كرآ پ مرر عبیب بی ...اورفر مایا قریب آ...ما ذكوت الا ذكوت معى ...ا مرر عبیب ميراذ كر ممل بوي نهیں

سکتا تیرے ذکر کے بغیر... بیرسب عرش په بات ہور ہی ہے....سنو!مویٰ مار مالادر ہی سرک مکنس کر میں میں ایا

عليهالسلام پرايک آپ کوسائنس کی بات بتا تا چلوں.....

یے خلااتی بڑی ہے کہ ایک جہاز چلایا جائے جس کی رفتار ایک لاکھ چھیا ی جزارمیل فی سیکنڈ ہواور وہ ایک ارب سال اڑتار ہے.... تو آسان کے نیچے کی خلا کو تاپ نہیں سکتا.... تو او پر کتنا ہوگا؟.... عرش کے او پرستر ہزار پردے.... وہاں سے رفان کی مجل میں میں میں المدر کے شور س

ادنی نورکی مجلی پڑی تو موٹی علیہ السلام کوچالیس دن ہوش نہیں آیا.....

...و خسو موسی صعقاً ... به موش اور یهال ... شه دنی فتدلی فکان قاب قوسین او ادنی ... اور پر فرمایا... یا حبیبی اُدن

منى ... مير عبيب! قريب آ.. آپ قريب بوئ ... يا حبيد أدن

منى ...ا عبيب! اورقريب آؤ ... كم تيرى مرتب فرمايا... يا المهيبي

اُدن منی... میرے قریب آؤاعرش کے سر ہزار پردے بھی چاک ہو ئے..

اوراللہ اپنے سامنے تین مرتبہ قریب کر کے پیرخطاب فرمار ہے ہیں۔ بو فیرمداز میں گل میں اس میں معتقل کے لائیں اور کی میں میں میں کی کے انداز میں اور کی کا میں میں میں کا میں کا می

كتنى پرداز ہوگی ہمارے پیارے نبی ﷺ كى .... لېزاالله كےعلاوہ اپنے نبي كوكو





کی پیچان ی نیس مندگی کا درصله از این سنگی چی بهت می نهیس... پورے قرآن چی الله نے ... یا ایسند تا این کا در ایسان بیسی ... نام یکارا



حبیب باک کواللہ پاک نے قرآن باک ان 14 مرتبہ بکارا ہے اور آیک مرتبہ بھی تام کیرنیس بکارا ... با احمد ... نیش کبا... با محمد علی ... نیس .

رب ن ما محرون به رسا الله المنبى ... (الله عَيْم سے) العقب فرج

سنانے والے....







# جنت کی چانی!انو کھاوا قعہ

میرے بھائیو! ش ایک چھوٹا سا واقعہ عرض کرتا ہوں جس سے پتہ چھاگا کہ ہمارے مشائخ اولیاء کرام نے کسی منت کی ... حضرت ابو بکر صدیق عظہ جن سے سلسلہ نقشبند میں ماتا ہے ... لو لا

پھر ہزار ہرس کے بعد مجد دالف ٹانی کے بارے ہیں علاء کہتے ہیں کہ
اگر احمد نہ ہوتا تو اللہ کا دین مف جاتا ....ای سلسلے یعنی سلسلہ نتشبندیہ کے
بایزید بسطای رحمۃ اللہ علیہ جب شجرہ میں ان کا نام پڑھا گیا ....ان کے نام
نامی سے مجھے یہ واقعہ یادآیا... جیسے ہمارے مفرت اللہ کے کلے کولیکر در در
پھرتے ہیں یہی مشائخ کی سنت تھی ... بیٹھے کم تھے ... پھرتے زیادہ تھے ...
پھرتے ہیں یہی مشائخ کی سنت تھی ... بیٹھے کم تھے ... پھرتے زیادہ تھے بیں
مخرت بایزید بسطامی رحمۃ اللہ علیہ یہود کے ایک مجمع میں چلے
کے ....انہی کا لباس پہنا ان کے عالم کی زبان بند ہوگئی ... لوگوں نے پوچھا
کیوں بند ہوگئے ...وما فینا محمدی ... کوئی محمد گانے کا مانے اللآیا

اع قل كرت بين ... اس نے كهانبين مين اس سے سوال كرون كا عاج

موجائے تو قبل کرنا.... يمبودي عالم كہنے لگا جومحمر كا ماننے والا ہے جمع ميں كھڑا موجائ .... حفرت بایزید بسطای اٹھ کھڑے ہوئے .... سوال: يېودې كېنے لگاايك بتا ؤجس كا دوسرانېيس؟ فرمایاالله....بیایک ہےجس کادوسرانہیں. جواب: دويتاؤجس كاتيسرانبيس؟ سوال: فر ما یا دن اور رات.... بیدو بین ان کا تیسرانهین جواب: تين بتاؤجس كاچوتھانہيں؟ سوال: فر ما يالوح قلم كرسي... بيتين بين ان كا چوتھائېيں .... جواب: كهاوه جاربتا ؤجس كايا نجوال نبيس؟ سوال: فرمايا تورات...انجيل...زبور...قرآن اس كا پانجوان نېين.. جواب: كهاوه يانج بتاؤجس كاجهثانبيس؟ سوال: فرمايا بانچ نمازين بين جس كاچمانېين .... جواب: كهاج يتاؤجس كاسانوان نبيس؟ سوال: فرمایا چیدون میں اللہ نے زمین آسان کو بنایا.... اور اس کا جواب: ساتوال نبين... كهاسات بتاؤجس كاآ ٹھواں نہيں؟

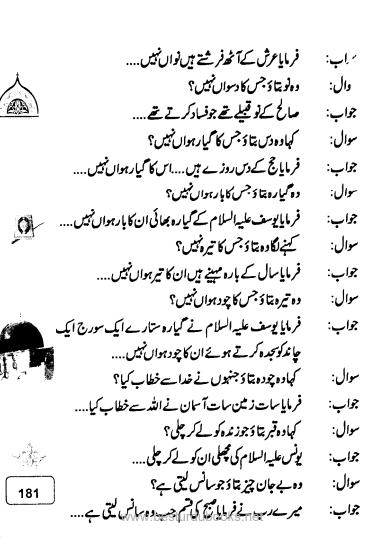
سات آسان بين ان كا آشوال نبين....

www.heeiuhilbooks.net

سهال:

جواب:

سموال:



وه بتاجس نے بیت اللہ کا طواف کیا جس پر نہ فرض تھا نہ واجب تفانه سنت تفا؟

فرمایانوح علیه السلام کی کشتی نے بیت الله کا طواف کیا... کہاوہ چیز بتا وجس کواللہ نے پیدا کیااور پھراس کوخر بیدا؟ الله نے مومن کے فس کو پیدا کیا .... چر جنت کے بدلہ میں

کہاوہ چیزیتاؤجس کواللہ نے پیدا کیا پھراس سے بوچھا؟ فر ما یا حضرت مویٰ علیه السلام کے عصاء کو پیدا کیا مچر پو چھا

كهاوه چزيها وجس كوالله نے پيداكر كے ناپندكيا؟ فرمایا گدھے کی آواز کو بیدا کیااور پھرنا پسند کیا...

کہاوہ حیار چشمے بتا وَا یک میٹھا ہےا یک کڑوہ ہےا یک تمکین ....

ایک رش سین نظایک می جگہ سے ہیں؟ فرمایا مندسے بانی لکا ہے میٹھا ... کا نوں سے لکا ہے کروا...

آ كه ي كلا يمكين ... ناك ي كلا برش ... ان كالمنع وماغ ہے....

کہااوروہ چیز ہتلا ؤجس کواللہ نے پیدا کر کےخوداس کی عظمت کااعتراف کیاہے؟

فرمایا کہ اللہ نے عورت میں مررکمی ہے ... خود بی اس کے مرکز

سوال:

ها جواب:

سوال:

جواب:

سوال:

جواب:

سوال:

جواب:

. سوال:

الكاكا جواب:

و سوال:

182 جواب:



اعتراف کیا ہے .... بہت سارے سوالات کے بعد کہا سب سے بہتر مہیندر مضان کا ہے .... کہا جمعہ اسب سے بہتر مہیندر مضان کا ہے .... سب سے بہتر سواری کھوڑا....

آخریس بایزید بسطامی فرمانے گاہ چھایہ بتلا دُپوچھ لیا...کہاہاں.... فرمایا پوچھ لیا.... کہا ہاں....فرمایا پوچھ لیا.... کہا ہاں.... پھر فرمایا میرے ایک سوال کا جواب دو.... جنت کی چانی کیا ہے؟ اب وہ چپ.... کہا بول.... بولتے کیون جیس؟ چپ بس پھر کیا تھا؟ وہی آ بلے ہیں وہی جلن کوئی سوز دل میں مند



میرے بھائیو! میں عرض کررہا تھا کہ حضرت بایزید بسطامی رحمۃ اللہ علیہ نے اس سے پوچھائتا جنت کی چابی کیا ہے وہ بولٹا بی نہیں...اس کے حواری کہنے گئے و نے ساٹھ سوال کئے اس نے سب کے سب جواب دیئے اس نے تجھ سے ایک سوال کیا تجھے ایک کا بھی جواب نہیں آتا... کہنے لگا جواب آتا ہے مانو کے نہیں ... کہنے لگا جواب آتا ہے مانو کے نہیں ... کہنے لگا میانی تو ہے کہ ایک کا بھی ہوا ہے کہ ایک کا بھی کے کہ کا کا بھی ایک کو جم بھی مانیں کے ....

... لا اله الله محمد رسول الله...

<u>پ</u>رکیا تھابس سارا مجمع مسلمان ہو گیا....



# بلی کی تربیت کسنے کی؟



میرے بھائیو! بلی حالمہ ہوتی ہے تو وہ کونہ تلاش کرنے گئی ہے.... بچہ دینا ہے تو کسی جائیں گئی ہے.... بچہ دینا ہے تو کسی کونے میں چینے کے لئے....اس کواس کی مال نے نہیں بتایا کہ بختے بچہ دینا ہے تو کسی کونے میں چینے کی جگہ دیکھنی ہے....کسی ٹیچر سینٹر سے نہیں سیکھا....کسی ٹرسٹگ ماؤس سے ٹریڈنگ نہیں لی....

اس کواو پر سے الہام ہے کہ میں ایک ایک جگہ بچدد سے دول کہ وہ ضائع نہ ہوجائے ... اس کا کوئی ٹیچر یا استاد نہیں ... اللہ کا او پر سے نظام ہے ... ان کو 
کھی ہدایت دیتا چلا آر ہا ہے ... بلی کسی کونے میں جائے بچددیتی ہے ... تو بچر 
کونیس پنة کہ میری مال کی چھاتی کہاں ہے ... اور اس میں میری غذا ہے ... 
اس کو مال نے نہیں بتایا ... اسکو مال نے نہیں بتایا ....

ہم تو خودا پئے بچے کو سینے سے لگاتے ہیں اور دودھ پلاتے ہیں.... بلی تو ایسے نہیں کرتی...اس کے بچے کی آٹکھیں بند ہوتی ہیں.... تو خودسر کتا ہوا ادھر کو چل رہا ہے....اس کی تقدیر اور اللہ کی رپویت اس کو اس طرف لے جارہی ہے....اس کو چوہنے کا طریقہ بتارہی ہے....

مبیب ہوئی ہے۔ ہم تو بچے کے منہ میں چوئی دے دیتے ہیں تو اس کو چوسٹے کا طریقہ کے جاتا ہے۔۔۔۔اور اس کی مختلف طریقوں سے تربیت کرتے ہیں تو وہ سیکھتا



ہے.... بلی کا بچہہے جس نے بھی دیکھانہیں سانہیں....وہ خود بخو دیھاتی کی طرف لیکتا ہے اور دودھ پیتا ہے.... پیسارے کا سارانظام اللہ تعالیٰ غیب کے یردوں سے چلار ہاہے....

# دعا کی برکت سے غیبی نظام میں حرکت



میرے بھائیو! در تدے رہر بن رہے ہیں... زمین کی طنا ہیں ان کیلئے سکڑ رہی ہیں... ابو تر سافہ رضی اللہ عنہ کے بیٹے واثلہ بن اسقع نام ہے... ابو قر سافہ کنیت ہے... ان کے بیٹے روم کی قید میں آ گئے... بیعسقلان میں رہتے ہے... فجر کا وقت داخل ہوتا تو یہ قلعہ کی دیوار پر عسقلان کے شہر کی دیوار پر چھ کے کردوم کی طرف منہ کر کے کہتے: بیٹا فجر کا وقت داخل ہوگیا ہے...



توان کے بیٹے روم کی قید میں باپ کی آواز سنتے تصاوراٹھ کے فجر کی نیت بائد صنتے سے اور اٹھ کے فجر کی دیوار پر نیت بائد صنتے سے اور پور جب ظہر کا وقت واخل ہوتا تو پھر وہ شہر کی دیوار پر چڑھ کر روم کی طرف منہ کر کے کہتے: بیٹا ظہر کا وقت واخل ہوگیا ہے اور ہوایہ پیغام وہاں پہنچاتی تھی .... یہ خادم سے .... چونکہ یہا مت وسط سے .... درمیان میں کھڑے سے ... امنه و مسط ا ... سارا غیبی نظام حرکت میں آیا ہوا تھا ان کے لئے ...



### اللهاوررسول كى تعريف سيكھو



ميرے بھائيو! الله اور رسول كى تعريف كرنا سيكھيں آواز لگانے ميں

بڑی طاقت ہے.... گلے سڑے پھل بک جاتے ہیں پھیری لگانے سے .... جو

پھیری لگاتے ہیں تاں ان کے پاس کوئی اچھا سودانہیں ہوتا...ایسے بی نیم مجروں نیمے درول گندامندامال ہوتا ہے ...لیکن وہ جو پھیری لگانا ہے اورصدا

لگانا ہاور جوآ وازلگانا ہے .... بیان کاسار اسودا بکوادیتا ہے ....

آپ سے کھر اسوداتو کا نتات میں کسی کے پاس نہیں ....آپ صدا لگانے والے تو بنو .... پھیری تو لگا وَاللّٰدرسول کے نام کی صداتو لگا وَ....اورجس کاسودانہیں بکیا وہ سائکیل پہ با ندھ کر گھر کھر تا ہے .... بیگھر گھر پھر نااس کا

سودا چ ویتا ہے... آپ سے سچا سودا تو کا کتات میں کسی کے پاس ہے ہی نہیں... آپ نکل کے آواز تو لگاؤ... اللہ کی قسم دنیا مقصد سے خالی ہے کسی کو

ہیں...ا پ نفل کے اواز تو لکا د....الندی م ونیا مفصد سے حال ہے گ نہیں پیتہ کہ کیا کرنا اور کہاں جانا ہے...جنہیں پیتہ ہے....

زمانہ برے شوق سے من رہا تھا

ہم ہی سو مجھے داستان کہتے کہتے

کوئی سنانے والا تو ہوکوئی اللہ رسول کا تعارف کرانے والا تو ہوجوتے

کا تعارف مور ہاہے.... جہازوں کا تعارف مور ہاہے اور کپڑے کا تعارف مو

ر ہا ہے...مشائی کا تعارف ہور ہا ہے.... پلیٹوں کا تعارف مور ہا ہے....







برتوں کا تعارف ہورہا ہے....اور کیاس کا تعارف ہورہا ہے.... گندم کا تعارف ہورہا ہے.... گندم کا تعارف ہورہا ہے... تعارف ہور ہاہے...

#### بوز هے مسلمان سے الله کا بیار

میرے بھائو! پھرایک اور مزے کی بات بہے کہ جتنے بوڑ ھے ہوتے میں استے اللہ کو بیار ے موتے جاتے ہیں...اور جب بیستر سال کے موجاتے ہیں واللہ فرشتوں سے کہتا ہے کہ میں اس مے پیار کرتا ہوں..تم بھی اس سے پیارکو ..عمل میں کمزور ہو گئے ہیں .. کین اللہ کی عجت برد ھ گئی ...

اور جب بياى سال كے موجاتے ميں توالله كہتا ہے...والله ليسس اعلن رجل او اموءة المثانين السنه... مجهيري ذات كاتم!ش ای سال کے پوڑھے مسلمان مرداور عورت کوعذاب نہیں دوں گا... اب کام كوئى نبيل كرر ہا...اى سال كابے چارہ كيا كرے گا؟...وہ تو فرض نمازمشكل

کیکن الله تعالی نے ریٹا ئرمنٹ پر پنشن نہیں ... بخواہ ہے بھی زیادہ عطا خصوصی رعایت کی ہے...

### حضرت معاویه ظائے جنازه پرفرشتوں کی آمد



آپ 🕮 تبوک کے سفریش تے...سورج لکلا بردا چکدار ...آپ سورج کی چک نہیں ہے ...دیے میں آپ کے ساتھی معاویہ بن معاویہ انقال ہوگیا ہے ...ان کے جنازے میں ستر ہزار فرشتے آئے ہیں یہ ان کا نور ہے جوسارے جہاں میں پھیلا ہوا ہے...کہا میں اس کا جنازہ حاضر كرتا مول ... يهم مواتوزين سكرتي حلى آت ثرى دريي معاويد الله كاجنازه تبوك ميں پہنچ ميا....



ية تن سوسا مُع كے بجارى ميں ... جنهيں الله كے حبيب كى غلامى نے ا تنااونچا کردیا که آپ ﷺ نے جنازہ پڑھا پھراشارہ کیا تو دوبارہ جنازہ واپس مدينه من جا پهنجا...

میرے بھائیو!اسلام کے بغیر نجات کوئی نہیں... اگر اسلام نہیں تو سید می دوخ ....اسلام ہے اور ادھورا تو دوزخ ہے کیکن وقتی ہے عارضی ہے کیکن دوزخ توہے... پوراہے توسید حمی جنت.... پورے اسلام پر چلنے والے الكول من دوجا رنظرات بي ....



يه جوننانو ك بزار كالمجمع چل رہا ہے نماز ہے توروز و نبيس ... روز و ہے تو نمازنبيں ...نماز ہے تو زكوۃ نہيں...زكوۃ ہے تو كاروبار حلال نہيں...



كاروبار حلال ہے تو آمے حتوق العباد كى كوئى خبر نبيس...ادراس ميں اسراف ہے ... یعنی زندگی کی ہر ہر تر تیب میں آپ خور فر مائیں کہ کتناظم ہے .... پیے کیسی پوجاہے ...

ایک دوکان دار جھے فخرے کہد ہاتھا کہ میں مج مج قرآن پڑھ رہاتھاتو ا کیسگا کہ آئی ۔۔۔ انہوں نے کہا آپ ماشاءاللہ قرآن پڑھ رہے ہیں تو آپ بھلے آ دمی گلتے ہیں... تو میں نے سوچا کہ میں آپ سے ہی کپڑا لیتا ہوں تو

يس نے اس كوسولدرويے كروالا كپڑااس كوم ارويے كرش و سے ديا... یوں فالم کو بی خیال ہی نہیں آر ہا کہ میں نے سمی کی جیب پر کیسے ہاتھ

ڈالا ہے....ادر قرآن کوذر بعیرینا کر قرآن کو پیچا ہے....اگر وہ قرآن نہ پڑہ 🍦 ہوتا تو وہ کسی اور جگہ چلا جاتا....کہا کہآ پے قرآن پڑھ رہے ہیں تو میں نے کہا كهآب جھےا جما كيڑاديں مے ....اچمى چيزديں مے ....ياس نے قرآن كى قیت لگائی ۲۴ رویے فی گز.... ۲ اروپے پر۲۴ روپے اور لے لئے...

تواس نے قرآن کو ۲۲ رویے نی گزیج دیا...اس نے کتنالیا ہوگا...

ا كي تقان لي ابوكا ... وتقان لي ابوكا ... توان تا جرول كوكون مجمائي كريسيكى يوجانه كرواللدكى يوجا كرو .... دفتر والول كوكون مجماع كريسي نسل نہیں...حلال سےنسل پلتی ہے... بیکون جائے سمجھائے.... کیونکہ سارے

شعبول نے بیسے کی بوجاشروع کردی ہے... تو بھائی سیسب اللہ کے حکموں پر

ر آئيں...





# حضرت آدم الطَّيْقِينَ كَلْ تَصِيحَتِينَ



میرے بھائو! حضرت آدم علیہ السلام نے اپنے بیٹے حضرت شیث عليه السلام کو يا خچ نفسختين کيس ادر کها کها ځي نسلون کو مجي په پاتي پېښچادين... ونيار جمي مطمئن ند بونا:اس دنيا پر بھي مطمئن ند بونا.... ين جنت يس

مطمئن ہوگیا تھا جو کہ ہمیشہ رہنے کی جگہ ہےلیکن اللہ یاک کو بیہ بات پندندآئی اور مجھودہاں سے نکال دیا...

 بولول کی خواہشات رجمی عمل نہ کرنا: اپنی بیو یوں کی خواہشات رجمی عمل نہ کرنا میں نے اپنی ہوی کی خواہش برعمل کرلیا تھا لینی اس کے كہنے بروہ كھل كھاليا تھااس پر جھےسارى مصيبت اٹھا تابردى...

ہر کام کرنے سے پہلے سوچتا : کوئی عمل کرنے سے پہلے خوب <sub>مو</sub>رج لیا کرواگر میں نے پھل کھانے ہے پہلے اس کا انجام سوچ لٹی ک مصيبت نهآتي...

اليے كام نہ كروجس كے بارے ميں دل ميں كھ كامو: الي کروجس کے بارے میں دل میں کھٹا ہو.... درخت کا **جھے س**وا مٹ کے وقت میرا دل بھی مضطرب تھالیکن میں نے خیال نہ کیا پھر اوس كرنايزا...



۵.... بر ضروری کام بیل مشوره کرنا: اجم امور بیل مشوره کرلیا کرواگر بیل بھی فرشتول سے پہلے مثورہ کر لیتا توبیا نجام ندد کھنا پڑتا...

يدونيا بميشدر بنے كى جگەنبيں ہے .... بدا عمال كرنے كى جگد ہے ....

يهال ہماري كوشش زيادہ سے زيادہ عمل كرنے كى ہونى جاہے....ہميں الله کے احکامات پورا کرنے کی فکر ہونی جائے ... سب سے ضروری ایمان ہے۔

پمرنمازے بوکہ دوز ٹ سے مجات کا ذریعہ ہے...

#### بوز هے مسلمان براللہ کی رحمت

يجيٰ بن الثم كانتقال موا....محدث مين....خواب مين ملے.... يو چها كيا بوا...الله نے يو جھااو بدكار بوڑھے! تونے يہ كيا.... تونے يہ كيا.... آگ میں نے کہاا سے اللہ! میں نے تیرے بارے میں بیصدیث نہیں سی ...علم کی شان دیکھواللہ کے سامنے بھی صدیث بیان ہور بی ہے....

حفرت عائشہ کا نے بتایا...انہیں حضورا کرم ﷺ نے بتایا....انہیں

جرائيل نے بتايا.... جرائيل كوآپ نے بتايا جب كوئي مسلمان بوڑ ها ہوجا تا

بَ تَوْعِذَابِ دِيتِے شرما تا ہول...اور میں اسلام میں بوڑ ھا ہوا ہوں... تو اللہ علیہ اللہ علیہ اللہ م نے مجھے اس پرمعاف کردیا...اس امت کوعزت بخش کیونکہ پیگمروں کوچھوڑ 191

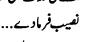
مچوژ کر نگلتے ہیں...





# رفت انگيز دعا

ا \_ےاللہ! آئندہ وہ محبت والی زندگی عطا فر ما جس میں تیری اطاعت ہو...آج تک تیری نافر مانی کی لذتوں کو چکھا ہے...آج سے اپنی بارگاہ می*ں* اٹھنے کی لذت بھی عطا فرمادے...اپ سامنے رونے دھونے کی لذت بھی



اے اللہ! اس دمو کے کی زندگی کی جتنی بھی آج رنگینیاں ہیں اس نے میں برباد کردیاہے .... جارے دل کی دنیا اجر می ہے...اے اللہ! کی پیٹک ہیں اور بھٹکے ہوئے راہی ہیں....ہمیں انگلی سے پکڑ کران گمراہی کی فضاؤں سے مدایت کی روشنی میں پہنیادے...



اے اللہ! ان کا نوں نے آج تک گانے بجانے کی لذت کو چکھا ہے... یا الله جمیں اینے ذکر کی آوازوں کی لذت .... قرآن کی لذت .... نصیب فرما

دے...ان آتھوں نے آج تک نافرمانی کی لذت کو پچھا ہے... یا اللہ ان



آنکھوں میں محبت کے آنسو مجرد ہے... اپنی اطاعت کے آنسو مجرد ہے...

اےاللہ! وہ قطرہ آگھ کے آنسو کا جوجہنم کے دریا بچھا دیتا ہے... وہ قطرے ہماری آنکھوں سے گرادے...اےاللہ! آج تک جسم تیری نافرمانی

192 میں استعال ہوا...ا ہے اپنی فر ما نبر داری میں استعال ہونے والا بنادے...



ا ب الله! تو دیکمتا ہے.... ہم تخفی نہیں دیکھتے... تو ہماری سنتا ہے....

ہم تیری نہیں سنتے ...ان فضاؤں میں تیرے دین پر چلنا براہی مشکل ہوگیا ہے...اے اللہ! جونو جوان تیری طرف بردھ رہے ہیں بردی ہی مشقت سے

اے اللہ! قدم قدم پر رہزن ہیں رکاوٹیں ہیں .... تیرے دین پر چلنے والوں کے لئے مشکلات ہیں.... نافر مان زعر کی کے لئے سر کیس بری ہموار

ېي اورسائقى مەدگارېن...

یااللہ!وہ جو تیرے صبیب ﷺ نے کہا تھا کہ ایک ونت آئے گامیرے دین پہ چلنا ایما ہوگا جیسے ہاتھ میں انگارہ رکھنا آج یہی ہمارا حال ہے .... ایک

قدم المات ہیں تو سوآ وازیں سننے کو لتی ہیں...

اےاللہ!ایمان پہلے ہی کمزور ہے...ساخمی کوئی ملتانہیں...اےاللہ! میں جادے... ہمیں ثابت قدم فرمادے...اےاللہ!ان فضاؤں کے زہر آ الم

ہمیں بچالے... ے پہانہ! اے اللہ! قدم قدم پہ تیرے دین کو ہر باد کرنے والے پھندے لگا کے

بیٹھے ہیں...ساری سل مجرحتی ہے...

ا الله! جس كى اولادى بمرحى اس كوكوشى كيا چين د كى ...اس كى دولت اس کے س کام آئے گی ... ہم اپنااصل سرمایی کم کر بیٹے ہیں ... ہاری نو جوان نسل شیطان عکم باقعال الله بہاگی has کا باعد کی ہاری نسل

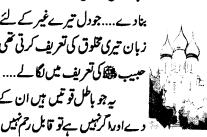
ہمیں واپس کردے...ہاری نسل واپس کردے...ان کی زبانوں پر پھر قرآن کوزندہ کردے..ان کے قدموں کورتص کا ہوں سے اٹھا کرمسجد کی طرف پھیر دے...ان کے ہاتھوں سے گانے بجانے کے آلات کو واپس لے



لے..ان کے ماتھوں میں قرآن پکڑادے...ان کی زند گیوں سے بے حیا کی کونکال دے اور انہیں حیا کی جا در نصیب فرما... جن کی حیا پر فرشتوں کو بھی حیا آتی تھی آج انہی بچیوں نے حیا کی جا در تار تار کردی ہے...انہیں دوبارہ حیا

🧗 نعیب فرماد سے...انہیں دوبارہ یا کیزہ زندگی نعیب فرمادے...

🛂 اے اللہ! ہارے جذبات جو تیری نافر مانی میں ڈھل گئے انہیں اپنی مبت میں ڈھال دے....جورات غفلت میں گزرتی تھی وہ رات رازونیاز کی بنادے....جودل تیرے غیر کے لئے تڑ پتا تھااسے اپنے لئے تڑیا وے....جو نبان تیری مخلوق کی تعریف کرتی تھی اے اپنی تعریف میں لگا لے...اپ

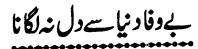


یہ جو باطل قوتیں ہیں ان کے مقدر میں اگر ہدایت ہے تو نصیب فرما وےاور ا كرنيس بيتو قابل رحمنيس بين ...انہوں نے جميس بربادكيا ...ان

يرتو بهي ہاتھة ال لے...ان فرعونوں کواپني قباري د کھا... آج لوگ تيراندا ق

ا الله براتر آئے ہیں ... تیرے دین کا خاق الله نے براتر آئے ہیں ... یا

194 الله! تو ہمار نقیل ہوجا...اور انہیں ہدایت دے یا انہیں گرفتار کر... آمین یا ارحم



ميرے بھائيو! اس دن كے لئے ہم دنيا ميں تيارى كرنے آئے

ہیں... ہم یہاں مسافر ہیں... بیگزرگاہ ہے... بید مسافر خانہ ہے... بیر چھوڑ کے جانے والا گھرہے... اللہ کی تئم یہاں تی لگانے والا بھی چین نہ پائے گا... تی لگانے والول نے کبمی سکھ نہ دیکھا... اس سے تی لگانے والا کبمی

چین کی نینزنبیں سو سکے **گا**...

اس کے دھو کے بین آیا ہوا بھی نکل نہ سکے گا...اس کے ڈسے ہوؤں نے بھی راحت نہ پائی...ارے بھائیو! اس ناگن سے نی جاؤ... اس جادو گرنی سے نی جاؤ.... اللہ کی قتم بے وفا ہے... اللہ کی قتم بے وفا ہے... اگریدوفادار ہوتی تو تمہارے پاس کیوں آتی ؟... تمہارے پاس کیے آتی ؟... تمہارے پاس کیے آتی ؟... تم سے بھی غداری کرے تمہارے گھر آئی... تم سے بھی غداری کرے تمہارے گھر آئی... تم سے بھی غداری کرے گھر اگئی... تم سے بھی غداری کرے تمہارے گھر آئی... تم سے بھی غداری کرے گھر اگئی... تم سے بھی غداری کرے گھر اگئی... تم سے بھی غداری کرے گھر آئی ... تم سے بھی غداری کرے گھر اگئی ... تم سے بھی غداری کی ادر غیر کے گھر جائے گی ...

ابوذرغفاری رضی الله عنه کوایک محفق کمنے گالیاں دیں....انہوں نے خاص کی ایک کیاں دیں....انہوں نے خاص دی سے من کی خاموثی سے من لیس... فرمایا میرے ممائی آبل صراط آرہا ہے.... پارٹکل گیا تو تیری گالیوں کی پرواہ نہیں ادراگر گر گیا تو جوتو نے کہا اس سے بھی زیادہ کا

حقدار مول...

<u> 195</u>

#### الله اوراس كےرسول على سے وفاكرو



میرے بھائیو!اللہ اوراس کے رسول کے سے وفا کرو....اگر دنیا بنائی ہے اور آخرت بنائی ہے اللہ اوراس کے رسول کے سے وفا کرو....کین میری باتیں پائی پہلیر بن جاتیں ہیں.... صحرا میں صدا بن جاتی ہیں.... پہاڑوں کی صدائے بازگشت بن جاتی ہیں.... کیونکہ باہر ماحول ایسا ظالم ہے کہ میری آواز جیسے پھروں سے کرا کرواپس آجاتی ہے....



ایسے ہی میری آواز آپ کے کانوں سے کلرا کرواپس آجاتی ہے...۔ یہاں روتے بھی ہوآ نسو بھی بہاتے ہولیکن با ہرجا کریوں بھول جاتے ہوجیسے آل کبھی ندستا...ند بیٹھے ندول پراٹر ہوا...ٹمٹما تا چراغ ہے جومشکل سے جاتا ہے ججے اورآ کے بےرحم ہوا کیں ہیں جن کے پہلے جھو نکے سے بچھ بچھا کر چلے جاتے



میرے بھائیو! اپنے ایمان کو واپس لاؤ....تقویٰ کی متاع ڈھوٹھ کے لاؤ....اپنااصل سرمایہ تلاش کرو....اس کے لئے اللہ کے راستے میں نکلواور تبلیغ میں پھرو....گلستان کالونی والے میری نہیں سنتے او رنہ ہی یہ میری مانتے ہیں ....جو ہاہر سے آئے بیٹھے ہیں ان کی منت کرتا ہوں کہتم ہفتہ میں تین دن



اگر بہارلانی ہے....اگرگل لالہ کود کھنا ہے....اگرائیان کے چمن میں گلوں کو مسکراتے دیکھنا ہے....اگرائیان کے چمن میں گلوں کو مسکراتے دیکھنا ہے....اگراس کے پھولوں کو اور اس کی ڈالیوں کوتم نے مرہز دیکھنا ہے تو کھر دیسا کھر سے دکان .... کھر سے دکان سے گھر بیسا کیا ہے۔ مقصد زندگی ہے...اس کے میرے بھائی ایک تو اپنی ذات سے تو بہ کرو....اللہ تعالیٰ کا واسطہ دیتا

سے سرے بی جو ایک وات سے وبد رو ... الله تعال 6 واسطه دیجا موں ایک الله اوراس کے رسول اللہ سے وفا کرناسیکمو ... ان سے بڑا کوئی وفا دارنیس ہے ....

میدان محشر میں جب ماں کہے گی تو میرابیٹا بی نہیں تو بیوی کیسے بہجان رگی ۔۔۔ حب ایس کرمگا تو مری نہیں ۔۔ یہ نہیں تو مری ایرائی مجھ کیسے

سے گا... جب باپ کے گا تو میری نسل سے بی نہیں تو میر ابھائی مجھے کیے پیچانے گا... تب پڑدی اور دوست کیے بیچا نیں گے... جب میری جننے والی

ماں مجھے اپنی چھاتیاں وے دینے والی ماں جب کے گل تو میر ایرٹائمیس تو میر ا

ادر کس پراغتاد ہوگا...اس عالم میں جب میری ماں بھی مجھے نہیں بچان رہی ہوگ ....میرانی ﷺ مجھے بچانے گا...





# یا لنے والا بلائے اور ہم نہ جائیں! کیسی بیوفائی ہے



میرانوکردو ہزار... پندرہ سو...دس ہزار... ہیں ہزاریا چالیس ہزار تخواہ لیتا ہے ... وہ میر سامنے بیٹھا ہے ... ہیں اسے کہتا ہوں کہ بھائی بات سنو... وہ آگے ہے صرف دیکھا رہتا ہے ... ہیں کرتا ہے نہ ہوں کرتا ہے ... ہیں پھر کہتا ہوں بھائی بات سنو....وہ چپ کرکے جھے دیکھا رہتا ہے نہ ہاں کرتا ہے نہ ہوں کرتا ہے .... ہیں ہے نہ ہوں کرتا ہے ....

پر میں کہتا ہوں ہمائی بات سنو...دہ مجھے دکھے دہا ہے لیکن جواب کوئی انہیں دیتا .... پھر میں چوتی دفعہ کہتا ہوں ہمائی بات سنو.... وہ ای طرح دیکھ دہا ہے .... پھر میں پانچ میں دفعہ کہتا ہوں ہمائی بات سنو.... میری پانچ مرتبہ کی گیار پر بھی وہ نہ ہاں کرے نہ ہوں کرے .... نہ چوں کرے نہ چا... تو میرے ول میں اس کے بارے میں کیا آئے گا؟ کیا میں اسے رکھوں گا؟ یا نوکری پر میں اسے برداشت کروں گا؟ ارے تو کیا متکبر آدی ہے ہماری بلی ہمیں کومیائی ....

مالاتکہ میں نے اسے دیا کیا ہے.... دکا عدار پیچارے سیلز مین کو کیا ویتے ہیں؟ تین ہزار ... بیل والے مزدوروں کو کیا دیتے ہیں؟ ساڑھے تین کرار...ساڑھے تین ہزار میں کیا کسی کا چولہا جاتا ہے؟ آج کے زمانے میں



چار ہزار پہ چولہا جاتا ہے... آج کے زمانے میں دیکھیں ان کا کتنا بڑا احسان ہے؟ .....وه مزدور ایک دن نہ آئے تو وہ پسیے بھی کاٹ لیتے ہیں...ا یسے بخیل لوگ ہیں...

#### نه موتا من تو کیا موتا؟

میرے بھا بھا بھا بنانے والے کو پہانو کہ آس نے کسے بنایا...ا پھا ش صدیث کھل کردوں ... یہ تو اللہ نے گلہ کیا ہیں نے یہ کیا تم نے یہ کیا ... مسع ذلک ... اس کے باوجود ... ان ست خفو تنبی غفوت ... جب تو پریشان کی سیا ہوتا ہے اور مجھے مدامت ہوتی ہے ... تو میرے یاس آتا ہے کہ یا اللہ معاف

كردية ش كهتا مول چلومعاف كرديا....

پهراقلی بات اس سے مجی اعلی ہے کہ اگر تیری توبٹوٹ جاتی ہے .... ماحول ایسا فضا الی ....اب پریشان نہ ہونا کہ اب توبہ کیے کروں ....تو دوبارہ توبہ کرے گاہیں دوبارہ قبول کرلوں گا.... میری رحت سے ناامید نہ ہونا.... پھر آجانا میں دنیا کا بادشاہ نہیں ہوں کہ دھکے دے کر نکال دوں گا....زہین و

آسان كابادشاه مول...

...مسالم يغوغو... جب تك تيرب كلي كالمنتكر فبين بول... مِي

تىرى توبە پر كتجے معاف كرتار مول كا ... يوالله كا مارے ماتھ معالم ہے...

# الله كي بكار! آجا و آجا و!



میرے بھائے اللہ ہم سے روٹھا ہوا ہے ... اس نے پیسے بخیلول کودے دیا ہے...ایے اوپرخرچ کرتے ہوئے لاکھوں اڑادیں مے لیکن غریب کو ويے ہوئے ان كاسيد مشى يس آجا تا ہے .... مان في دفعه سيے تو كركو بلايا وہ اٹھ ك نه آيا توميرا كياروبيهوگا؟ يچى كەنكل جاز ....حساب كرواورنكل جاؤ ....الله

ون من ما في وفعه بلاني آتا ہے...

... حسى على الصلواة ... آجاؤنان اور بردفعهن دوبار بلاتا ب ...حي على الصلواة.... حي على الصلواة... آجاؤ.... آجاؤ.... كيا ملے گا؟...حسى عسلسى الفلاح ... فلاح ملے كى... يمس تو نوكر كوكو كى نہ كوكى كام دے رہا ہواں الساللة تعالى يول كمدر بائے جاؤ مجھے بحدہ كركے بيتے الماني طكى ... حسى على الفلاح ... اب تير الحك كامياني مجدين ا ما قسر ما قسار ما قسار

وه حيب كركے بيٹها ہوا ہے... سويا ہوا ہے... حسى عسلسي المصلواة حى على الصلواة ... آجاد آجاد ...وه تأش كھيل رہا ہے ...وه تيج کھیل رہا ہے ....وہ جواءکھیل رہا ہے....وہ اخبار پڑھ رہا ہے ....وہ سینما دیکھ لربائے ....وہ گانے س رہائے ....وہ ہانڈی پکاری ہے ....وہ کیڑے سی رہی

ہے...وہ بازار کی ہوئی ہے...

عمر مِن آواز آئي...حي على الصلواة.... حي على الصلواة ... كِمر چُوتُمي دفعه مغرب مِن آواز آئي ... حيى على الصلواة .... حي

علسى المصلواة ... كرمانجوين دفعه عشاء مِن آواز آئي ... حسى على المصلوة .... حي على الصلوة ... كيانو ي فيمدم داور ورت ساكت

بیٹے رہے ...کوئی ال کے نہ میا ....

میں اس اللہ کی کرم توازیوں پر قربان جاؤں جو ہمارا اتنا تکبر دیکھ کر ہمیں روٹی بھی کھلاتا ہے... یانی بھی دیتا ہے... نیند بھی دیتا ہے... نیند سے

اٹھا تا بھی ہے... پیٹاب کوآسانی سے خارج بھی کردیتا ہے....اورسورج

چا ند کا نظام بھی درست رکھتا ہے .... میں تواینے نو کرکو یا پنچ مرتبہ نہ ماننے پر اٹھا کے باہر پھینک دوں....میرا اللہ اگر ہیرکرتا تو آج ستانو بے فیصد لوگ

مرجکے ہوتے...

میرے اللہ کا کتنا ظرف ہے جواتنا پچھدد مکھے کربھی کہتا ہے اچھا چلو کوئی بات نبيس مبلت ديتا مول ....مبلت ديتا مول ....مبلت ديتا مول ....م

توبہ کرد مے ... بھی تو تو ہہ کرو مے ....ادرا تناظلم آپ لوگ دیکھ رہے ہیں کہ

اس کا کوئی غم نیں لیکن کرکٹ ہار ہے تو سب کوغم ہور ہا ہے... کتنی برسی بدیختی ہے...کتنی بڑی بدیخت ہے کہ ایک فنول...بے کاراور نا فرمانی کی چیز برغم....

صدے اور افسوس...









### سب سے کٹ کراللہ سے جڑجاؤ

میرے بھائیو!سب سے مندموڑا اللہ کی طرف پھر کیا ....سب سے ك كياالله براكيا ... بين مشركين من سنيس مول ... اين في كىسنو...الىلھىم نىفسى الىك ...اكالله! مِس نے ايخ آپ كآپ كحواله كرويا...وضعت امرى اليك ...مير عار ح كام تير ب سردمو مئے ... تو ی میراسمارا ہے ...

مي ني الي مرتير ب ساته لكادي ... لا ملجا و لامنجا من الله الا البك... كوئى جائے پناونبين...كوئى جائے نجات نبين....سوائے تيرى وات کے ... رغبة و رهبة اليك ... شوق ميں بھي خوف ميں بھي تو بي طحا توى پناەتوى معتدتوى وكىل توى كفيل... بوى شهيد... بقوى رقيب... كفى بالله شهيدا.... كفي بالله وكيلا.... وكفي بالله وليا و كفي بالله عليما و كفي بالله نصيرا....كفي بربك هاديا و نصيرا...

يتبلغ كاكام بالشك تعريف كرك لوكول كوالشكاد بوانه بنادوجس كا سودانہیں بکتا ہے وہ بھی شام تک مدالگا تا ہے شام کواپنے ملے سڑے سیب ع ركم آتا ہے... آواز ش اتن طاقت الله نے ركى ہے...











### ظالمتوهم ميں

ميرے بمائيو! بم في اپن سل رظم كيا...ان كودين سے بي بيره اور نا آشنا كرديا...جس سے بنياد كھوكملى ہوگى اور تنا كھوكملا ہوگيا... بوا كاجمونكا آيا اورتے کوا ما کروہ بھینا ...اب سارے تے ہوا کوگالیاں دے دہے ہیں کہ موانے ماراتنا كا درا درآ عرى نے ماراباغ اجا را بے .... بواغ آعرى نے تبیں اجازا...

آ عدمیاں تو کب سے چل رہی ہیں ... جب تو اپنے چن سے خود 🌊 عافل موا اور نه بى تونى دىا .... نه كمادوى .... نه كودى كى .... نه تكمهانى كى...نة زلكائى...نه بازلكائى... ياكل موائين توكب سے مست موكر چل ربی میں ... انہوں نے کب اپنی حال کوبدلا ہے ....

جب مالى زعره اور بيدار تعاتو آنے والے مواكيں راميں بدل جاتى مرب خيس ... مله آور موتى خيس ايك آده شاخ نوث كى يادونوث كئيس يادى ٹوٹ مئیں یا بچاس ٹوٹ مئیں لیکن سے سلامت رہے تھے... لیکن اب ہم

بهت بدی بازی بار گئے .... ہم دین بار گئے ....

95% فیمل آبادی بے نمازی ہو گئے.... %100 فیمل آبادی مال۔ باپ کے نافرمان ہوگئے...%100 گانے کے رسیا ہوگئے.... سب کو کرکٹ کا بخار چڑھ گیا....ساری قوم افسوس کردہی ہے کہ ہم ہار گئے اور تہیں کسی کے نماز چھوڑ نے پر نہ کوئی دکھ ہوانہ کی بے پردہ بٹی کو دکھ کر تم ہوا....

یہ بینک کی کھڑی سود کی دعوت دینے والی عمارتوں کو دکھ کر تو تمہارا دل نہ ہائے نہ لگی ....کی کو ماں بہن کی گالیاں جگتے ہوئے س کر تو تمہارا دل نہ الملک دکھا... وجو انوں کوگاتے ہوئے تا چتے ہوئے دکھ کر تمہارا دل نہ دھڑکا....

#### نجات كاوا حدراسته

میرے بھائیو! آپ بھی ان دوباتوں کو بجھیں اچھی طرح....کوئی دنیا میں نجات نہیں پاسکتا جب تک اللہ اور اس کے رسول کے طریقے پر نہ آ جائے....لہذا ہر مسلمان اس کو سکھے ....اوراب دنیا میں نبی نہیں آئے گادین کی محنت کرنے....

تو میرے بھائیو! اسلام کوئی دراشت نہیں ہے نبیوں کی ادلادیں کافر ہوگئی اولیاء...غوث قطب ابدال کی اولاد کافر ہوگئی کوئی ریاست نہیں چلتی اسلام محنت سے آتا ہے ... محنت کرے گا تو ملے گا... باپ عالم تو بیٹا عالم نہیں ہوسکتا.... جب تک خود کوشش ومحنت نہ کرے... محنت کرے گا تو ملے گا...

\_204 باپ الله كاولى ہے توبیثا الله كاولى نہیں ہوسكتا... بحنت كرے گا تو ملے گا...



### سعد المسكرابث

حضرت سعدرضی اللہ عنہ حضور صلی اللہ علیہ وسلم کے پاس آئے ....رنگ

کے کالے تھے.... یا رسول اللہ! غریب آدی ہوں.... شادی کرنا چاہتا ہوں....آپ ﷺ نے فرمایا:عمرواین وہب سے کہوتمہیں لڑکی دے دے....

بون .... پ وفقاعے سرمایا . مروا بن وجب سے جو میں سری دیے دیے .... عمروا بن ومب ثقفی تھ .... ان کی جی خوبصورت تھی .... مال بھی کافی تھا....

حسن بمی تقا... بدب چارے کا لے بھی تھ ... فقیر بھی تھ ...

جب رشتہ لے کر پنچ .... باپ سے بات کی انہوں نے بیٹی کی محبت میں سوچا کہ میری بیٹی اس غریب کے ساتھ اور بدصورت کے ساتھ کیے گزارا کرے گی...انہوں نے انکار کردیا.... بیٹی نے سن لیا کہ باپ نبی کے بیسج ہوئے کوا نکار کردہا ہے .... جب باپ اندرا تے تو بیٹی نے کہا... یا ابنا انجا النجات ... قبل ان یفد حک الوحی ... اے ابا جان آپ کس کی بات کو محکرارہ ہیں ... آپ فوراً جا کر ہاں کرد بیجے ... قبل اس کے کہ اللہ کا عذاب ہم

र्वेहरू

نی کی بات کو تھکرا نا ہلا کت ہے...آپ جا کر قبول کر لیں.... جمعے منظور ہے.... چاہے فقیر ہے .... چاہے کا لا ہے .... نبی کا جمیجا ہوا ہے .... نبی کے تھم

پر سارے جذبات قربان کے جاسکتے ہیں.... بیدان کے دل کے جذبات [

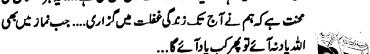












الله يادندا ئے تو چركب يادائے كا... تواين الله بي تعلق بنائيس...اي الله كوانها بناليس....جس كي

وفاؤل كابيرحال ہو.... يا الله ايك وفعه كے....جواب سرّ مرتبه آئے...اے مير بند \_!بول وسي كياكمتا إ ...

تے .... بیان کے اعدر کی و نیائقی جواللہ اور اس کے نبی کی محبت میں مجری ہوئی

کی محنت ہور ہی ہے.... بیا لگ جماعت نہیں بن گئی ہے.... یہ ہرمسلمان کی

مير ، بمائواالله كوساته ك بغيرنه كي كابنا ... بن سكة السيبي تبلغ









# قبوليت دعامين تاخير كي وجوبات

مير ، بما يُواليك آدى دعا ما تكتاب ... يا الله! تو پحرالله تعالى كيت ہیں جلدی دے دو...جلدی دے دو... سنتانہیں جا ہتا.... تا فرمان ہے...اس

لئے جلدی دے دو.... ایک آ دی رور ہا ہے .... یا اللہ! یا الله! یا الله! ... پھر

دوسرى رات ياالله! ياالله! ياالله! ... كمرتيسرى رات ياالله! ياالله اياالله .... بعى مهینوں گزر کئے ... بھی سال گزر کئے اوراس کی یا اللہ! یا اللہ! ....

يهال تك كه فرشت سفارش كرتے ميں يا الله! يه تيرا فرما نبردار بي تو

ويتا كيون بيس؟ توالله تعالى فرمات بين...انى احب ان اسمع عنينه ...

اس کی ہائے! ہے امجھا چی لگ رہی ہے...ذرارونے تو دو...اگردے دیا

تو پھر كبروئے كا؟....

اچما لگ رہا ہے ....رونے دو ....اس كا رونا مجمع بيندآ رہا ہے ....

چونکہ ہمیں دین سے گہری واقفیت نہیں ہاس لئے ہم حالات سے بریشان ہو کر اللہ ہی کے ناشکرے بن بیٹے ہیں...اور کوئی ملا بی نہیں اللہ کو آز مانے

كے لئے ہم بىرە كئے تتے...

تو بھی غفلت بھی ہوگی ہوگی ...لین ہم توبر ریں کے ...لسو جدوا میں اللہ رہے ہے۔.. تو اب ہے .... تمارے گناہوں کو م





و كيوكر... زمين مين... آسان مين... فضاؤن مين... خلاؤن مين... جوتن

منداحد کی روایت ہے کہ سمندر کہتا ہے اے اللہ اجارت وے میں

ے...زین اللہ سے اجازت ما گئی ہے...کراے اللہ تو مجھے اجازت دے کہ میں بھٹ جاؤں ادر سارے گلاسکوکوا تدر لے جاؤں....سارے شکا گوکوا تدر 🏋 لے جاؤں ایک بھی نہ چھوڑوں....ساری دنیا اعدر چلی جائے... فرشتے اللہ یاک ہاجازت مانکتے ہیں کہ اجازت ہوتو ہم عذاب کا کوڑا برسادیں...

بي تو جم سے اونی محلوق ... زمين مارے لئے .... سمندر مارے

لئے ...فرشتے انسانوں کے لئے مختلف سے کاموں کے لئے ...ان کوتو غصہ

چرد با ہے کہ جس کی ہم نافر مانی کررہے ہین ... جس کے ہم حکموں کوتو ڑ رہے ہیں ....وہ جواب میں کیا کہتا ہے ...دعوا عبدی فان اعلم بعبدی

منکم ... میرے بندوکوچھوڑ دو...میرے اوراس کے درمیان میں دخل مت

كياكرد بابول؟ كهيش اس كى توبكا انتظار كرد بابول... ان تسنظروا

الما اعلم بعبدى... شراس كوجاما بول...



التوبة ...اس كى توبكا ختطر مول ... ايك اوربات كبت ين ... ان كسان

تیرے بندوں کوغرق کردوں جو تیرے نافرمان ہیں... پھر سمندر تو دور

208 عبدكم فشانكم به ...اےزین ...اے سمندر...اے فرشتو! بیانسان تم نے بتایا ہے؟ ختم کردو....ماردو...وان کان عبدی فیمنتی علی و

عبدی ... اوراگر میں نے بنایا ہے... میرابندہ ہےتو میرے اوراس کے درمیان دخل مت دو... میں اس کی تو بیکا انتظار کرر ہا ہوں ...

...ان طالی نهادا فقبلت ... کسی دن تو توبرکرےگا...ان طالی

ليلا فيقبلته ... كى رات كوتوبه كرے كا... جب توبه كرے كا... لوجدوا

الله تسواب ارحیده ... مجھے دیکھے گا تو پڑام پریان پائے گا اور پس پرکہوں گاک اب آگئ... لموجد وااللہ تواب اکمن اعظم منی جود او کرما

كونى كائنات ميس ب جو جمع سے زيادہ رحم كرنے والا مو .... رحم كرنے والا

ہو...کوئی نہیں ہے میرے سوا... لہذاتم ناامید ندہو... آجاؤ... تو بہ کروتم دیکھو

کے کہ میں تمہاری تو بہ کو تبول کروں گا...

ادراے میرے بندے! تیرے گناہ زیمن وآسان کے درمیانی خلاکو مجردیں پھر بھی گھبرانا نہیں .... مال کو بھی منا تا پڑے تو یول منا تا .... امال بی راضی ہو جا کہ .... کین اللہ کی ذات اللہ فات و بتی ہے پھر راضی ہو تی .... کین اللہ کی ذات ہے کہ زیمن وآسان کا خلا گنا ہول سے بھر جائے .... سب گنا ہول سے بھر جائے .... سب گنا ہول سے بھر جائے .... سب گنا ہول سے بھر جائے .... ہو آسان کا خلا گنا ہول ہے اور پکا دوز خی ہے .... پکا جہنمی ہم سے بھر جائے .... سر ڈال دے اللہ کے ہے .... بالکل نہ گھبرائے .... بہال آ جائے .... سر ڈال دے اللہ کے سامنے .... اللہ معاف کردوں گا ... اور جھے کی کی پرواہ وی اسلمی ... بھی تیرے سارے گناہ معاف کردوں گا ... اور جھے کی کی پرواہ وی نہیں ہوگی ...

### حضرت جعفر ﷺ کی شہادت کا قصہ



حضرت جعفر هين الي طالب كوجب اردن كي طرف بميجا....وه و بال هبيد مو كئي... چيازاد بهائي تنے ...تيس سال يو محتى ... انيس سال بوي كى عرضى اور جب ان كى شهاوت كى اطلاح الى تو عبدالله .... عون .... تين چھوٹے چھوٹے بیٹے تھ ... تو آپ اللہ کو مسجد میں بیٹے بیٹے اللہ نے دکھا ر یا که حضرت جعفر کشهید موسکے .... زید کشهید موسکے .... عبدالله ابن روا در شہید ہو گئے ... تو آپ كاكى آنكھول سے آنسوجارى ہو گئے ....

آپ الله و بال سے الحے اور حضرت جعفر اللہ کے گھر آئے تو حضرت اساء بنت عميس ﷺ ان كى بيوى نے آٹا گوئدھ كے ركھا ہوا تھا... آپ ﷺ تشريف لائے اور كها كەعبدالله...عون ... محمدكومير عياس لا و .... جب آپ 

فيك رب تنے...

و حضرت اساء بنت عميس على كمن كيس كد مجمع كفاكا بواكه كحمد موكيا الكن مت نه مونى يو چينى ....آخركار پر من في يو چه بى ليا .... يا مول الله الماجعفر كاكيا موا؟ تو آپ الله في المنسب عندالله والله كى بارگاه عمد اب اجرى اميدر كه ... الله في اس كواني بارگاه عمر













# دل سے غیراللہ کونکال دو

میرے بھائیو!وہ بھی اینے بندے ادر بندی کے دل میں کسی غیر کو و يكينائبين جا بتا...اور جارے دل ميں كون ہے؟...اس كى پيجان بتا ؤل؟... الله اكبر... نماز كانيت بائده كركم رعبوجا كين... الجمي ية چل جائے گا.... دل ميں الله ب ياكوئي اور ب... ، تم فيرون كوبسايا مواہے ... اس دل كو



وريان كرديا...بآباد كرديا...جالتن ديئ... ہندوؤں کی رسومات... مسلمان بیٹیوں کے گھروں میں مہندیاں لگائی

جار بی ہیں...میرے بھائیو!ہے کوئی زندہ رہنے کا مقام؟ ڈوب مرجاتے...

جنہوں نے آپ کے زندہ بچوں کو جلا کر را کھ کردیا.... انہی کی رحمیں آج ہارے کھروں میں ہورہی ہیں ...اس کے الگ کارڈ حجیب رہے ہیں ....رسم

مهندی....رسم حنا....کوئی تھوڑا سا پانی لاؤاس میں ڈوب کرمرو....اتنی بھی 🦰 غیرت ندر بی کہ جن ظالموں نے ہمارے گھر جلائے....انہوں نے ہمارے

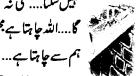
دودھ پیتے بچوں کوجلا کرر کھ دیا...ان کی رسموں سے ہماری بیٹیوں کو سجایا جار ہا



یں ...دنیا کے مالک سے چھپ کرتو گناہ کرتے ...نوکر مالک سے چھپ کر



میرے بھائیو!انسان محبت کرنے والی مخلوق ہے.... بیر محبت کے بغیررہ نہیں سکتا....کی نہ کسی سے بیہ ضرور دل لگائے گا.... بید دل کسی بہ ضرور آئے گا...اللہ چاہتا ہے مجھ پہتیرا دل آجائے... تو دل میں مجھے بسالے.... بیاللہ



...والذين آمنوا اشد حبا الله...

الله رِم مثين ميرجذ بدالله هار بدل مِن و يكهنا جا هتا بسر...

''ان صلاتی و نسکی و محیای و مماتی الله رب العالمین" میراجینا...میرامرنا....میری نماز....میری قربانی...میراسب کهالله

ك لئے بن جائے .... بيالله اس دل ميس ديكھنا جا جتا ہے ...

میرے بھائیو! جیسےاپی ذات میں وہ شرک برداشت نہیں کرتا....اپی محمد هر مصرف نورس سے جوات ہے ہو مندس ق

عبت میں بھی شرک برداشت نہیں کرتا.... بیاتو تخلوق برداشت نہیں کرتی .... عورت کوسوکن سے غیرت کیوں آتی ہے کہ عبت میں شرک داخل ہو گیا....وہ

اس پا عدى اعدوق اعدوز پرى بادراعدى اعدادكى جلى دى بسجوب

م غیورذات وحده لاشریک ذات...



\_\_\_\_

قبول کرلیا ہے... توبہوش ہوئے گر کئیں....

حفرت جعفر ﷺ کے بیٹے حضرت عبداللہ فرماتے ہیں کہ جب بھی آپ اللہ سن سے آتے تو آپ سن کا اور حسین کے سے بعد میں بیار کرتے تے .... پہلے جھے پیار کرتے تے .... پہلے جھے کود میں بٹھاتے تھے پر حسن

ﷺ اور حسین ﷺ کو بیار کرتے تھے ... تو جعفر ﷺ کا گھر اجڑا اور اردن میں اسلام تھیل گیا ...

#### حضرت موسى الطينة كاقصه بياري

موی علیالسلام کے پیٹ میں در دہوا... کہنے لگے: یااللہ! پیٹ میں در ہے....اللہ نے کہا: ریحان کے پیٹ ابال کر پی لو....ریحان ایک چھوٹا سا پودا ہوتا ہے....انہوں نے اس کورگڑ کرنی لیا.... ٹھیک ہوگئے....

کی دنوں بعد مجر درد ہوا....اللہ تعالی سے نہیں پوچھا خود ہی گئے.... رگڑ کرپی لیا....تو دردادر تیز ہوگیا....ایک دم Shoot-up.... یااللہ یہ کیا ہوگیا؟ اللہ تعالی نے فرمایا تو نے کیاسمجھا اس میں شفا ہے.... جمھے سے کیوں نہیں پوچھا؟ جمھ سے کیوں نہیں پوچھا؟...وا ذا مسر صنب فہویشفین...

تيرارب شافى ہے....ريحان نہيں....اسپرين نہيں.... وسپرين نہيں.... تيرا رب شافی ہے....

211

کام میں ستی کرتا ہے اور اللہ فرماتے ہیں تم میرے سامنے اکرتے جارہے ہو .... میرے سامنے اکرتے جارہے ہو ..... گانوں کی مختلیں .... گانوں کی مختلیں .... گراب کی مختلیں .... کیا میں نہیں و کم اور کی .... آ وارگی .... بے حیائی .... کیا میں نہیں و کم اور کی دہا .... کیا تمک کیا ہے؟

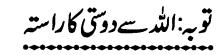


#### معافی کاانداز

امام زین العابدین ال

معاف کرنا سیمو بھائیو! اس گندے معاشرے نے ہمیں تباہ و ہر باد کر کے رکھ دیا ہے ....اس لئے معاف کرنا سیمو.... بھائی ہوکر بھائی دکان کے لئے لڑے ....ایک ماں کی گود میں بل کر پھر پینے پرلڑے ....





بھائیو! اپنے اللہ کے سامنے پڑجائیں....وہ تو منتظر بیٹھا ہوا ہے کہ کون کب تو بہ کرے ....اوراس کی رحمت کا دروازہ کھلے اور چاروں طرف سے منا ہوں کو اللہ بھلا و ہے....کوئی گناہ نہیں کیا...سات دن ماں کی نافر مانی کرے....ماں کے گی گھر سے نکل جاؤ.... باپ کے گا گھر سے نکل جاؤ....

اجازت دے ہم اتر جائیں ادرانہیں ہلاک کردیں

اوروه الله جس کی تا فرمانی ہور بی ہے وہ کہر ہاہے ... دعوا عبدی انسا اعلم بعبدی ... میرے بندے کو کھے نہ کہو... ش این بندے کو تم سے زیادہ جاتا ہول... ان کان عبدی فیساء نسکم به ان کان عبدی فیسنی عند عبدی ... اگر تم بارا بندہ ہے تو پکر لو...

ادراگر میر ابندہ ہے تو میرے بندے کے قریب مت آؤ....اسے میرے حوالے کردو.... میں اس کی تو بہ کا انتظار کررہا ہوں.... بیرات کو تو بہ کرے گا میں تبول کروں گا.... بیدن میں تو بہ کرے گا میں تبول کروں گا.... بید









جوانی میں توبرکرے کا میں قبول کروں گا... بدبر مایے میں توبہ کرے کا میں قبول کروںگا... جب تک اس کے محلے کا تھنگھر ونہیں تھلے گا اوراس کی سانس كا تارنبين ٽوشا ميں اس كى توبەكا انتظار كرر ہا ہوں.... شايد آخرى گھڑى ميں



توبه كرلے...ميں اس كى توبە قبول كرتا مول... وه رحيم كريم وه حنان وه منان ....وه ما لك الملك جوكس كامحتاج نهيس سارى دنيااس كافتاج ہے...جومبود ہے جہان اسے بحدہ كرے يانہ كرے...

وہ كبير ہے جہان اسے اكبر كے يا نہ كے....وہ خالق ہے كچھ بنائے يا نہ

بنائے...وہ مالک ہے کچھ قضے میں رکھے یا ندر کھے...

وه معبود ہے کوئی اس کی عبادت کرے یا نہ کرے ....و عظیم ہے کوئی اس کی عظمت کا اقرار کرے یا نہ کرے ....وہ ما لک ہےکوئی اس کی ملکیت کو مانے یا نہ مانے ....وہ قدیر ہے کوئی اس کی قدرت کو مانے یا نہ مانے ....وہ عَالبِ ہے کوئی اس کے غلیے کو مانے یانہ مانے ....



وہ ہارے ماننے کامحتاج نہیں ہے.... ہمارے سجدے کامحتاج نہیں ہے... مارے شہادت کامحاج نہیں... ماری تمبیر کامحاج نہیں... ماری تو حید کامحتاج نہیں... ہاری نماز کامحتاج نہیں... ہارے ذکر کامحتاج نہیں...



ہزاروں....لا کھوں.... کروڑوں فرشتے جو سجدے میں ہیں...ان کے سجدوں ۔ . کامختاج کوئی نہیں ...ان کے ذکر کامختاج کوئی نہیں ....وہ اپنے آپ میں ہی 216

www.besturdubooks.net



### انوكھامسافر

مولوی فاروق صاحب سنانے گئے کہ میری بیوی نے ایک دفعہ بڑا گلہ

كيا...تم نے تو محمر كوا چھامسافر خانه بنار كھا ہے ادھر آئے ادھر چلے محمّے .... بيہ

کوئی زندگی ہے...

تو میں نے کہااللہ کی بندی گھبرانہیں جنت میں جانے کے بعد پہلے تین 🤡 سوسال کوئی مجھ سے ملنے مگلنے کیئے نہ آئے تو بتا پین سوسال ہیں بیر ساٹھ ستر سال کی زندگی کوئی زندگی ہے آج مرے کل مرے ...کہا تین سوسال کہیں نہیں جاؤں گا.... تیرے پاس ہی بیٹیا رہوں گا سارے <u>گلے</u> ھیکوے دور

ہوجا ئیں گے ...

تو بیٹھنے کی جگہ بھی جنت ہے رہنے کی جگہ بھی جنت ہے آرام کی جگہ بھی جنت ہے راحت کی جگہ بھی جنت ہے جوانی کامل بر مایا نہیں زندگی کامل موت نہیں...صحت کامل بیاری نہیں...خوشیاں کامل غم نہیں ... محبتیں کامل

نفرت کو ئی نہیں ... جنت میں خوشیاں ہی خوشیاں ہیں ایک ذرہ برابر بریثانی کوئی نہیں غم کو

نَى تَهِين .... بِيشَابِ كُونَى تَهِين ... بإخانه كُونَى تَهِين ... تَعُوك كُونَى تَهِين ... بلغم كُونَى ن یں سبید بیری ہوئی دعد کی جس کے پیچھے فکر کا ڈر.... نیاری کا ڈر.... وشن کا ڈر....

نفرتوں کا ڈر .... ڈر ہی ڈر میں مارے پڑے ہیں بیکوئی زندگی ہے....



### گناهول پرندامت کی برکات



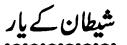
میرے بھائیو! • سال کے گناہ لے کرآ جاؤ پھر بھی راہیں کملی ہیں... دروازے کھلے ہیں ...اس کا انظار ہور ہا ہے .... پچاس سال کی عمر میں آجائے ۔ انظار ہے ۔۔ عام لوگ کہتے ہیں ... نوسوچوہ کھا کر بلی ج کو چل ...اےمیرے بھائیوں!نوسوکیانوکروژبھی کھالیں مگرایک دفعہ چل پڑیں اللہ

يبلا قدم اس كى زندگى كى سارى ساميون كودهود كا ....اس كى آنكه كا ا يك آنسو ....وه آنسو جو با هرنبيل لكلا...مرف آنكمول ميل تيركيا .... بيرآنسو بھی اگر منا ہوں پر ندامت کے ساتھ نکل آیا... توابیار حیم وکریم اللہ ہے کہ ستر برس كے سارے گنا ہوں كودھوكرر كھ دے گا...

ہمیں کر ہ بھی دھونا ہوتو دس بارہ لوٹے پانی جا ہے ....اوروہ ایسار جم الله به كدوه ميرى اورآب كي آكه من تيرف والا آنو مار بتريرس ... سات سویرس ...سات ہزار برس کے گناہ کیوں نہ ہوں ایک دفعہ نگل آے

سبی اور ہاتھ اٹھ جا کیں سبی ...کہا ہاللہ! میں آسمیا.... اللہ بھی کے گا کہ میں بھی تو کب سے تیرے انتظار میں جی اوں .... ا کو آئے تو میری رحت کود کھ ...الله کی طرف لوٹنا.... یکی دنیا التفرت کے

انسانوں کے سائل کاحل ہے کہ ہم اللہ کی طرف چرجا کیں ... اللہ انظار کر ر ہاہے....ہم پیھے ندرہ جائیں....



ایک دفعہ شیطان سے کسی نے بوجیما: تیرے یارکون ہیں؟ كني كا اكركسي عن تين باتي بول تو ميرا بحي بير بير سي اوراكركوني

ایک بھی ہو پھرمیرایارہے...میرایارہے...

انہوں نے کہا: کیا کیا؟

کہا:شراب پیتا ہو...شرالی ہو....میرایار ہے...شرالی کے ساتھ غصے والا بھی ہو ... تو ڈابڈا یار ہے... اس کے ساتھ بخیل بھی ہوتو پھرمیرا بھی پیر ہے.... میں اس کی بیعت کر لیتا ہول.... بیمیری طرف سے اضافہ ہے بیعت

اگرتین با تیں ہیں ... میرانجی پیر ہے... شراب بھی پیتا ہو... بخیل بھی ہو...غصے والا بھی ہو...اوران میں سے کوئی ایک بات بھی ہوتو بھی میری

ماری اس سے کی ہے....

تو بھائی! ان چیزوں ہے اپنے آپ کو بچائیں ....مسلمان بخیل نہیں ہوتا....اگا وَاللّٰہ کے نام پراور عرش والے سے تکی کا ڈرنہ کرو....







#### رات کورونے کی لذت



احمداین اولحواری ابوسلمان دارانی کے پاس آئے....وہ بیشے رور ہے تق .... يو جها كيون رور ب مو؟ كمن مكاحم ... اذجن المسل ... جب ي مدول رات جماحاتي ب...وقد خلاقل حسب الي حسيد ...ادر برماشق ا پین محبوب کے پہلومیں جارہ تا ہے ... تو کچھلوگ ایسے ہیں جنہیں اللہ کے عشق نے جلار کھا ہے...اللہ کی محبت نے دیوانہ بنار کھا ہے....

وہ ائھتے ہیں ....وضوکرتے ہیں اورمصلے پر کھڑے ہوجاتے ہیں اور ان کی آنسوؤں کی جعشریاں لگ جاتی ہیں....اوران کے وجود میں اللہ کی مبت کی بے قراری پھیل جاتی ہے ...اللہ اینے عرش کے دروازے کھولتا ہے اور ان کوجھا تک کرد کھتاہے

اور پر کہتا ہے...بسی خلقت ... تھے میری قتم ...من تلدد بكلامى و استراح الى ذكرى ... جس نے مير كلام يس لذت یائی...جس نے میرے ذکر میں سکون پایا... تواہے جرائیل بتاان کو کہ کیوں رورہے ہیں؟ان سے کہو کہ بیمت روئیں.... بھلامچی صبیب بھی اپنے عبیب كودكوريتاب...عذاب ديتاب...

مت روؤ تمہارا رونا میری بارگاہ میں بڑا قیمتی ہے... تمہارے اس



رونے کے بدلے میں رات کے جب سارا جہان سور ہا....اورتم رات کواٹھ اٹھ کررور ہے...سارا جہان اپنی خواب گا ہوں میں پڑا ہوا ہے اور بید صلے پر

اے جبرائیل بیاعلان کر کہ جن کی راتیں میری محبت کی بے قراری میں گزرتی ہیں... مجھے میری عزت کی فتم کل ان کے لئے اپنے چہرے کو کھول دول گا.... اپنا دیدار کرادول گا.... اپنا آپ ان پر کھول دوں گا کہ وہ مجھے دیکھیں مے میں انہیں دیکھول گا....وہ مجھ سے بات کریں کے میں ان سے بات کروں گا...

### جدائی کا گھر

ميرے بھائيوادنيا تو ہے ہى جدائى كا كھر....دنيا كے كاروباراولادكو ماں باپ سے جدا کردیتے ہیں.... دنیا کے دھندے اولا دکوجدا کردیتے ہیں .... بهم اکثر و کھتے ہیں ماں باپ اکیلے ہیں ....

بچر کمانے کے لئے کسی اور جگہ گیا .... بی جوان ہوئی تو کوئی ہندوستان کم میں بیابی گئی .... کوئی کہیں اور دور چلی گئی.... اب ایک اجنبی کی طرح کئی سالوں بعد ملتا ہوتا ہے .... دنیا تو ہے ہی سفر کی جگہ....



### أتكهول كاحسن اورتكم



نظر کو چیپاتے ہیں ...کسکسی کے بلب اس نے بجمائے؟ سر

ایک مدیث بڑے زمانے بعد آپ کی برکت سے یادآئی...

... يا بن آدم جعلت لك عينين وجعلت لك من الفطاء...

تخبے جوآئس دیں...ان پرجو پردہ لگایا ہے... بیمٹی سے بھی تخبے بچاتا ہے غبار سے بھی تخبے بچاتا ہے... بیاس کئے نہیں لگایا بیتو اضافی کام ہے...اصل کام کیا ہے؟...

...فانظر بعينيك ما احللته لك...

جے دیکھنا تیرے لئے حلال کیا...اس کو دیکھیو...اپنی ہوی کو دیکھ....

پنی بهن کود کیه ....اپنی مال کود کیه .....اپنی خاله کود کیمه.....اپنی پیموچهی کود کیمه....





زمين تمارك لئ بيائى...

...والادض فوشنها... پانی تمهارے لئے نکالا... ..اخوج منها ماء ها..خوبصورت پھل پھول تمہارے لئے نکالے...

...ومرعها... يها زلكات...

...والجبال ارسها...ومن الجبال جدد بيض...

مچران بهارون مین خونصورت بقرر کردسیخ ...سارای کالا بها ز موتا

تو ہم کیا کر کیتے؟ خوبصورت پھر نکا لے... کہ مجھے پا تھا کہ مجھے شوق

ہے.... میں نے پہلے سے پہاڑوں میں پھر چمپادیے.... میں نے اپنے گئے

تونبیں کیا...

...انا صببنا الماء صبا...

بارش تمہارے لئے برسائی... مجھے تو ضرورت نہیں تھی...

...الم تو ان الله يزجى سحابا.. باول تمهار ك لئ كرآيا...

مجصة ضرورت نبيل تمى ... يانى برسايا تمهار لل التي ... غل تكال

آپ كيلئ .... بوائي چلائيس آپ كيلئ ... سورج جيكايا آپ كيلئ .... جاندكو چائدنی بخش آپ کے لئے .... مجلوں میں مشاس لایا.... آپ کیلئے .... ہریالی

لایا حارے لئے .... جوڑا جوڑا بنایا حارے لئے .... کا نتات کومنحر کیا حارے

لئے.... پر بھی بیتی نہیں تھا کہ اس رب کے لئے سر جمک جاتا....اس میں سلاخ كيول آمني ؟....

www.besturdubooks.net















# اللدكي وسعت معافي



میرے بھائیو! آج تک جو نادانی میں ہمظم کر چکے ہیں....ہم اس سے توبر کریں...ہم عفات میں ہیں...اندھیروں میں چل رہے ہیں...اللہ کو لئے بغیرانسان...ند قرد کامیاب ہوسکتا ہے...نہ قوم...نہ ملک...اللہ کا فیصلہ

ہے... میرے بھائیو! آج کک جو ہوا اپنے اللہ کے سامنے سر جھکا دو.... الاللہ! بس میری تو بہ میں آسمیا

...جئتك تائبا فاقبلني...

میری توبه!بس قبول فر مااوراد هر بھی اتنا کھلا در بارہے...

... لا الله الا الله... شيطان نے كہا... و لا ابوح اغوى عبادك... تيرے بندوں كوسلسل محراه كرول كا... الله تعالى نے فرمايا...

...ولا ابرح اغفر لهم مااستغفروني ...

اور میں بھی انہیں مسلسل معاف کروں گا.... جب تک وہ توبہ کرتے رہیں سے ...شیطان نے ممراہی کا در کھولا اور اللہ نے معافی کا در کھولا...اس

ریں ۔... یہ اس اس میں ہے۔ رب نے مرای کے اسباب بنائے ....اللہ نے تو بہ کے اسباب بنائے .... کہا چل

224 توبر کر تیرے لاکھ برس کے گناہ ہوں یا ہزار برس کے ہوں تیرے ایک بول پر





سب معاف کر دول گا... کهال تک مول؟ آسان کی جهت تک گناه چلے جاکیں... اور کیے کرسکتا ہے؟... اور کیے کرسکتا ہے؟... اور کیے موسکتے ہیں؟

پراللہ کہتا ہے کہ تواتنے کراور سارے دل کے ارمان نکال اور کا نئات کو اپنچا دی تو اپنچ گنا ہوں کو پنچا دی تو اپنچ گنا ہوں کو پنچا دی تو تیرے گنا ہوں کو پنچا دی تو تیرے ایک ہوں کو پنچا دی تیرے ایک ہوں کے ایک میان تیرے ایک ہوں کے ایک میان کے ایک ہوں کے ایک ہوں کی ایک ہوں کی تیرواہ نے ہوگی ۔۔۔ لا اہالی ... کہا مجھے پرواہ بی نہیں ...

كيا هوا....

...ان استطالني اقلت له...

اگرتو پھرتو ژ دے اور پھر منہ مار لے گنا ہوں میں .... پھر آ جا پھر تو بہ کر لے .... ہم پھر معاف کر دیں .... پھر ٹوٹ گئی.... پھر تو بہ کر لے ہم پھر معاف کردیں .... کیوں؟...

...لا تضره الذنوب ولا تنقصة المغفرة...

ہمارے گنا ہوں سے اس کونقصان نہیں ہوتا اور معاف کرنے سے وہ کم نہیں پڑتا...لہذا وہ انتظار میں ہی رہتا ہے کہ کب توبہ کرے اور ہماری معافی کا پر وانددے دیا جائے....





# محكمه بوليس كاواقعه



میرے بھائیو! میں اس بات پر آپ ہی کے محکے کا ایک قصہ سنا تا مول.... جب تك حاكم كى عظمت نه موحكم كى عظمت دل مين نبين آسكتي... ما كم كى عظمت ہوگى تو تھم كى عظمت آئے كى...اك آپ كے ايس بى جي عبدالخالق صاحب...فيمل آباد من ككي موئے تھ.... بم نے ایسے بى بات كرتے كرتے ان كوتين دن كے لئے نكالا پھران كا ٹرانسفر ہوگيا پھرانہوں

نے جارمینے لگائے...

ڈارمی آئی ....وہ طلے کے لئے فیصل آباد آئے تواس وقت جوالیس بی تما ظفرعباس صاحب وه ميرا كلاس فيلوتغالا موريش....اسكول مين جم الحشح رِد متے تتے .... ہم دونوں اس کو میں اور عبدالخالق ملنے کے لئے مکئے .... وہاں جو پولیس کا بدا تھانہ ہے اس کا ایک دروازہ بندر ہتا ہے دوسرا دردازہ کھلا رہتا ہے عوام کے لئے ہمیں وہ قریب تھا تو ہم وہاں سے اندر جانے لگے تو سامنے سای کمژانها....



تو عبدالخالق صاحب نے کہا بھائی ذرا درواز ہ کھولنا اس نے دونوں کو

د یکھا...موفی صاحب نظرآئے...اس نے کہا''اتوں آؤ''وہ جارفرلانگ 226 اوپر تھا...انہوں نے کہا بھائی تیری بدی مہریانی کھول دے دروازہ...اس





نے کہا''سنیائیں بداے اتو آئ' انہوں نے پہلے تو تولیق اصول اپنایا بھائی بدی مہریانی کھول دے .... جب وہ سپائی بادشاہ نہ مانا تو کہا میں عبدالخالق الیس بی موں ....

پھروہ ٹھک سلوٹ زوردارادر چاپی بھی نکل آئی اورتالا بھی کمل کیا....
دروازہ کمل کیا...، بھی آئے چلے بھی پیچے سرسر... بعد میں نے کہا: عبدالخالق
آئ بڑی بات بچھ میں آئی تیری برکت ہے... کہنے لگا کیا؟ میں نے کہا جب
عک حاکم کی عظمت نہیں ہوگی علم کی عظمت دل میں نہیں آسکق....وہ آپ کو
پہلے کہ رہا تھا '' اتو ں آؤ'' پھرسلوٹ ماردیا.... پھر تالا کھول دیا.... پھر دروازہ
کھول دیا.... پھر آئے چیجے بھاگ رہا ہے کوں؟ پہلے تہیں صوفی سجھ رہا
تھا... پھر تہیں ایس پی سجھا... کہ بیالیں پی تو میر ابہت پھر کرسکتا ہے... لہذا

یہاں سے کٹ کراللہ کی خوشا کرنے لگ جائیں....سارا مسلم اللہ ہوجائے گا اللہ اور اس کے رسول کی عظمت پیدا کے بغیر اطاعت نہیں آئے ... آپ نے سابق بنے کی تربیت لی ہے مسلمان ہونا ہے جواللہ کے تقم پر ناس بنے کی تربیت لیں...مسلمان کون ہوتا ہے جواللہ کے تقم پر اللہ کا بھا ہوگئیں کہ ہم اللہ کی کیے مانیں؟ اللہ کے حبیب گے کے طریقے پر مانیں ....

# جنت اورجنم کے ایک جھو نکے کا اثر



ایک اور صدیث بتا کا اللہ تعالی آخرت میں اپنے بندے کو بلائے گا جس کواس نے دنیا میں سب سے زیادہ دکھ میں رکھا ہو ....اب اس کاعلم اللہ کو ہے تاب کیونکہ پیانہ اللہ کے ہاتھ میں ہے تو اللہ تعالی اپنے بندہ کو بلائے گا جس کواللہ نے دنیا میں سب سے زیادہ دکھی رکھا ہوگا....اللہ تعالی فرمائے گا ا س کو ذرا جنت کا ایک چھرا آگوا کے لاؤاور بس چھرا....تو فرشتے لے جا کیں

بس البياسيا بهيرآئ كاادربابر....

جب دہ اللہ کے سامنے آئے گا تو اللہ فرمائے گا: کیوں میرے بندے! تو نے دنیا میں بڑے د کھ دیکھے .... بھائی! ایک بل کا حجمو نکا....ایک نظر کا اثر<sup>ے</sup>

یں بیں ما ..... کا ورہما ہاں ہے.... کا ورہما ہاں ہے.... کا درہا ہیں۔... کا جہیں ہے۔... کا جہیں۔... کا جہیں۔...

محرالله تعالی ایک مخض کو بلائے گا جس کوالله تعالی نے دنیا میں سب

سے زیادہ تعمی رکھا ہوگا....سب سے زیادہ تعمی .... نا فرمان کا فر....اللہ تعالیٰ کی رمیں میں شہرین کو رہا ہے ہیں ہے۔ اس میں اس کا فریسال کا فر

فر مائے گا.... دوزخ کا ایک چرا دلواکے لاؤ.... تو اس کے فرشتے ہیں کرکے

بابرنکال لیں گے...اللہ کے سامنے لائیں گے...اللہ فرمائے گا: کوں میرے بندہ اونیا میں بدی موج کی تو نے .... کم گا: یا اللہ اجمعے تیری عزت کی تم ایس نے دنیا میں کوئی سکھ دیکھا بی نہیں ....

ماں باپ ہیں تو ان کے سامنے آف بھی نہ کرو... اگر وہ اللہ کی نافر مانی کی بات کریں تو خاموش رہو... اطاعت ضروری نہیں کیکن گھتا خی اس وقت بھی نہیں ہونی چاہئے ... اطاعت بھی نہیں ہونی چاہئے ... اطاعت کریں گے تو جہنم ... ایک محافی آنے کہا: یا رسول اللہ بھا جہن جہاد کرنے آیا ہوں ... آپ بھانے کہا جا کا ان کی خدمت کرتے ہیں؟ انہوں نے کہا جا کا ان کی خدمت کرتے رہو ہی جہاد ہے ... تو اپنے ماں باپ کی دعا کمیں لو...

ایک آدی نے اپنی مال کوطواف کرایا اور حضرت عبداللہ بن عرقے سے
کہنے لگا کیوں جی میں نے اپنی مال کاحق ادا کردیا... تو عبداللہ بن عرقے نے
فرمایا تیری مال نے بختے پالتے ہوئے ایک دفعہ جوسانس لیا تھا ابھی تو اس
ایک سانس کا بھی حق ادا نہیں ہوا... تو مال باپ کی خدمت کر کے دعا لو ....
بھا تیو! ان کی آئیں نہ لو .... بددعا تو کوئی کوئی دیتا ہے لیکن ان کی ہائے بھی
بددعا سے کم نہیں ہوتی ....



# ایک صحابی کاموت کے وقت کلمہ طیبہ نہ بڑھنا

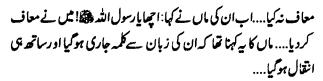
人

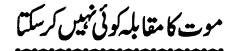
میرے بھائیوا صحابی رسول ہیں کلم نہیں پڑھا جارہ موت کا وقت
آگیا ہے اور کلم نہیں پڑھا جارہ ا .... حالا نکہ آپ شکا کے تمام صحابہ کے لئے
جنے کا دعدہ اللہ تعالی نے قرآن میں کیا ہے ... و کہلا و عبداللہ المحسنیٰ
... حضور شکا کو بتایا گیا کہ فلال فحض فوت ہورہے ہیں لیکن کلم نہیں پڑھا
جارہا ... آپ شاتیزی سے اٹھ کرآئے تو آپ شکا کودیکھتے تی پہنے چل گیا کہ
کون ساگناہ ہے جس کی نحست ہے ....

تو آپ ان نے فرایا: اس کی ماں کو بلاؤ.... ماں آگئ.... تو آپ کے نے فرایا: اس کی ماں کو بلاؤ.... ماں آگئ.... تو آپ کے نے فرایا: اماں بیٹے کو معاف کروے.... وہ کینے آئیں: یا رسول اللہ کھا! میں معاف نیمیں کرتی .... کی تافر مانی نے کلمہ پڑھنے ہے روک دیا .... پھرآپ کھا نے کہا کہ میں اس کو آپ کا دوں .... وہ کہنے گئی: نہیں نہیں بیتو بجھے پر داشت نہیں .... تو پھرآپ کھا نے فرمایا: اگر تو نے اے معاف نہ کیا تو یہ سید ها دوز ن کی آگ میں طائے گئا...

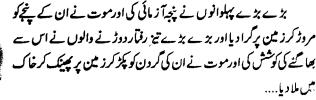
محانی کوآپ ﷺ خود کہدرہے ہیں.... جنازہ بھی آپ ﷺ نے خود پڑھانا ہے.... پھر بھی کہدرہے ہیں کہ بید دوزخ میں جائے گا اگر مال نے







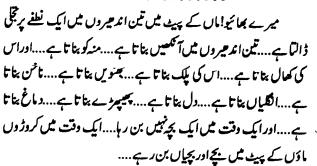
میرے بھائیو! جہاں انسانی علم کی تونہیں بتاتا دہاں اللہ بتاتا ہے.... اصل موت کے بعد کی زندگی ہے...اس کی تیاری کرو...دھنرت علی رضی اللہ عنہ کافر مان ہے...الموت لیس منه الفوت ...اے لوگو! موت ہے بھی بھی کوئی ظرنیس لے سکا...نہ کوئی فی سکا....



یہوہ پہلوان جس کے سامنے لا کھوں بھولو ہار گئے....اور لا کھوں رستم زمان ہار گئے....اور لا کھوں فلاں ہار گئے اس کے سامنے کوئی نہ تک سکا اور نہ تک سکتا ہے ....اس موت کی تیاری کروٹیل اس کے کہتم غفلت میں اٹھا گئے جاؤ... اس کے آنے ہے پہلے پہلے تو بہ کرکے اپنے اللہ کے ساتھ معالمہ ( درست کریوں



### خالقيت بارى تعالى



ایک وقت میں ہر ماں کے پیٹ میں اتن شکلیں بتانی ہیں اوراس طرح بنانی ہیں .... یہ جوآ کھ کے اندر جال ہے .... جال .... یہ آئھوں کے ڈاکٹروں سے پوچھو .... ہرآ دی کے اندرآ کھوں میں جورگوں کا جال ہے وہ بھی جداجدا ہے .... دل کے اندر جورگوں کا جال ہے وہ بھی جداجدا ہے ....

میرا چھوٹا بھائی دل کا ڈاکٹر ہے.... جھے بتانے لگا کہ ہرآ دی کے اندر وہ جوای می تی کرتے ہیں انجو گرافی کے ہرآ دمی کے اندر کا نقشہ دوسرے سے جدا ہے ... سوفیصد بالکل جدا ہے ... اتن شکلیں بنانی ہیں ... اٹنے رنگ بنانے ہیں ... اتنی آئکھیں بنانی ہیں ... ان کی عادات بنانی ہیں ... ان کی انگلیاں بنانی ہیں ... دیکھویہ سانچہ ہے ... اب بیسانچہ ہے ... بیانگی کا سانچ کتنا چھوٹا











ہے.... یا کچ ارب انسان ہیں...ان کی یہ یا کچ ارب.... یہ ایک اللی لے لو...اك الكى ... يا في ارب الكيول كے لئے سانچ اتنا ب مرف اتنا ....وه كتنى قدرت والاخالق به كدات سانيج من شكليس بدل كودكما ويس... يا في ارب ايك الكل دوسرى سينسل عني ....

#### دنیازندول کامقام ہے

میرے بھائد اکوئی محرسلامت نہیں .... بیکمر کتے شوق سے ماہرا ہے...کین کتنی حسرت کی بات ہے کہ چند دنوں کے بعد لوگ اس کو چھوڑ کر علیہ اس کو چھوڑ کر اس کے اپنے ہی جانا شروع ہوجا کیں گے اپنے ہی جانا شروع ہوجا کیں گے اپنے ہی ان کودبادین کے...کوئی ان کی بائے بائے جم نہیں سنے گا کہ ہم نے کتنے ارمانوں ہے کھر بسایا....

ایک ایک بودے کا انتخاب کر کے لگایا... جھے کہاں لے جارہے ہو؟ و ہاں ہاں! یک ونیا کی ریت ہے کہ مرنے والوں کوکوئی گر میں نہیں رکھا ا كرتا... يهال زعول كے لئے مقام بے...مرنے والول كے لئے كوئى

# قوم لوط پرخوفناک عذاب الہی



حضرت لوط الظيفة كي قوم يرجب وه برافعل پميلا اور وه عورتو ل كومپوژ كرلواطت كاشكار موسي ... الله تعالى في لوط الطيع كوميجا اورالله كالمرف بلانا شروع کیا...ووالی بد بخت تو محمی جنهوں نے ایسا کام شروع کیا جواس ے پہلے بھی کسی نے کیا ی نہیں تھا...اس لئے جوعذاب قوم لوط پرآیا ہے کسی قوم پنیں آیا...جنے عذاب قوم لوط پرآئے کی قوم پنیں آئے...

سب سے پہلے اللہ نے چرائیل کو بھیجا کدان بدبختوں کو اکھاڑو ... انہوں نے یر کی نوک پر یوں ا کھاڑا اور پہلے آسان تک پہنچایا...فرشتوں نے مرغوں کی اذا نیں میں .... پھرالگا کے ڈیٹین کی طرف پھینکا اوپر سے پھروں کی بارش اوران کے چہرے مغ ہو بھے ... آ محصیں وسنس کئیں ....

پقرول كي بارش بوكي اورز من كو ... جعلنا عاليها سافلها ... ينج كا حصداد پراوراد پر کا حصد فیچ کرفیا اور پرابدال کے لئے یانی کے عذاب میں مبتلا کردیا ممیا...و محیرہ موت جوستر میل کی حبیل ہے...جس میں کو کی جا عدار زندرہ نہیں روسکی جواس میں جاتا ہے مرجاتا ہے .... آج تک وہ اس ، بہت کی سے دوس عذاب میں چل رہے ہیں.... کلے کی طاقت نے قوم لوط کی طاقت کو توڑ 234



#### مولانا كوالدصاحب كاواقعه

میرے والدصا حب مجمی مجی رویا کرتے تھے کہ ہم نے حمہیں جناکس كام آيا؟ ايك بيني فيعل آباد من بي ... ايك لا مورب ... تو مرونت تبليغ من ر ہتا ہے....اور چوتھا ڈاکٹری میں مجھی کہیں جھی کہیں رہتا ہے....ہم دونوں

الميليك أسيليره مح .... جمع يمي تمي رونا آجا تاب ....

مسان سے کہتا موں اباجان بس چندونوں کی بات ہے .... پر الله ایسا اکٹھاکرے گا کہ جس کے بعد کوئی جدائی نہیں ہوگی .... جب ان کا انتقال ہوا تو ہارے ساتھی نے ان کوخواب میں دیکھا کہ جنت میں ایک گنبدنما بارہ دری ہے جس میں وہ بیٹھے ہوئے ہیں...انہوں نے کہامیاں صاحب آپ کہاں ملے مے؟ احا تك انقال فرمايا تعا....

انهول نے کہا... فی جنت النعیم ... علی صور متقبلین ... ہم تو و مرتبوت جنت كے تخوں ير بين ... آمنے سامنے بيٹھے بين ... انہوں نے كها آپ ہميں چموڑ کے علے مے ... کنے گنہیں نہیں ... عقریب ہم سب اسمے موجا کیں ك .... المف مونى كى جكم اللدن جنت بنائى ب .... دنيا تو دنيا ك كاروبار

یں بھی جدا کردیتی ہے...اوراگردین کے لئے جدائی ہوتو پھرکون می بدی

بات ب...الله بميشه اكثما كرد عكا....

### كعبه ميں ايك بدوكي چيخ و ږكار



اللك رسور عمد

میرے بھائیو! دیکھو میں ہاتھ جوڑتا ہوں ....اللہ کے واسلے ہم توبہ کریں....والیس آ جا کہ اللہ کے واسلے ہم توبہ کریں....والیس آ جا کہ اللہ کے اسلام رفتہ تو لوٹ کے والیس آ سکتا و یتا ....عررفتہ تو لوث کے والیس آ سکتا ہے .... 1989 میں میں نے پہلا تج کیا....ایک ساتھی نے آ کر بتایا کہ ایک بدوآیا...اس وقت کوئی رش نہیں تھا....

اس نے آکر ملتزم پر پردے کو پکڑا اور زور سے ایک چی اری اور کہا اے ہمارے دیا ہم پر کھول دی اور دین ہم اے ہمارے دیا ہم پر کھول دی اور دین ہم سے واپس لے لیا... ہماری بیٹیاں رقص گا ہوں کی زینت بن گئیں.... ہمارے نوجوان طبلے کی تھاپ پر تا چنے گئے....اے ہمارے دب! اپنی دنیا ہم سے واپس لے لے اور ہمارادین ہمیں دے....

وہ الی بے قراری سے ردیا کہ جو دہاں شرطے(پولیس والے) کمٹرے تنے وہ بھی بل گئے....انہوں نے اسے دھکا دے کر پیچیے ہٹا دیا کہ کہیں اس کی اس دعا سے اللہ کا قہرہم پر نسازل ہوجائے....



جب تعوزی دیر بعدوہ مجراس کے ساتھ چمٹا اوراس نے مجرکہا اے میرے مولی ! ہمارادین ہم سے روٹھ کیا اور دنیا کے درہم پر کھل مجے ... تیل کی

دولت نے ہمیں برباد کردیا .... بید نیادالی لے لے اور ماراد ین ہمیں والی کردے ... جوب کردے ... جوب کردے ... جوب رحم پولیس والی کردے ... جوب رحم پولیس والے کھڑے ہوتے ہیں وہ بھی اس کی دعاس کرزارو قطاررونے الکے ... ارج مہمیں غم کرنا تعالواس چز پر کرتے ... تم کس چز پر خمکین ہوئے؟ آنے والا مورخ کیا لکھے گا ... وہ بیفتشہ کیے پیش کرے گا اور پڑھے والا کس فرت سے پڑھے گا ... وہ بیفتشہ کیے پیش کرے گا اور پڑھے والا کس فرت سے پڑھے گا ... کردھے گا ... کو بیٹر کے گا ... کردھے گا ...

اپن نظر کے جیکے کیلئے اولا دکوز ہر پلار ہے ہیں 🖢

فریدالدین عطارفرهاتے میں که آنکھیں بند کروحرام سے...کان بند کرو حرام سے...زبان بند کروغیبت...چنلی ...جموث سے...اگرالله کا نورحمہیں دکھائی ندد ہے قومیرا کان پکڑلیں ....اب گھروں میں ساراون ٹیلی ویژن چلتا ہے...آج کا ٹیلی ویژن ....

یہ کیے ظالم ماں باپ ہیں جوائی نظر کے چیکے کے لئے اپنی اولا دکوز ہر پلا رہے ہیں... اور جب وہ بوے ہو کے غز اتے ہیں تو کہتے ہیں اولا دی ساڈھے آکے نہیں من دی (اولا دہاری بات نہیں مانتی ) تو اولا دکوسکھایا ہی سب تھا...اولا دکو متایا کب تھا...ان کوونت کب دیا تھا....

#### سود کا گناه اورالله کی ناراضگی



ميرے بھائيو! سود لينے والا .... الله اس كے خلاف اعلان جنك كرتا بيسنماز چهوژنا برا كناه بيلين نماز چهوژنا سود كمان ك مقالبے میں چھوٹا گناہ ہے....قبل کرنا بردا گناہ ہے لیکن سود کھانے کے مقابلے میں چھوٹا گناہ ہے...زنا کرنا ہڑا گناہ ہے لیکن سود کھانے کے مقابلے میں حچوٹا گنا ہے....



لواطت كرنا اتنا برا مناه بىكە جب مرد .... مرد سے شہوت پورى كرتا

عويد بها رُكاعِ لكت بي كراب عذاب آيا...اب عذاب آيا ورفر شتة ور کے آسانوں پر چلے جاتے ہیں کہ اب اس بستی کو اللہ کے عذاب سے کوئی نہیں



سود کے خلاف اللہ کا اعلان جنگ ہے ... سود کے خلاف اللہ کا اعلان جنگ اس لئے ہے کہ اللہ کے بندوں کا اس میں خون چوس لیا جاتا ہے اور اللہ کواینے بندوں سے پیارہے ...زنا کیا...دواس میں آئے...لواطت کیا... کنے کی... نماز نہیں پڑھی ایک نے....روزہ نہیں رکھا... ایک نے ... قتل کیا

کیکن سود کھانے والا جو ہوتا ہے وہ ہزاروں گھروں کے چراغ بجھا دیتا ہے .... اس لئے ہے .... اس لئے اللہ کا اعلان جنگ ہے ان کے خلاف .... تجارت ہو پر حضور جھا والے طریقے کی ہو ... حضور جھا والے طریقے کی جو ... حضور جھا والے طریقے کی تجارت کیا ہے؟ اپنے نفع کے ساتھ گا ہک کی جمی خیرخواجی جا ہو ....

#### سيدنا عثان غني ظيه كي نماز

سینتان رضی الله عندآ رہے ہیں...مجدیل آ رہے ہیں....اپنی انفرادی سینتان رضی الله عندآ رہے ہیں....التج الله الله ا نماز کوآ رہے ہیں...جوتا ادھرر کھا...الله اکبر کی نیت با ندھی ادر... التج ... ہے نماز شروع کی....عبد الرحمٰن تیمی ﷺ پاس بیٹے ہیں وہ سننے لگ گئے کہ بیہ ...اتستم... ہیں شروع ہوگئے...ان کو تجسس ہوا...دیکھوں تو سبی محلا کہاں رکوع کرتے ہیں....

بقره گزرگی ... آل عمران گزرگی ... نساء گزرگی ... ما کده گزرگی ... انعام گزرگی ... انعام گزرگی ... انعام گزرگی ... اعراف گزرگی ... دس پارے گزرگتے ... تیس پارے گزرگتے ... والناس ... په جا کے عثان غن هذنے رکوع کیا ... د حمد منتظره ... انفرادی اعمال کا صلحہ لگا ہوا ہے ....

#### تعليم كي ابميت



ہمارے ایک ساتھی ہیں مولوی بلال ....ہم استھے دائے ونڈ میں پڑھتے رہے ہیں...ان کے والد بنگلہ دیش میں رہتے تھے....اصل میں یو بی کے \* تھے....

می اب سرامی ....
می اب سرامی ....
می می اب سرامی ....
می میں عشاء کے بعد تعلیم ہوتی تھی ایک دن بیں تعلیم بین نہیں بیٹا
ورگمر آگیا...مجد ہے آتے ہی والدصا حب نے جھے اتنا ڈائنا اتنا ڈائنا کہ تو
علیم بین بیٹھا ... کہنے لگا: میرے دل بیں خیال آیا کہ تعلیم بیں بیٹھنا بیں
ہزار سے زیادہ تیتی ہے ... بیس ہزار کا تو بو چھا بی نہیں کہ کیا ہوا اور تعلیم بیل
نہیں بیٹھا تو آتی تعبیہ اور آتی ڈانٹ دی کہ خو بخو دمیرے دل بیل آگیا کہ تعلیم
ہزام ہے اور بیل ہزار چھوٹی چیز ہے ... بیتر بیت ہے بھائی ....



میرے بھائو! ہم دنیا کے نازخروں کے لئے نہیں آئے... بیفدار ہے ...مكارىم...دغا بازىم...دموك بازىم...فرىيى ب...اس كاباطن اورىم

...اس کا ظاہر اور ہے...اس کی خوشیوں کے پیچیے قم کی قطاریں ہیں...اس کی المعطیق

راحت کے چیچے دکول کے سمندر ہیں...اس کی مزت کے چیچے وات کی

ساہیاں ہیں..اس کے اقترار کے پیھیے زوال کا مہیب سانپ ہے...اس کی خوشیوں کوغم نگلتے ہیں...اس کی زندگی کوموت کھاتی ہے...اس کی جوانی کو پوهایا لے جاتا ہے...اس کے غی کو نظر مٹاتا ہے اس کی راحت کو معیبتیں لے

جاتی ہیں...اوراس کی سے کوقبر کی سے بدل دیاجا تا ہے...

ارے دس منزلہ بلڈ مگ بنانے والے! کیا پتہ تیری دس ہاتھ کی قبرتیار کفن کا کپڑا بازار میں آچکا ہو.... بڑی بڑی خوشبوؤں ہے اپنے آپ کومعطر میں ہے ہیں

کرنے دالے! کیا پیۃ کہ قبر کی اند میری کوٹھڑی تیرے پیٹ کو بھاڑ کر پوری قبر کو بد بودار بنانے کے لئے تیار ہو چکی ہو...خوشیاں منانے والے.... کمیا پتا مرج

كەتىر كاوپر ماتم ہونے والے ہوں....

الله كى پكارسنوا مير ، بندو! جس دن تمهيل ميل نے پيدا كيا تھا...اس

(1)

ون سے لے کرآج تک میں حمین و کھٹا رہا...تہاری سنتارہا... کچھ بھی نہ

كها...رات كى حدى وكيم ....

رات كے قص مجى ديكھے ....

رات كى ياك داخيال مجى ديكميس....

رات کے زنامجی دیکھے....

حلال مجمی و یکھا...جرام مجمی و یکھا....

سچ اورجموث مجمی دیکھا...جن اور باطل مجمی دیکھا.

عفت و یاک دامنی کود یکھا....

ز نا اور فیاشی کودیکھا...حیاءاور بے حیائی کودیکھا.

تظلم وعدل كود يكصا....

مرچر كود يمار با فل ندديا ... آج تيار موجا دَ .. يومند تعرضون لاتخفى منكم خافية ... آج تيار بوجاد ... مسنفرغ لكم ايها

الشقلن ... مين آر بابول تمارك لئے ... من فارغ بور بابول تمارك

لئے ... کیاسمجدر کھا ہے...

جس نے کلمہ پڑھا ہے...اے الله....رسول کا بابند بنا پڑے گا...اگر نہیں ہے گا تو نقدیٹائی ہوگی ...ادھارنہیں نقد....کافر کی ادھار چھوڑ دو کیونک

عيري في المنظمة













# ابوجهل كوعذاب

ایک حدیث میں آتا ہے کہ ابوجہل کوفر شتے پکڑ کر اس کے سرمیں لوہے کا کیل رحمیں مے اوپر سے ہتموڑ اماریں مے....اس کی کھوپڑی بھیٹ جائے گی اور پھر حیم کا یانی اس بیڈ الیس مے ....حیم کون سایانی ہے؟ جس کا ايك پيالدسات سمندر داليس تو ساتون سمندرا بلنے لگ جائيں اور جب وہ پینے کے لئے وہاں دیا جائے گاناں... پینے کے لئے اور منہ کے قریب کریں مے توان کے چیرے کی .... سرکی کھال ارحر کے اس یانی کے اعدر کر جائے گى ... منه كے سامنے كھال يزى ہوگى ....



ایباخونتاک پانی...بتووہ یانی اس کےسر کےاویرڈ الا جائے گااس ہے اس کی ساری کھال اتر کے ینچ چلی جائے گی اور اندر اتر سے گا تو اس کی آنتوں کو نکال کے باہر مچینک دیا جائے گا... اللہ تعالی فرمائے گا... ذی انک انت العزيز الكويم ...اب چكمواس تكبركامره.... دنيا يس برك اكڑتے تقےتم....



تو الله تعالى كى سنت مين غور كريس .... كا فرك لئے مہلت ہے .... مسلمان کے لئے مہلت نہیں...اس کواللہ تعالیٰ آخرت کے دردناک عذاب اوجہ سے بیانا جاتے ہیں ۔۔ اُس کئے نقر ...

#### احساس آخرت



ملک محمود منظفر بادشاہ تھا مجرات کا...اس کی سلطنت بڑی طاقتو رکتی .... اس نے اپنے دربار میں ایک آ دمی مقرر کیا ہوا تھا جس کے ہاتھ میں کفن رہتا تھا...اس کو کا فور رگا ہوا تھا...اس کے ذھے تھا کہ جبتم دیکھوکہ میں کوئی ظلم



کافیصلہ سنار ہاہوں تو تم نے کھڑے ہوکراس کفن کولہرادیتا ہے....
بادشاہ تو بادشاہ ہی ہوتے ہیں... تو جب وہ کوئی ایسا فیصلہ کرتا تو وہ کھڑا
ہوکر کفن لہرادیتا تھا... بس کفن کالہرانا ہوتا تھا کہ ملک محمود ہے ہوش ہوکرو ہیں
تخت پر گر جاتا تھا اور جب ہوش میں آتا تو اپنا فیصلہ واپس لے لیتا.... یہ
احساس آخرت کہ کی ماں نے اس کے دل میں یہ احساس بٹھا دیا تھا کہ
بادشاہ ہوکر بھی وہ اس احساس کے ساتھ زندہ رہااور بادشاہی میں ہی جنت کما



میااورآج کاچیرای موکرظلم نمیں چھوڑتا.... بید ہماری تیسری بنیاد ہے کہ ایک زندگی ہے جس کا ہمیں موت کے بعد کے سامنا کرنا ہے اور وہاں ہمیں اللہ کے سامنے چیش ہونا ہے ....للنزا ہم آزاد



...افحسبتم انما خلقنكم عبثا وانكم الينا لا ترجعون...

يد خيال ول سے نكال دوكم تم آزاد مو ... اور تم پركوني محران نهيں ہے ...



#### اور خمهیں لوٹ کرنہیں آتا....

...ايحسب الانسان ان يترك سدى...

یہ بات ذہنوں سے نکال دو....کمموت کے بعد تمہیں کوئی ہو چھنے والا نہیں ہے...نہیں نہیں بلکدایک طاقتورنظام ہے....

#### ےزمین آسان سے براجانور

میرے بھائیو! ایک دفعہ مولیٰ علیہ السلام نے کہا: یا اللہ! زمین آسان میرے بھائیو! ایک دفعہ مولیٰ علیہ السلام نے کہا: اگر مین آسان سے کہا تھا جھکو وہ جھک گئے ... بقو مولیٰ علیہ السلام نے کہا: اگر مین آسان کو تکل اللہ تعالیٰ نے کہا: میں ان پرایک جانور چھوڑ ویتا جو ساتوں زمین آسان کونگل جاتا ساتوں زمین آسان کو ... بقو مولیٰ علیہ السلام جیران ہوکر کہنے گئے: وہ جانور کہاں ہے؟ تو اللہ تعالیٰ نے کہا:

...فی موج من مووجی... میری چه اگاه پس چه ار با ہے.... وه چه اگاه کتی بزی ہوگی...جس پس وه جانور چرر با ہے...موئی علیہ السلام کہنے لگے:وہ ہے کہاں؟وہ چه اگاه کہاں ہے؟ توانلد تعالی نے کہا:

...في علم من علومي...

میرے علم کے خزانے میں ہے جمہیں میں نے بہت تھوڑ اپتایا ہوا ہے۔

After

### جنتی زیور



میں نے ایک فرشتہ پیدا کیا ہے ....جس دن وہ پیدا ہوا تھا اللہ نے کہا میرے بندہ کے لئے زیور بنا...جنتی مردوں اورعورتوں کے لئے وہ بیٹھازیور ينار ہا ہے...اس کی تیج ... تلاوت ... نماز ... رکوح ... سب معاف ہے...اس کا ایک ہی کام ہے کہوہ میشاز بور بنار ہاہے....اوراللہ تبارک وتعالی کل قیامت ك دن مردول اور ورتول كو بلائكاك كرآؤ... يحلون فيها من اساور من ُذهب... میں تمہیں سونے کے نگن بہناؤں گا...تمہارے سارے سار کھوٹ والتے ہیں...ویے ہی کہتے ہیں خالص ہے اوراس زبور کو چھوڑو....جس سانع مين زيوركو د حالا جار باب ....وه سانعاسورج كودكمايا جائ توسورج اس كسام نظرتين آئ كا....

اس میں زبور کیسا ہوگا...اوراس زبور میں سب سے چھوٹا موتی جولگایا جائے گاوہ سب سے چھوٹاموتی اگرز مین پر رکھا جائے تو ساری کا ئنات روشن ہوجائے گی...بزاموتی کیماہوگا؟اوروہ فرشتہ قیامت کےون تک زیور بنا تا رے گا...اللہ تعالیٰ کے گا آؤمیرے بندو! تم نے دنیا میں صبر کیا اب میں حبيس بيبنا تا بول....رو كمي سوكمي ....اب مين حبهيس كحلاتا بول....موثا حيموثا

246 ايبنااب من تهين ببنا تا بول....



#### حضرت ابوذ رغفاری ﷺ کاانتقال

حضرت الوذر غفاری رضی الله عنه کا انتقال مور ہاتھا اور وہ جنگل میں تھے...کوئی کوئی آبادی نہیں ... بس ایک بیٹی اورایک بیوی ان کے پاس تھی... اس حال کی وجہ سے ان کی بیوی رونے گئی... پوچھنے گئے: کیوں رور بی ہے؟ کہتے گئیں: آپ کوشس کون دے گا؟ آپ کی جبازہ کون پڑھے گا؟ آپ کا جنازہ کون پڑھے گا؟ میں عورت ذات اور میری ایک بیٹی ہم کیا کریں گے؟

توانہوں نے فرمایا: اللہ کی بندی نہ میں حمہیں جموٹ کمہ رہا ہوں ... نہ 🕻 🔌

کہنے والاجموٹا ہے... یعنی جس سے میں نے سنا....ندوہ جموٹا ہے...اور نہ ہی

میں جھوٹ کمدر ہا ہوں...

میں ہوں .... مجھے مینہیں بتامیر اجنازہ کون پڑھے گا لیکن خبر دینے والا سچا ہے اور استخاب ہے اور کا میں استخاب ہے استخاب ہے اور کی میں استخاب ہے اس

وہ کہنے گئی:ارےاللہ کے بندے کون آئے گا....وہ خیبر کی طرف ایک

بہتی ہے .... مدینے کو جائیں تو کوئی سوا سوکلومیٹر کے بعد پھرائدر صحرا میں جائيں تو كوئى ڈيز ھ سوكلوميٹرا ندر جا كروہ بتى ہے ....اب وہ ريت كے نيچے ب... مراق سے جولوگ فج کرنے آتے تھے تو وہ یہاں سے گزرتے تھے .... ج کے موسم میں بدراستہ آباد رہتا ہے اور باتی سارا سال یہ بے آباد رہتا ہے...توان کی بوی نے کہا: اب توج کا کوئی موقعہ نہیں ہے اس لئے اب يهال كون آئے گا؟....



### بن دیکھے مہمانوں کے لئے انظام

حضرت ابوذ رغفاري رضى اللدعنه كهنج ملكحاس كالمجصفة نبيس يبةليكن كوكى آئے گاضرور...تم جا کررائے میں بیٹے جاؤ...وہ سارا دن بیٹھی رہیں کوئی نہیں آيا....دوسرا دن گزرگيا كوئي نبيس آيا.... تيسر به دن انهول في محسوس كيا كه

آج مِن بَين بِون كا...

توانہوں نے اپنی بٹی ہے کہا کہ بکری ذرج کرو....اور کھانے کا انتظام کرو....آج جوکوئی میرا جنازه پڑھنے آئیں....ان کو کھانا کھلائے بغیروالیں

ماں بٹی پریشان کہ بیکسی باتیں کررہے ہیں کہ بکری ذی کرو کھانے پکاؤ.... ہوی سے کہا کہ جا راہتے میں بیٹھ جا.... وہ جا کر راہتے میں بیٹھ



کئیں...اللہ اکبر...تھوڑی دیرگز ری تو دور سے غبار اڑتا نظر آیا...غبار کا اڑنا کسی کی آمد کا پیتہ دیتا ہے ...غبار کود کمھے کروہ کھڑی ہو گئیں .... جب غبار چھٹا تو کیا دیکھا کہ بیس اونٹ سوار تیزی سے اپنے اونٹ دوڑا تے ہوئے جار ہے ہیں....انہوں نے اپنے ہاتھ سے اشارہ کیا تو ان سواروں کی نظر پڑگئی اور انہوں نے اپنے اونٹنیوں کا رخ ان کی طرف موڑ لیا کہ بیے ورت جنگل میں کیا

كرربى ہے....

وہ قریب آئے تو انہوں نے پوچھا کہ اماں تو کون ہے؟ وہ کہنے گئیں کہ ایک مسلمان کا جنازہ پڑھ دو تمہارا بھلا ہوجائے گا... سواروں نے پوچھا کون ہے؟ کہنے گئیں ابو ذرغفاری ہے۔ کا سب کی ہائے نکل کی اور سب رونے لگ گئے ... بھلا ابو ذرغفاری ہے کوکون نہیں جانتا تھا... سب کہنے گئے کہ ہمارے والدین ابو ذرغفاری ہے کہ کہ جارے والدین ابو ذرغفاری ہے کہ کا جنازہ پڑھودیں تو ہماری بخشش ہوجائے گی...

یہ کون لوگ تھے؟ ایک بڑے صحالی حضرت عبداللہ بن مسعود رضی اللہ میں۔ عنہ تنے اور وہ 19 آ دمیوں کے ساتھ عمرے پر جارہے تئے ....عمرے پرنہیں

جارے تھے بلکہ اللہ ابوذر عفاری ﷺ کا جنازہ پڑھانے کے لئے لار ہاتھا....

یے عمرے پر جارہے تھے....جس راہتے پر یہ جارہے تھے بیر راستہ بے آباد عظ تراکیکہ مختصیت

) ین سرها.... ح**ضرت عبدالله بن مسعود رضی الله عنه کوجل**دی تقی کیونکه حضرت عثمان نمی

رضی اللہ عنہ نے بلایا تھا کہ ہر حال میں میرے پاس پہنچو... بیہ سارے اسباب اللہ کے محبوب کی بات کوسچا کرنے کے لئے جمع ہوئے...اس لئے انہوں نے وہ راستہ اختیار کیا... جب حضرت ابو ذر غفاری کے پاس پہنچ تو دیکھا کہ وہ آخری دموں میں تھے...وہ ان کو دیکھ کرمسکرادیئے اور کہا مجھے تو

پہلے ہی پتا تھا کہ کوئی نہ کوئی تو آئے گا.... پھر فر مایا دیکھو مجھے کفن وہ دے جس نے مجمی حکومت کی نوکری نہ کی

پر فرمایا دیکھو مجھے گفن وہ دے جس نے بھی حکومت کی نوکری نہ کی ہو....وہ حکومت کی نوکری نہ کی ہو....وہ حکومت کی نوکری نہ کی ہو....وہ حکومت تھوڑی تھی وہ تو خلافت تھی ....اس وقت ابو بکر صدیق خلیفہ...عمر فاروق

خليفه ...عثان غي خليفه ..على الرتضى خليفه تص....

تو ان بیں سے صرف ایک فخض طا.... کہنے لگا آج تک میں نے حکومت کی کوئی نوکری نہیں کی ہے... تو حضرت ابوذرغفاری نے کہا بس ٹھیک ہے تیرے پاس کفن ہے؟ اس نے کہا یہ میرے پاس احرام ہے...اسے میری مال نے اپنے ہاتھوں سے تیار کیا ہے... کہنے گے بس مجھے اس میں کفن دے دیا... پھران کا انتقال ہوا....









### آپٹے نے مرکز بھی سخاوت نہ چھوڑی

وفن سے فارغ ہوئے تو ان کی بیٹی نے عبداللہ بن مسعود سے کہا چھا کھانا تیار ہے ....وہ چران ہو کر کہنے گئے کہ بیٹی اجمہیں ہمارا کس نے بتایا اور کھانا کیے تیار ہوگیا .... کہا میر سے ابائے کہا تھا کہ آج لوگ میرا جنازہ پڑھنے آئیں گے ان کا کھانا تیار رکھنا ... عبداللہ بن مسعود نے کہا: واہ ابوذر تونے مرکے بھی سخاوت نہ چھوڑی ....



#### ابن زبير ﷺ كى عبادت كاحال

یے عبداللہ بن زبیر رضی اللہ عنہ کھڑے ہوئے کہ رہے ہیں: بھائی! آج رات میرے قیام کی ہے...اللہ اکبر! فجر کی اذان پہ جائے رکوع ہوتا ہے.... کہتے ہیں آج رات میری رکوع کی ہے ...ساری رات رکوع ہیں کھڑے ہیں...فجر کی اذان پہ جائے رکوع ختم ہوتا ہے....

آج میرے بجدے کی رات ہے....ساری رات بجدے میں ہیں....

فجری اذان پہ جا کے سجدے سے سراٹھایا جا تا ہے.... بیانفرادی اعمال کا حلقہ <u>"</u>

ہے...

### حضور الغم اورجم



میرے دوستو! اس دنیا میں ۲ ارب کے قریب انسان ہیں جس میں اللہ سے ۱۳ اسلمان ہیں ۔... پونے پانچ ارب کا فریب انسان ہیں جس میں اللہ مسلمانوں کے معمود کی بارے میں اہل علم نے تحقیق کی تو پتہ چلاان میں ۱۵....۲ فیسل نماز پڑھتے ہیں ہیں بقیہ ۸۵ فیسل سے ذائد بے نمازی ہیں ....ان نمازیوں میں کتے مسلمے سنت

كے مطابق نماز پڑھتے ہيں...ان كاانداز وآپ خود لگا سكتے ہيں....

میرے عزیز و! اب ریکتی فکر کی بات ہے...ار بوں انسان کفر پر زندگی گزاررہے ہیں...ان کا آخرت میں کیا ہے گا؟...ایک بات تو طے شدہ ہے وویہ کہا گرتمام انبیاء بھی مل کر کسی کا فرکوجہنم کی آگ سے بچانا چاہیں تو بچانہیں سکتے ....آج ہمیں وہ امت کی فکرنہیں جو ہونی چاہئے....

سی کے جوان بیٹے کی لاش گھریس رکھی ہوئی ہوتو کیا وہ کاروبار پر جائے گا؟ کیونکہ اس کوغم لگا ہواہے ....ا یسے ہی ہمیں امت کاغم لگ جائے کہ روزانہ ہزاروں آ دمی بغیر کلمہ پڑھے دنیا سے جارہے ہیں ....ان کوجہم کی آگ

ہے بچانا ہمارے ذمہ ہے .... ہم کاروبار کی نفی نہیں کرتے.... بلکہ کاروبار کو

مقصد بنانے کی نفی کرتے ہیں...

بقول اكساليه الما

252

www.besturdubooks.net

خخر کھے کی کو تڑیتے ہیں ہم امیر سارے جہاں کا درد مارے مکر میں ہے فراماييشعر بهي بمين تبلغ مين لك كرمجمه مين آيا...كيا مطلب ونيا كركسي المنطف بمی کونے میں اگر کوئی مخص کفر پر مرر ہا ہو یا نماز نہ پڑ ھتا ہو...تو ہمارے سینے میں ایک دردا تھے ...اس لئے کہا گیا کہاللہ کا سب سے مجبوب بندہ وہ ہے کہ كى كوكا ئابعى جمية دردو فكرمسوس مواكمير عد بعانى كوتكليف مولى.... میرے بھائیو! اللہ تعالی نے معزت محمصلی اللہ ملیہ دہلم کومرف کا ئتات نہیں دکھائی بلکہ اپنا آپ دکھا دیا....جس کو اپنا آپ دکھا دیا اس کے 🧲 يجے كياره كيا....آپ ك كي خري كرآئ ان كى زبان سے لكلاكه بيد دنیا مچھر کے ایک پر کے برابر بھی نہیں ہے.... بید دھو کے کا گھر... بیہ مچھر کا پر .... بیکڑی کا جالا اور بیمٹ جانے والی متاع ہے ...يا ابا سفيان جئتكم بكر امة الدنيا والاخرة ...الوحميان میری مان کرچلو میں تمہارے یاس دنیا بھی لے کرآیا ہوں اور آخرت بھی لے 🥀 كرآيا مول .... عمرى مان كرچلو كوتو دنيا بهى طع كى اورآخرت بعى طع گی.... میں وہ دین نہیں لایا جس میں صرف جنت ملتی ہو.... میں ایسادین لایا 🅊 ہوں کہ دنیا بھی تمہارے تالع ہوگی...اور جنت بھی اللہ تعالیٰ تمہیں نصیب ﷺ فرمائے گا.... دنیا اور آخرت کے سارے خزانوں کی چابیاں اللہ نے ہمار ہے۔ 253 نی کا ودے کر دنیا میں بھیجا....





دنیا کی عزتیں آخرت کی عزتیں دے کراللہ تعالیٰ نے ہمارے نمی الله عاب مولى .... مرآب الله الله الداهم المفاترة آب ك ظیل تھے مویٰ الظیف کلیم تھے ... داؤد الظیف کوآپ نے لوہازم کرے دیا... سلیمان الظیم کو موا آپ نے موا تالع کر کے دی اور عیسی الظیم کو آپ نے مرده زنده كركے ديئے اور يا الله ميرے لئے كيا ہے؟...

تو الله تعالى نے ارشاد فرمایا: تیرے لئے میں نے سب سے اعلی چیز

آپ ﷺ نے پوچھاوہ کیا ہے؟ تواللہ تعالی نے فرمایا: کہ قیامت تک میرا تیرا

نام اکٹھا رہے گا جدانہیں ہوسکتا.... یہ چیز تو ہمیشہ کی ہوگئ اب بیختم نہیں ہوعتی ... قیامت تک تیرامیرانام اکٹھا آئے گا...

ایسے جوڑ دیا جیسے ایک افسریا پر مل آیا تواس کے نام کی مختی لگ گئی...

پحروه پرلیل صاحب تبدیل ہو گئے یاریٹائر ہو گئے تو دوسرا پرلیل آیا تو ان کا نام لكه ديامميا.... پجروه چلے محيّة تيسرا آميا پجروه چلے محيّة چوتھا آميانام بدلتے رہے....

ایے بی ... لا السه الا الله ... كساتھنام بدلتے رہے .... آدم

ينى الله... ابراهيم خليل الله... موسىٰ كليم الله... نوح نبى الله .. هارون نبي الله اور اسماعيل ذبيح الله... نام آتے كئے بدلتے كئے

..جب... لا الله الله ... كماته ... محمد رسول الله ... كانام جوڑا گیا تو قیامت تک کے لئے نٹ ہوگیا اب بنہیں بدل سکتا...

...الا ذكرت الا ذكرت معي...

اب تعوز اسا قرآن میں دیکھوکہ اللہ نے یوں کہا کہ اب تیرا میرا نام اكثماجكيكا....

اس كوالله نے قرآن میں كیے اكٹھا كيا ہے؟ قرآن مجيد میں اللہ تعالی نے یوں فرمایا...

...تومنون بالله و رسوله...

ایمان میں کہا کہ ایمان لا وَاللّٰہ اوراس کے رسول ﷺ پر .. کفر میں کہا..

...ذلک بانهم کفرو بالله و رسوله ...

جنهول نے كفر كيا اللہ اوراس كے رسول كلكا ...

... من يعص الله و رسوله ...

وه تا فرمان مواالله كااوراس كے رسول عليه السلام كا....

...برأة من الله و رسوله...اذان من الله و رسوله... بحرب

من الله و رسوله ... يمرف چندآيات بين ... بين في ساري نبيس يرمين بكه چندآيات پڙھ كريتايا ہے كەكس طرح الله نے اپنے محبوب ﷺ كواپے نام م

کے ساتھ جوڑ دیااورآ خرتک چاتا جلا گیا...







## چنگیزخان کا تذکرہ



میرے بھائیو! دنیا میں چنگیز خان سے بدافاتے کوئی نہیں آیا.... چنگیز خان سے بدافاتے کوئی نہیں آیا.... چنگیز خان نے سب سے زیادہ دنیا فتح کی... پنیسٹی سال کی عمر تک لاتا رہا اور جب فتح کرلیا دنیا کوتو کہنے لگا: او ہو! زندگی تو لاتے لاتے کر رگئی... جب حکومت کرنے کا وقت آیا تو ساری زندگی گزار بیٹھا ہوں...ساری دنیا کے بدے برے طبیب اکشے کئے ان سے کہا کوئی نسخہ مجھے بتاؤ کہ میری زندگی بدھ حائے....

ایب جائنا کا طبیب تعااس نے کہا: ایک سانس بھی نہیں بڑھا سکتے ....

جو باقی زندگی ہے اس کو بہتر گزارنے کا طریقہ ضرور بتا سکتے ہیں ....وہ

72 سال کی عمر میں مرحمیا ....سات برس اس نے صرف حکومت کی ...

ی آپ کا حال ہے جب آپ اپنے مال سے پھے نفع اٹھانے کے قابل ہوتے ہیں تو آٹھوں پر چشمے لگ بچکے ہوتے ہیں... بال سفید ہو بچکے

ہوتے ہیں اور موت دستک دے رہی ہوتی ہے۔

کے حرص و ہوس کو چھوڑ میاں مت دلیں بدلیں پھرے مارا



قذاق اجل کا لوٹے ہے دن رات بجا کر نقارا

کیا بدمعیا بمینسا گول شر کیا گونی پلاسر بمارا

**多**华纳

کیا گیہوں چاول موٹھ مڑ کیا آمگ دھواں اور انگارا

سب شاتھ پڑا رہ جائے گا

جب لاد طلے گا بنجارہ

جب وہ کالی گاڑی میں ڈالیں کے تو سب ٹھاٹھ یہیں رہ جائیں کے... شیرشاہ سوری نے جب دلی کو فتح کیا کہنے لگا:افسوں! میرے سر پر عکومت کا سورج اس وقت چکا ہے جب میری زیم کی کا سورج غروب ہونے

والاہے....







# الشكر صحابه كاسمندر ميں سے بإر مونا



پندره لا كه آدى اكتفي موتے ہيں اور دس لا كه آدى رمضان شريف ميں ختم قرآن میں اکٹھے ہوکر دعا ئیں ما تکتے ہیں.... ہوتا بی پچونہیں... کیوں؟ تا

ركثا مواب .... تارنبين جزا موا ... تارجزا مواموتا پرياالله! كي صدا موتى .... پر و يكوكيا ہوتا...انہوں نے تار جوڑ ليا تھا...وہ ٹھاٹھيں مارتا ہواسمندرتھا ...اور

علاء بن حضر می رضی اللہ عنہ جار ہزار کا لٹکر لے کر کھڑے ہوئے ہیں .... کھتیاں کو کی نہیں ... محتی بنا کمیں یا کہیں سے حاصل کریں اور جزیرے

تک پہنچنے کے لئے چوہیں محفظے در کار ہیں...انتے میں دشمن مستعد ہوجائے كا...اتر ب دوفل بره هي..ا بالله تير علام تير براسته مين ... بمين

بإراكادك...مسمواالله وافتحموا ... كها: بهم الله يرْحواوركودجا وسمندر میں ... آ مے کوئی بی آرمجی نبر تھی جو کہدر ہا ہیں کود جاؤ...سمندر تھا...کی نے

نہیں کہا: خود مشی حرام ہے... مروانا جا ہتا ہے...

حضرت ابو ہریرہ رضی اللہ عنہ کہتے ہیں ... فسیمینا ... ہم نے کہا...

بسم الله ...واقتحمنا...اورجم نے اپنے گھوڑے ڈال دیج...وابونا ... اورالله نے ہمیں پارلگادیا....

فعما بل الماء اسفل خفاف ابلنا ...اور پائي مارےاونٹ کے 











ہے جس سے اللہ اور اس کے ریول کی سے انسان کا تعلق جز جاتا ہے اور
اسے منزل ال جاتی ہے ... اسے منزل کا پنہ چل جاتا ہے ... جھے جاتا کہاں
ہے؟ میں رائی کہاں کا ہوں ... مسافر کہاں کا ہوں ... ایسا کا ال ... اکمل ....
یوسف ... یعقوب میں چالیس سال جدائی رکمی ... چالیس سال کے
بعد پھر ملایا ... پھر فر مایا: بتا دُن کیوں جدا کیا؟ جی بتا ہے ... کہا تو نماز میں تو

... یوسف سویا ہوا تھا ... وہ رویا ... نماز پڑھتے پڑھتے تیری نظراد هر چلی گئے ... تیراً
وهیان چھ سے ادھر چلا کمیا میں نے کہا میرانی ہوکر میر ہے سامنے ہوکر تلوق کو
دیکھے ... بتلوق کا سو ہے ان آنکھوں کی بینائی واپس لوں گا اور اس کو اس سے جد الیے
اکردوں گا ... جالیس سال جدا کیا ...

یادر کھنا بھائیو! دل کی دنیا اجاڑنے کا سب سے براعمل نظر اور کان کا غلط استعال ہے....جس کے کان موسیقی پہلگ جا کیں...جس کے کان گانے سننے پہلگ جا کیں...جس کی نظر آوارہ ہوجائے...تو دنیا کے سارے ابدال مل کے بھی اس کے دل کونییں دھو سکتے....

کے جمی اس کے دل کوئیس دھو سکتے ....

ساری دنیا کے روحانی طبیب اسمنے ہوجا ئیں تو بھی اس کا دل نہیں

دویا جاسکا .... ہیدا ہے ہے جیسے باہر آئد می چل رہی ہو...اور آپ ساری

مشرکیاں کھول کر کمرے کی صفائی شروع کردو .... باہر سے پھرمٹی آگئ ....

ادھر سے صاف کیا تو ادھرمٹی آگئ ....ادھر سے صاف کیا تو سامنے ہے مٹی

آگئ ....کام بھی ہوتار ہے گا متیجہ بھی کچھٹیں نظے گا ....

سليمان الطيخ بخت بلتيس اورصاحب علم كاقصه

م من المجن ... توایک سائنسی طاقت بولی: مادی طاقت... عفریت من المجن ... توایک سائنسی طاقت بولی: مادی طاقت... عفریت

. كالفظ قيامت تك كے لئے ہے...

آج کا ایٹم بم ...ع فسریت ... میں آجا تا ہے ... عفریت کا لفظ مادی کر د اور طاقت کے لئے بولا جاتا ہے ... تو مادی طاقتیں جن کے روپ میں آئیں .... میں است کے دوپ میں آئیں .... میں است کے اور میاد اور ایٹم بم کے سے است کیں .... وہ ٹینک اور جہاد اور ایٹم بم کے سے است کیں ....

ان کے لئے عفریت اشارہ کردہا ہے... مادی طاقت والا ... وہ بولا اللہ کے لئے عفریت اشارہ کردہا ہے... دربار کے تم ہونے سے اللہ اللہ کہ بعد قبل ان تقوم من مقامک ... دربار کے تم ہونے سے پہلے پہلے بہلے میں حاضر کردوں گا... یعنی دواڑ حائی گھنٹے جھے لگ جا کیں گے... یعنی جا دکو میشر جاتا ہے... تیوں زار کلومیشر جاتا ہے... تیوں زار کلومیشر جاتا ہے... تیوں زار کلومیشر جاتا ہے... تیوں زار حائی گھنٹے میں سامنے حاضر کردوں گا...

260

#### محرنمازوں سے نہیں پیٹے، بول سے آباد ہوتے ہیں



عطاء الله شاہ بخاری ہے کی نے کہا کہ میں نے پی کی متلی کردی ہے ... تو حضرت نے پوچھا بچ کا خلاق کیے ہیں؟ کہا تی نمازی ہے ... پوچھا بچ کے اخلاق کیے ہیں؟ کہا تی نمازی ہے ... پھر حضرت نے پوچھا بچ کے اخلاق کیے ہیں؟ کہا جی نمازی ہے ... پھرانہوں نے پوچھا بچ کے اخلاق کیے ہیں؟ کہا جی نمازی ہے ... پھرانہوں نے پوچھا بچ کے اخلاق کیے ہیں؟ کہا جی نمازی ہے ۔.. کہا جی نماز نہیں آتے ہے... کہا ہی نماز نہیں پوچھ رہا ہوں ... کھر نماز وں ہے ہیں آباد ہوتے ہیں ... ہے گھرآباد ہوتے ہیں ...

ہماری ایک بزرگ خاتو الم میں وہ بھی انقال کر گئیں ہیں ....انہوں نے اپنی بٹی کا کہیں دشتہ کیا تو ہیں انقال کر گئیں ہیں ....انہوں نے اپنی بٹی کا کہیں دشتہ کیا تو ہیں نے پوچھاا ماں لڑکا کیسا ہے؟ تو اس نے کہا ہاں چیور کہیو جیاا سے (اماں الڑکا کیسا نے میں اور ایک بیپرل ہے) میں نے کہا اماں چھور کہیو جیاا سے (اماں الڑکا کیسا ہے؟) اب میری بات آپ مجھ دہے ہیں تاں؟ اماں نے پھر وہی بات درائی....



تیسری دفعہ ش نے پھر کہا الماں مچور کہ جیا اے؟ الماں نے کہا پتر
ادہ سے چودہ مربعے نے تے اک پیچل اے... شی نے کہا: الماں! ش کیا
پوچور ہا ہوں اور تم کیا جواب دیتی جارہی ہو... ش پوچور ہا ہوں کہ لڑکا کیا
ہے ...اور تم کمہ رہی ہو کہ اس کے؟ امراح ہیں... تم نے لڑکی کا تکار مراح
گے ساتھ کیا ہے یا ل کے ساتھ کیا ہے؟ کس کے ساتھ تکار کیا ہے؟ پھرا کی



### مسلمان كى قدرو قيت

میرے بھائیوادنیا جیتی نیس بلکہ ایمان جیتی ہے...اللہ نے ہمیں ایمان دیا ۔...اللہ نے ہمیں ایمان دیا ۔...ہم مسلمان ہیں ....یکتی بدی ہمارے او پراللہ کی رحمت کی بارش ہے کہاس نے ہمیں مسلمان بنادیا ....ساری دنیا کے کافر مسلمانوں کی وجہ ہے دی ہیں ....ساری دنیا کے مشرک .... یہودی اور عیسائی مسلمانوں کی وجہ ہے دی وہ ہیں ...مسلمان نہ ہوں تو ساری کا تنات توڑ دی جائے ....مسلمان نہ ہوں تو ساری کا تنات توڑ دی جائے ....مسلمان نہ ہوں تو ساری کا تنات توڑ دی جائے ....مسلمان نہ ہوں تو ساری کا تنات توڑ دی جائے ....مسلمان نہ ہوں تو ساری کا تنات توڑ دی جائے ....مسلمان نہ ہوں تو ساری کا تناق فریا ہے ۔...

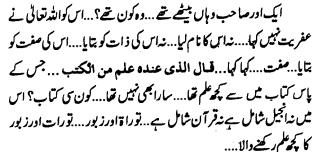
... لا تقوم الساعة حتى يقال على وجه الارض...

الله...الله ... جب مك أيك مسلمان مجى زعره بع قيامت نيس

الهجيلي.

## طاقت علم ربانی







ال نے کہا...انا الیک بدہ قبل ان برتد الیک طرفک .... آپ کی نظر پند ہوگی .... کھلنے سے پہلے پہلے میں تخت یہاں حاضر کردوں گا....اللہ کے علم میں کیا طاقت ہے؟ سائنس اور ٹیکنالو جی میں کیا طاقت ہے....ان دونول کا بیآ ہت موازنہ کردی ہے....



عفریت نے کہا: جاؤںگا...لاؤںگا...علم والے نے کہا: میں نہ جاؤں گانہ لاؤںگا.... بہبیں کھڑے کھڑے حاضر کردوں گا... بوسلیمان علیہ السلام نے کہا: حاضر کرو گے؟ کہا: کروں گا... کہا: کرو... اس نے کہا بائیں دیکھو... سلیمان علیہ السلام نے یوں ویکھا.... کہا سامنے دیکھوتو تخت حاضر تھا... تین بڑار کلومیٹر کا فاصلہ...



263

## ہر چیزموت کی آغوش میں



میرے بھائیو! مال اپنے بیچے کو گور میں لئے دودھ پلار بی ہے...ادھر ایک مال بچ کے مند میں توالد دے رہی ہے ...ادھرایک مال بچے کو سینے ہے لگائے دودھ بلارہی ہے...ادھرایک مال بیچ کودردازے تک چموڑنے آرہی ہے...کول کے لئے رکتے میں بٹھارہی ہے...تا کئے میں بٹھارہی ہے...جو بهی سواری اس وقت موگی اس طرح کا نظام چل ر باموگا....

كراجا تك أيك وحماكا موكا...فاذا جداء ت الطامة الكبرى ... فاذا هيى جاءت الصاخة ...وه مان جويون يح كمنه من تواله وال ربی ہوگی...وہنوالدایےاس کے ہاتھ سے گرجائے گا...وہ دوکا عدارجس نے ايك وفعة جمارٌ وديا بي ... دوسرى وفعه جب اس طرح بيحي لے جار با موكا...و

جماڑ ویتھے کے پیچے کرجائے گا آ کے لوٹ کرنہیں آئے گا.... وہ دکا ندارجس نے پینچی کو اٹھایا اور کپڑے کو دس میٹرنا پا اور کینچی ڈالی بكاش كواور كا مك في يعي تكالى بين كن كو...وه كور ما بادروه كاش کوتیارہے...اس ہنگاہے برقینی یوں مے گی پیے یوں گریں مے...جمازووہ مائے گا...نوالہ ادھر جائے گا...لوری دیتی ماں بیچے کو یوں سیکیے گی کہ جس

284 مرح گندگی کی ٹو کری پھینتی ہے...اورز مین دار کا چانا ہوا ال یون گرے گا...



بیادهرے بھا کے گا وہ ادھر بھا کے گا اور یوں اس نے ہوا میں ہاتھ لہرایا تھا...
اپ ج بھیرنے کے لئے وہ ج یوں گرا تا چلا جائے گا...کی پیچھے گر جائے گا...وہ خود آگے گر جائے گا....

اور دلہن وہ بھاگی دولہا وہ بھاگا... براتی ادھر بھاگ ... میراثی ادھر بھاگ ... ڈھول ادھر پڑے ... مجلس سؤنی ہوگئ ... دوکا نوں کے افتتاح بچ میں رہ گئے ... اور واپڈاٹا وَں جیسے خوبصورت ٹا وَن کے باسی بھی وہ پاگلوں کی طرح بھاگ رہے ہیں ... انہیں گھر جبونپڑی نظم آرہا ہے ... کا شنے کوآرہا ہے ... کھانے کوآرہا ہے ....

ایک افراتفری کاعالم ہوگا...

تذهل بها کل مرضعة عما ارضعت وتذء کل ذات حمل حملها و ترالناس سکاری وماهم بسکاری ولا کن عذاب الله هدید...

وہ ایک خوفناک عذاب ہوگا... ماؤں کے حمل کر جا کیں ... دورہ پیٹے ہے۔ بچوں کو ما کیں اٹھا کر بھینک دیں گی ... کہ میں خی جاؤں لیکن وہ نہ بچے گی نہ ہے۔ بچیں کے ... مالی دنیا سے دل لگانے والے بڑے نادان ہیں اپنی جوانی کواس دنیا میں رول دینے والے بڑے ہی نادان اس کی چک کے پیچے ایمان کے۔

سودے کردینے والے بڑے احمق ہیں....



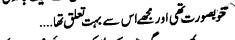
265

## ايك عبرت آموز واقعه



حفرت مالک بن دینار دممة الله علیه مشہور بزرگوں میں سے تھ...وہ ابتداء میں کچھا چھے عال میں نہ تھ ....ایک فخص نے ان سے تو بہ کا قصہ پوچھا کہ کیا بات بیش آئی جس پرآپ نے اپنی سابقہ زندگی سے تو بہ کی ....وہ کہنے گئے میں ایک سپاہی تھا اور شراب کا بہت شوقین اور عادی تھا.... ہروقت

مراب بی منهک ربتا تعا... من نے ایک باندی خریدی تعی جو بہت



پھرمیرے گھر شمل ایک لڑی پیدا ہوئی جھے اس بچی سے بھی بہت محبت
تخی ....اور وہ لڑی بھی مجھ سے بہت مانوس تخی .... یہاں تک کہ وہ چلتے گی تو
اس وقت مجھے اس سے اور بھی زیادہ محبت ہوگئ .... کہ ہروقت وہ میر سے پاس
تی رہتی .... لیکن اس کی عادت سے تھی کہ جب میں شراب کا گلاس پینے کے لئے
لیتاوہ میر سے ہاتھ سے چھین کرمیر سے کپڑوں پر پھینک دیتی (محبت کی زیادتی
لیتاوہ میر سے ہاتھ سے چھین کرمیر سے کپڑوں پر پھینک دیتی (محبت کی زیادتی
کہ وجہ سے اس کوڈا نشنے کودل نہ مانتا) جب وہ دو برس کی ہوگئ تو اس کا انتقال

. ہوگیا...اس صدرے نیرے دل میں زخم کردیا...

ایک مار ، ب کہ ۱۵ شعبان کی رات تھی .... میں شراب کے نشے ہیں

ست تی .. مشاء کی نماز بھی نه پردهی اور ای حال میں سوگیا.... میر نے

خواب میں دیکھا کہ حشر قائم ہو گیالوگ قبروں سے نکل رہے ہیں...میں بھی ان لوگوں میں ہوں جومیدان حشر کی طرف جارہے ہیں میں نے اینے پیچھے

کچھ آ ہٹ نی ... میں نے جو پیچھے مڑ کر دیکھا تو ایک بہت بڑا کالا اژ دھا میرے پیچھے دوڑتا ہوا آر ہاہے ...اس کی کیری آ تکھیں ہیں منہ کھلا ہوا ہے اور

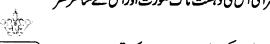
بے تحاشامیری طرف کودوڑا ہوا آر ہاہے.... میں اس کے ڈرسے گھرا کرخوف زدہ ہوکر تیزی سے بھاگ رہا ہوں اور دہ میرے پیچھے بھا گا چلا آرہا ہے... سامنے مجھے ایک بوڑھے میاں نہایت نقیس لباس میں ادر اس حال



میں کرنہایت مہلتی ہوئی خوشبوان سے آرہی ہے ملے ... میں نے ان کوسلام کیا...انہوں نے جواب دیا... میں نے ان سے کہا کہ خدا کے واسطے میری

مدد کیجے .... وہ کہنے گلے میں ضعیف آدی ہوں یہ بہت قوی ہے یہ میرے قابو

مین نہیں ہے ... کین تو بھاگا چلا جا شاید آ کے کوئی چیز الی مل جائے جو اس سے نجات کا سبب بن جائے ... میں بے تحاشا بھا گا جار ہا تھا جھے ایک ٹیلے نظر آیا میں اس پر چڑھ گیا مگر وہاں چڑھتے ہی جھے جہنم کی دہمتی ہوئی آگ اس ٹیلے کے ایک طرف نظر آئی اس کی وہشت ناک صورت اور اس کے مناظر نظر



ان سب حالات کے دیکھنے کے باوجود سانپ کی اتنی دہشت مجھ پر

سوارتھی کہ میں اس طرح ہما گا جار ہاتھا کہ قریب ہی تھا کہ میں جہنم کے گڑھے www.besturdubooks.net میں جا گروں....انے میں ایک زور کی آواز مجھے سنائی دی....کوئی کہدر ہاتھا کہ چیچے ہٹ تو ان جہنی لوگوں میں سے نہیں ہے... میں وہاں سے پیچیے کو کی دوزاده سانب بھی میرے پیچھے کوآیا....



مجھےوہ بڑے میاں سفیدلباس والےنظرآئے میں نے ان سے پھر کہا کہ میں نے پہلے بھی درخواست کی تھی کہ اس اڑ دھے سے کسی طرح مجھے م معور با کس آپ نے تول نہ کیا وہ برے میاں رونے لکے اور کہنے لکے کہ میں بہت ضعیف موں اور یہ بہت قوی ہے میں اس کا مقابلہ نہیں کرسکا....البتہ سامنے ایک دوسری پہاڑی ہے اس پر چڑھ جا اس میں مسلمانوں کی کچھ امانتیں رکھی ہیں ...مکن ہے تیری بھی کوئی امانت رکھی ہوجس کی مدو سے تواس ا ژوھے سے نی سکے ....

میں بھاگا ہوا اس بہاڑی برگیا اور وہ اڑ دھا میرے پیچھے جلا آر ہاتھا و ہاں میں نے دیکھا کہ ایک گول پہاڑ ہے اس میں بہت ی کھڑ کیاں کھلی ہوئی ہیں ان پر پردے بڑے ہوئے ہیں.... ہر کھڑی کے دو بٹ ہیں سونے کے جن پر یا قوت پڑے ہوئے ہیں اور موتول سے لدر ہے ہیں ... اور ہریث پر ا یک رئیمی پردہ پڑا ہوا ہے میں جب اس پر چڑھنے لگا تو فرشتوں نے آ واز دی کہ کواڑ کھول دواور برد ہےا ٹھاد واور باہرنگل آ ؤ شایداس پریشان حال کی کوئی

ا ما نت تم میں الی ہو جواس وقت اس کواس مصیبت سے نجات دے....

اس آواز کے ساتھ ہی ایک دم کواڑ کھل گئے اور پردے اٹھ گئے ....اور







اس میں سے جا مجسی صورت کے بہت سے بیجے فکے مگر میں انہائی پریشان تھا کہ دہ سانپ میرے بالکل ہی پاس آممیا ہے....اس پر فوجوں کی فوجیں بچول کی نکل آئیں ان میں دفعتہ میری نگاہ اپنی دوسالہ بچی پر پڑیمی جس کا انقال ہو چکا تھا....

وہ مجھے دیکھتے ہی رونے گی اور کہنے گی خدا کی تتم! بیتو میرے اہا ہیں اور یہ کہتے ہی تیر کی طرح کود کرایک نور کے پلڑے پر چڑھ گئی اوراینے بائیں ہاتھ کومیرے دائیں ہاتھ کی طرف بڑھایا میں جلدی سے اس سے لیٹ کیا اور اس نے اپنے داہنے ہاتھ کواس سانپ کی طرف بڑھایا وہ فورا پیچھے کو بھا منے لگا 🚅 پھراس نے جھے بٹھایا اورخو دمیری گودیش بیٹھ گی اوراینے داہنے ہاتھ کومیری دارهی پر پھیرنے کی اور کہنے کی اباجان:



"الم يان لللين امنوا ان تخشع قلوبهم لذكر الله

وما نزل من الحق...."

'' کیا ایمان والول کیلئے اس بات کا وقت ابھی تک نہیں آیا کہ ان کے دل اللہ کے ذکر کے واسطے اور اس حق بات کے واسطے جوان پر نازل موئی جمک جائیں...'



اس کی یہ بات من کر میں رونے لگا اور میں نے یو چھا بٹی کیاتم سب قرآن شریف جانتی ہو؟ وہ کہنے گلی کہ ہم نے سب قرآن شریف کوتم سب 269 سے زیادہ جانتے ہیں.... میں نے پوچھا بٹی بیسانپ کیا بلاتھی جومیرے پیچیے

لگ فی تحی ؟ اس نے کہا کہ آپ کے برے اعمال اور گناہ تھے .... آپ نے ا ہے گنا ہوں کوا تنا قوی کردیا تھا کہوہ آپ کواب جہنم میں ڈالنے کی فکر میں تے .... میں نے پوچھا وہ سفید پوش ضعیف بزرگ کون تنے؟ کہنے گی وہ آپ کے نیک اعمال تھے جن کوآپ نے اتنا ضعیف کررکھا تھا کہ وہ اس سانپ کو آپ سے دفع ندکر سے (البتہ آئی مدد پھر بھی کردی کہ نیخ کا پھوتو راستاتو تا





میں نے یو چھا کہ بیٹی تم اس پہاڑ پر کیا کرتی ہو؟ کہنے لگی کہ ہم سب مسلمانوں کے بیج ہیں جوابی نابالغی کی حالت میں مرمحے ہیں قیامت تک ہم یہاں رہیں گے اور آپ لوگوں کے آنے کے منتظر ہیں ... جب آپ سب آئیں مے تو ہم سفارش کریں مے ...اس کے بعد میری آنکھ کمل کی تو اس ساني كى دہشت مجھ برسوارتقى ... ميس نے اٹھتے بى الله جل شاند كے سامنے توبه کی اوراینے برے افعال کوچھوڑ دیا....

ويكمو بهائيو.... دوستو! الله تعالى نے كس طرح ان كى زندگى كو پليا اور اس واقعه میں آخرت کے جواحوال ذکر کئے گئے اس کی روشن میں ہم اپناجائزہ لیں کہ ہم نے اینے اجھے اعمال کو جائدار بنایا ہوا ہے بانہیں اور کوئی کوتا ہی وي موجاني بهم فوراتوبدواستغفار كريست بي مانيس ....



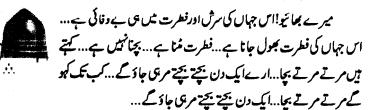
دیکمود نیابہر حال گزرجائے گی بلکہ یوں کہوکہ ہم بہر حال یہاں سے گزر جائیں گے اور کام تو اچھے اعمال ہی آئیں گے پھرآج سے کیا ارادہ





ہے؟ بس دوكا مضر وركرلوجس سے ملواس كوالله كى يا دولانے كى كوكى بات ضرور كرلواس سے الله تعالى كا دهيان تمهار بول من جمار كا اورخود محى توب استغفار بہت کرواور دوسرول کو مجی توبداستغفار کرتے رہنے کا کہو....

#### بےوفائی دنیا کی فطرت ہے



وہ دیکھو جنازے اٹھ رہے ہیں.... ایک دن ہم بھی اٹھا دیئے جائیں مے ...اس جہان میں جی لگنے سے پہلے بی ایک ضرب کی کہ یہال تو مرتے بھی ہیں ... یہاں تو اٹھ جاتے بھی ہیں بڑے بڑے خوبصورت مناظر کوچھوڑ کر... بدے برے خوبصورت بیٹسو کے چھوڑ کر... بدے بالے

عالیشان بستر وں کوچھوڑ کر...مٹی کے گھروں میں بیوتے ہیں...مثی کے بستر پر لیٹتے ہیں اور مٹی کی چاور اوڑ ھرا سے بچھ جاتے ہیں جیے شع جلتے جلتے جمعتی

ہے...تو اپنا وجود بھی مٹا جاتی ہے....جیے تھی ہی کوئی نہیں کوئی آیا ہی نہ تعا

بنانے کے لئے....



#### حضرت عمربن عبدالعزيز كاايمان افروز واقعه



عید کا موقع تھا... حضرت عمر بن عبدالعزیز کے بیٹے اپنی مال سے کئے لگے ... کیٹرے لے کے دو.... بارہ میٹے تھے .... جب حضرت عمر آئے تو بیوی نے کہا بچے کیڑے مانگ رہے ہیں ... کہنے لگے میرے پاس تو بیسے کوئی نہیں....حالانکہ حضرت عمر بن عبدالعزیز کا زمانہ وہ ہے جب تین براعظموں لل من زكوة لينه والاكوئي نه بياتما....

وييالپورتك كاشغرتك ....اشنبول ...سينيگال تك جس فمخص كا حبندُا

لہرار ہاتھا.... بیاس کی بات ہے جو کہتا ہے میرے یاس تو پسینہیں .... کپڑے کہاں ہے لے کردوں؟ تو ان کی بیوی نے کہا ہم ایسا کرتے ہیں کہ مہینے کی شخواہ پیکلی لے لیتے ہیںاس سے کپڑے ی لیں مے ....روٹی کے لئے میں السارامهینه مزدوری کرتی رموں گی...

حالا نکه قاطمه بنت عبدالملك وه خاتون میں جس كی اتن عزت تھی كه تاریخ میں اس کی مثال نہیں ہے... یہ وہ خاتون ہے جس کا دادا جس کا باپ....جس کا خاونداور جس کے جار بھائی... کیے بعد دیگرے بادشاہ ہے...

سات نسبتوں ہے۔ پیاڑی ملکہ تھی ...الیی خاتون کی تاریخ میں نظیر کوئی نہیں

272 ہے ... یہ کہدی ہے میں مزدوری کرلوں گی...



## خلیفہ بننے سے پہلے کے حالات

اور حفزت عمر بن عبدالعزيز جب كورز تمي ...خليفنهين ب تح ... تو

سواونوں پران کے کیڑے آتے تھے ...ایک دفعہ جارہے تھے ...رکیثی لباس پہنا ہوا تھااور مخنوں سے ینچے تھا (جبکہ اللہ کے نبی کاعلم ہے مخنوں سے

او پر رکھو) تو ایک محص نے کہا عمر! اپنی شلوار او پر کرو.... تو جواب دیا کہ

بادشاہوں سے بات کرنے کا سلیقہ کیمو ... دوبارہ کہا تو گردن اڑ جائے گی .... اس وقت بیولید بن عبدالملک کی طرف سے گورنر تنے .... جب بیرخلیفہ بے تو

سارے نظام بی بدل کئے...

ایک مرتبهانہوں نے اپنے نو کرکوآٹھ درہم دیئے کہ جاؤ جا در لے کر آؤ....وه ك آيا... كها بهت زم ب والس كردو مجص نبيس جا ب .... وه نوكر منے لگا... كها كيول بنے مو ... كها جبآب كورنر تصاتو آب نے آ تھ سودر ہم دية اوركما تعاج ورلاؤ .... يس آخصوكي جادر لي كرآيا تو آب ني كما تعا

.... بہت سخت ہے والیس کردو.... مجھے نہیں جا ہے .... آج آ ٹھ درہم کی جا در آپ کونرم نظرآ رہی ہے....

توان کی بیوی نے کہا میں مزدوری کرلوں گی ... آپ تخواہ لے لیں ... انہوں نے اپنے فرزانچی کو بلایا... کہا بھی ہمیں تخواہ پیشکی دے دوہم نے ...





کٹر سے بنانے ہیں ... تووہ کہنے لگا آپ ایک مہینہ زندہ رہنے کی ضانت دے دیں میں آپ کو تخواہ وے دیا ہول ... تو کہنے گئے میں تو ایک دن کی بھی صانت نہیں وے سکتا ... گھر میں آئے ... ہوی نے کہا کیابات ہے؟ کہا بچوں ہے کہ دوکہ ان کا باپ آئبیں کیڑئے تبیں لے کے دے سکتا .... دوسال دو ميينے بيمشقت الحائي اوراس كارزلث كياملا....





## تبليغ كى محنت نەكرنے كا انجام

مولانا یوسف صاحب ٌفرمایا کرتے تھے اگرتم نے تبکینے کا کام چھوڑ دیا تو حومتیں تمہاری ہوں گی قانون باطل کا چلےگا....حکومتیں تمہاری ہوں گی تھم اور سكدا كريز كا حطية كا... تجارتيس تمهاري مول كي ... بييد كا فرى جيب ميس جائ گا...عز تیں تمہاری ہوں گی تھیلیں مے کوئی اور.... ملک تمہارے ہوں کے حكمران ہوں محے کوئی اور ....

اگرتم نے اینے نبی ﷺ کا حبنڈااٹھالیااوراس کے پیغام کو لے کر در در

پھر ہےتو پھر ملک کا قروں کے ہوں گے قانون تمہارا چلے گا... کمائیاں ان کی ہونگی گھراللہ تمہارا بھردے گا... ملک ان کے ہوں گے فیصلے تمہارے ہو نگے ...







شہراُن کے ہوں مے فیصلے تمہارے ہو تنگے ... جبتم نے اللہ کے دین سے بغاوت کردی تواللہ نے چوڑ ھےاور پھاروں کو ہمارے سروں پر بٹھا دیا...



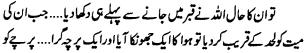
#### ونيامين جنت كابروانه

انہوں نے حضرت رجاء کو بلایا ....کہا رجاء میں نے عبدالملک کوقبر میں رکھا تو اس کا چہرہ قبل رخ سے مچر چکا تھااور رنگ کا لاسیاہ ہو چکا تھا.... مچر وليد كوقبريس ركها تويس نے اس كے كفن كى كر و كھول كر ديكھا....اس كا چېره قبلے سے بہٹ چکا تھااور رنگ سیاہ ہوچکا تھا.... پھر میں سلیمان کوقبر میں رکھا (

جو بنواميه کا خوبصورت ترين انسان تھا ) اوراس کی گر ہ کو کھولاتو اس کا چ<sub>ې</sub>ره قبلے

ے بٹ چکا تھا اور رنگ کالا سیاہ ہو چکا تھا...اب میں جارہا ہول.... مجھے

و كم لينامير بساته كيا موتاب ....



الماكرد يكما تواس يركهما بواتها...بسم الله الوحمن الوحيم....بواءة

من الله بعمر ابن عبدالعزيز من النار ... بيمر بن عبدالعزيز كي جنم س نجات کا بروانہ ہے .... بروانے کو کفن میں ڈال دیا گیا....فرماتے ہیں جب

میں نے کفن کھولا اور چہرے کود یکھا تو منہ قبلے کی طرف تھا اور یوں لگ رہاتھا

جیے چودھویں رات کے جا ند کے گلڑ بے کو کاٹ کر قبر میں رکھ دیا گیا ہو....

ميرے بنائد! جيم استعال سيمنا برتا ہے...الله تعالى كے بال





طریقه محمدی چلنا ہے...صبغة الله... کون الله کرنگ میں رنگا ہوا ہے.... کون حفزت محمد رفت کا ہے...تو یہ بلغ کی محنت اس میں رنگنے کی محنت ہے....ا س میں آینکل کراللہ کے دین کو پھیلا کیں....



#### حضرت على ﷺ كاارشادشانِ عمرﷺ ميں

جب حفرت عمر رہے تہ حصرت کی قبر کھودر ہے تھے حضرت عبداللہ بن عباس کے فرماتے ہیں میں نے محسوس کیا کہ میرے کند ھے پرکسی نے ہاتھ دکھا ہے ....
جب میں نے پیچے و یکھا تو حضرت علی کے کھڑے ہوئے تنے ادر ان کی آنکھوں سے آنسو جاری تھے اور یہ ارشاد فرمار ہے تھے: اے عمراً! مجھے پہتہ تھا کہ تواس جگہ کے سواکہیں بھی فرن نہیں ہوسکیا.... تیرے لئے بہی جگہ تھی ...

اس لئے کہ میں نے ایک وفعہ نہیں بلکہ کئی وفعہ حضور بھی ہے ان کانوں سے سنا کہ اللہ کنی وفعہ حضور بھی ابو بکرا اور عمر سے ساتھی ابو بکرا اور عمر سے ساتھی ابو بکرا اور عمر سے صحابی ابو بکرا اور عمر سے سابی ابو بکرا اور عمر سے سابی ابو بکرا اور عمر سے سابی ابو بکرا اور عمر اس میں اور میر سے صحابی ابو بکرا اور عمر اس سے سنا ....اس لئے مجھے عمر .... یہ بول میں نے بیبوں وفعہ اللہ کے نبی کھی سے سنا ....اس لئے مجھے عمر .... یہ بول میں نے بیبوں وفعہ اللہ کے نبی کھیے ۔...







يقين تھا كەاس مجكەمى تىر بے سواكوئى آئىنېيىسكتا....



#### سوآ دمیوں کے قاتل کی توبہ کا قصہ

میرے بھائو!شرک کے بعدسب سے برد اعمناہ قتل ہے... بخاری شریف کی ایک روایت ہے کہ بنی اسرائیل میں سے ایک آ دمی ننا نو بے قل ا كرچكا...اس كے بعداہے خيال آيا كه يس توبه كرلوں...اس نے كى ان پڑھے یو چھالیا...کیا میری توبہ قبول موجائے گی؟...اس نے کہا تیری توبہ 🕽 كيے تبول ہوسكتى ہے .... ننا نوتے آل كر چكا ہے ... تو توسيد معادوز خي ہے .... اس نے کہا تو سوپورے کروں ادھورا کا م تو نہ ہواورا سے بھی اڑا دیا.....اورسو

بورے کردیئے....

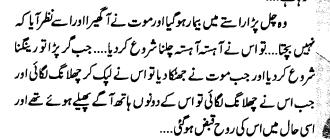
مراے خیال آیا کہ توبکروں تو کس عالم سے یو چھا کرمیری توبہول ے؟ كہابياً! كون بين ليكن ايك شرط ب كروب كى مونى جا ہے اور وب كى اس ونت ہوتی ہے جب آ دمی احما ماحول اختیار کرے...تو یہاں چونکہ 🥈 ماحول احیما ہے نہیں تو بیشہر حیور دے اور فلا البتی چلا جا وہال نیک لوگ

رہتے ہیں وہاں تیری تو بہ کی ہوجائے گی....

مہینے کے لئے چھوڑ دیں...



عورتوں کا دل چونکہ زم ہوتا ہے اس لئے ان کو تین دن میں دہ پچھ حاصل ہوجا تا ہے وہ مردوں کو تین چلے میں حاصل ہوتا ہے...ز مین زم ہوتی ہے...اس نے کہا جی میں تیار ہوں....میری توبہ قبول ہونی چاہئے....عالم نے کہا تو یہاں سے نکل جا...اس نے سامان اٹھایا اور چل دیا...اوگ ہمیں کہتے میں کہ یہ بستر اٹھا کرنکل پڑتے ہیں تو یہ بی اسرائیل ہے بستر اٹھا تا چلا



اللہ کواس کی بیادا الی پندآئی کہ اللہ نے قیامت تک کے لئے اس کہانی کوہم تک پہنچانے کے لئے دنیا میں ہی اس پر مقدمہ چلا دیا... جنت کے فرشتے بھی بھیج دیے ... دوزخ والے کہنے مارا قیدی ہے .... جنت والے کہنی مارامہمان ہے ... قوبہ کرچکا ہے .... دوزخ والے فرشتوں نے کہا توبہ پوری نہیں ہوئی .... وہاں جاتا تو ہے رہی ہوتی ہے کہ جب چل پڑا تو

278



فیصلهٔ نہیں ہور ہاتھا تو اللہ تعالی نے ایک تیسرا فرشتہ بھیجا اس نے کہا ادھر کی زمین بھی ٹاپو.... اگر گھر کے قریب ہے تو دوزخی اور اگر اس بہتی کے قریب ہے تو جنتی ہے...۔ حالانکہ گھر کا فاصلہ کم تھا اور اس بہتی کا زیادہ تھا لیکن زمین بھی اللہ کی اور جہان بھی اللہ کا ....

اوراس می فازیادہ کا یکن ریان کی انسان اور بہان کی اللہ ہے ۔.. جب ماینے گئے تو اللہ نے بہتی کی طرف والی زمین سے کہا سکڑ جا...اور گھر کے طرف والی زمین سے کہا تھیل جا.... میں گئی اور وہ سکڑ مئی...ہتی کی طرف گھٹ گئی اور گھر کی طرف بڑھ گئی....اور اللہ نے کہا میرے بندے کو جنت میں واخل کردو....

#### د لی د کھ، در د کا اظہار

میرے بھائیو!اتی بڑی تیاری کئے ہونے کے باد جودلرزاں وتر سال …کا نیتے ہوئے….تمراتے ہوئے مرگئے…. ہمارے پاس کیا ہے؟ پھر بیکسی غفلت ہے اس کو کیسے دور کیا جائے…. جھے مجھ میں نہیں آتا کہاں سے وہ الفاظ لائے جائیں جودل کے پردوں کو جا کر چریں….اوراندر جا کرسوئے ہوئے ایمان کو بیدار کریں….اپنی بے بی نظر آتی ہے….



#### دنیا کا دھوکہ



میرے بھائیو!اللہ تعالیٰ نے دنیا کی حیثیت اتنی رکھی ہے کہ یہ مچھر کا پر بھی نہیں...اگر ہوتی تو کا فرکو گھونٹ نہ ملتا....اور حقیقت بیہ بتائی کہ اگرتم پکے رہتے تو میں تہمیں دنیا میں پکھے نہ دیتا اور کا فر کے گھرسو نے اور چاندی کے.... جسم لوہے کے .... نہ بوڑھے ہوتے نہ بیار ہوتے....صرف موت آتی اور پکھ ہوتا....



اس كانتيجه كيابتايا...

...والاخرة عندربك للمتقين...

اور بیسارے کا سارا دنیا میں چا ردن کا کھیل تماشا تھا.... پھراصل انجام تو میرے پاس تقوے والوں کا ہے ....اب دنیا کا بنانے والا ہمیں اس کی قیت بتارہا....



...وماا لحيوة الدنيا الامتاع الغرور...

کہا بیساری دنیاایک دھوکہ ہے آوردھوکہ کے کہتے ہیں؟ ہونداورنظر آئے...اس کودھوکہ کہتے ہیں...آپ کو دنیا کی خوبصورتی نظر آرہی ہے.... اللہ تعالیٰ کہتا ہے بیدھوکہ ہے حقیقت نہیں...آپ کو جوانی نظر آرہی ہے...

Affice.

280

الله تعالیٰ کہتا ہے بیہ دھوکہ ہے....آپ کوخوبصورت وادیاں نظر آرہی ....اللہ

تعالی کہتاہے بید حوکہ ہے...

برى برى بلاتكس نظراً ربى بين ....

حکومت نظرآ رہی ہے....طاقت نظرآ رہی ہے....

دولت نظرآ رہی ہے...عزت نظرآ رہی ہے....

ذلت نظرآ رہی ہے .... بدصورتی نظرآ رہی ہے ....

پریشانی نظرآ رہی ہے....

جوبھی شکل ہے ... حسن کے نقثے ہوں ....

برصورتی کے نقشے ہول...عزت کی چوٹی ہویا ذلت کی پہتی ہو....

الله تعالی کہتا ہے بیتمہاری نظر کا دھو کہ ہے اور پچھ بھی نہیں ہے...

...دارا لغرور ... وهو کے کا گھر...

...متاع الغرور ... رهو کے کا سامان ...

...جناح بعوض... مچمرکایر ب...

تواللہ نے اس دنیا کوتین خطاب دیئے ہیں ... دھوکے کا گھر... مچھر کا آگھ

پرادر مکڑی کا جالا....اگر کوئی آ دمی مچھر کے پروں سے جھولی بھر لے....تو " آپ کیا کہیں گے؟ کہ بڑا خوش نصیب ہے بھٹی دیکھوکتنا مال لے کے جار ہا

ہے.... بلکہ یہ کہیں گے کہ بیا تنا پاگل ہے .... کہ مچھروں سے جمولی بجر کے

لے جارہا ہے...

**(4.1)** 

281



## فضائل وكمالات عمرهه

حفرت عمر ہو وہ فخصیت ہیں جن کے طفیل بائیس لا کھ مر لع میل میں اسلام پھیلا....اور وہ فخص ہے جس کے بارے میں آپ میں نے فر مایا:عمر جس راستے سے گزرتا ہے شیطان وہ راستہ بدل جاتا ہے....اور وہ فخصیت ہیں جن کے بارے میں حضور میں نے میدان عرفات میں فر مایا سوالا کھ کا مجمع

ہے.... صحابہ کرام کے موجود ہیں آپ ﷺ نے فرمایا: اللہ تعالی میرے تمام صحابہ کے پرفخر فرمارہے ہیں اور عمر کے پرخاص طور پرفخر کیا جارہا ہے....

یہ وہ آ دمی ہے جس پر اللہ فخر فرماتے ہیں...جس پر اللہ کوفخر ہے وہ شخصیت.... بقو کتنا ہڑا مقام کہ آپ دھا نے فرمایا: میرے بعدا گر کوئی نبی ہوتا تو عمر ہے ہوتا ... میر سے دوزیرز مین میں اور دوزیر آسان میں ہیں .... ابو بکرو عمر رضی اللہ عنہم میر سے دنیا کے وزیر ہیں اور جبریل و میکا ئیل میر سے آسان کے وزیر ہیں ....

اورآپ ﷺ نے ایک ہاتھ ابو بکر ہادرایک ہاتھ عمرے کا پکڑااور فر مایا میں اور ابو بکر وعمرے قیامت کے دن اس طرح استھے کھڑے ہول کے کہ میرے دائیس طرف ابو بکڑنے گے گا اور بائیس طرف عمرہ نکلے گا....

كتنى بشارتيس ميس نے آپ كوسنا ديں...اور بائيس لا كھمر لع ميل كا















اسلام لا کھوں انسان جس کی برکت سے مسلمان ہوئے ....اسلام کوان کی برکت سے مسلمان ہوئے ....اسلام کوان کی برکت سے وت ہے گئے نے ما تک کرلیا.... مااللہ! مجھے عمر وے وے ....

# فرانس ميں اسلام كى مقبوليت

1982ء میں ... میں پہلی دفعہ الکلینڈ کیا تھا... تو اس دفت ایک بابا اللہ بخش ہوتا تھا... بر تکھم میں ... دوہ جھ سے کہنے لگا: بینا ہم سے بیہ گور سے کہتے تھا: بینا ہم سے بیہ گور سے کہتے تھا۔ بہتی ہوتے تھے اس ہماری ہے ... تو ہم دیکھ رہے تھے کہ ہمارے جتاز نے نہیں ہوتے تھے ... بسل ہماری ہے بین کہ مرد سے تھے کہ ہمارے جتاز نے نہیں ہوتے تھے ... بیکن چرچ میں جا کر عیسائیوں کی رسم پر دفن کردیتے تھے ... ایک دور تھا ... لیکن میں جا کر عیسائیوں کی رسم پر دفن کردیتے تھے ... ایک دور تھا ... لیکن میں کہ ہماری ہوجائے گی ... انشاء اللہ نسل بھی ہماری ہوجائے گی ... انشاء اللہ نسل بھی ہماری ہے ... بین کہ ہماری ہوجائے گی ... انشاء اللہ

سن بی ہاری ہے ... ہمہاری س بی ہماری ہوجائے ں ... اصاواللہ الجمالیہ ہماری ہے ... ہماری ہوجائے ں ... اصاواللہ الدی اللہ ہمی ایک جماعت عرب ہول کے ہے ... ادھر غلام محمد آباد تھیں ۔.. کل ایک عرب مجھ سے ملئے آیا تھا... کہا: ہمارے ساتھ نومسلم فرانسیں ہیں ... اوراس وقت فرانس میں بہت تیزی سے اسلام مجیل رہا ہے ... تو اس تیلئے کے کام نے دعویٰ بدل دیا ... وہ کہتے تھے آگلی نسل ہماری ہے ... اللہ نے دکھا دیا سرنس محالیا ہم ہمیں اللہ نے دکھا دیا ہمیں میں میں ہمیں اللہ نے دکھا دیا ہمیں اللہ ہمیں ا

283

كنبيس الكل نسل تمهاري ممي اسلام ميس آنے والى ہے ....

# ہزاروں سال بعد بھی کیٹی النکیلی کاجسم سالم رہا



ميرے بھائيو!لوٹ جاؤ كوئى اڑھائى ہزارسال پیچھے.... يې فلسطين كى زمین ہے جہاں آج بھی مسلمان کا خون بہدر ہاہے...اس فلسطین کی دھرتی نے دیکھا اورای کے بوڑ ھے آسان نے دیکھا کہاس کی الظیین کو یہود کے معور دربار میں اس طرح لٹا کے ذرئ کردیا گیا جیسے بکرے کوچھری سے ذرخ کردیا

أكربيدونيا بدل كى جكه موتى تو يجىٰ بديون باتهد ندا ممتا....ا من والا ہاتھ کاٹ دیا جاتا.... میڑھی آنکھ نکال دی جاتی.... بری تدبیر کرنے والوں کو صفحہ ستی ہے مناویا جاتا...لیکن آسان بھی تھار ہا...زمین بھی رکی رہی .... فرشية بھي اپني جكه ساكن رہے...اور الله تعالى بھي سيمظرخود ويكمار ہاكماس کے اتنے بڑے پیغبرکو بڑے بدمعاش کا فروں نے لٹا کے ذبح کردیا....

ولید بن عبدالملک نے مسجد بنائی جوآج بھی کھڑی ہے ....اس کا مینار ے جس برعیسیٰ الطبی الرنے والے ہیں ... کب اترنے والے ہیں؟ بداللہ بہتر جانتا ہے...اس مجد کی کعدائی جب کی گئی بنیادیں مجرنے کیلے...تواس میں سے صندوق لکلا...صندوق جب کھولا گیا...تواس میں ایک سرر کھا ہوا تھا..نو جوان...کالی ڈاڑھی... چمکتا چرہ اور گردن سے خون فیک رہا ہے.... اوراو پر لکھا ہوا ہے ' بیجیٰ بن زکریا''





284



### همرابی کاسامان ہمیں گمراہ نہ کرسکا

1994ء میں الگلینڈ میں اجماع تھا... تو میں رات کو فارغ ہو کر باہر لكلا... بوايك نوجوان لركام مجرات كاپېره د بر با تھا... بريدنور ذ كاتھا... بھوڑا ساتعارف ہواتو وہ بڑا خوش ہوکر کہنے لگا: مجھے تو آپ سے ملنے کا برا شوق تما... ميس نے كها: ادهركيمي؟ كينے لكا: ميس نے تين دن لكائے تتے .... الله نے میری ساری زندگی بدل دی....

تواس نے بات کی بری خوبصورت جو مجھے آج تک یاد ہے ... کہا: جی ان کے یاس ہمیں مراہ کرنے کے لئے اور نہیں ہے .... جو پھھان کے یاس ہے... مراہی کے جتنے سامان ہیں...اسباب ہیں...فاشی کے...عریانی ک ... بے بردگ کے .... ورت مرد کے ملاب کے بیر 'Peak' ہے .... اس سے آ مے اور ہے کھیس ....

ہم اس میں سے توب کرکے باہر آرہے ہیں...ادراب کوئی شکل نہیں ہان کے پاس ہمیں ممراہ کرنے کے لئے اور ہم اللہ کے فضل سےاسے ٹھوکر مارکرآ رہے ہیں...اوربصیرت کے ساتھ آ رہے ہیں...کدوہ باطل ہےاوریہ 🅊

حق ہے...وہاں کچونیس... یہاں سب کچھہے...

اگر ہم تھوڑی می ہمت کریں محیو زند گیوں میں پلٹا آنے والا ہے... کونکہ فیصلے آسان پر ہوتے ہیں...زمین والوں کے اختیار میں نہیں ہے...

### پیرمل لگانے والے کا واقعہ



ایک بڑے مالدارآ دمی .... بڑالمباچوڑاوسنے کاروبار .... میرے دوست ہیں .... تبلیغ میں بھی وقت دیتے ہیں خاصا .... یہ بلیغ والوں کا حال ہے تو باتی لوگوں کا کیا حال ہوگا ؟ایک مجلمہ مجھے لئے ....دہ پیرِس نگارے تے ....



میں نے کہا: کیے تشریف لائے؟

کها: یهال پیپرل لگار با مول....

تومیں نے کہا: آپ پھر بینک سے بیبے لیں ہے؟

کہے لگا: کہ پیمہ سارامیراذاتی ہے....

تو میں نے کہا: یہ بتا کو پچیلا جوتمہارا سلسلہ ہے وہ حساب کتاب دیے کے لئے کافی نہیں کہ ایک مل اور لگا رہے ہو؟ اتنا حساب کتاب دے کے تمہاری جان چھوٹ جائے .... یہی بہت ہے .... ایک مل اور کیوں لگارہے ہو؟ انہوں نے کہا: آپ سے کیا چھیا وَں؟ گزارہ ہی نہیں ہوتا ....



ریتو دیندارلوگوں کا حال ہے ... تو جن کی زندگیوں میں دین نہیں .... ان کا کیا حال ہوگا؟ برکت اڑی ہوئی ہے ... تو الله برکتوں کے درواز ہے کھولےگا... ہاں! چین ... امن سکون کی زندگی آ جائے گی ....



286



## صحابی رسول ستم کے دربار میں

میرے بھائیو! ایک محابی رستم کے دربا ریس ٹاٹ کے کپڑے اور چیتھڑوں میں لیٹی ہوئی آلوار لے کرآئے...جی کہ پاؤں میں ری والی جوتی ہے ....جس پر ٹاٹ کا کپڑا.... آلوار کو ری سے باندھا ہوا .... کمزور مریل محوراً.... مریسوف کا گپڑا.... اس عالم میں عالم اسلام کا سفیر جارہا ہے .... اور دنیا کی سب سے بڑی طاقت کے دربار میں جارہا ہے....



ہم نے معیاری گاڑیوں کو بنالیا ہے.... چیزوں اور مکانوں کو بنایا ہے.... چیزوں اور مکانوں کو بنایا ہے.... یہاں معیارالله اوراس کے رسول سلی الله علیہ وسلم کی محبت اور ہے... در با رہیں آتے ہیں.... پوری شان کے ساتھ گھوڑ ہے سمیت اور گھوڑ ہے کی لگام کو پکڑا اورا کی زریفت کا تکیہ اس کی جوڈوری تھی .... اس کو نیز ہے ہیں اڑا کرا پی طرف کھینچا اور لگام کوڈوری ہے با ندھ دیا.... ڈیڑھ لاکھ کا مجمع ہے...۔ چاروں طرف یہ سارا منظر دیکھا جارہ باہے....

رستم برداذین انسان تعا...غور سے بیسارا تماشدد کیور ہاتھا... تو نیزہ اٹھایا اور یوں زور سے ان کے قالین میں سوراخ کیا اور اس کے سہارے ایک قدم آگے بڑھایا تو دوسرے قالین میں سوراخ کیا.... پھر قدم آگے بڑھایا....

~(1)(E)>

اس کے قریب کھڑے ہو گئے اور قالین میں زور سے سوراخ کر کے اے اٹھا

کرادهر پینک دیااورز مین پربیٹھ گئے....

رستم نے مترجم سے کہا: اس سے کہوتم نے ہمارے اکرام کو کیوں محکرایا؟ ہم نے تہاراا کرام کیا تھا...انہوں نے کہا: مسلمان لذتوں سے دور رہتا ہے... ہمیں اللّٰد کا فرش کا فی ہے... یہی چیزیں تہاری غلامی کا سبب بنی میں... جنہیں آج ہم عزت سجھ رہے ہیں....انہوں نے کہا: کس لئے آئے ہو؟ کہا:....



...ان الله ابتعثنا... ہم آئے نہیں ہمیں اللہ نے بھیجا ہے....

خود نہیں آئے...اللہ نے بھیجاہے....

جھیج ہوئے ہیں...گھروں سے نکالے ہوئے ہیں....

...خيو امة اخرجت للناس...

تم بہترین امت ہونکالے گئے ہوگھروں سے....

...تتمون سبعين امه انتم خيرها واكمها على الله...

آپ نے فرمایا:تم سب سے او کچی امت ہو...تم سب سے بہتر ہو.... فن

تم سب سے افضل ہو.... کیوں؟....



تمهيں الله نے گھروں سے نكالا ہے... بيوى بچوں سے نكالا ہے...

کاروبارے نکالا ہے...کیا کرتے ہو؟ میری طرف بلاتے ہو....





اور بي مجلى كہتے ہيں...

...ان الله ابتعثنا...

ہم آئے نہیں ہمیں اللہ نے بھیجا ہے... کیا کرو؟...

...لتخرج العباد من عبادة العباد الى عبادة رب العباد

كەلوگول كوغلط يقين سے نكال كراورلوگول كى بندگى سے نكال كرايك

الله كے سامنے جھكاديں....يہ مارا كام ہے...

... ومن جور الاديان الى عدل الاسلام ...

سارے نداہب کے باطل کے ظلموں سے نکال کراسلام کے عدل پر لة كين ....اسلام كے عدل ميں وہ طاقت ہے كہ سارى ونياكى طاقتيں اس

كامقابله نبين كرسكتين....

... ومن ضيق الدنيا الى سعتها ...

د نیا کی تنکیوں سے نکال کر دنیا کی وسعتوں میں ڈال دیں.... یہ ہمار

كام بي ...قيامت تك بات كوداضح كيا....





#### بكرى كابچه • • اصحابه كے لئے كافی ہوگيا



حفرت جابر کہ کہتے ہیں میں نے دیکھا کہ حضور صلی اللہ علیہ وسلم کو بھوک کے آثار تھے ... میں بیوی کے پاس گیا... تیرے پاس چھ ہے؟ کہنے کلی: ایک بیری کا بچہ ہے ... میں فیوٹ سے بھوٹی بیں ... میں نے کہا: اس کو پیسو اور بیچکوکا ٹو ذریح کرو... میں حضور کے کہا تا ہوں ....

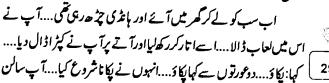


میں نے کہا: یا رسول اللہ ﷺ! آپ اور آپ کے ساتھ چودہ آدی ہوجائیں .... پندرہ آدمیوں کی میں نے روثی پکائی ہے.... آپ آک کھالیں....

آپ نے کہا: بھئی خندق والو! یہ جابر نے تمہاری وعوت کی ہے.... خندق والے ایک ہزار....انہوں نے کہا: میر بو پاؤں اکھڑ گئے .... ہیں نے کہا: مارا گیا.... پندرہ کو کھلاؤں یا ایک ہزار کو؟ ہیں جب پیچیے بھاگا تو حضور ﷺ نے فرمایا: ارے میاں سنو! ہانڈی کومت اتار تا جب تک ہیں نہ



آ ۇل....



تقتیم کردہے ہیں....روئی تقتیم کردہے ہیں....سال تقتیم کردہے ہیں.... روئی تقتیم کردہے ہیں....

ایک بحری کا بچه اس میں دوسر .... تمن سیر گوشت کلے گا.... جدی کہتے بیں چھوٹے سے بچے کواور ایک صاع (پونے تین سیر) بو دس پندرہ بیس آدی کھالیتے بیں .... ایک ہزار آدمیوں نے پیٹ بحر کر کھانا کھایا....روٹیاں بھی بردی تھیں .... سالن بھی بڑا تھااور ہڈیاں دسترخوان پرسامنے بڑی تھی ....

آپ انہوں نے بڑیوں کوجع کرد ... انہوں نے بڑیوں کوجع

کر کے آپ کے سامنے رکھ دیا...آپ کے نے ہاتھ اٹھائے دعا فرمائی.... ہٹریاں کری کا بچہ بن کے کھڑا ہوگیا...آپ کے نے مایا: یہ لے جا... تو بکری مجمی کمر میں...آٹا بھی کمر میں ...سالن بھی گھر میں اور ہزار آ دی روثی کھا

مجمی کمر میں...ا تا جمی کمر میں ...سائن می نفر میں اور ہرارا دی روں م عملے...بتا والی پر کتیں مجمعی ہو سکتی ہیں؟

اورالله تعالی فرماتے ہیں...

"اني اذا اطعت رضيت واذا رضيت باركت وليس

لبركتي نهاية"

جبتم میری اطاعت کرتے ہوتو میں دامنی ہوجاتا ہول.... جب میں رامنی ہوتا مول تو مرکتون کے دروازے کھولاً ہول...ادرمیری برکتوں کی کوئی انتہائیں....



#### باب کے لام کے نے بیتے کوموت کا نوالہ بنادیا



كتنابراايك نيورومرجن تعاكرا في كا...اس كے ياس ايك مخص آيا... الساليات الكيرند مواج كارى كا ... الك نوجوان كوافها كے لے آيا م ... برائے مہرمانی اس کوچل کر دیکھ لیں....اس نے کہا پہلے میری فیس ر کھو پھر میں جاؤں گا... کہا جی ﷺ اُو اُزرر ہاتھا میرے یاس پیسے کوئی نہیں ين ....آپ برائے مهر مانی مطر چين .... من بعد مين فيس دے دوں كا .... كها نہیں پہلے میری فیس کا انتظام کرو.... پھر میں جاؤں گا...اس بحرار پر بات ہوتی رہی...

آخراس نے کہا مریب بن گاڑی کی جائی آپ کی ہے ... جب میں آپ کوفیس دے دول ؟ ... پرآپ جھے گاڑی کی جانی دیتا....اس شرط پروو واكر جلا... جب اسر يري منيات يفاايناي اكلوتا بينا ترب الما ... ايناي لال تؤب تؤب كے جان د\_ كيا....

آئے ہائے! او تیری دولت کس کے لئے تھی ... ای کے لئے تھی؟ آج ترى آئلمول كرمامة الحد كما ... مركما ... مراي ميا ميدو أمرول كوييام و عليا ب كدو اكثرى كرنى بولا في ندر ا ...



## كرور مجهليون كي خوراك ايك بچهل نكل مي

میرے بھائی اللہ کی مان کر چلنے والے کامیاب ....اللہ کے فرانوں میں کی نہیں ہے ...سلیمان علیہ السلام ایک ون کہنے گئے: یا اللہ اہمی تیری گلوق کی دھوت کرنا چاہتا ہوں .... جھے اجازت دو.... تو اللہ تعالی نے ارشاد فرمایا: سلیمان ایہ تیرے بس کا کام نیس ... بے صرف تیرے رب کا کام



توسلیمان علیدالسلام نے جنات کو تھم دیا ....سارے برو دری تلوق موٹی ...کها: پکاؤ بھی ...اب کینے شروع موسکے ....دیکس چر مسکس .... جانور ذرع مورہے ہیں .... جن بھی پکارہے ہیں .... انسان بھی پکارہے ہیں .... دسترخوان بچھایا جارہا ہے ...ا تالمباچوڑا دسترخوان بچھایا کدا جی طرف سے

مطمئن ہومے کداب میں نے ساری ملوق کی روثی تیار کردی ہے .... کہنے



ككي: ياالله! كمانا تيارب ... بمج ... كمنه لكي: كس ومجيول؟ زين والول كويا يانى والول كو؟ تو كمني ككي يهل يانى والول كو بين د سي .... پر زين وال 🕮 بعدیں کمالیں ہے...



اوردوروالےمهمان ملے کمالیں ... بزد یک والے بعد میں کمالیں مے ادردوروالے پہلے آ جا ک ... پیدیس دموتوں میں ہوتا ہے دوروالے مہمان پہلے تعریف ہے کی ....مقامی بعد میں کمالیں ... تو کہنے گلے: مقامی بعد میں کھلادوں گا.... بیرون کے مہمان پہلے بھگٹا لوں.... تو ایک مجھل ایسے باہر نكلى...اس نے كها: سليمان عليه السلام آج جهارى دموت ہے... كہنے مكا: ہاں! مرف تمہاری نہیں سب کی ہے...کہا: پہلے مجمع بھکا لو... توایک طرف سے شروع ہوئی بڑپ ہڑپ ہڑپ سارا دسترخوان اعدر برتنوں سمیت.... سلیمان الطفی ایسے کمرے انگشت بدعمال ہیں....وو کہنے گی: اور لاسية اور لاسية ....و و كمن كله: سب كا كما كي اوركهان سه لا دُن؟ تووه كمن كل : مهمان كوكو كى طعنه ديئ جات جي .... زياده كمان ك .... كمن كل : سلمان ایہ تیرا کام نیس ہے ... یہ تیرے رب کا بی کام ہے... آج تیری وموت جميم مبكى يرسى ... آج من بموكى ربول كى ... مير االله روزانه ايسے تين

294 سے پیٹ کوئیل مجرے گاجوالی تلون کو کھار ہاہو؟

لقے مجھے کھلاتا ہے.... تین لقے روزانہ مجھے کھلاتا ہے.... پیرمیرے چھوٹے



## تكبرنے محدث كوعيسائى بناديا

ابوعبدالله جيسي فخصيت محدث مفسر .... محرول جس عيسائول كي حقارت آئی... بیکیے بے وقوف لوگ ہیں... پھروں کی پوجا کرتے ہیں.... آواز آئی تو کیا سجمتا ہے تیرا ایمان تیری اپنی طاقت سے ہے؟ ایک لڑک گھڑا بعرنة كى يانى كا .... سياس كودل و يبيش ....

ج پر جارے تھے... تین سومر بدوں کا قافلہ جار ہا تھا.... اب مرید كہيں معزت چلو! كہيںتم چلو! كيا ہوا؟ كہا: بس ميرادل مميا.... فج كوجاتا ہوا

قا فلدوه امير قا فله .... قا فلدروتا دهوتا بغدادلونا ....

یا ال وکی کے مرکز کئے گئے .... مجھ سے شادی کرد...اس کے باپ نے كها: عيسائي موجاؤ.... دے ديتا مول....عيسائي موصح .... كها ايك سال سور چاؤ .... پراو کی دول گا... کهاجی مظور ب ... سور چات پری سے جسعصا ے میک لگا کر خطبہ پڑھتے تھے...اس سے سور چرارہے ہیں... ہوا کیا

عيسائيون كوحقير تمجما....

جوسلمان كوحقير مجميل كمتح بي جوكس تبليغ مِس بوڑھا ہو كميا پجراس كو حقیر سمجمیں....آپ خودسوچو بھائیو! سارا دن تو کی دوکان....ساری زیم گی تو انجینئر تک سیمی...ساری زیم کی تو تجارت سیمی...ساری زیمرگی زراعت





میکی ...ساری زعری داکتری کیمی ... دل و ماغ تو دیاان کو ... بیلیغ کود باسدوز و ........ از هان که میند ... و استران کار با ب ....

رائز فر من بین گئے .... زعر گی ساری دے دی ... جن کی اللہ تربیت کر ہے...

ان پرکام مکشف فرماتا قا ... ہمارے پاس تو محت کا معیار کوئی نیس ... ہم یہ کے دعوے کرتے ہیں کہ ہم لوگوں کوکام مجمارے ہیں ...

یے دوے رہے ہیں نہ مونوں اوقام جمارہے ہیں... ایک سال کے بعد ابو برشیل آئے.... حال معلوم کرنے.... ایک سال

گزرگیا... بان دیکماخزیرون کوچارہ ہیں....اورجس عصامے فیک لگا کے خطبردیتے تے ....اس پر کمڑے ہیں....اللہ کواپنے بندوں سے بدایار ہے...ایسے کی کو تقیر مجھ لینا...قرانہوں نے سلام کیا...انہوں نے چیکے سے

جواب ديا:

کئے گگے: کیا حال ہے؟ کھا جود کھےرہے ہو....

كمن ككي: آپ وقرآن ك حافظ تع ... كونى آيت يادب؟

كمن كلي: ايك آيت يادب باق سب بعول مي ....

کها:کونی؟

جوایمان چھوڑ کے گفرخرید بیٹھا بہت بڑا گمراہ ہو گیا.... تو پھر ہو چھا: آپ تو حافظ الحدیث تھے...کوئی حدیث یا دے؟

کیے گئے: ایک حدیث یاد ہے ہاتی سب بحول میا...









کها:ووکون ک؟

كها: جواسلام چور دے اسے لكرديا جائے...

تو انہوں نے بوچھا: آپ کے ساتھ کیا ہوا؟ تو انہوں نے سایا...

مرے ساتھ ریہوا ... پھراس کے بعدروئے ... اللہ کے سامنے ... اتنا قریب

كركا تنا تو مجمعه دوركرد بـ كا... مجمعه اس كى تو قع مجمى نەتقى... بس دور دونا الله كو پهندآ گيا... الله نے دو بار وايمان كھول ديا.... جب بيا بو بكرواليس پنجي تو

ان سے پہلے دو وہاں پہنچ ہوئے تھے ...دریا د جلہ میں نہارے ہیں...ادر ان سے پہلے دو وہاں پہنچ ہوئے تھے ....دریا د جلہ میں نہارے ہیں ....ادر

ن کے ہے۔ مسلم کی ہوں کہا:ابو پکر!اللہ نے مجھے میراایمان واپس کردیا ہے ...عیسائیوں کو تقیر سمجھنے پر

اتى بۇي تىمبية كى....

ہم ایک قو مسلمان کو تقریحے ہیں... پھراپنے ساتھیوں کو تقریجے ہیں جن کی عمرین کھپ گئیں ان کو کام سکھانے کے چکر میں پڑ گئے... جمھے تواس جملے ہے ڈرگنا ہے .... کھاؤ ... کتنا دعویٰ ہے کہ ہم سیکھے ہوئے ہیں؟ کون میہ دعویٰ کرتا ہے کہ ہم سیکھے ہوئے ہیں؟ کون میہ دعویٰ کرتا ہے کہ ہم سیکھے ہوئے ہیں؟ کون میہ دعویٰ کرتا ہے کہ ہمیں میآتا ہے ....

توچوتھانمبراخلاق مشکل ترین Chapter ہے اسلام کا....وہ تعور کی سی محنت سے نہیں آتا....ای لئے تو اللہ کے نبی شے نے فرمایا: ساری زعر گی سے ساری شب کے بیداراورساری زعر کی کے سارے دنوں کے روزے وار

ي يدامقام إ يحافلان والككا...

#### ایک سال کے روزوں پر ایک حدیث سناؤں گا

اعمل ایک بہت بڑے محدث ہیں....سلیمان نام ہے....اعمش .... ان كى أكلمين اليحمين ... چندميائى آكلمين ....اساعمش كمتم بين ....و وہ نماز کے بعد پڑھتے...

"شهد الله اله الاحو والملتكة واولوالعلم فآنما بالقسط لا اله هو العزيز الحكيم"

ایک فخص نے ان کو سنا پڑھتے ہوئے.... تاجر تنے.... کہیں ہے آئے تے مال تجارت لے کر .... ثام میں دمثق میں....وہ کہنے لگے: یا حضرت! آپ يه جو پڙھتے ہيں کوئي سندتو ہوگي؟ يہ تو بہت بڑے محدث تے .... كئے كك حديث ان كومعلوم مو يكل .... حديث يمل كرنا عاسة بين .... كن كله: مال سندب... كها: في مجمع بتا دو....

کہنے گلے ایک سال روزے رکھ پھر ہنادوں گا....ایک سال روزے ر کھو پھریتا دَں گا... بَوْ انہوں نے اپنا سارا سامان اونے یونے بیچا اور جو قافلہ واپس جار ہا تھاان کے حوالے کیا...کہا جا کرمیرے گھریش دے دیتا... بیس ایک سال بعد آؤل گا...ایک سال روزے رکے ... مرف ایک سند کومعلوم كرنے كے لئے .... تو بھائى اليے علم كے ذوق بھی فتم ہو گئے .... تيكمنا سكھانا

علماء کے یاس جانا....



#### الله كي غيبي طاقت

میرے بھائیو!اللہ کا ننات کے اور ہمارے ذرہ ذرہ پر قابض ہے....

الله كاجاري كردن يرتبعنه...

آتمول پر قبضه....

ول يرتعنه....

وماغ پرقیعنه....

بالون يرقبعنه....

خون کے ایک ایک قطرے برقبعنہ

اورايك ايك رك يرتبند ....

اس جم کی ایک ایک بوئی ... نہیں! بوئی کے ہر ذرے پراس کا قبضہ

ہے...ذری و نظر میں آتے...ان کے اعرد وڑنے والے دہ جرافیم جوکسی ممی ائیکروشید سے نظر نہیں آتے اللدان برہمی بوری طرح قابض بسب

بورى طرح مالك بيس بورى طرح مقتدر بيس

تووه الله بنبس كرسكاكم سبكوسيدها كردے؟ موجا كرسيد مع ....

جونمی نظرنے غلط دیکھا وہ بمیں تھیٹر مارا کہ آگھ نکل کے وہ گئی...جونمی کا نوں نے گانا سنا وہیں تیر آیا اللہ کا اور کا نول سے پار موکر نکل کمیا....چھوڑ و بے آو!









شيطاني كانے ستا ہے...

جونى باتھ سے قلم ہونے لگا... تو ہاتھ شل ہو كيا ....

يا دُل شل مو گيا....

يا دَل غلط محفل كوا مُعا.... يا وَل شل مو كميا....

حہوت زنا کو چلی ... تو اللہ یاک نے زمین برگرا کے بچھاڑ کے دکما ديا....كيا الله كوقدرت جيس ہے؟....زبان جموث بولے تو فالح كرا و بے....

ہاتھ غلط تو التو ہاتھ شل كر كے دكھا دے.... بورى طرح قا در ہے....

دوعرب سردارآئے ....ایک نے کہا: میں اللہ کے رسول سے بات

كرول كا توقل كردينا....(آپس ميس)ايك نے باتوں ميں لگايا اور دوسرے نے تکواریہ ہاتھ رکھا.... نکالنے کے لئے ہاتھ رکھا.... وہیں شل ہوگیا.... وہ بٹانا

چاہے.... ہتما بی نہیں .... و سمجما کہ ہاتھ کی طاقت میری اپنی ہے....

حفرت ابراہیم علیہ السلام کی بوی کو پکڑ لیا...سارہ کوشاہ ما لکنے اور

اس سے زیادتی کرنے لگا... تو اللہ تعالی نے اہراہیم علیہ السلام کوتیلی کے لئے

كوكبيل ان كوشك ندير ب سارامنظرا براهيم عليدالسلام كرسامن كحول ك

دكماديا...ايراجيم عليه السلام ايني آكمول سدد كمرب بين ....وويون باتحد برهاتا ہے تو ہاتھشل ہو کے یعج گرجاتا .... پھروہ ہاتھ برهاتا تو ہاتھشل

300 موکے نیچ گرجا تا .... سارے زانوں کواللہ نیس روک سکا؟









### الله كاحكامات كونا فذكرنے كى بركتيں

میرے بھائیہ! نماز زعرہ کرو...مجدوں میں آجاؤ....اللہ کے واسطے میرے بھائیہ! نماز زعرہ کرو....مجدوں میں آجاؤ....اللہ کے واسطے مجدوں میں آ کی ....اللہ کم پڑ محکیں اور مضرور کم بڑیں گئیں ....اللہ کم اللہ کے گا۔...اللہ کم اللہ کے گا۔...اللہ کے مائیس ....اللہ کے مائیس .....اللہ کے مائیس ....اللہ کے مائیس ....

شاہ عبدالعزیز نے سارے عرب میں چوری کوختم کردیا اور سارے کے چوروں کی گرونیں کاٹ کران کے جسموں کوسولیوں پر لفکا دیا چوکوں میں .... ان کی لاشیں لفکادیں مدینے میں ....ریاض میں .... کے میں .... ہر طرف ان کی لاشیں لفکادیں ....سارے عرب میں ایک پائی کا چور ندر ہا....

ایک سعودی کہنے لگا کہ سلطان عبدالعزیز کے میں آتا ہے اور بیت اللہ کی دیوار کے میں آتا ہے اور بیت اللہ کی دیوار کے ساتھ کی دیوار کے ساتھ کی دیوار کو ساتھ کی دیوار ہوتی ہے اور رور ہا اور روہا ....روئے جارہا ہے .... کہنے لگا: میراجم استاد تھا جن سے میں نے قرآن مجید پڑھا....انہوں نے ہی عبدالعزیز کو

قرآن پر مایاتها...ا یک دن می نے اپنے استاد سے کہا: استاد تی ایرسلطان

كيول روتا ہے؟

كمن كلى: آؤ حميس اى سے يو چوكر بتا ديتا موں ... جمعے لے كر پط محے.... کہا چونکہ استادیتے ان کا بڑا احرّ ام کیا .... تو کہا: سلطان یہ بچہ میرا 

روتے دیج ہیں... شام کوآتے ہیں توروتے دیج ہیں... تواس نے روکری کہا: اس نے کہا! میں نے سب کو چوری ہے تو منع كرويا .... امن تو قائم موكيا.... اب انهين روثي كهال سے كھلاؤل .... تو الله



كسامنة كردور بابول .... كه بادشاه! تيراحكم تويس ني يورا كرديا اورروني كبال سے كھلاؤل؟ نديهال كوئى غله موتا ہے... نديهال كوئى تجارت ہے...روٹی کہاں سے کھلائیں ہے؟

الله کے لئے قربانی دی اور روروکر اللہ سے مانگا...اللہ نے بھا کر کھلانا شروع کیا....سات سمندر یارے قلوق آئی اوران کی زمین سے چھے تیل کے وہ نکالے...اللہ تعالی نے کہا کہ آج وہ اپنے مال سے خود پریشان ہیں کہ اب اس مال كاكياكريس...اس مال كوكبال لكائين؟



اس ایک عکم کوزندہ کرنے کی برکت ہے.... جب حرام چپوڑ ااور د ل کو بمى حرام سے بيايا تو الله تعالى نے بھا كے كھلايا... بغير محنت كے... بغير



و تعارت کے ... بغیر کاروبار کے ... بغیر کی کوشش کے ... اب می کوئی اگر یہ کے کہ کما ئیں مے نہیں تو کھا ئیں مے کہاں ہے؟ جادا جائے دیکموم ہوں کو



#### جو تیرارب ہے وہی میرانجی رب ہے

بہلول سے ہارون الرشید کئے گئے.... نیک بادشاہ تھے.... تمن براعظم کے بادشاہ سے بہلول المتمار آقر ضہ ہے کوئی اتار دوں کا فرائد ہے اپنا تو اتار لے ... کہا: جو بیا اتار لے ... کہا: جو بیا کا اس بادشاہ پر کیا قرضہ ... کہا: جو لوگوں برطام کر کے تو نے فرائے میں اکٹھا کیا ... سارا قرضہ بی تو ہے ... والی کی کرجن کاظم سے اکٹھا کیا ہے .... والی کی کرجن کاظم سے اکٹھا کیا ہے ....

تو دو بے چارہ شرمندہ ہوا... کہنے لگا: چلوا چھا آپ کا کوئی وظیفہ بی مقرر کردیں...تو وہ بنس پڑے اور ہیں آسان کو و کھی رکہا: دو آسانوں والا وہ محمد نہیں بھولے گا... جو تیرا رب ہے دبی میرا رب ہے .... متمہیں نہیں بھولا تو جمعے بھی نہیں بھولا... بخلوق کو حاجت مت بتا ؤ....

س سے زیادہ عزت یا ک....

ا کی مخص نے کہا: یارسول اللہ ﷺ ایمن جا پتا ہوں ... ادید ان اکون اقوی اللہ ہے۔ اور اللہ ان اکون اقوی الناس ... م نہو ... تو آپ ﷺ نے فرمایا ... تو کل علی اللہ تکن اقوی الناس ... تم اللہ پریقین اوراعماد کے لو ... جوتم کے کا پہلانمبر ہے ... کے والایقین ... کہاتم ہے۔

الله رحين اورا مار يورس الوسب عن المارة وراين جا كسي المستخمس بدا -

طاقتۇركوكى نەموكا....

# شيركوتا بع كرتنے كانسخه



الوالحن الذامدكوجس كاش نے الجمي آپ كوقصە سنايا.... يعنى احمد بن طلون معرکا با دشاہ ... کی بات پہ غصے ہو کے ان کوشیر کے سامنے ڈال دیا.... اً باتعه پاون باعده دي ... فيرايك دم فراكرآيا كمان كے لئے ... موكا فير پ فکار ملا...قریب پہنچا تو ایک دم چیچے ہٹ گیا...جیسے آگے بہت بردااس سے مجى براكوني كمرابو ....جواس كوكمان كو ....

شرایک دم بیجیے ہٹ میااور پرآپ کے پاؤں کی طرف آیا اور پاؤل 

انبول نے یو چھا: معزت اشرآپ کے یا دن جاٹ رہاتھا تو آپ کوتو رلگ ربا موگا؟.... كيني لك نبيس درنيس لك ربا تما.... يس بيسوچ ربا قا ال وقت مير بي يا كل موسكة كما ياك ره مكة ... چونكه شير جيات ربا

**---.. توكل على الله تكن اقوى الناس...** 



#### 🦠 مولاناار شلاك بن اخترى تاليفات

















































































